राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 286

मूल्य ₹6 .00, नई दिल्ली, मंगलवार, 24 मार्च 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 14

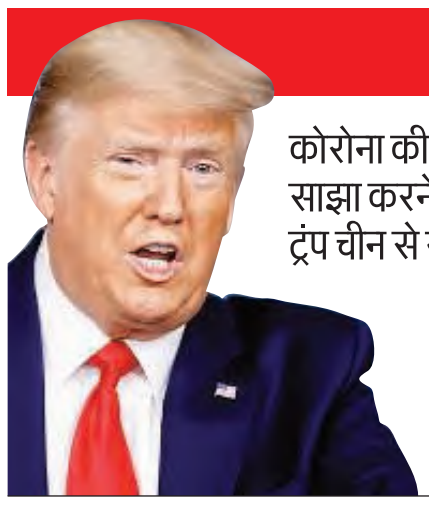

कोरोना की जानकारी साझा करने में देरी पर ट्रंप चीन से नाराज

>> 11

सरोकार

सावधान! कोरोना के दौर में पानी के लिए न पड़ जाए रोना

नई दिल्ली : एक व्यक्ति दिन में न्यूनतम 5 से 7 बार हाथ धो रहा है। घर को स्वच्छ रखने के लिए पोंछा और धुलाई की जा रही है। इससे प्रति व्यक्ति पानी की खपत बढ़ गई है। क्या कहता है ताजा सर्वे, एक रिपोर्ट। (पेज-13)

जागरण विशेष

इलेक्ट्रोस्टेटिक डिस इन्फेक्शन मशीन मददगार साबित होगी

चंडीगढ़ : सीएसआइओ द्वारा तैयार यह मशीन कोरोना वायरस को रोकने में मदद करेगी। छिड़काव करने वाली साधारण मशीनों के मुकाबले यह 80 फीसद अधिक प्रभावी है। आज-कल में दिल्ली में इसका ट्रायल होगा। (पेज-13)

82 जिलों में सेना की कैंटीन बंद, सामान की होम डिलीवरी ● पेज 4

उद्धव ठाकरे बोले, यह निर्णायक जंग का समय ● पेज 4

विदेश में फंसे भारतीयों ने की वापस लाने की गुहार ● पेज 5

कोरोना पर देश की सभी लैब में शोध हुआ शुरू ● पेज 6

कोरोना से जंग में मीडिया की भूमिका को पीएम ने सराहा ● पेज 6

वायरस के सबक भारत के साथ साझा करेगा चीन ● पेज 6

केंद्र के प्रयासों की सुप्रीम कोर्ट ने की तारीफ ● पेज 7

पूरे देश में लॉकडाउन, उल्लंघन पर होगी जेल

लापरवाही पर लगाम ▶ राज्यों को प्रावधानों का सख्ती से पालन कराने का निर्देश

हालात पर नियंत्रण के लिए पंजाब और महाराष्ट्र में कर्फ्यू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना का प्रसार रोकने के लिए लगभग पूरा देश लॉकडाउन कर दिया गया है। सोमवार रात तक 30 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों ने पूर्ण लॉकडाउन का एलान कर दिया। इस बीच, केंद्र सरकार ने राज्यों से लॉकडाउन के प्रावधानों को नहीं मानने वालों पर सख्ती करने को कहा है। इसके तहत गैरजरूरी काम के लिए सड़क पर उतरने की कोशिश की या भीड़ इकट्ठी की तो छह माह की जेल या हजार रुपये जुर्माना या फिर दोनों हो सकता है। लॉकडाउन के आदेश का उल्लंघन कर रहे लोगों पर पीएम नरेंद्र मोदी की नाराजगी के बाद केंद्र की ओर से राज्यों को लॉकडाउन लागू करने के लिए कानूनी प्रावधान अपनाने को कहा गया है। इसके बाद सोमवार रात तक पंजाब, महाराष्ट्र, पुडुचेरी और चंडीगढ़ प्रशासन ने कर्फ्यू का एलान कर दिया था।

लॉकडाउन वाले राज्यों में जरूरी सेवाओं को ही अनुमति दी गई है। साथ ही लोगों को गैरजरूरी काम से बाहर नहीं निकलने को कहा गया है, लेकिन सोमवार को दिल्ली समेत कई शहरों में सड़कों पर हुजूम दिखा, जो कोरोना संक्रमण के प्रसार के लिहाज से न सिर्फ घातक है बल्कि जनता कर्फ्यू जैसे अभियान की मंशा को भी धूमिल करता है। यूं तो पीएम ने रविवार को जनता कर्फ्यू के बीच ही कहा था कि अभी उत्सव मनाने का वक्त नहीं है। कोरोना से जंग लंबी चल सकती है। सोमवार को लोगों का व्यवहार देखकर उनकी नाराजगी फूट पड़ी और उन्होंने चेताया कि अपने और अपने परिवार का तो ध्यान रखें।

स्वास्थ्य मंत्रालय सोमवार को राज्यों को फिर निर्देश दिया कि सोशल डिस्टेंसिंग के लिए लॉकडाउन जैसे प्रावधान का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कदम उठाने होंगे। महामारी रोग कानून 1897 के तहत इसका प्रावधान है। कोरोना के जिन संदिग्धों ने आइसोलेशन में जाने के निर्देशों का उल्लंघन किया है, उन पर भी यह नियम लागू है। केरल समेत कुछ राज्यों में लॉकडाउन व कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों पर यह धारा लगाई गई है।

- गैरजरूरी काम से बाहर निकलने वालों पर होगी कार्रवाई
- छह महीने की जेल या हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान

अभी भी कई लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कृपया अपने आप को बचाएं, अपने परिवार को बचाएं। राज्य सरकारें नियमों का पालन करवाएं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए देश जारी लॉकडाउन के बावजूद लोग सड़कों पर निकलने से नहीं मान रहे हैं। सोमवार को महाराष्ट्र के सोलापुर में पुलिस (सादे कपड़े में)ने ऐसे लोगों के प्रति सख्त रुख अपनाया। प्रेट्र

एम्स में ओपीडी ठप, सिर्फ इमरजेंसी में होगा इलाज

नई दिल्ली : कोरोना वायरस की चपेट में कई डॉक्टरों के आने के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने ओपीडी सेवा पूरी तरह ठप करने का फैसला किया है। मंगलवार से एम्स के मुख्य अस्पताल, कैंसर, न्यूरो व हार्ट सहित सभी सेंटरों में ओपीडी सेवा पूरी तरह से बंद रहेगी। सिर्फ इमरजेंसी सेवा जारी रहेगी। (पेज-2)

आज रात से आना-जाना बिल्कुल बंद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- रेल और सड़क के बाद हवाई यातायात पर भी रोक
- घरेलू उड़ानों पर मंगलवार आधी रात से 31 मार्च तक रोक
- केवल मालवाहक व कुछ विशेष उड़ानों को दी जाएगी अनुमति
- अंतरराष्ट्रीय विमानों के आवागमन पर पहले ही लग चुकी रोक

कोरोना की कड़ी तोड़ने के लिए रेल और सड़क के बाद अब हवाई मार्ग भी पूरी तरह बंद करने का फैसला किया गया है। मंगलवार आधी रात से घरेलू उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह पाबंदी 31 मार्च की आधी रात तक के लिए है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पहले ही 22 से 31 मार्च तक की रोक लग चुकी है।

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए पिछले दो दिन से विभिन्न राज्यों की ओर से यह मांग हो रही थी कि केंद्र उन राज्यों से आने-जाने वाली उड़ानें बंद कर दे। सोमवार को संसद का सत्र भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया और उम्मीद की जा रही है कि सभी सांसद मंगलवार तक अपने-अपने क्षेत्र में होंगे। इसे देखते हुए नागर विमानन मंत्रालय ने मंगलवार की मध्यरात्रि से उड़ानें बंद करने का एलान किया है। सभी एयरलाइनों से कहा गया है कि वे अपनी पहले से तय यात्री उड़ानें मंगलवार 24 मार्च, रात 11:59 मिनट तक पूरी कर लें। इसके बाद सभी यात्री विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ को बंद कर दिया जाएगा। इस दौरान केवल कार्गो यानी मालवाहक विमानों से संबंधित उड़ानों का ही परिचालन होगा। मेडिकल जरूरत वाली और डीजीसीए की अनुमति से कुछ विशेष उड़ानों को भी अनुमति होगी। राज्य सरकारों से संबद्ध विमानों या हेलीकॉप्टर पर प्रतिबंध नहीं रहेगा। इससे पहले सुबह नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सभी एयरपोर्ट और एयरलाइनों को सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों के बारे में दिशानिर्देश जारी किए थे। इसमें कर्मचारियों और यात्रियों को एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने को कहा गया था।

कुछ समय के लिए जेल से रिहा हो सकते हैं कैदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट का सभी राज्यों को हाई पावर कमेटी गठित करने का आदेश

कोरोना जहां दुनिया के लिए अभिशाप बन गया है वहीं कुछ कैदियों को यह थोड़ी राहत भी दे सकता है। कोर्ट ने जेल में बंद कैदियों की कोरोना से सुरक्षा के इंतजामों पर स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई सुनवाई में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 में मिले जीवन के अधिकार के तहत यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि कोरोना संक्रमण जेलों में न फैले। कोर्ट ने जेलों में भीड़ कम करने के लिहाज से ये आदेश जारी किए हैं ताकि कैदियों के बीच निश्चित दूरी सुनिश्चित हो और उन्हें संक्रमण से बचाया जा सके। ध्यान रहे कि कुछ दिन पहले ईरान में बड़ी संख्या में कैदियों की रिहाई की गई है।

मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने आदेश में कहा है कि जेलों में क्षमता से ज्यादा भीड़ गंभीर चिंता का मुद्दा है। विशेषतौर पर कोरोना महामारी को देखते हुए। कोर्ट ने प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को एक हाईपावर कमेटी गठित करने का आदेश दिया। इस कमेटी में स्टेट लीगल सर्विस कमेटी के अध्यक्ष, प्रिंसिपल सेक्रेटरी गृह या जेल और डीजीपी कारागार शामिल होंगे। कोर्ट ने कहा कि यह हाईपावर कमेटी तय करेगी कि किस श्रेणी के कैदियों को अंतरिम जमानत या पैरोल पर कितने समय के लिए रिहा किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि उदाहरण के तौर पर उन कैदियों की रिहाई पर विचार हो सकता है जो सात साल या उससे कम सजा के जुर्म में दोषी या विचाराधीन हैं। या जो लोग कानून में तय अधिकतम सजा से कम सजा पाए हैं। कोर्ट ने साफ किया कि किस श्रेणी के कैदियों की रिहाई होगी यह तय करने का अधिकार हाई पावर कमेटी को ही होगा। कमेटी अपराध की प्रकृति, गंभीरता और कितने साल की सजा हुई आदि पहलुओं पर विचार कर उचित निर्णय लेगी।

कोर्ट ने कैदियों की सुरक्षा के लिए लिया था स्वत : संज्ञान पेज>>7

देश में कोरोना से दो और मौतें, 80 से ज्यादा नए केस मिले

नई दिल्ली : देश में कोरोना से सोमवार को बंगाल व हिमाचल में एक-एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। देश में अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। 80 नए रोगियों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 481 हो गया है। (पेज-4)

छह महीने तक ब्याज रहित हो कर्ज : उद्योग जगत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कोरोना संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योग जगत से की बातचीत
- उद्योग ने रखीं मांगें, पीएम ने मांगा आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में सहयोग

सीआइआइ, फिक्की, एसोचैम की प्रमुख मांगें

- राजकोषीय घाटे की चिंता छोड़ खर्चे को बढ़ाने के हों उपाय
- असंगठित क्षेत्र के कामगारों को 5,000 रुपये पहुंचाएं जाएं
- मौजूदा कर्ज की राशि पर छह माह तक ब्याज नहीं लिया जाए
- किस्त नहीं चुकाने पर भी एनपीए घोषित न हो उद्यमियों का खाता
- ब्याज दरों में तत्काल एक फीसद की कटौती हो सुनिश्चित
- नौ महीनों तक एनसीएलटी में नहीं डाला जाए कोई मामला
- एक शिफ्ट में काम करने की अवधि को बढ़ाया जाए
- बिना विमर्श के उद्योग बंद करने का फरमान न दें राज्य, इससे आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन होता है प्रभावित

कोरोना वायरस से जिस तरह से देश की अर्थव्यवस्था तहस-नहस होने का खतरा पैदा हुआ है उसे रोकने के लिए सरकार की तरफ से जल्द ही एक बड़े आर्थिक पैकेज का एलान हो सकता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोरोना से उत्पन्न चुनौतियों और इससे निबटने के संभावित उपायों पर देश के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये 75 मिनट तक चर्चा की। बताया जाता है कि पीएम खुद 10 मिनट बोले, बाकी वक्त उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की सुनते रहे। संदेश स्पष्ट है कि पीएम अभूतपूर्व संकट के वक्त में उद्योग जगत को साथ लेकर ही हर जरूरी कदम उठाना चाहते हैं।

सीआइआइ, फिक्की, एसोचैम जैसे बड़े उद्योग चैंबरों के प्रमुखों ने जो सुझाव दिए हैं, उसका लब्बोलुआब यही है कि कम आय वर्ग के लोगों के हाथ में पैसा पहुंचाने और उद्योग जगत पर कर्ज चुकाने की लटकी मौजूदा तलवार को हटाने की व्यवस्था होनी चाहिए। उद्योग जगत ने सरकार को यह भी आश्वस्त किया कि वह कोरोना वायरस से लड़ने में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों के निर्माण में हर मुमकिन मदद करेगा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए भी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।

लॉकडाउन से हर प्रकार की औद्योगिक गतिविधियों पर ताला लगता जा रहा है। जिन उद्यमियों की मासिक किस्त कट रही है, उनके लिए इसे जारी रखना मुश्किल हो सकता है। पीएम से मांग की गई कि छह माह तक बकाये कर्ज पर कोई भी ब्याज नहीं लिया जाए। नए कर्ज के लिए ब्याज दर एक फीसद तक घटाने का सुझाव भी दिया गया। (पेज-12 भी देखें)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

कोरोना के खतरे के मद्देनजर संसद सत्र स्थगित

नई दिल्ली : कोरोना के खतरों को देखते हुए आखिरकार संसद का बजट सत्र भी सोमवार को तय समय से 11 दिन पहले ही स्थगित कर दिया गया। पहले लोकसभा ने बिना चर्चा के वित्त विधेयक को पारित कर सरकार के अगले वित्त वर्ष के बजट खर्चों को मंजूरी दे दी। कुछ घंटों बाद राज्यसभा ने भी इसे हरी झंडी दे दी।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 10

शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 3,934 अंक गिरा

नई दिल्ली : कोरोना के बढ़ते प्रकोप से सोमवार को शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। सेंसेक्स 3,934 अंकों की गिरावट के साथ 25,981 .24 अंकों पर बंद हुआ, जो इसका तीन वर्षों का निचला स्तर है। निफ्टी 1,135 .20 अंकों की गिरावट के साथ 7,610 के स्तर पर बंद हुआ।

आयुष्मान भारत योजना को लागू करेगी दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- केजरीवाल सरकार ने बजट में किया प्रावधान
- स्वास्थ्य के लिए बजट में 219 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी
- मोहल्ला क्लीनिकों की संख्या एक हजार करने की योजना

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना को लागू करने से इन्कार कर चुकी दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने आगामी वित्त वर्ष में इसे लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत गरीबों को निजी व सरकारी अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज हो सकेगा। दिल्ली सरकार इसके अलावा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना व दिल्ली स्वास्थ्य विधेयक भी लेकर आएगी ताकि स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर की जा सकें।

अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा सोमवार को पेश बजट में स्वास्थ्य के लिए 7704 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 219 करोड़ ज्यादा है। मौजूदा समय में 451 मोहल्ला क्लीनिक, 45 पॉली क्लीनिक हैं। मोहल्ला क्लीनिकों की संख्या बढ़ाकर एक हजार की जाएगी। इसी तरह 94 डिस्पेंसरियों को पॉली क्लीनिक में विकसित किया जाएगा। इस योजना पर 365 करोड़ खर्च किए जाएंगे। सरकारी अस्पतालों में बेड 10 हजार से बढ़ाकर 26 हजार किए जाएंगे। नए अस्पतालों का निर्माण व 16 मौजूदा अस्पतालों के विस्तार के लिए 2576 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। परियोजना पूरी होने पर 16 हजार नए बेड अस्पतालों में जुड़ जाएंगे। इसके लिए 724 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना शुरू होगी पेज>>2

रामलला को मिला चांदी का सिंहासन

अयोध्या : रामलला को वैकल्पिक गर्भगृह में स्थापित करने की तैयारियों के बीच सोमवार को चांदी का सिंहासन भेंट किया गया। साढ़े नौ किलोग्राम चांदी से निर्मित यह सिंहासन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी एवं अयोध्या राज परिवार के मुखिया बिमलेंद्र मोहन मिश्र ने राजसदन स्थित अपने आवास पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को दान स्वरूप अर्पित किया। यह सिंहासन जयपुर के विशेषज्ञ कलाकारों ने राजसदन में कई दिनों की मेहनत के बाद तैयार किया है। (पेज-3)

आतंकी संगठन टीआरएफ जेके के छह सदस्यीय मॉड्यूल ध्वस्त

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लश्कर-ए-तैयबा ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आइएसआइ) की मदद से द रजिस्टेंस फ्रंट जम्मू-कश्मीर (टीआरएफ जेके) नामक संगठन तैयार किया है। यह संगठन किसी वारदात को अंजाम देता, उससे पहले पुलिस ने सेना की मदद से इसके छह सदस्यीय मॉड्यूल को ध्वस्त कर बड़ी मात्रा में हथियार व गोलाबारूद बरामद किया है। पेज-13)

मप्र में चौथी बार 'शिव-राज'

राज्य ब्यूरो, भोपाल

- सादे समारोह में राज्यपाल लालजी टंडन ने दिलाई मुख्यमंत्री पद की शपथ
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये दिल्ली से हुआ विधायक दल की बैठक का संचालन

करीब पंद्रह महीने विपक्ष में रहने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने चौथी बार मध्य प्रदेश की कमान संभाल ली है। सोमवार रात नौ बजे राज्यपाल लालजी टंडन ने राजभवन में आयोजित सादे समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कैबिनेट के बाकी मंत्रियों को कुछ दिनों बाद शपथ दिलाई जाएगी। शिवराज चौथी बार मुख्यमंत्री बनने वाले मप्र के पहले राजनेता हैं। इससे पहले उन्होंने 13 साल तक प्रदेश के सीएम की कुर्सी संभाली है।

शपथ से पहले भाजपा विधायक दल की बैठक में शिवराज को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। विधायक दल की बैठक का संचालन दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये केंद्रीय पर्यवेक्षक और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह व मप्र प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने किया। यह देश में पहला अवसर था, जब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये विधायक दल का नेता चुना गया। सबसे पहले गोपाल भार्गव ने नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दिया। भार्गव ने ही शिवराज को विधायक दल का नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा। पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, गोपीलाल जाटव, मीना सिंह और पारस जैन ने शिवराज के नाम का समर्थन किया। इस दौरान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने शिवराज का स्वागत किया।

शिवराज सिंह

हाईकमान ने बदला फैसला पेज>>13

ब्रिटेन में स्वास्थ्य सेवाओं में मदद के लिए सेना को लगाया गया

लंदन : ब्रिटेन में स्वास्थ्य सेवाओं में मदद के लिए सेना को उतार दिया गया है। जवानों को अस्पताल में उपकरणों की आपूर्ति का काम दिया गया है। सरकार ने लोगों को घरों में रहने और एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए और कड़े नियम लागू किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में अब तक कोरोना संक्रमण से 281 लोगों की मौत हो चुकी है। (पेज-11)

नक्सलियों के खिलाफ नहीं रुकेगा 'प्रहार', जंगलों में फिर घुसेंगे जवान

रायपुर : छत्तीसगढ़ के सुकमा में हमले में 17 जवानों के शहीद होने के बाद भी फोर्स का मनोबल टूटा नहीं है। सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा में नक्सल विरोध अभियान ऑपरेशन प्रहार जारी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के विशेष सुरक्षा सलाहकार के. विजय कुमार और डीजीपी ने सुकमा में बैठक ली और दो टूक कहा कि नक्सलियों की हरकत के बाद भी ऑपरेशन प्रहार नहीं रुकेगा। (पेज-12)

प्रयास

आज शुरुआती आंकड़े जारी किए जाने की संभावना, कम्युनिटी ट्रांसमिशन न होने से सटीक अनुमान मुश्किल

वायरस के खतरे का अनुमान लगाने में जुटी आइसीएमआर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

इटली, अमेरिका, चीन समेत कई देशों में कहर बरपाने वाला कोरोना भारत में क्या रंग दिखाएगा इसे लेकर अभी भी असमंजस है। कोरोना वायरस के प्रसार पर नजर रखने वाली देश की प्रमुख संस्था भारतीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) इस सवाल का जवाब ढूंढने में लगी है और मंगलवार को इसके अनुमानित आंकड़े जारी किए जा सकते हैं।

दरअसल वैश्विक महामारी का रूप धारण करने वाला कोई वायरस कितने लोगों को ग्रसित कर सकता है, यह जानने का एक जटिल गणितीय फार्मूला है। सामान्य तौर पर यह गणितीय फार्मूला तब लागू होता है जब कम्युनिटी ट्रांसमिशन का फेज शुरू हो। भारत में यह फेज अभी शुरू नहीं हुआ है लेकिन जिस तरह आंकड़े बढ़ रहे हैं, उसमें यह कहा जा सकता है कि अब तीसरा चरण शुरू हो सकता है।

यह चरण जब शुरू होगा तब स्थिति को नियंत्रित करने में ज्यादा मशक्कत करनी होगी। बहरहाल आइसीएमआर अभी तक विश्व के कई देशों में कोरोना के फैलाव को आधार बनाकर अध्ययन कर रही है। उसका पहला आकलन मंगलवार को दिया जा सकता है।

इसमें तीन तरह के अनुमान होंगे। पहला- भारत के लिए सबसे बेहतर क्या हो सकता है। यानी कोरोना वायरस का सबसे कम कितना प्रभाव हो सकता है। दूसरा-सबसे खराब स्थिति क्या हो सकती है और कितने लोग इस वायरस से प्रभावित हो सकते हैं। तीसरा-एक बीच का अनुमान भी होगा, जिसमें यह बताया जाएगा कि यदि कोरोना के प्रसार की कड़ी तोड़ने में सरकार के प्रयास में कुछ सफलता मिलती है, तो इसका कितना और कैसा प्रभाव होगा। यूं तो केंद्र की ओर से राज्यों को यही संकेत दिया जा रहा है कि हर स्थिति यानी बुरी से बुरी स्थिति के लिए भी तैयारी कर लें। लेकिन तैयारी का असली रोडमैप आइसीएमआर के आकलन के आधार पर ही शुरू होगा।

कोरोना से बचाव में हर कोई न लेने लगे मलेरिया की दवा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना संकट से निपटने के लिए गठित नेशनल टास्क फोर्स ने मलेरिया की दवा (हाइड्रोक्सी-क्लोरोक्विन) के इस्तेमाल को लेकर एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत हर किसी को कोरोना की आशंका के आधार पर इसके सेवन से बचने की हिदायत दी है। साथ ही कहा है कि इसे सिर्फ हाइरिस्क में काम करने वाले लोगों को ही दिया जाए। जिसमें हेल्थकेयर वर्कर या फिर जिनके टेस्ट में इसकी पुष्टि हो गई है।

दरअसल अमेरिका और फ्रांस की ओर से इसके प्रभावी होने की बात कहे जाने के बाद लोगों द्वारा इस दवा का अपने आप से दवा की दुकानों से खरीदकर इस्तेमाल करने की सूचनाएं मिल रही थीं। इस पर टास्क फोर्स ने दवा विक्रेताओं से इस दवा को सिर्फ रजिस्टर्ड डाक्टरों के पर्चे पर ही किसी को देने का निर्देश दिया है। वहीं ड्रग्स कंट्रोलर जनरल आफ इंडिया से इसके प्रतिबंधित इस्तेमाल की मंजूरी देने की भी सिफारिश की है। यह निर्देश इसलिए भी अहम है, क्योंकि मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली इस दवा को भले ही उसने कोरोना के इलाज में उपयुक्त पाया है, लेकिन अभी इसका ट्रायल नहीं हुआ है। ।

हाइरिस्क मामले में इस तरह करें इस्तेमाल : आइसीएमआर ने एडवाइजरी में हाइरिस्क में काम करने वालों लोगों को किस तरह से इसे देना है यह समझाया है। इसके तहत कोरोना पाजिटिव मिलने पर पहले दिन पूरे दिन में दो बार 400 मिलीग्राम दी जाए। जबकि अगले सात हफ्ते तक इसे हर हफ्ते सिर्फ एक बार 400 मिलीग्राम (एमजी) खाने के साथ ही दी जाए।

टोक्यो ओलंपिक को स्थगित कर सकता है आइओसी

- जापान के प्रधानमंत्री ने कहा कि ओलंपिक स्थगित करना अनिवार्य हो सकता है

तुसाने, एएफपी : अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (आइओसी) टोक्यो ओलंपिक को स्थगित कर सकता है। वह इस पर चार सप्ताह के अंदर ही फैसला कर लेगा, जबकि कनाडा ने साफ कहा है कि वह इन खेलों में दल नहीं भेजेगा। ऑस्ट्रेलिया ने भी कहा है कि वह 2021 टोक्यो ओलंपिक के लिए तैयारी करेंगे। दूसरी ओर, जापान के प्रधानमंत्री एबी शिंजो ने कहा है कि ओलंपिक को स्थगित करना अनिवार्य हो सकता है। आइओसी इस पर जल्द फैसला लेगा। अगर खेल स्थगित होते हैं तो इस प्रक्रिया में बहुत काम बाकी है इसलिए जल्द से जल्द काम शुरू करना चाहिए। आइओसी अब जापान सरकार, वैश्विक खेल अधिकारियों, प्रसारकों और प्रायोजकों से बात करके फैसला लेगा।

आइओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने खिलाड़ियों को पत्र लिखकर बताया है कि इस फैसले में इतना समय क्यों लग रहा है। उन्होंने लिखा कि मैं जानता हूं कि इस अभूतपूर्व स्थिति में आपके जेहन में कई सवाल होंगे। मैं जानता हूं कि इस जच्बाती समय में इस तरह का व्यवहारिक रवैया आपको सही नहीं लगेगा।

कनाडा ओलंपिक समिति व पैरालंपिक समिति ने कहा कि कोरोना के चलते वह ओलंपिक और पैरालंपिक 2020 में हिस्सा नहीं लेगा। बीते 48 घंटे में कई और देशों के खेल संघ और ओलंपिक समितियां भी आइओसी पर यह दबाव डाल रहे हैं कि 24 जुलाई से शुरू होने वाले इन खेलों को स्थगित किया जाए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ओलंपिक समिति ने कहा कि यह लगभग साफ हो गया है कि ओलंपिक निर्धारित समय पर नहीं हो सकेंगे इसलिए खिलाड़ी 2021 ओलंपिक के लिए तैयारी करें।

65 हजार करोड़ के बजट में शिक्षा पर जोर

वीके शुक्ला, नई दिल्ली

दिल्ली लॉकडाउन के बीच सोमवार को वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने विधानसभा में आगामी वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 65 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट पेश करने के बाद उसे पारित करने की औपचारिकता तुरंत पूरी की गई। पिछली बार की तुलना में इस बार दिल्ली का बजट 5000 करोड़ रुपये अधिक है। विगत वर्षों की तरह सरकार का इस बार भी शिक्षा पर पूरा जोर है। पूरे बजट का करीब एक चौथाई भाग शिक्षा के लिए आवंटित किया गया है।

सिसोदिया की ओर से विधानसभा में पेश किए गए बजट में सरकार का फोकस शिक्षा के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य, वायु प्रदूषण और सामाजिक सुरक्षा पर रहा। सरकार ने कोरोना से लड़ने के लिए भी बजट में 53 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। विधानसभा का बजट सत्र करीब डेढ़ घंटे की बैठक के बाद संपन्न हो गया। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने राजधानीवासियों के लिए जनहित की योजनाओं का एलान किया। सिसोदिया ने सबसे अधिक 15 हजार 815 करोड़ रुपये शिक्षा के लिए रखा है। शिक्षा बजट में सरकार ने 145 नए स्कूल ऑफ एक्सिलेंस, डिजिटल क्लास, अभिभावकों के लिए कार्यशाला, तीन से छह साल के बच्चों की शिक्षा के लिए नया कानून समेत दिल्ली के अपने शिक्षा बोर्ड की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि हमने बच्चों के लिए होने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट एसेसमेंट टेस्ट में 2024 में शामिल होने का लक्ष्य रखा है। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय पिछले पांच साल में 44 फीसद बढ़ी है।

विधानसभा में बजट पेश करने जाते उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया। जागरण

ये रहीं खास बातें

- **शिक्षा** : दिल्ली में राज्य शिक्षा बोर्ड का गठन होगा।
- तीन से छह साल के बच्चों के लिए कानून लाएंगे।
- वर्ष 2034 की दुनिया के लिए बच्चों को तैयार करेंगे।
- 17 नए स्कूल के साथ 20,000 नए क्लासरूम बनेंगे।
- 90 स्कूलों को सिंगल शिफ्ट में किए जाने का प्रस्ताव ।
- डिजिटल क्लास रूम के लिए 100 करोड़ का प्रावधान।
- राजधानी में 145 स्कूल ऑफ एक्सिलेंस खोले जाएंगे।
- 2024 में हैप्पीनेस क्लास को दुनिया के शिक्षा के नक्शे पर लाएंगे।
- देशभक्ति का पाठ्यक्रम लाएंगे। बड़ी क्लास के सभी बच्चों को अखबार देंगे।
- इंग्लिश स्पीकिंग क्लास जारी रहेगी। इसके लिए 12 करोड़ प्रस्तावित।
- हेल्थ कार्ड जारी होगा, पीटीएम के साथ पैरेंटिंग वर्कशॉप आयोजित की जाएगी।
- **स्वास्थ्य** : आयुष्मान योजना लागू करेगी दिल्ली सरकार।
- कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए 53 करोड़ का प्रावधान।
- मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की घोषणा।
- **सार्वजनिक परिवहन** : दिल्ली में आएंगी 11 हजार बसें। डीटीसी के लिए 250 करोड़ और क्लस्टर बसों के लिए 1100 करोड़ की राशि निर्धारित।
- 500 किलोमीटर बढ़ेगा दिल्ली मेट्रो का दायरा, चौथे चरण के लिए 900 करोड़ का प्रावधान।
- **महिला सुरक्षा** : सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए 250 करोड़ रुपये दिए गए।
- **बिजली-पानी** : दिल्लीवालों को बिजली में दी जा रही सब्सिडी आगामी वित्तीय वर्ष में भी जारी रहेगी।
- सरकार ने बजट में भूजल स्तर में सुधार के लिए 50 करोड़ का प्रावधान किया।
- सभी कॉलोनियों में पहुंचेगा पानी।
- वर्षा जल संचयन के लिए लगेंगे प्लांट
- दिल्ली सरकार की सीवर कनेक्शन योजना शुरू होगी।
- सीवर कनेक्शन के लिए 31 मार्च तक आवेदन करने वालों को कोई शुल्क नहीं।
- **वायु प्रदूषण** : राजधानी में प्रदूषण नियंत्रण के लिए 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया।
- दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिए लगाए जाएंगे पर्यावरण मार्शल।
- पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन सिटीजन पुरस्कार दिए जाएंगे।
- **अनधिकृत कॉलोनियां** : अनधिकृत कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं के लिए 1700 करोड़।
- **शहरी विकास** : मुख्यमंत्री मोहल्ला सुधार योजना शुरू होगी। इसके लिए 100 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।
- **सामाजिक कार्य** : दिवाली के साथ-साथ पूर्वांचल उत्सव मनाया जाएगा।
- दंगों को देखते हुए पीस एंड हारमनी नाम से योजना आएगी।
- महिला सम्मान के लिए 2520 करोड़ की घोषणा।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना

प्रथम पृष्ठ से आगे

सरकार ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना शुरू करने की घोषणा की है। इसके अंतर्गत निजी लैब में निःशुल्क रेडियोलॉजी से संबंधित जांच व निजी अस्पतालों में निःशुल्क सर्जरी की योजना शामिल होगी। फिलहाल सरकार यह सुविधा दिल्ली आरोग्य कोष के माध्यम से उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के लिए सरकार ने 125 करोड़ का प्रावधान किया है। इसमें 1016 सर्जरी के पैकेज शामिल किए गए हैं। सभी लोगों को मुख्यमंत्री हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। गैर पंजीकृत केंद्रों या गैर पंजीकृत मशीन द्वारा भ्रूण परीक्षण करने वालों की सूचना देने वाले लोगों को 50 हजार रुपये और रोगी बनकर स्टिंग करने वालों को डेढ लाख रुपये पुरस्कार मिलेगा।

स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए 55 फीसद अधिक बजट। प्रस्तावित बजट में 3952 करोड़ रुपये स्वास्थ्य योजनाओं व कार्यक्रमों के लिए निर्धारित किए गए हैं। पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 2,551 करोड़ थी जो पिछले साल के मुकाबले 55 फीसद ज्यादा है।

भाजपा ने बजट को बताया दिशाहीन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : भाजपा ने दिल्ली सरकार के बजट को दिशाहीन और निराशाजनक बताया है। प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्लवासियों को बजट से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन एक बार फिर अरविंद केजरीवाल सरकार ने लोगों के साथ सौतेला व्यवहार किया है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी लोगों को सिर्फ सपने दिखाए गए हैं। कोई भी नई योजना शुरू नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के लिए दिल्ली का विकास कभी प्राथमिकता नहीं थी और बजट पेश होने के बाद यह साबित भी हो गया है। नए स्कूल, नए कॉलेज, नए अस्पताल, नई बसें, फ्री वाई फाई की बात तो दिल्ली सरकार पिछले पांच वर्षों से करती आ रही है, लेकिन आज तक जमीनी स्तर पर कुछ नहीं किया गया।स्वास्थ्य और सुरक्षा की परवाह किए बगैर नगर निगम कर्मचारी कोरोना महामारी से दिल्लीवासियों को बचाने के लिए सफाई का काम कर रहे हैं। उम्मीद थी कि केजरीवाल सरकार नगर निगमों को अधिक फंड मुहैया करवाएगी, लेकिन निराशा हाथ लगी।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सफाई कर्मचारियों के बकाया का भुगतान करने और उन्हें नियमित करने की मांग की।

न्यूज गैलरी

दिल्ली-एनसीआर के 55 स्टेशनों पर ही मिलेगी सीएनजी

नई दिल्ली : लॉक डाउन के दौरान 31 मार्च तक दिल्ली-एनसीआर के 55 सीएनजी स्टेशनों पर ही सीएनजी भरवाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। दिल्ली में 44, गाजियाबाद में पांच, नोएडा में तीन, ग्रेटर नोएडा में दो और गुरुग्राम के एक ही सीएनजी स्टेशन पर यह सुविधा मिलेगी। वहीं, दिल्ली सार्वजनिक परिवहन निगम (डीटीसी) बस डिपो में सीएनजी पंप जरूरत के अनुसार संचालित रहेंगे। दिल्ली-एनसीआर में आइजीएल के 520 से अधिक सीएनजी स्टेशन है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आइजीएल) ने जारी बयान में बताया कि दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में लॉकडाउन की घोषणा को देखते हुए उसने अपनी सेवा में कटौती का निर्णय लिया है। गैस भरवाने की सीमित सुविधा आवश्यक सेवाओं में लगे वाहनों की जरूरत को देखते हुए की गई है। आइजीएल ने बताया कि घरेलू गैस पीएनजी की आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रहेगी। (जासं)

दो दिन में राजधानी में नहीं हुआ कोई सड़क हादसा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री के आह्वान पर जनता कर्फ्यू और दिल्ली सरकार के आदेश पर सोमवार को लॉकडाउन के कारण सड़कों पर वाहनों की संख्या में भारी कमी आई। जिन सड़कों पर सुबह-शाम जाम रहता था, वहां इक्का-दुक्का वाहन नजर आए। इससे सड़क हादसों की संख्या भी शून्य हो गई। रविवार और सोमवार को राजधानी में एक भी हादसे की सूचना नहीं है। यातायात पुलिस के मुताबिक ऐसा कोई भी मामला रविवार और सोमवार को सामने नहीं आया है। यातायात पुलिस ने भी लोगों से अपील की है कि वे घरों से न निकलें। किसी भी कार्य की अनिवार्यता को जब तक हो सके उसे टालते रहें। अति गंभीर परिस्थिति में ही लोग घरों से बाहर निकलें। जिससे कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए जो व्यवस्था की गई है, उसमें कामयाबी मिल सके। (जासं)

एयरपोर्ट क्वारंटाइन सेंटर पर 19485 यात्रियों की हुई स्क्रीनिंग

नई दिल्ली : रविवार और सोमवार की आधी रात से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद होने के साथ सोमवार को दोपहर एक बजे इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर उतरे सभी यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग का काम पूरा कर लिया गया। साथ ही दिन के एक बजे यहां का क्वारंटाइन सेंटर भी बंद कर दिया गया। इसके बंद होने तक 19485 यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इसमें से कोराना वायरस से पीड़ित 12 यात्रियों को सीधे अस्पताल भेजा जा चुका है। संदिग्ध 1197 यात्रियों को क्वारंटाइन सेंटर भेजा जा चुका है। (जासं)

लॉकडाउन के उल्लंघन पर होगी सख्ती

मुख्यमंत्री की अपील ▶ मकान मालिक अपने किरायेदारों से अभी न लें किराया

मिड-डे-मील एवं आंगनबाड़ी के बच्चों के घर खाने के पैकेट भेजे जाएंगे

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लॉकडाउन का पालन नहीं करने वालों पर सख्ती करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस बहुत खतरनाक है और गुणात्मक रूप से बहुत तेजी से फैलता है। इसलिए लॉकडाउन करना बेहद जरूरी है। सोमवार को पहले दिन लोगों ने लॉकडाउन का पालन नहीं किया। ऐसे में लोगों पर अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में अभी तक कुल 30 केस आ चुके हैं, जिसमें सात केस एक-दूसरे के संपर्क में आने के हैं, जबकि 23 केस विदेश से आए लोगों के हैं। आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों की परेशानी देखते हुए मंगलवार से 25 फीसद की जगह 50 फीसद बसें सड़क पर उतरेंगी। मुख्यमंत्री ने मकान मालिकों से अपील की है कि ऐसे वक्त में वे अपने किरायेदारों से अभी किराया न लें। उन्होंने कहा कि मिड-डे-मील एवं आंगनबाड़ी के बच्चों के घर खाने के पैकेट भी भेजे जाएंगे।

कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर सोमवार शाम डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस कर केजरीवाल ने दिल्ली के निवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश और दिल्ली में कोरोना की वजह से जो स्थिति बनी है, उसे देखते हुए हमें दिल्ली में लॉकडाउन करना पड़ा है। ज्यादातर लोग इसका पालन कर रहे हैं, लेकिन बहुत से लोग नहीं कर रहे हैं। ऐसे लोगों से कहना चाहता हूं कि वे यह अच्छी तरह से समझ लें कि हमें लॉकडाउन क्यों करना पड़ा है। यह आपकी सेहत, जिंदगी और आपके परिवार की जिंदगी के लिए कर रहे हैं। कोरोना वायरस पूरी दुनिया तबाही मचा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक दिल्ली में 30 केस आए हैं। इन 30 में से 23 ऐसे हैं, जो विदेशों से लोग आए थे। इन लोगों से सात लोग बीमार हुए हैं। इससे लगता है कि दिल्ली की स्थिति अभी नियंत्रण में है, जो अच्छी बात है, लेकिन अभी पीठ थपथपाने की बात नहीं है। अभी हमें इसे और नियंत्रित करने की जरूरत है। यदि हमने इसे नियंत्रित कर लिया, तो बहुत अच्छा होगा।

उन्होंने कहा कि मान लीजिए आज हम लॉकडॉउन नहीं करते हैं। इसे नियंत्रित नहीं करते हैं और यह फैल जाता है। दिल्ली में अगले कुछ दिनों के अंदर 15 से 20 हजार केस हो जाते हैं, तो अस्पातलों के बेड कम पड़ जाएंगे। तब लॉकडाउन का कोई फायदा नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान गरीबों को बहुत मार पड़ रही है। उनके लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं, और आगे भी कदम उठाए जाएंगे। 72 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें 7.5 किलो गेहूं और चावल मुफ्त दिया जा रहा है। 8.5 लाख बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों को 4000 से 5000 रुपये पेंशन दें रहे हैं। रैन बसेरा में हर जगह दोपहर और रात का भोजन मुफ्त दिया जा रहा है। किसी को भी खाने की दिक्कत है तो वह वहां जाकर खा सकता है। राशन 30 मार्च तक दुकानों में पहुंच जाएगा। किसी को पेरशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। सौ. दिल्ली सरकार

राजधानी में आने के लिए लेना होगा कर्फ्यू पास

जासं, नई दिल्ली : कोरोना वायरस के प्रभाव को देखते हुए दिल्ली में आने-जाने वाले लोगों के साथ वाहनों को भी सीमित किया जाएगा। आवश्यक कार्य और जरूरी सामान से जुड़ी सेवाओं को जारी रखने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा कर्फ्यू पास जारी किए जाएंगे। ये पास सिर्फ उन्हीं सेवाओं से जुड़े एनसीआर के लोगों और वाहनों के लिए जारी किए जाएंगे, जिनका सीधा संबंध दिल्ली से है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक गुरुग्राम और मानेसर से दिल्ली आने वाले वाहनों के लिए कर्फ्यू पास दक्षिणी पश्चिमी जिले के डीसीपी कार्यालय से मिलेंगे। फरीदाबाद से आने वाले वाहनों के लिए कर्फ्यू पास दक्षिणी पूर्वी जिले के डीसीपी कार्यालय से मिलेंगे। गाजियाबाद से आने वाले वाहनों के लिए कर्फ्यू पास शहादरा जिले के डीसीपी कार्यालय से मिलेंगे। नोएडा से आने वाले वाहनों के लिए पूर्वी दिल्ली जिले के डीसीपी कार्यालय से पास मिलेंगे। सोनीपत से आने वाले वाहनों के लिए बाहरी उत्तरी दिल्ली जिले से और बहादुरगढ़ और झज्जर से आने वाले वाहनों के लिए बाहरी दिल्ली जिले के डीसीपी कार्यालय से कर्फ्यू पास मिलेंगे।

हाई कोर्ट समेत सभी अदालतें चार अप्रैल तक बंद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें दिल्ली हाई कोर्ट समेत सभी निचली अदालतों की कार्यवाही को निलंबित कर दिया। हाई कोर्ट में आने वाले महत्वपूर्ण मामले फोन के माध्यम से रजिस्ट्रार व संयुक्त रजिस्ट्रार के समक्ष मेंशन किए जा सकेंगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए इनकी सुनवाई वीडियो कांफ्रेंसिंग से होगी। मुख्य न्यायमूर्ति डीएन पटेल की अध्यक्षता में आठ न्यायमूर्तियों की कमेटी में यह फैसला लिया गया। इस संबंध में रजिस्ट्रार जनरल ने अधिसूचना जारी की।

कमेटी ने सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीश को निर्देश दिया कि न्यायिक अधिकारियों का रोस्टर तैयार करें, जो कि नई गिरफ्तारी के मामलों पर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। अतिमहत्वपूर्ण नए मामलों के लिए प्रत्येक जिले में एक प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया जाए, जिससे अधिवक्ता व पक्षकार फोन के जरिये संपर्क कर सकेंगे। कमेटी ने इसके साथ ही यह भी कहा कि दिल्ली ज्यूडिशियल एकेडमी के सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम चार अप्रैल तक के लिए बंद रहेंगे। कमेटी ने कहा कि लॉकडाउन एवं कार्य के निलंबन को कोर्ट के बंद होने के तौर पर देखा जाना चाहिए। ऐसे में 23 मार्च से चार अप्रैल अदालत की कार्यवाही बंद करने का फैसला किया गया है।

कैदियों को पैरोल व फरलो दे सकती है दिल्ली सरकार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी में स्थित तिहाड़ समेत विभिन्न जेलों में कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए दिल्ली सरकार कैदियों को विशेष पैरोल व फरलो पर छोड़ने पर विचार कर रही है। सोमवार को हाई कोर्ट यह जानकारी दी गई।

दिल्ली सरकार ने कोर्ट को बताया कि ऐसा करने के लिए वह जेल कानून में संशोधन करने जा रही है। एडिशनल स्टैंडिंग काउंसिल अनुज अग्रवाल ने न्यायमूर्ति हिमा कोहली एवं न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ को बताया कि जेल मैनुअल में संशोधन एक ही दिन में हो जाएगा और इसे लागू कर दिया जाएगा।

अनुज अग्रवाल ने पीठ को बताया कि विशेष परिस्थिति या आकस्मिक स्थिति को देखते हुए कैदियों को 60 दिन की पैरोल पर रिहा किया जाएगा। स्थिति के अनुसार फरलो की भी अवधि तय होगी। पीठ ने कहा कि सरकार अपने नियम में जल्द बदलाव करे और कैदियों को राहत दिलाए। कोर्ट ने यह कहते हुए जेल में भीड़ कम करने की मांग वाली दो अधिवक्ताओं की याचिका का निपटारा कर दिया।

यमुना एक्सप्रेस-वे को किया गया बंद

जागरण संवाददाता ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा से शुरू होकर आगरा तक जाने वाले यमुना एक्सप्रेस-वे को लाख डाउन के चलते बंद कर दिया गया है। सोमवार को देर रात यमुना एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले कमर्शियल वाहनों का चालान किया गया। 165 किलोमीटर लंबा यमुना एक्सप्रेस-वे गौतमबुद्ध नगर अलीगढ़ मथुरा और आगरा जिले की सीमा से होता हुआ गुजरता है। अब यमुना एक्सप्रेस वे के बंद होने से लोग इन जिलों के अलावा लखनऊ भी नहीं जा सकेंगे।

दरअसल, लखनऊ जाने वाले यात्रियों को यमुना एक्सप्रेस वे से होकर जाना पड़ता था कोरोना के कहर के चलते लाक डाउन के मद्देनजर यमुना एक्सप्रेस-वे को बंद करने का निर्णय लिया गया है सोमवार सुबह से लेकर रात तक लॉकडाउन का उल्लंघन कर सैकड़ों की संख्या में वाहन यमुना एक्सप्रेस वे से बेधड़क गुजरे हालांकि रात होते-होते लॉकडाउन का असर यमुना एक्सप्रेस वे पर दिखने लगा और देर रात यमुना एक्सप्रेस-वे को पूरी तरह से बंद कर दिया गया।

एम्स में ओपीडी ठप, सिर्फ इमरजेंसी में होगा इलाज

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : कोरोना के तेजी से बढ़ते संक्रमण और दिल्ली सहित कई शहरों में डॉक्टरों के इसके चपेट में आने की घटनाओं के बीच एम्स ने ओपीडी सेवा पूरी तरह ठप करने का फैसला किया है। मंगलवार से एम्स के मुख्य अस्पताल, कैंसर, न्यूरो व हार्ट सहित सभी सेंटरों में ओपीडी सेवा पूरी तरह से बंद रहेगी। नए या पुराने कोई मरीज नहीं देखे जाएंगे। इससे कैंसर, दिल व न्यूरो की बीमारियों से पीड़ित मरीजों को परेशान होना पड़ सकता है। सिर्फ इमरजेंसी सेवा जारी रहेगी, जहां गंभीर मरीज देखे जाएंगे। संस्थान के डॉक्टर कहते हैं कि कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए अस्पताल में भीड़ कम करना आवश्यक है। यही वजह है कि ओपीडी बंद करने का कदम उठाया गया है। इसके अलावा विपरीत परिस्थिति में कोरोना के इलाज के लिए भी तैयारियां की जा रही हैं। फिलहाल संस्थान में नवनिर्मित बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर में कोरोना के इलाज के लिए व्यवस्था की गई है। इसके अलावा संस्थान में 288 कमरों का प्राइवेट वार्ड है। इसका इस्तेमाल कोरोना के इलाज में हो सकता है। इन तमाम कारणों से एम्स में ओपीडी लॉकडाउन कर दी गई।

वैसे भी एम्स रुटीन सर्जरी पहले ही बंद कर चुका है। दो दिन पहले ओपीडी में अप्वाइंटमेंट के बगैर इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों का पंजीकरण नहीं करने का फैसला किया गया था। दिल्ली के लॉकडाउन होने के बाद दूसरे राज्यों से मरीजों का पहुंचना भी बंद हो गया है। इस वजह से सोमवार को एम्स की ओपीडी में बहुत कम मरीज इलाज के लिए पहुंचे।

कल से नवरात्र शुरू, रामनवमी दो अप्रैल को

भारतीय नववर्ष के प्रथम दिन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होने वाला वासंतिक नवरात्र इस बार 25 मार्च को प्रारंभ हो रहा है जो दो अप्रैल रामनवमी तक चलेगा। नवरात्र व्रत पारन तीन अप्रैल को किया जाएगा। नवरात्र इस बार नौ दिनों का होगा। मां पराम्बा का आगमन इस बार नौका पर और गमन हाथी पर हो रहा है, दोनों का फल शुभ है।

कलश स्थापना

काशी के ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार घट स्थापना के लिए प्रातः काल का समय विशेष शुभ माना जाता है। प्रातः 5.58 से 09 बजे तक जो लोग कलश स्थापना न कर सकें, उनके लिए अभिजीत मुहूर्त सुबह 11.36 से 12.25 तक शुभ रहेगा। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि 25 मार्च को दिन में 3.51 बजे तक रहेगी। इस समय तक स्थापना अवश्य कर लें।

महानिशा पूजा

शास्त्र अनुसार महानिशा पूजा सप्तमी युक्त अष्टमी या मध्य रात्रि में निशीथ व्यापिनी अष्टमी में होनी चाहिए, जो 31 मार्च-1 अप्रैल की रात मिलेगी। महानिशा पूजन इसी दिन किया जाएगा। महाअष्टमी व्रत एक अप्रैल को किया जाएगा। चैत्र शुक्ल नवमी दो अप्रैल को मध्याह्न में व्याप्त होने से उसी तिथि को श्रीरामनवमी मनाई जाएगी।

पूजन विधान

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि में प्रातः नित्य कर्मादि-स्नानादि कर संकल्पित हो ब्रह्मा जी का आह्वान करना चाहिए।

आगमन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, यज्ञोपवीत, गंध, अक्षत-पुष्प, धूप-दीप, नैवेद्य-तांबूल, नमस्कार-पुष्पांजलि एवं प्रार्थना आदि उपचारों से पूजन करना चाहिए। नवीन पंचांग से नव वर्ष के राजा, मंत्री, सेनाध्यक्ष, धनाधीप, धान्याधीप, दुर्गाधीप, संवत्वर निवास और फलाधीप आदि का फल श्रवण करना चाहिए। निवास स्थान को ध्वजा-पताका, तोरण-बंदनवार आदि से सुशोभित करना चाहिए। देवी पूजन के निमित्त तय स्थल को सुसज्जित कर गणपति व मातृका पूजन कर घट स्थापना करना चाहिए। इसके लिए लकड़ी के पटरे पर पानी में गेरू घोल कर नौ देवियों की आकृति बना कर नौ देवियों अथवा सिंह वाहिनी दुर्गा का चित्र या प्रतिमा पटरे पर या इसके पास रखनी चाहिए। पीली मिट्टी की एक डली व एक कलावा लपेट कर उसे गणेश स्वरूप में कलश पर विराजमान कराने के साथ ही घट के पास गेहूं या जौ का पात्र रखकर वरुण पूजन और भगवती का आह्वान करना चाहिए।

आशंका दूर

कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते सभी राज्यों की सीबीएसई और जेईई मेंस-2020 की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं, छात्राओं को हो रही थी तारीखें टकराने की शंका

सीबीएसई-जेईई की परीक्षा तारीखें नहीं टकराएंगी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

देशभर में कोरोना वायरस आपदा के चलते सभी राज्यों की केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और जेईई मेंस-2020 की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेश के बाद सीबीएसई बोर्ड ने 31 मार्च तक अपनी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। वहीं, जेईई मेंस की अप्रैल में होने वाली परीक्षा भी स्थगित हो गई है। इस बीच अगर मौजूदा स्थिति में कुछ सुधार दिखा तो बोर्ड और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से 31 मार्च को स्थिति देखने के बाद नई तारीखों की घोषणा किए जाने की संभावना है। परीक्षाओं की तारीखें टलने के बाद छात्रों में बड़ी असमंजस की स्थिति थी कि आगे चलकर दोनों परीक्षाओं की तारीखें टकरा सकती हैं, क्योंकि 12वीं बोर्ड के आठ पेपर अभी होने बाकी हैं।

छात्रों की इस परेशानी को दूर करते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने स्पष्ट किया है कि बोर्ड की और जेईई मेंस परीक्षा की नई तारीखें घोषित होने पर परीक्षा की तारीखों में टकराव की स्थिति नहीं बनेगी।

सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने बताया कि सीबीएसई और एनटीए दोनों मिलकर परीक्षा की नई तारीख तय करेंगे। पहले दिल्ली के उत्तर-पूर्वी इलाकों में हुई हिंसा के चलते जेईई की परीक्षा की तारीखें कुछ छात्रों के लिए बदलने की बात चल रही थी, लेकिन अब सभी जगहों पर परीक्षा रद होने के बाद नई तारीखों की घोषणा की जाएगी। इस बात का बिल्कुल ध्यान रखा जाएगा कि किसी भी छात्र की बोर्ड और जेईई की परीक्षा एक ही दिन न पड़े। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई 12वीं में लगभग 12 लाख और जेईई में नौ लाख छात्र परीक्षा दे रहे हैं।

परिणाम आने में हो सकती है देरी : जेईई मेंस-2020 की परीक्षा 5, 7, 9 व 11 अप्रैल को होनी थी, लेकिन परीक्षा की तारीखें आगे बढ़ने पर इसका परिणाम और ऑल इंडिया रैंकिंग देरी से जारी होगी। पहले परिणाम 30 अप्रैल को जारी होना था। लेकिन अब यह तभी संभव हो पाएगा, जब एनटीए अप्रैल के मध्य तक परीक्षाएं करवाए।

नीट की परीक्षा पर भी पड़ेगा असर : जेईई मेंस की तारीखें टलने का असर नीट की परीक्षा पर भी पड़ेगा। नीट की परीक्षा 3 मई को होनी है, लेकिन जेईई मेंस की परीक्षा टलने के बाद अगर अप्रैल मध्य यानी 15 अप्रैल के बाद भी आयोजित की जाती है तो एनटीए के सामने 3 मई को होने वाले नीट परीक्षा की भी चुनौती रहेगी। ऐसा इसीलिए क्योंकि अब जेईई मेंस और नीट के पेपर में अंतराल कम होगा। नीट का पेपर ऑफलाइन मोड में होगा। सेंटर तक पेपर पहुंचाने के साथ उनकी सिक्योरिटी भी करनी होगी। जेईई मेंस ऑनलाइन होगा। इसी कारण अप्रैल मध्य तक अगर जेईई मेंस हो जाता है तो ही नीट के लिए एनटीए को पर्याप्त समय मिल पाएगा।

होम क्वारंटाइन से गायब होने पर दर्ज किया मामला

जासं, नई दिल्ली : होम क्वारंटाइन नियमों का पालन नहीं करने पर द्वारका थाना पुलिस ने संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दक्षिणी पश्चिमी जिला स्वास्थ्य विभाग की शिकायत के बाद पुलिस ने यह मामला दर्ज किया है।

जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिकायत में कहा गया है कि द्वारका की एक सोसायटी में एक विमानन कंपनी में कार्यरत व्यक्ति परिवार के साथ रहते हैं। जिला प्रशासन ने इन्हें एहतियात के तौर पर होम क्वारंटाइन का निर्देश दिया था। घर में पांच लोग क्वारंटाइन रखे गए थे। इसी बीच आरडब्ल्यूए की ओर से जिला प्रशासन को शिकायत मिली थी कि ये लोग क्वारंटाइन में भी घर के बाहर निकल रहे हैं। शिकायत मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम वहां पहुंची तो देखा कि घर में कोई नहीं था। पुलिस के अनुसार आरोपित पक्ष वापस लौट चुका है। ये लोग अपने किसी रिश्तेदार के यहां गए हुए थे।

पूर्वोत्तर की छात्रा पर गुटखा थूका, कोरोना-कोरोना कहकर फरार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मुखर्जी नगर थाने में पीड़ित एमफिल की छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज

मुखर्जी नगर इलाके में पूर्वोत्तर की एक छात्रा के साथ अधेड़ ने शर्मनाक हरकत की है। अधेड़ ने पहले छात्रा पर गुटखा थूक दिया और फिर उन्हें कोरोना-कोरोना कहकर भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। इस बाबत मुखर्जी नगर थाने में पीड़ित छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच कर शुरू कर दी गई है। आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार 24 साल की पीड़ित छात्रा मणिपुर की रहने वाली हैं और दिल्ली यूनिवर्सिटी में एमफिल कर रही हैं। वह मुखर्जी नगर इलाके में ही पीजी में रहती हैं। रविवार रात वह विजय नगर में रहने वाले अपने एक दोस्त के घर गई थीं, जहां से वह देर रात लौट रही थीं। इस दौरान रास्ते में सफेद रंग की स्कूटी पर सवार एक अधेड़ उनका पीछा करता हुआ आया। उसने उनको रोका और उन पर गुटखा थूक दिया। जब पीड़िता ने विरोध किया तो अधेड़ ने उनसे बदतमीजी शुरू कर दी और उन्हें कोरोना-कोरोना कहते हुए फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी परिचितों व पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पूर्वोत्तर के कई छात्र-छात्राओं ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें किसी तरह समझाकर शांत कराया। पुलिस के अनुसार, आरोपित आसपास का ही है। ऐसे में आसपास के आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों की भी मदद ली जा रही है। पुलिस आरोपित को जल्द ही गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

3500 एयर ट्रैफिक नियंत्रक (एटीसी) हैं फिलहाल देश भर में। पिछले दो-तीन वर्षों में 1000 लोगों की भर्तियां की गई हैं जबकि अगले वर्ष 250 एटीसी नियुक्त किए जाएंगे। यह जानकारी हरदीप सिंह पुरी ने पिछले दिनों लोकसभा में दी।

न्यूज गैलरी

एनजीटी ने 31 मार्च तक सभी मामलों की सुनवाई स्थगित की

नई दिल्ली : राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सोमवार को सभी लंबित मामलों की सुनवाई स्थगित कर दी। एनजीटी ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए दिल्ली में लॉकडाउन के मद्देनजर यह फैसला किया है। 31 मार्च तक सुनवाई स्थगित किए जाने के निर्णय से संबंधित उसने एक सर्कुलर भी जारी किया है। सर्कुलर के अनुसार, 'संबंधित को सूचित किया जाता है कि कोरोना वायरस और फ्लू के खतरे को देखते हुए सक्षम प्राधिकार ने 31 मार्च तक सभी लंबित मामलों की सुनवाई स्थगित करने का फैसला किया है।' इसमें बताया गया है कि 23 व 25 मार्च को प्रस्तावित मामलों की सुनवाई अब 13 जुलाई को होगी। 26 व 27 मार्च को सूचीबद्ध मामलों को अब 14 जुलाई को सुना जाएगा। 30 व 31 मार्च को प्रस्तावित मामले 15 जुलाई को सुने जाएंगे। (प्रेट्र)

मनमोहन ने स्वास्थ्य कारणों से रास से मांगा अवकाश

नई दिल्ली : पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनमोहन सिंह ने स्वास्थ्य कारणों के कारण राज्यसभा की शेष बैठकों में भाग लेने में असमर्थता जताई है। सदन ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया है। राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने सोमवार को सदन में इस आशय की जानकारी दी। पत्र में मनमोहन सिंह ने सदन की बैठकों से अनुपस्थित रहने के लिए अनुमति मांगी है। नायडू ने कहा कि सिंह ने अपने पत्र में कहा कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह 19 मार्च से ही मौजूदा सत्र की शेष बैठकों में भाग लेने में असमर्थ हैं। नायडू ने कहा, 'डॉ. मनमोहन सिंह का पत्र मिला है। पूर्व प्रधानमंत्री ने 19 मार्च से ही अनुपस्थित रहने के लिए अवकाश देने का आग्रह किया है।' (प्रेट्र)

शहीद दिवस पर चर्चा के लिए कार्यस्थगन प्रस्ताव

नई दिल्ली : कांग्रेस सदस्य अमर सिंह ने सोमवार को लोकसभा में महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के 89वें शहादत दिवस पर चर्चा के लिए कार्यस्थगन प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव के अनुसार, 'तीनों शहीदों को अब तक न तो भारत रत्न दिया गया है, न ही उन्हें शहीदे-ए-आजम का सम्मान मिला है। यहां तक कि चंडीगढ़ हवाईअड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर किए जाने की मांग भी पूरी नहीं की गई है। आज जबकि उनका शहादत दिवस है, यह जरूरी है कि सदन में उन पर चर्चा हो।' उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का शहादत दिवस मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। 23 मार्च 1931 को ब्रिटिश सरकार ने इन महान क्रांतिकारियों को फांसी दे दी थी। (एएनआइ)

केंद्र सरकार ने राज्यों से मांगी उनकी जरूरतों की जानकारी

तैयारी ▶ आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने में जुटी सरकार

कहा-केंद्र के पास खाद्यान्न, दालें, चीनी और तिलहन का पर्याप्त स्टॉक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के कहर के चलते देश भर में लॉकडाउन की बढ़ती समय सीमा के बीच आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने में केंद्र सरकार जुट गई है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से उनकी जरूरतें पूछी हैं, ताकि समय पर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की जा सकें। केंद्र सरकार के पास खाद्यान्न, दालें, चीनी और तिलहन का पर्याप्त स्टॉक है। आधा दर्जन राज्यों ने अपने उपभोक्ताओं को एडवांस और मुफ्त में राशन आपूर्ति करने का एलान किया है।

केंद्र ने सभी राज्यों से उनके यहां खाद्यान्न और अन्य आवश्यक जरूरतों के बारे में पूछा है। सरकारी गोदामों में सालभर के लिए जरूरी खाद्यान्न पड़ा है। इसीलिए सभी राज्यों से कहा गया है कि वे चाहें तो पूरे छह महीने का अनाज एक बार में उठा सकते हैं। पिछले वर्ष 2018-19 में पूरे सालभर में 5.7 करोड़ टन अनाज (गेहूं व चावल) राशन दुकानों से वितरित किया गया।

इसके मुकाबले केंद्रीय एजेंसी भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में वर्तमान में 5.85 करोड़ टन खाद्यान्न का स्टॉक है। इससे पूरे एक साल की जरूरतें पूरी हो सकती हैं। केंद्र सरकार इसीलिए राज्यों की खाद्यान्न जरूरतें पूरी करने की स्थिति में है। राज्यों में अनाज की आवश्यकता राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, मिड डे मील, बाल पोषाहार विकास योजना और अन्नपूर्णा योजना के लिए होती है। केंद्र सरकार ने विश्वास जताया है कि देश में खाद्यान्न व अन्य जरूरत की वस्तुओं की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। इससे साफ है कि केंद्र सरकार हर तरह से इस महामारी से निपटने के लिए तैयार है।

खाद्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अनाज के अलावा सरकार के गोदामों में 30 लाख टन दालों का बफर स्टॉक पड़ा हुआ है, जिसे सरकारी नोडल एजेंसी नैफेड संभाल रही है। इसमें आधे से ज्यादा स्टॉक चना का है, जिसे राशन की दुकानों से सीधे बांटा जा सकता है। अन्य दालों में अरहर, मसूर, मूंग और उड़द भी है। देश में खाद्य तेलों की जरूरतों के लिए तिलहन का 11 लाख टन का स्टॉक है, जिसे कभी भी तेल में तब्दील कराया जा सकता है। इनमें आठ लाख टन मूंगफली है, जबकि तीन लाख टन सरसों है। इसलिए तेल की कमी भी नहीं होने दी जाएगी।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 81 करोड़ आबादी को एक रुपये किलो मोटा अनाज, दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो की दर से चावल दिया जाता है। खाद्य सब्सिडी का यह बोझ सीधे केंद्र सरकार उठाती है। कोरोना वायरस के कहर से कराह रही जनता को राहत देने के मकसद से कई राज्यों ने मुफ्त में अनाज बांटने का निश्चय किया है। उत्तर प्रदेश ने राज्य के 1.65 करोड़ उपभोक्ताओं को एक महीने का राशन मुफ्त देने का एलान किया है।

दिल्ली सरकार अपने उपभोक्ताओं को प्रति व्यक्ति पांच किलो की जगह सात किलो अनाज देगी। वह भी मुफ्त। कर्नाटक सरकार ने प्रत्येक गरीब परिवार को मुफ्त में दो महीने का राशन 10 किलो चावल और दो किलो गेहूं देने का निश्चय किया है। इसी तरह राजस्थान एक करोड़ गरीब परिवारों को दो महीने का राशन एडवांस और मुफ्त में देगा। केरल ने अपने यहां गरीबों को मुफ्त में राशन देने का एलान किया है।

राहुल गांधी ने मास्क और वेंटिलेटर के निर्यात पर उठाए सवाल, आपराधिक साजिश बताया

नई दिल्ली, आइएएनएस : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में मास्क और वेंटिलेटर के निर्यात पर सवाल उठाया है। उन्होंने इसे आपराधिक साजिश की संज्ञा भी दी। इससे पहले कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाते हुए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग भी की।

राहुल ने ट्वीट किया, 'डब्ल्यूएचओ के निर्देशानुसार सरकार को मास्क और वेंटिलेटर का स्टॉक रखना था, लेकिन यहां इसके विपरीत इनका निर्यात किया गया। किसके कहने पर यह हुआ? क्या यह आपराधिक साजिश नहीं है?' इससे पहले कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी इनके निर्यात पर सवाल उठाया था। सुरजेवाला ने कहा, 'यह कदम अपराध से कम नहीं क्योंकि हमारे डॉक्टर, नर्स और मरीज इनकी कमी से जूझ रहे हैं। क्या वेंटिलेटर और अन्य कच्चे माल के निर्यात को अनुमति देने के लिए प्रधानमंत्री को तत्काल वाणिज्य मंत्री एवं वाणिज्य सचिव को पद से नहीं हटा देना चाहिए?' कांग्रेस प्रवक्ता सुरजेवाला ने कहा कि जब देश में इन उत्पादों की कमी हो रही है, ऐसे में आखिर इनके निर्यात की अनुमति क्यों दी गई? कांग्रेस प्रवक्ता ने अपनी बात के प्रमाण के तौर पर विदेश व्यापार महानिदेशक की ओर से 19 मार्च को जारी नोटिफिकेशन भी दिखाया। इस नोटिफिकेशन में इन वस्तुओं का निर्यात रोकने का निर्देश दिया गया है।

▶ पूछा-सरकार ने किसके कहने पर डब्ल्यूएचओ के निर्देश का किया उल्लंघन

▶ पार्टी ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री और वाणिज्य सचिव को पद से हटाने की मांग की

राहुल गांधी। फाइल

गरीबों के लिए पैकेज की मांग

कोरोना के प्रसार से निपटने की दिशा में अपर्याप्त तैयारियों को लेकर भी कांग्रेस ने सरकार को कठघरे में खड़ा किया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को तो यह बताया कि उन्हें क्या करना चाहिए, लेकिन यह नहीं बताया कि इस महामारी से निपटने के लिए सरकार क्या करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने कहा, 'हम जानते हैं कि पीएम मोदी वित्तीय पैकेज का एलान कर सकते हैं और हमें उम्मीद है कि यह पैकेज सिर्फ उनके पूंजीपति मित्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गरीबों, दिहाड़ी मजदूरों और महामारी के कारण नौकरी गंवा चुके लोगों के लिए होगा।' उन्होंने देश में कम जांच को लेकर भी निशाना साधा।

कोरोना के खतरों के मद्देनजर संसद सत्र स्थगित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ बजट सत्र 11 दिन पहले खत्म, वित्त विधेयक दोनों सदनों से बिना चर्चा पारित

▶ राज्यसभा ने अपने रिटायर हो रहे सदस्यों को दी भावपूर्ण विदाई

कोरोना के खतरों को देखते हुए आखिरकार संसद का बजट सत्र भी सोमवार को तय समय से 11 दिन पहले ही स्थगित कर दिया गया। पहले लोकसभा ने बिना चर्चा के वित्त विधेयक को पारित कर सरकार के अगले वित्त वर्ष के बजट खर्चों को मंजूरी दे दी। कुछ घंटों बाद राज्यसभा ने भी इसे हरी झंडी दे दी। सरकार के जरूरी विधायी कामकाज निपटाने की इस आपाधापी के बावजूद राज्यसभा अपने रिटायर हो रहे 55 सदस्यों को भावभीनी विदाई देना नहीं भूली। हालांकि कोरोना के खतरों और देश में लॉकडाउन की स्थिति को देखते हुए दोनों सदनों में सांसदों को उपस्थिति काफी कम रही।

कोरोना संक्रमण की लगातार गहराती आशंका को देखते हुए विपक्षी दल पिछले हफ्ते से ही संसद सत्र स्थगित करने की मांग कर रहे थे। देश में रविवार को लागू जनता कर्फ्यू के बाद ही सरकार ने सत्र को स्थगित करने का मन बना लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इसके मद्देनजर सोमवार को सदन की बैठक शुरू होने से पहले अपने कक्ष में सभी दलों के नेताओं संग बैठक की जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे। कोराना से पैदा हुई आपात परिस्थितियों को देखते हुए विपक्षी दलों ने बिना चर्चा के वित्त विधेयक को पारित करने पर हामी भर दी। इसके बाद सदन ने विपक्ष के सभी संशोधनों को खारिज करते हुए ध्वनिमत से वित्त विधेयक पारित कर दिया। इससे पहले छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों के हमले में शहीद हुए केंद्रीय सुरक्षा बल के 17 जवानों को श्रद्धांजलि दी गई।

लोकसभा ने महज 50 मिनट में ही जरूरी विधायी कार्य निपटा लिए और सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा ने सबसे पहले केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के खर्च से जुड़े विनियोग विधेयक पर चर्चा की और इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया। हालांकि इस पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने सरकार से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा शीघ्र बहाल करने की मांग की ताकि सूबे के अगले बजट की चर्चा राज्य विधानसभा में की जा सके। भाजपा के राकेश सिन्हा ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद इस केंद्र शासित प्रदेश को मुख्यधारा में शामिल किए जाने से हो रहे बदलावों को सकारात्मक बताया। संक्षिप्त चर्चा के बाद सदन ने इसे भी पारित कर दिया।

इसके बाद सदन ने अगले महीने की शुरुआत में रिटायर हो रहे 55 सदस्यों को विदाई दी। इस दौरान मोतीलाल वोरा, प्रभात झा, बीके हरिप्रसाद, सत्यनारायण जटिया जैसे कुछ रिटायर हो रहे सदस्यों ने अपने राजनीतिक और संसदीय जीवन के भावपूर्ण क्षणों को साझा किया। नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद और सदन के नेता थावरचंद गहलोत ने भी इन सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को याद किया

दोनों सदनों में स्वाधीनता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भी याद किया गया। 13 मार्च, 1931 को ही ब्रिटिश हुकूमत ने तीनों को फांसी दी गई थी। उनके सम्मान में सदस्यों ने कुछ देर मौन भी रखा।

राज्यसभा से जम्मू-कश्मीर के लिए एक लाख करोड़ का बजट मंजूर

नई दिल्ली, प्रेट्र : राज्यसभा ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के 2020-21 के लिए एक लाख करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी। मंजूर होने के बाद विधेयक लोकसभा को लौटा दिया गया। राज्यसभा ने लद्दाख के लिए बजट से संबंधित विधेयक को भी मंजूरी देने के बाद लोकसभा को लौटा दिया है। मनी बिल के लिए नियम के मुताबिक, ऐसा करना जरूरी होता है। दो घंटे तक चर्चा के बाद विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा ने जम्मू एवं कश्मीर विनियोग विधेयक को 19 मार्च को पारित कर दिया था।

जम्मू-कश्मीर के लिए एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट में नव गठित केंद्र शासित प्रदेश के विकास पर जोर दिया गया है। 31 अक्टूबर 2019 से यह केंद्र शासित प्रदेश के रूप में गठित हुआ। वित्त के लिए कुल बजट अनुमान 1,01,428 करोड़ रुपये है। इसमें से विकास व्यय 38,764 करोड़ रुपये है जिसमें 27 फीसद वृद्धि की गई है। सरकार ने वर्तमान वित्त वर्ष के अंतिम पांच महीने के लिए 55,317.81 करोड़ रुपये की अलग से व्यय योजना पेश की है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के संबंध में पिछले पांच महीने का कुल बजट आकलन 5,754 करोड़ रुपये आंका गया है। इसमें से पूंजीगत व्यय 4,618.35 करोड़ और राजस्व व्यय 1,135.65 करोड़ रुपये होगा।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने सोमवार को केंद्र की मोदी सरकार पर जम्मू-कश्मीर को 'राजनीतिक क्वारंटाइन (अलग-थलग की)' स्थिति में धकेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि समूचे राज्य को अपने ही देश की सरकार ने 'वेंटिलेटर' पर रख कर आपदाग्रस्त बना दिया है। आजाद ने राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के बजट की अनुदान मांगों से संबंधित चार विधेयकों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि जिस प्रकार पूरी दुनिया कोरोना वायरस के कारण 'क्वारंटाइन' में है उसी प्रकार जम्मू-कश्मीर पिछले साढ़े सात महीने से 'राजनीतिक क्वारंटाइन' में है। जम्मू-कश्मीर के संकट की वजह अपने देश की सरकार है।

राष्ट्रीय रक्षा विवि व फोरेंसिक साइंस विवि बिल लोस में पेश

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक पेश किए। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय विधेयक-2020 में रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के रूप में तब्दील करने का प्रस्ताव है। गुजरात में गांधीनगर स्थित रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय था जबकि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय एक केंद्रीय संस्थान होगा। इस विधेयक का मकसद राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देना है। जबकि, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, 2020 में गुजरात फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय को अपग्रेड करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा इसमें नई दिल्ली स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंसेज को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देने का भी प्रस्ताव है। कांग्रेस के सदस्यों ने इन दोनों विधेयकों को पेश किए जाने का यह कहते हुए विरोध किया कि उन्हें विधेयकों की कॉपी नहीं दी गई है।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए बाधक नहीं बनेगी रंग दृष्टिहीनता

नई दिल्ली, एएनआइ : परिवहन मंत्रालय ने एक अधिसूचना के मसौदे में कहा है कि रंग दृष्टिहीनता (कलर ब्लाइंडनेस) ड्राइविंग लाइसेंस लेने में बाधक नहीं है। जो लोग रंग देखने में अक्षम होते हैं, उन्हें रंग दृष्टिहीन माना जाता है। मंत्रालय के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इस मुद्दे पर संवेदनशील होने के नाते रंग दृष्टिहीनता से ग्रस्त लोगों की मांग को देखते हुए मोटर वाहन नियम 1989 के तहत फार्म-1 और फार्म-1ए के लिए 16 मार्च, 2020 को जीएसआर 176 ई संशोधन जारी किया गया है।

इस मामले को संवेदनशीलता के साथ देखते हुए इस विषय में चिकित्सा विशेषज्ञों की भी राय ली गई है। उनका कहना है कि कुछ हद तक रंग दृष्टिहीनता के शिकार लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस दिया जा सकता है। ऐसा विश्व के कई देशों में पहले से ही किया जा रहा है। लिहाजा कलर ब्लाइंड लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस न मिलने के मुद्दे को मंत्रालय के समक्ष रखा गया। हालांकि डाइविंग लाइसेंस के आवेदक को कलर विजन का मेडिकल फिटनेस लेना अनिवार्य होगा।

रामलला को मिला चांदी का सिंहासन

जागरण संवाददाता, अयोध्या

रामलला को वैकल्पिक गर्भगृह में स्थापित करने की तैयारियों के बीच सोमवार को चांदी का सिंहासन भेंट किया गया। साढ़े नौ किलोग्राम चांदी से निर्मित यह सिंहासन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी एवं अयोध्या राज परिवार के मुखिया बिमलेंद्र मोहन मिश्र ने राजसदन स्थित अपने आवास पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को दान स्वरूप अर्पित किया।

यह सिंहासन जयपुर के विशेषज्ञ कलाकारों ने राजसदन में कई दिनों की मेहनत के बाद तैयार किया है। 25 इंच लंबा, 13 इंच चौड़ा एवं 30 इंच ऊंचा यह सिंहासन कलात्मकता की नजीर है। सिंहासन के पृष्ठ पर सूर्य देव की आकृति और दो मोर उत्कीर्ण हैं। सूर्य देव की आकृति यह बयां करने वाली है कि भगवान राम जिस कुल के हैं, वह सूर्यवंशीय है और मोर शुभता के परिचायक हैं। इस मौके पर ट्रस्ट के पदेन सदस्य जिलाधिकारी अनुज कुमार झा एवं ट्रस्ट के एक अन्य सदस्य डॉ. अनिल कुमार मिश्र सहित महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, नगर आयुक्त डॉ. नीरज शुक्ल व बिमलेंद्र मोहन मिश्र के पुत्र एवं प्रख्यात साहित्यकार यतींद्र मिश्र प्रमुख रूप से मौजूद रहे। वैकल्पिक गर्भगृह में रामलला की स्थापना बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त में प्रस्तावित है। नए गर्भगृह में रामलला इसी सिंहासन पर विराजमान होंगे। फिलहाल, मूल गर्भगृह के अस्थायी मंडप में रामलला लकड़ी के सिंहासन पर विराजमान हैं।

रामलला बुधवार को मूल गर्भगृह से वैकल्पिक गर्भगृह में स्थापित किए जाएंगे। वैदिक परंपरा के अनुरूप नए गर्भगृह में स्थापित किए जाने के दौरान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। सोमवार को सुबह सात बजे से उनकी प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान उदक शांति पाठ से शुरू हुआ। एक ओर गर्भगृह में 10 वैदिक विद्वानों ने रामलला से वैकल्पिक गर्भ गृह में चलने की प्रार्थना शुरू की तो दूसरी ओर मूल गर्भगृह के करीब सौ मीटर के फासले पर नवनिर्मित वैकल्पिक गर्भगृह में पांच आचार्य भूमि शुद्धि का अनुष्ठान करने में लगे हैं। यह प्रक्रिया बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त तक चलेगी। ब्रह्म मुहूर्त में ही रामलला को नए गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। इस मौके पर प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के यजमान के रूप में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी एवं अयोध्या राज परिवार के मुखिया बिमलेंद्र मोहन मिश्र एवं डॉ. अनिल कुमार मिश्र सहित जिलाधिकारी अनुज कुमार झा एवं विधायक वेदप्रकाश गुप्त भी मौजूद रहे।

आयोध्या स्थित राजसदन में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय (बाएं से तीसरे) को राजपरिवार के मुखिया बिमलेंद्र मोहन मिश्र (दाएं से तीसरे) ने रामलला का सिंहासन सौंपा। जीतू निषाद

विशेषज्ञ वैदिक आचार्य करा रहे अनुष्ठान : रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान विशेषज्ञ वैदिक आचार्यों के मार्गदर्शन में संपादित हो रहा है। मुख्य आचार्य दिल्ली के कीर्तिकांत शर्मा हैं। अन्य आचार्यों में मथुरा, काशी, प्रयाग सहित अयोध्या के भी आचार्य शामिल हैं।

पवित्र ग्रंथों का चल रहा पाठ : प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान के क्रम में उदक शांति पाठ के साथ वेद पाठ, रामरक्षा स्तोत्र का पाठ एवं जप संयोजित है। पहले यह अनुष्ठान 22 से 27 मार्च तक निर्धारित था पर कोरोना संकट को देखते हुए इसे 23 से 25 मार्च की सुबह तक सीमित कर दिया गया है।

कोरेगांव-भीमा न्यायिक आयोग ने छह माह का विस्तार मांगा

मुंबई, प्रेट्र : 2018 के कोरेगांव-भीमा हिंसा मामले की जांच कर रहे दो सदस्यीय न्यायिक आयोग ने महाराष्ट्र सरकार से छह महीने का विस्तार देने की मांग की है। कोरोना वायरस फैलने और उसके परिणामस्वरूप लॉकडाउन को देखते हुए आयोग ने सुनवाई रोक दी है। आयोग ने सोमवार को राज्य के मुख्य सचिव को विस्तार देने के बारे में पत्र लिखा है।

आयोग के सचिव वीपी पालनित्कर के हस्ताक्षर वाले पत्र में कहा गया है, 'कोरोना वायरस महामारी और पूर्ण लॉकडाउन को देखते हुए आयोग ने अगली सूचना तक अपनी कार्यवाही स्थगित कर दी है। ऐसी स्थिति में आयोग अपनी कोई रिपोर्ट सौंपने में असमर्थ है। यदि राज्य सरकार विस्तार देती है तो आयोग पुलिस, राज्य और प्रमुख राजनेताओं समेत 40 से 50 और गवाहों की जांच कर सकता है। इस उद्देश्य के लिए आयोग को कम से कम छह महीने का समय लग सकता है।' उम्मीद है कि महाराष्ट्र सरकार जल्द ही इस बारे में फैसला करेगी क्योंकि महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे की सरकार इस मुद्दे को लेकर काफी संवेदनशील है।

▶ कोरोना वायरस और लॉकडाउन के कारण आयोग ने सुनवाई रोकी

▶ आयोग के सचिव वीपी पालनित्कर ने लिखा सरकार को पत्र

कोरेगांव-भीमा युद्ध की 200वीं वर्षगांठ के दौरान एक जनवरी 2018 को पुणे में कोरेगांव भीमा और उसके आसपास के क्षेत्रों में हिंसा भड़क उठी थी। दंगों में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। पुणे पुलिस का कहना है कि 31 दिसंबर 2017 को आयोजित यलगार परिषद सम्मेलन में दिए गए भड़काऊ भाषण से हिंसा भड़क उठी। इसके बाद इस मुद्दे को लेकर तत्कालीन महाराष्ट्र सरकार को काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी।

महाराष्ट्र सरकार ने फरवरी 2018 में हिंसा की जांच के लिए दो सदस्यीय आयोग का गठन किया था। हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जेएन पटेल इसके अध्यक्ष हैं और पूर्व मुख्य सचिव सुमित मुल्लिक इसके सदस्य हैं। अभी तक आयोग को चार बार विस्तार दिया जा चुका है। अब पांचवीं बार विस्तार मिलने की उम्मीद है।

आभार जताया

लोकसभा में खड़े होकर बजाई तालियां, जबकि राज्यसभा में थपथपाई गईं मेजें

कोरोना के योद्धाओं के सम्मान में संसद में भी बजी तालियां

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना जैसी महामारी से निपटने में लगे लोगों के सम्मान में सोमवार को संसद में भी तालियां बजीं और मेजें थपथपाई गईं। इसके साथ ही रविवार के जनता कर्फ्यू को पूरी तरह से सफल बनाने और लोगों से दूरी बनाए रखने के लिए जनता का भी आभार जताया गया। संसद के दोनों ही सदनों ने अपने-अपने अंदाज में आवश्यक सेवाओं में लगे सभी लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद भी मौजूद थे। संसद में यह भी कहा गया कि देशवासी हर मुश्किल वक्त में एकसाथ होते हैं और रविवार को देशवासियों ने यह कर एक बार फिर साबित कर दिया है।

पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत सोमवार को सदन में मौजूद सभी सदस्यों ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम में जुटे चिकित्सा महकमे समेत सभी आपातकालीन सेवाओं के लोगों के जमकर तालियां बजाईं। आमतौर पर लोकसभा में किसी बात का समर्थन सदस्य मेज थपथपाकर करते हैं, लेकिन इस आपात स्थिति में भी दिन-रात लोगों की सेवा में लगे लोगों के लिए सभी सदस्यों ने खड़े होकर करतल ध्वनि से तालियां बजाना ही उचित समझा। वहीं, राज्यसभा में सदस्य गणों ने मेजें थपथपाकर चिकित्सा क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार जताया।

प्रधानमंत्री की अपील पर रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान शाम पांच बजे देश भर के लोगों ने आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों का जिस तरीके से अपने घरों से निकल कर और बालकनी में खड़े होकर ताली, घंटी, थाली और शंख बजाकर सम्मान किया है, उसकी भी दोनों ही सदनों में चर्चा हुई। हर कोई इस बारे में बात कर रहा था। राज्यसभा में सभापति एम. वेंकैया नायडू और लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि जिस तरह लोगों ने उत्साह दिखाया है उसका स्वागत होना चाहिए। सदन के अंदर ताली बजी और खुद प्रधानमंत्री भी उसमें शामिल थे। इसके अलावा कई मंत्री भी मौजूद थे।

संसद में कोरोना कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच काम रहे लोगों के सम्मान में सोमवार को लोकसभा में सांसदों ने ताली बजाई। तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी, अर्जुन राम मेघवाल और जितेंद्र सिंह हैं। एएनआइ

कह के रहेंगे

माधव जोशी

कोरोना से भारत की जारी है जंग

जेएनएन, नई दिल्ली

125 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश में अब तक कोरोना से संक्रमण के 500 मामले पहुंचने के करीब हैं। चीन के वुहान में जब एक अनजान वायरस फैलने की खबर आई तभी से भारत सरकार सक्रिय हुई। हालांकि चीन से आने वाले लोगों के वीजा निलंबित करने की कार्रवाई में देरी हुई। भारत सरकार ने तेजी से कई देशों के वीजा को निलंबित किया और सोशल डिस्टेंसिंग को लागू करने के लिए एडवाइजरी जारी की। इसके लिए डब्ल्यूएचओ ने भी भारत के प्रयासों की प्रशंसा की है। हालांकि इन सबके बावजूद भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण का दूसरा चरण शुरू हो चुका है। बड़ी और घनी आबादी के कारण भारत पर बड़ा संकट गहरा रहा है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि राज्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर सख्त नियम तेजी से और सख्ती से लागू किए जाने चाहिए थे। जानते हैं देश में संक्रमण के दो बड़े केंद्र केरल और महाराष्ट्र के बारे में:

23 राज्य और केंद्रशासित राज्यों में आ चुके हैं कोरोना के मामले

33 लोग देश में कोरोना के संक्रमण के बाद ठीक हो चुके हैं

19 राज्य लॉकडाउन का सामना कर रहे हैं

10 लोगों की मौत सोमवार रात आठ बजे तक हो चुकी थी

01 कोरोना संक्रमित मरीज देश छोड़ने में सफल रहा, वह यूरोप का नागरिक था

अच्छी शुरुआत के बाद खतरनाक मोड़ पर केरल

30 जनवरी को भारत में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला मिला। केरल से तीन जनवरी को यह खबर मिली। चीन के वुहान से आई एक छात्रा में सबसे पहले कोरोना वायरस की पुष्टि हुई। इसके बाद वहीं भारत का दूसरा मामला भी सामने आया। यह एक छात्र था और वुहान से आया था। एक अन्य छात्र को भी कोरोना की पुष्टि हुई, यह छात्र भी वुहान से केरल पहुंच था। इस तरह देश के कोरोना वायरस के पहले तीन मामले केरल से सामने आए। तीनों का ही सफलतापूर्वक इलाज हुआ। तीनों इस वक्त स्वस्थ हैं।

मौजूदा स्थिति : केरल में अब तक 91 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। सोमवार को ही 28 केस सामने आ गए, जबकि रविवार को 15 मामले सामने आए थे। ऐसे में नए केस सामने आने की गति दोगुनी हो गई है। इसी वजह से मुख्यमंत्री पेरियार विजयन ने 31 तक राज्य को लॉकडाउन करने का फैसला किया है।

केरल में बड़ी मार

केरल ने कोरोना की पहली मार आसानी से सह ली लेकिन, जब ईरान और इटली के रास्ते खाड़ी देशों में कोरोना वायरस फैला तो केरल की मुसीबत शुरू हो गई। केरल के 25 लाख लोग खाड़ी के विभिन्न देशों में रहते हैं। खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीयों में 80 फीसद केरल के हैं। ऐसे में बड़ी मार भी वहीं पड़ी। खाड़ी से आने वाले लोगों की स्कैनिंग में देरी हुई, जब तक इस संबंध में फैसला हुआ कई संदिग्ध आबादी में फैल गए। उन्होंने धार्मिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इसी वजह से खाड़ी देशों से आए लोगों के साथ उनके नजदीकी रिश्तेदार भी संक्रमित पाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया है कि राज्य में थर्ड स्टेज के ब्रेकडाउन का खतरा गहराता जा रहा है।

महाराष्ट्र ने शुरू में की लापरवाही

28 जनवरी को ही एक 36 वर्षीय युवक को मुंबई एयरपोर्ट पर हुई थर्मल स्क्रीनिंग में पकड़ा गया। उसे आइसोलेशन में रखा गया लेकिन, पुष्टि होने में समय लगा। इसके बाद विदेश से आने वाले तीन अन्य लोगों को भी स्क्रीनिंग में संदिग्ध पाया गया। 17 मार्च को महाराष्ट्र में पहले कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज की मौत हुई। वह एक 64 वर्षीय महिला थीं। उनकी भी विदेश की ट्रैवेल हिस्ट्री थी। सोमवार रात तक महाराष्ट्र में तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

शुरुआती हिचकिचाहट

राज्य सरकार ने सख्त कदम उठाने में शुरुआती हिचकिचाहट दिखाई। सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर कोई कदम राज्य सरकार ने तब तक नहीं उठाया जब तक हालात बेकाबू से दिखने लगे। यहां तक कि राज्य के पहले कोरोना के चार संदिग्धों के सैंपल लेने तक में देरी की गई। जब सरकार को लगा कि हालात बेकाबू हो रहे हैं कि पहले चार नगरों को लॉकडाउन करने वाला महाराष्ट्र पहला राज्य बना।

ये रही वजह

मुंबई एयरपोर्ट से सर्वाधिक इंटरनेशनल ट्रैफिक होता है, जो पिछले वित्त वर्ष (2019-20) तक 27 फीसद की गति से बढ़ रहा है और दुनिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट में गिना जाता है। महानगर अपने बिजनेस, सिनेमा और उद्योगों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा पुणे को भारत की संस्कृति राजधानी माना जाता है, जहां आइटी उद्योग अब प्रमुख हो चुका है। नागपुर जैसे शहर भी अपनी व्यापारिक छवि के लिए ही जाने जाते हैं। मुंबई, पुणे में पब कल्चर हावी है और ज्यादातर लोग बाहर खाना खाते हैं। इसके साथ ही मूवीज देखने के लिए भी मल्टीप्लेक्स का रुख करते हैं। सामाजिक रूप से ज्यादा खुलापन भी है। यही सब कारण है कोरोना तेजी से फैला।

उठाए गए कदम

12 मार्च को महाराष्ट्र ने मॉल से लेकर बाजार तक बंद करने का फैसला किया, जबकि दिल्ली में पांच मार्च को ही स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए थे। चार शहरों के सार्वजनिक स्थानों को राज्य सरकार ने बंद किया और माना कि कोरोना का संक्रमण दूसरे चरण में पहुंच गया है

दिल्ली, यूपी और राजस्थान में पर्यटकों ने ढहाया कहर

आगरा और राजस्थान घूमने आने वाले पर्यटकों के कारण दिल्ली, यूपी और राजस्थान में कोरोना संक्रमण फैला। भारत चीन समेत पूर्वी एशियाई देशों से आने वाले पर्यटकों के प्रति तो सचेत था लेकिन, यूरोपीय और खाड़ी देशों के प्रति अधिकारियों का रवैया उदासीन था। इटली से आने वाले अधिकतर पर्यटकों ने कोरोना का संकट पैदा किया।

यह भी रही वजह

चीन के बाद ईरान ने कोरोना संक्रमण फैलने की जानकारी देरी से दी। कई भारतीयों और विदेशियों ने चीन, इटली और ईरान का दौरा किया लेकिन, बाद में किसी अन्य देश के जरिये भारत आए कई लोगों ने सरकारी एडवाइजरी का पालन नहीं किया और सामाजिक रूप से सक्रिय रहे।

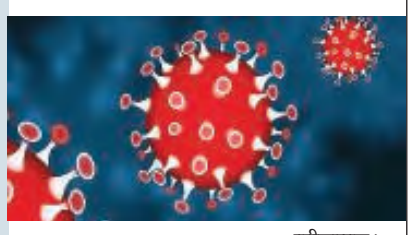

प्रतीकात्मक।

82 जिलों में सेना की कैंटीन बंद, सामान की होगी होम डिलीवरी

नई दिल्ली, एजेंसियां : सेना ने कोरोना वायरस के खतरे से निपटने के लिए सोमवार को नई एडवाइजरी जारी की है। लॉकडाउन को देखते हुए देश के 82 जिलों में सेना की कैंटीन बंद रहेगी। इसकी जगह पर राशन व आवश्यक सामग्री की होम डिलीवरी करने का फैसला किया गया है। यह एहतियाती उपाय लॉकडाउन वाले सभी जिलों में स्थित सभी सैन्य प्रतिष्ठानों, कैंटोनमेंट, फॉर्मेशन व यूनिट में किए गए हैं। सेना ने अपने और जवानों को घर से काम करने को कहा है ताकि कोई सैन्यकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित न हो। हालांकि, आवश्यक सेवाओं से जुड़े जवान दफ्तर आते रहेंगे।

पिछले सप्ताह सेना ने अपने 35 फीसद अधिकारियों और 50 फीसद जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) को घर से काम करने को कहा था। नई एडवाइजरी में सेना ने कहा है कि कोरोना वायरस प्रभावित 82 जिलों में स्थित सैन्य इकाइयों में जवानों की आवाजाही रोक दी जाएगी। जो जवान दूसरी यूनिट में तैनाती के लिए रवाना हो चुके हैं वे संबंधित यूनिट के ट्रांजिट कैंप में रिपोर्ट करेंगे। सेना ने कहा है कि जांच के बाद ही उनकी तैनाती की जाएगी।

कैंटोनमेंट और मिलिट्री स्टेशन में आवाजाही पर भी रोक लगा दी है। एडवाइजरी में कहा गया है कि कोरोना वायरस से लड़ाई से संबंधित सभी काम बिना बाधा के जारी रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह लेह में तैनात एक जवान कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था।

देश में कोरोना से दो और मौतें, 80 से ज्यादा नए केस मिले

वायरस का प्रकोप जारी ▶ बंगाल और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति ने तोड़ा दम, अभी तक नौ लोगों की मौत

अभी तक 18,383 सैंपलों की जांच की गई, 481 लोगों के नतीजे मिले पॉजिटिव

नई दिल्ली, एजेंसियां : देश में कोरोना वायरस से सोमवार को और दो लोगों की मौत हो गई। बंगाल और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। इन राज्यों में इस खतरनाक वायरस से यह पहली मौतें हैं। देश में अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा इस संक्रमण से ठीक हो चुके और दो लोगों की भी मौत हो चुकी है। कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार को 80 से ज्यादा नए मामले सामने आए और संक्रमितों की संख्या 481 पर पहुंच गई। इसमें 41 विदेशी, इस वायरस से जान गंवाने वाले नौ लोग और उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके 31 व्यक्ति भी शामिल हैं। देश में सोमवार तक 18,383 सैंपल की जांच की जा चुकी थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्यों के स्वास्थ्य विभागों के मुताबिक बंगाल के 24 उत्तर परगना जिले के 57 साल के व्यक्ति की कोरोना वायरस से मौत हुई है। जबकि, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के रहने वाले तिब्बत के 69 वर्षीय नागरिक की मौत हो गई है। वह हाल ही में अमेरिका से लौटे थे। प्रारंभिक जांच में कोरोना की पुष्टि हुई है, आखिरी नतीजे के लिए सैंपल पुणे भेजा गया है।

देश में संक्रमित लोगों की संख्या 481 हो गई है। सोमवार को केरल में 28 नए केस सामने आए। राज्य में पीड़ितों की संख्या 91 हो गई है। जबकि, महाराष्ट्र में 23 नए मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या 97 हो गई है। नए मामलों में मुंबई में 14, सांगली में चार और पुणे का एक केस शामिल है। हालांकि, महाराष्ट्र के लिए एक अच्छी बात यह है कि अभी कोरोना वायरस के सामुदायिक प्रसार के प्रमाण नहीं मिले हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि निगेटिव रिपोर्ट वाले संदिग्ध मरीजों को भी 14 दिन आइसोलेशन में रखा जाएगा।

तेलंगाना में छह नए मामले मिले हैं और संक्रमितों की संख्या 33 हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ईटाला राजेंद्र ने कहा कि इनमें से 31 पीड़ित ऐसे हैं जो हाल के दिनों में विदेश से लौटे थे, जबकि दो मरीज इनके संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। सरकारी अस्पतालों में 97 संदिग्ध मरीज भर्ती हैं, जिनकी जांच रिपोर्ट आनी है।

उत्तर प्रदेश में भी सोमवार को चार नए मामले सामने आए। इसमें कानपुर, पीलीभीत, जौनपुर और गाजियाबाद का एक-एक मरीज शामिल है। राज्य में संक्रमितों की संख्या 33 हो गई है। कर्नाटक में सात नए केस मिले और संक्रमितों का आंकड़ा 33 पर पहुंच गया। दिल्ली में अभी तक 29, उत्तर प्रदेश में 29 और राजस्थान में 27 संक्रमित पाए गए हैं। कर्नाटक में अब तक संक्रमण के 26 मामले सामने आए हैं। गुजरात में 12 नए संक्रमित मामले पाए गए हैं और इनकी संख्या 30 हो गई है। पटना में दो भारतीयों और किर्गिस्तान के 10 नागरिकों को निरोधात्मक हिरासत में लेकर कोरोना की जांच के लिए एम्स भेजा गया है। उत्तराखंड में भी सोमवार को एक नया मामला सामने आया है और राज्य में संक्रमितों की संख्या चार हो गई है।

केरल में चर्च में प्रार्थना पर पादरी गिरफ्तार : केरल के त्रिसूर में पादरी पौली पदयत्ती को चर्च में प्रार्थना कराने पर गिरफ्तार किया गया है। बाद में उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया। कोरोना के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए राज्य में एक जगह ज्यादा लोगों के जमा होने पर पाबंदी लगाई गई है। पादरी द्वारा आयोजित प्रार्थना में 100 से ज्यादा जमा हुए थे।

तमिलनाडु में लोगों के घर के बाहर स्टिकर : तमिलनाडु में प्रशासन उन लोगों के बाहर 'डू नाट विजिट' का स्टिकर लगाने की योजना बना रहा है, जिन्हें घरों में ही क्वारंटाइन करने को कहा गया है।

बढ़ता संकट

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मोदी सरकार कोरोना वायरस को रोकने के लिए अच्छा काम कर रही है
- पुणे में आइटी कंपनी ने कर्मचारी के संक्रमित पाए जाने पर दो बिल्डिंगो को खाली किया
- गुजरात हाई कोर्ट में अब सिर्फ अत्यावश्यक मामलों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ही सुनवाई होगी
- कर्नाटक में होम क्वारंटाइन का उल्लंघन करने वालों को गिरफ्तार किया जाएगा

कोरोना से जोखिम में जान : कोरोना वायरस के कारण बंगाल में कोलकाता सहित कई जिलों में लॉकडाउन के कारण यहां काम करने वाले श्रमिक बड़ी संख्या में वापस अपने घर लौटने लगे हैं। जल्दबाजी में कुछ इस तरह जान जोखिम में डालकर यात्रा कर रहे हैं। प्रेट्र

कहां कितने मामले मिले

महाराष्ट्र	97 (तीन विदेशी)
केरल	91 (सात विदेशी)
उत्तर प्रदेश	33 (तीन विदेशी)
कर्नाटक	33
तेलंगाना	33 (11 विदेशी)
गुजरात	30
दिल्ली	29 (एक विदेशी)
राजस्थान	27 (दो विदेशी)
पंजाब	23
हरियाणा	21 (14 विदेशी)
लद्दाख	13
तमिलनाडु	9
बंगाल	7
चंडीगढ़	7
आंध्र प्रदेश	6
मध्य प्रदेश	5
जम्मू-कश्मीर	4
उत्तराखंड	4
हिमाचल प्रदेश	3
ओडिशा	2
बिहार	2
पुडुचेरी	1
छत्तीसगढ़	1

बिहार में मृत युवक के सात रिश्तेदार अस्पताल से फरार

जासं, लखीसराय : कतर से आने वाले बिहार में मुंगेर के एक युवक की कोरोना से मौत होने के बाद पूरे बिहार में हड़कंप मचा हुआ है। उसके संपर्क में रहने वाले उसके सात रिश्तेदारों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार रात ये सातों लोग अस्पताल से फरार हो गए। युवक कतर से आने के बाद अपने रिश्तेदारों के पास लखीसराय के गांव में ही ठहरा था।

पाक लौट रही महिला को किया क्वारंटाइन

जासं, अमृतसर : एक महीने के वीजा पर भारत आई कराची की बुजुर्ग महिला खदीजा को अमृतसर में क्वारंटाइन किया गया है। खदीजा 28 फरवरी को भारत आई थीं। वह मुंबई में रिश्तेदारों से मिलने के अलावा धार्मिक स्थलों पर भी गईं। सोमवार को कराची लौटने के लिए अटारी बॉर्डर पर पहुंचीं, लेकिन बीएसएफ के जवानों ने वापस लौटा दिया।

संक्रमण से तीन भारतीयों की विदेश में मौत

नई दिल्ली, आइएएनएस : कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण तीन भारतीयों की विदेश में मौत हो गई। तीनों भारतीय पुरुष हैं। इनमें से एक की ईरान में, एक मिस्र में और एक की स्वीडन में मौत हुई है। कोविड-19 के लिए हुई जांच में तीनों पॉजिटिव पाए गए थे। स्वीडन में तमिलनाडु निवासी युवक ने पॉजिटिव पाए जाने के बाद आत्महत्या कर ली।

जनता कर्फ्यू के दौरान गरबा खेलने पर मुकदमा दर्ज

शत्रुघ्न शर्मा, अहमदाबाद

अहमदाबाद के खाडिया में रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान शाम पांच बजे गरबा खेलने वाले 40 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें इन लोगों को नारे लगाते, नाचते और बर्तन बजाते देखा जा सकता है। महामारी के इस दौर में अति आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के प्रति आभार जताने के लिए इन लोगों ने ऐसा किया। हालांकि, इसके बाद इन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

इस बीच, गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 12 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या 30 हो गई है। इनमें अहमदाबाद में 13, वडोदरा में छह, सूरत में पांच, गांधीनगर में चार और कच्छ व राजकोट में संक्रमित लोगों की संख्या एक-एक है। सूरत में 67 वर्ष के व्यक्ति की मौत हो गई है। यह राज्य में कोरोना से मौत का पहला मामला है। कोरोना संक्रमितों में छह विदेश यात्रा से लौटे हैं।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोरोना के चलते गुजरात में 25 मार्च तक लॉकडाउन की घोषणा की है। आगामी 31 मार्च तक राज्य की सीमा सील करके बाहरी राज्यों से आने वाली बस, कार व अन्य वाहनों को रोक दिया गया है। प्रदेश में टैक्सी व जन परिवहन के वाहनों पर भी रोक लगा दी गई है। उधर, गुजरात विधानसभा के बजट सत्र को स्थगित करने पर विचार हो रहा है। रूपाणी ने कहा है कि कोरोना के भय से गुजरात विधानसभा के सत्र पर अभी चर्चा नहीं हुई। लेकिन, संभावना है कि बजट सत्र को जल्द स्थगित किया जा सकता है। इस बीच, महामारी को देखते हुए गुजरात हाई कोर्ट ने सिर्फ अति आवश्यक मामलों को वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिये सुनने का फैसला लिया है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद लिया गया, जिसमें उसने कहा था कि सिर्फ एक अदालत में वीडियो कांफ्रेंस के जरिये सुनवाई की जाएगी।

लॉकडाउन के उल्लंघन पर राज्य सरकारें सख्त, धर-पकड़ तेज

जेएनएन, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के खतरे के मद्देनजर विभिन्न राज्यों में लागू लॉकडाउन को सुनिश्चित कराने के लिए सरकारों के साथ ही प्रशासनिक अमला भी हरकत में आ गया है। अनुपालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। यही नहीं अफवाह फैलाने और विदेश यात्रा कर आए उन लोगों पर भी कार्रवाई हुई, जिन्होंने प्रशासन को इस बाबत जानकारी नहीं दी और चुपके से अपने घरों में बैठ गए।

उप्र में बड़े स्तर पर कारवाई हुई। पुलिस ने लॉकडाउन का अनुपालन न करने वालों के खिलाफ 500 से अधिक मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें गाजियाबाद में सबसे अधिक 70 एफआइआर दर्ज की गई है। इसके अलावा लखनऊ में 56, नोएडा में 49, प्रयागराज में 17, मेरठ में 26 सहित अन्य जिलों में एफआइआर दर्ज की गई है।

दिल्ली के मयूर विहार फेज-2 इलाके में शनिवार की रात शादी समारोह में शामिल होने पर 50 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इनमें दूल्हा और दुल्हन के परिवार के साथ टेंट लगाने वाले को आरोपित बनाया गया है। होम क्वारंटाइन नियमों का पालन नहीं करने पर द्वारका पुलिस ने परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने विदेश यात्रा की जानकारी न देने पर बांग्लादेश और पाकिस्तान से लौटे दो स्थानीय नागरिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राजस्थान के विभिन्न इलाकों में अफवाह फैलाने के आरोप में 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में लॉकडाउन के उल्लंघन पर 50 लोगों को हिरासत में लिया गया। बालाघाट में दुबई से आए दंपती के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दंपती ने होम आइसोलेशन का पालन नहीं किया। सूबे में कई जगहों पर बेवजह घूमने वालों पर पुलिस ने लाठियां भांजी। मध्य प्रदेश आइएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने अधिकारियों की ओर से एक दिन का वेतन देने की पहल की है।

नई दिल्ली-डीएनडी पर लगा जाम। विपिन शर्मा

आलीराजपुर जिले में कोरोना अभियान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनता कर्फ्यू के आह्वान से संबंधित पोस्ट पर अभ्रदता करने पर शासकीय कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

छग में विदेश से लौटे 10 संदिग्ध गायब : कोरोना वायरस के खौफ के बीच छत्तीसगढ़ में 10 संदिग्ध मरीजों के गायब होने से अंबिकापुर जिले के अधिकारी सकते में आ गए हैं। ये सभी विदेश से यात्रा कर लौटे हैं। अंबिकापुर के खरसिया रोड स्थित एक होटल में पार्टी करने पर होटल संचालक व पार्टी के आयोजक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया।

उत्तराखंड में मौत की अफवाह फैलाने वाले के विरुद्ध कार्रवाई : उत्तराखंड में कोरोना वायरस से बड़ी संख्या में लोगों की मौत होने की अफवाह फैलाने के आरोपित के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। दूसरी ओर भूकंप से लोगों के मरने की अफवाह फैलाने पर पुलिस ने हरिद्वार विकास प्राधिकरण के चौकीदार के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हिमाचल में भी लॉक डाउन : एहतियात बरतते हुए हिमाचल सरकार ने भी लॉक डाउन कर दिया है। प्रदेश में 23 मार्च को दोपहर करीब 12 बजे से लागू लॉकडाउन अगले आदेश तक जारी रहेगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सोमवार को विधानसभा में दी। नवरात्र के दौरान शादियां भी होती हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे नवरात्र में होने वाली शादियां टाल दें।

झारखंड में खरीदारों से सड़क जाम : सोमवार सुबह रांची सहित राज्य के सभी जिलों में लॉक डाउन के आदेश की धज्जियां उड़ती नजर आईं। जनता कर्फ्यू के बाद लोग बेतहाशा बाजार की ओर भागे। सब्जी, किराना, दूध और दवा की दुकानें खुली रखने का आदेश था तो हर जगह खरीदार उमड़ पड़े। आलम यह हुआ कि बाजार की ओर जाने वाली सड़कें जाम हो गईं। लॉक डाउन को लागू कराने में पुलिस बेबस नजर आई।

बिहार में भी उल्लंघन : बिहार में लॉकडाउन का पहला दिन बहुत प्रभावी नहीं रहा। लोगों ने इसका उल्लंघन किया। दोपहर तक प्रशासन भी इसे लेकर सख्ती के मूड में नहीं दिखा। लेकिन बाद में पुलिस-प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी।

सलाह

कहा, अभी नहीं संभले तो भयावह हो जाएगी स्थिति, राज्य की सीमाएं सील की गईं, निजी वाहनों के आवागमन पर पाबंदी

उद्धव ठाकरे बोले-यह निर्णायक जंग का वक्त है

राज्य ब्यूरो, मुंबई

कोरोना से निपटने में आम जनता का पर्याप्त सहयोग मिलता न देख महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को राज्य में कर्फ्यू लगाने की घोषणा करते हुए कहा कि वायरस के खिलाफ निर्णायक जंग का समय आ गया है। अगर अभी नहीं संभले तो हालात बहुत ही भयावह हो जाएंगे। राज्य में सभी जिलों की सीमाएं सील कर दी गई हैं। निजी वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है। महाराष्ट्र में कोरोना पीड़ितों की संख्या में सौ के करीब पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कर्फ्यू की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में लॉकडाउन लागू होने के बावजूद लोग सड़कों पर निकल रहे हैं। राजमार्गों पर भीड़ बढ़ रही है। इसलिए पूरे राज्य में कर्फ्यू लगाने का निर्णय किया गया है। बिना आपातस्थिति के अब किसी को घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी। उद्धव ने कहा कि कोरोना के लिए यह अत्यंत

उद्धव ठाकरे। फाइल

निर्णायक क्षण है। यदि हम अभी न संभल सके तो स्थिति और खराब हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम नहीं चाहते कि राज्य के जिन हिस्सों में कोरोना का वायरस अब तक नहीं पहुंचा है, वहां यह पहुंच सके। इसलिए सभी जिलों की सीमाएं भी सील कर दी गई हैं। ताकि जिन जिलों में संक्रमण पहुंच चुका है, इसे वहीं खत्म किया जा सके। उद्धव के अनुसार जिला प्रशासन को निर्णय करने की पूरी छूट दे दी गई है। नियम का उल्लंघन करनेवालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निजी एवं सरकारी बस सेवाएं पूरी तरह बंद कर दी गई हैं। सिर्फ अत्यावश्यक परिस्थितियों में टैक्सी एवं निजी कारों को चलने की अनुमति दी जाएगी, वह ड्राइवर के अलावा सिर्फ दो सवारियों के साथ। ऑटो रिक्शा भी चल सकेंगे, लेकिन ड्राइवर के अलावा सिर्फ एक सवारी के साथ। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि बिना आपात स्थिति के किसी को सड़क पर न चलने दिया जाए।

बता दें कि सोमवार को उद्धव ठाकरे एवं उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विभागीय आयुक्तों से बात की और उन्हें सीमा सील करने से संबंधित दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले मीडिया से बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि रोगियों की संख्या लगातार बढ़ने के बावजूद राज्य में अभी यह संक्रमण सामुदायिक स्तर पर नहीं फैला है। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल छह प्रयोगशालाओं में टेस्टिंग की सुविधा है।

कोरोना के बहाने भी सियासत कर रहे संजय राउत

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

कोरोना के बहाने भी राजनेता सियासत से बाज नहीं आ रहे हैं। फर्क बस इतना है कि कुछ सकारात्मक सियासत कर रहे हैं, तो कुछ नकारात्मक टिप्पणियां करने से नहीं चूक रहे। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत की ऐसी ही एक नकारात्मक टिप्पणी सामने आई है।

रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान और उसके बाद कुछ लोगों के एक साथ जमा होने एवं सोमवार सुबह से हाइवे पर कारों की कतारें देख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया था कि लॉकडाउन को अभी भी कई लोग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। प्रधानमंत्री के इस ट्वीट के जवाब में संजय राउत ने एक घंटे बाद ही ट्वीट किया कि हमारे प्रधानमंत्री की चिंता है कि लॉकडाउन को भी लोग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। प्रिय प्रधानमंत्री जी आपने डर और चिंता के माहौल में भी त्योहार जैसी स्थिति पैदा कर

संजय राउत। फाइल

दी, तो ऐसा ही होगा। सरकार गंभीर होगी, तो जनता गंभीर होगी।

संजय राउत का इशारा रविवार की शाम पांच बजे किए गए घंटा नाद की ओर था। पूरे देश के लोगों ने ठीक पांच बजे, पांच मिनट तक ताली, थाली, घंटी और घंटा बजा कर उनके प्रति आभार जताया जो संकट की इस घड़ी में दिन-रात कोरोना रोगियों की सेवा में जुटे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने घरों के बाहर या बालकनी में खड़े होकर ऐसा करने को कहा था, लेकिन कुछ स्थानों पर लोग सामूहिक रूप से ऐसा करते दिखाई दिए।

हालांकि ऐसे लोगों में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे में भी थे, जो अपने निवास मातोश्री के बाहर करीब 50 लोगों की भीड़ के साथ ताली बजाते दिखाई दिए जबकि राकांपा अध्यक्ष शरद पवार एवं उनकी सांसद बेटी सुप्रिया सुले अपने घर के बाहर परिवार के सदस्यों के साथ दूर-दूर खड़े रहकर ताली बजाई। पवार ने सोमवार को अपना एक वीडियो जारी कर लोगों से सरकार के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

बता दें कि राउत ने दो दिन पहले ही पीएम द्वारा उठाए जा रहे कदमों की तारीफ करते हुए कहा था कि पीएम एवं सीएम उद्धव ठाकरे के बीच अच्छा तालमेल है। ऐसे संकट के समय में हम मोदी के नेतृत्व को स्वीकार करते हैं। देश को उनके जैसे नेता की जरूरत है। तब राउत ने कहा था कि ऐसे मुश्किल समय में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष को मतभेद भुलाकर काम करना चाहिए।

कोविड-19: दवा और टीके से कितने दूर, कितने पास

कोविड-19 से पूरी दुनिया जूझ रही है और उम्मीद की नजरों से उन लोगों की ओर देख रही है जो इसकी दवा और टीके को खोजने में जुटे हैं। दुनिया के तमाम देशों के वैज्ञानिक कोरोना वायरस से निपटने के लिए इसके टीके और दवा को विकसित करने में जुटे हैं। विभिन्न देशों की कोशिशें कहां तक पहुंची हैं, क्या है प्रक्रिया और किन दवाओं के संयोजन से वे आगे बढ़ रहे हैं। इसी पर पेश है एक रिपोर्ट:

महीनों लगेंगे

कोरोना वायरस का टीका ईजाद होने में अभी कई महीने लगेंगे। एक इंटरव्यू में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि यदि सभी ने अच्छा काम किया तो हम संभवत: अगले 12-18 महीने में इसका टीका विकसित कर लेंगे लेकिन इसके बाद पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता का सवाल होगा। इसके लिए संभवत: 18-24 महीने लगेंगे।

टीके के लिए प्रगति

अमेरिका: सिएटल में पहले चरण का क्लिनिकल परीक्षण शुरू हो गया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज द्वारा यह वित्त पोषित है। यह खुला परीक्षण 18 से 55 साल की आयु के स्वस्थ वयस्क स्वयंसेवकों पर छह सप्ताह में किया जाएगा।

चीन: चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से संबद्ध सैन्य चिकित्सा विज्ञान अकादमी के शोधकर्ताओं ने टीके के परीक्षण की अनुमति मिली है। यह मार्च से दिसंबर के मध्य 108 लोगों की भर्ती करेगा।

चरणबद्ध प्रक्रिया

ड्रग और वैक्सीन विकास विस्तृत प्रक्रिया है। एक दवा या टीके पर वर्षों लग सकते हैं। एक बार जब नई दवा का जानवरों पर परीक्षण हो चुका होता है तो इसके बाद क्लिनिकल परीक्षण शुरू होता है। तीन चरणों में, इसकी सुरक्षा और क्षमता को प्रोटोकॉल के अनुसार परखा जाता है। चौथे चरण में संग्रहण और बाजार पूर्व आंकड़ों का विश्लेषण शामिल है। कोरोना वायरस एक ऐसे परिवार का सदस्य है जिस पर सार्स और मर्स के सामने आने के बाद पहले से ही काम चल रहा है। डब्ल्यूएचओ ने कोविड-19 के खिलाफ एकजुटता दर्शाते हुए सबसे अच्छे इलाज की तलाश के लिए बहु-हाथ, बहु-देश क्लिनिकल परीक्षण की घोषणा की है।

ड्रग रेमेडेसिविर के परीक्षण को माना जा रहा है अहम

यह एंटीवायरल ड्रग रेमेडेसिविर का परीक्षण करेगा। यह एचआइवी दवाओं लोपिनवीर और रीटोनेवीर, लोपिनवीर और रीटोनेवीर प्लस इंटरफेरॉन बीटा, और एंटी मलेरिया दवा क्लोरोक्वीन का संयोजन है। अब तक अर्जेंटीना, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, ईरान, नॉर्वे, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्विट्जरलैंड और थाईलैंड ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं।

रेमेडेसिविर: डॉ. स्वामीनाथन के अनुसार, अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के तत्वावधान में सबसे भरोसेमेंट परीक्षण है। नेब्रास्का मेडिकल सेंटर विश्वविद्यालय में कोविड-19 के साथ अस्पताल में भर्ती वयस्क रोगियों पर परीक्षण शुरू हो गए हैं। रेमेडेसिविर, जिसे गिलीड साइंसेज इंक द्वारा विकसित किया गया था, को पहले इबोला वायरस से पीड़ित लोगों में परीक्षण किया गया।

लोपिनवीर और रीटोनेवीर: भारत को इन दूसरी पंक्ति की एचआइवी दवाओं के संयोजन के साथ अपना अनुभव है। एंटीवायरल के बिना ठीक हुए 12 लोग (एक की बाद में मृत्यु हो गई, यह आधिकारिक तौर पर कोविड-19 मौत के रूप में नहीं गिना जा रहा है)। दुनिया भर में परीक्षण चल रहे हैं। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित पेपर में चीनी शोधकर्ताओं ने गंभीर रूप से बीमार रोगियों में से 22 फीसद की मृत्यु की सूचना दी, जिन्हें लोपिनवीर-रीटोनेवीर संयोजन दिया गया था। हालांकि उपचार से कोई लाभ नहीं देखा गया।

क्लोरोक्वीन: चीन के सन येत्सेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता क्लोरोक्वीन के साथ लोपिनवीर-रीटोनेवीर संयोजन कर शोध में जुटे हैं। पूर्व के अध्ययनों से पता चला है कि क्लोरोक्वीन कई तरह से कोरोना वायरस प्रतिकृति को बाधित कर सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, पिछली बार सार्स-सीओवी-2 (नोवल कोरोना वायरस) के रोगियों के क्लोरोक्वीन द्वारा किए गए इलाज में निमोनिया की नकारात्मक दर अधिक रही है।

फैविपिरावी: यह इन्फ्लूएंजा के नए उपभेदों के इलाज के लिए जापान में इस्तेमाल की जाने वाली दवा है। चीन के विज्ञान और प्रौद्योगिकी अधिकारियों के हवाले से यह दवा कोरोना वायरस के रोगियों में प्रभावी रही है।

नई स्थिति: संयोग से दवा विकसित करने के लिए भी प्रयास जारी हैं। सैन फ्रांसिस्को के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में क्वांटीटेटिव बायोसाइंसेज इंस्टीट्यूट में शोधकर्ता कोशिका के अंदर प्रोटीन की पहचान कर रहे हैं, जो वायरस को अपनी प्रतिकृति मशीनरी को रोल करने के लिए उपयोग करता है। यह पता लगाया जा रहा है कि क्या इनमें से किसी भी प्रोटीन को लक्षित करने से वायरस का प्रसार रुक जाएगा।

भारत का अनुभव

पिछले सप्ताह जयपुर के एसएमएस अस्पताल के प्रशासन ने लोपिनवीर और रीटोनेवीर के संयोजन को वेंटीलेटर पर रखे 70 और 69 साल के इटली के दंपती को दिया। प्रोटोकॉल के मुताबिक दोनों का दो बार नकारात्मक परीक्षण आने पर छुट्टी दे दी गई। एक शख्स की शुक्रवार को मौत हो गई। दूसरे अस्पताल में अन्य बीमारियों का इलाज कराने के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। सरकार ने कोविड-19 के लिए अपने क्लिनिकल प्रबंधन दिशानिर्देशों को संशोधित किया है। इसमें लोपिनवीर और रीटोनेवीर का उपयोग केवल उचित रूप से सूचित सहमति के साथ गंभीर मामलों के लिए केस के आधार पर सहमति के तहत इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस संयोजन का उपयोग उन रोगियों में किया जाना है, जिन्हें हाइपोक्सिया, हाइपोटेंशन, एक या अधिक अंगों का काम करना बंद कर देना और कुछ निश्चित उच्च खतरे वाले समूहों के लिए किया जाएगा।

कोरोना वायरस से बंगाल और हिमाचल प्रदेश में पहली मौत

चिंताजनक ▶ बंगाल में छह संक्रमित लोगों का चल रहा इलाज, मप्र में मिला एक नया मरीज

पंजाब, हरियाणा में दो-दो और चंडीगढ़ में एक मामला

जेएनएन, नई दिल्ली

सोमवार को बंगाल में कोरोना वायरस से पहली मौत हुई है। 57 वर्षीय मृतक कोलकाता का निवासी थी। दूसरी ओर, कोरोना से संक्रमित बंगाल में जो छह अन्य मरीज भर्ती हैं उनमें सभी हालत स्थिर बतायी जा रही है। हिमाचल में भी कोरोना वायरस से सोमवार को पहली मौत हो गई। मरीज 15 मार्च को अमेरिका से लौटा था। सोमवार को सांस लेने में तकलीफ के कारण कांगड़ा के अस्पताल लाया गया था। जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल टांडा के लिए रेफर कर दिया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले के दमदम इलाके के रहने वाले उक्त व्यक्ति को 16 मार्च को आमरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें 19 मार्च से वेंटिलेटर पर रखा गया था। शनिवार को उनके कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। बताया गया कि शुरू से ही उनकी हालत बेहद गंभीर थी। मधुमेह सहित कई अन्य शारीरिक समस्याओं से भी वह ग्रसित थे। उनके संपर्क में आने वाले परिवार के सदस्य सहित आठ अन्य लोग भी पहले से कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती हैं। जिस व्यक्ति की कोरोना से मौत हुई है उनकी विदेश यात्रा का कोई रिकॉर्ड नहीं है। हालांकि मृतक का बेटा विदेश में काम करता है, लेकिन हाल में वह कोलकाता नहीं आया है। उनकी बहू हालांकि कुछ समय पहले आई थी।

मैक्लोडगंज पूरी तरह सील

हिमाचल में कोरोना वायरस से पहली मौत के बाद मैक्लोडगंज को पूरी तरह से सील किया गया है। निजी अस्पताल को प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लॉक डाउन किया है। अस्पताल में उस समय मौजूद सौ के करीब डॉक्टर, नर्सें, पैरामेडिकल व अन्य स्टाफ को एहतियात के तौर पर निगरानी में रखा गया है। अमेरिका से मैक्लोडगंज लौटने पर उसने इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को नहीं दी थी।

मध्य प्रदेश	
सोमवार को मिले नए मरीज	01
अभी तक कुल मरीज	07
कोरोना से मौत	00

उत्तराखंड	
सोमवार को मिले नए मरीज	01
अभी तक कुल मरीज	04
कोरोना से मौत	00

बिहार

- एक माह का मुफ्त राशन और हजार रुपये देगी बिहार सरकार।
- सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को तीन महीने की पेंशन का होगा एकमुश्त भुगतान।
- डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को एक माह के मूल वेतन की राशि प्रोत्साहन के रूप।
- वृद्धजन पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन की तीन माह की राशि अग्रिम में।
- स्वास्थ्य सेवक घर-घर जाकर लेंगे कोरोना संदिग्धों की रिपोर्ट

पंजाब में 23 हुई संक्रमितों की संख्या : पंजाब में सोमवार को दो नए मामले सामने आए, जिसके साथ मरीजों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। नए संक्रमित मरीजों में होला-मुहल्ला में घूमे नवांशहर के बुजुर्ग का पोता भी शामिल है। दूसरा मरीज मोहाली का रहने वाला है।

बुजुर्ग के कारण अब तक 14 लोग संक्रमित हो चुके हैं। चंडीगढ़ में 7वां केस सामने आया है। सोमवार को शहर में कोरोना वायरस का एक और पॉजिटिव केस सामने आया है। यह 21 वर्षीय युवक पहली संक्रमित युवती के भाई के संपर्क में आया था। इसके स्वजनों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। हरियाणा में रोहतक पीजीआइ में भर्ती महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वह पानीपत में संक्रमित युवक के घर घरेलू सहायिका का काम करती थी। वहीं, पलवल में भी दुबई से लौटा 67 वर्षीय कारोबारी पॉजिटिव पाया गया है। देशभर कोरोना के वायरस नए मामले आने के बाद विशेष सतर्कता बरती जानी शुरू हो गई है।

मॉरीशस में फंसे 300 भारतीय छात्रों ने मांगी प्रधानमंत्री से मदद

संवाद सूत्र, उदयपुर : मॉरीशस में फंसे करीब 300 भारतीय छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर रहा है कि वह वापस आना चाहते हैं, उनकी मदद की जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए उनके पास मास्क तक उपलब्ध नहीं हैं। यहां तक की भोजन के लिए उपलब्ध उनका सामान भी खत्म होने वाला है। इन छात्रों में से एक कविश जैन उदयपुर का रहने वाला है।

मॉरीशस में इंटर्नशिप के लिए गए कविश ने बताया कि उनकी भारत वापसी का टिकट कन्फर्म था, लेकिन एयर मॉरीशस एवं एयर इंडिया के बीच यात्रियों को लेकर समन्वय में हुई कमी के चलते उनके साथ कई भारतीय छात्रों को बोर्डिंग नहीं करने दी गई। जिस विमान से उन्हें आना था वह भारत के लिए आखिरी फ्लाइट थी। ऐसे में करीब 300 भारतीय छात्रों का समूह यहां फंस गया है। उनके पास जरूरी सामान भी नहीं है। यहां लॉकडाउन चल रहा है।

कविश और अन्य भारतीय विद्यार्थियों ने अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिली। एक बार फिर कविश और उसके साथियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए मदद की गुहार लगाई है। इसका वीडियो उन्होंने उदयपुर के अपने मित्रों के पास भी भेजा है। कविश का कहना है कि उनके पास महज दस दिन के भोजन का सामान है। इसके बाद उनकी समस्या और बढ़ जाएगी। उन्होंने जल्द से जल्द मदद की गुहार लगाई है।

विदेश में फंसे भारतीयों ने की वापस लाने की गुहार

- लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर पांच और दुबई एयरपोर्ट पर छह भारतीय कई दिनों से अटके हुए हैं
- मलेशिया एयरपोर्ट पर फंसे सैकड़ों भारतीयों को हॉस्टल व होटल ले जाया गया

नई दिल्ली, एजेंसियां : कोरोना वायरस की वजह से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगी पाबंदी के चलते कई देशों में फंसे भारतीयों ने सरकार से उन्हें वापस लाने की गुहार लगाई है। इनमें से कई ऐसे हैं जो किसी दूसरे से आकर किसी अन्य देश में फंस गए हैं। वहीं, नीदरलैंड में फंसे 113 भारतीयों के लेकर केएलएम का एक विमान आखिरकार रविवार रात नई दिल्ली पहुंच गया। पहले इस विमान को रास्ते से ही वापस कर दिया गया था।

हैदराबाद के रहने वाले पांच लोग लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। चीली में रहने वाले ये सभी भारतीय ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट से लंदन होते हुए भारत लौट रहे थे। लेकिन भारत में अंतरराष्ट्रीय विमानों के आने पर पाबंदी के चलते ये सभी लंदन में ही फंस गए हैं। ब्रिटेन में घुसने के लिए इनके पास वीजा नहीं है। इन लोगों ने भारतीय दूतावास समेत सरकार से भी उन्हें वापस लाने की गुहार लगाई है।

इसी तरह दुबई एयरपोर्ट पर भी पांच दिन से छह भारतीय फंसे हुए हैं। ये सभी यूरोप के देशों से आए हैं, लेकिन भारत में पाबंदियों के चलते ये वापस नहीं आ पाए हैं। इनमें तीन पंजाब के और राजस्थान, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश का एक-एक व्यक्ति है। दिल्ली के रहने वाली दीपक गुप्ता ने गल्फ न्यूज को बताया कि उन लोगों के एयरपोर्ट पर ही बेंच पर सोना पड़ रहा है और उन्हें यह भी नहीं पता कि कब तक उन्हें इस स्थिति में रहना पड़ेगा। गुप्ता के मुताबिक उनके साथ सात लोग थे, लेकिन एक व्यक्ति वापस फ्रांस लौट गया।

मलेशिया में भी सैकड़ों लोग एयरपोर्ट पर फंसे थे। लेकिन भारतीय उच्चायोग ने बताया कि एनजीओ और सामुदायिक संगठनों की मदद से इनमें से कुछ को हॉस्टल और कुछ को होटलों में रखा गया है। उच्चायोग ने इन सभी से स्थानीय प्रतिबंधों का पालन करने का अनुरोध किया है।

इस बीच, केएलएम के एक विमान को विशेष केस मानते हुए नई दिल्ली एयरपोर्ट पर रविवार रात लैंड करने की अनुमति दी गई। इसे चार दिन पहले रास्ते से ही वापस कर दिया गया था। विमान में 113 भारतीय थे, जिनमें से सौ लोग अमेरिका से लौट रहे थे। वापस किए जाने के बाद ये लोग नीदरलैंड में एम्सटर्डम एयरपोर्ट पर फंस गए थे। इनमें से एक यात्री संजय साप्रा की पत्नी टीना साप्रा ने उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी से इनकी मदद करने का अनुरोध किया था।

फ्रांस विशेष विमान से अपने लोगों को ले जाएगा : फ्रांस भारत में फंसे अपने देश के सैलानियों को विशेष विमान से वापस भेजेगा। बेंगलुरु स्थित फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि विशेष विमान से सैलानियों को भेजने की व्यवस्था की जा रही है। कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में फ्रांस के सैलानी फंसे हुए हैं। दूतावास ने इन सैलानियों से अपनी जानकारी उस तक भेजने का आग्रह किया है।

इटली से 263 भारतीय छात्रों एवं अन्य लोगों को एयर इंडिया के विशेष विमान से भारत लाया गया था। फाइल

क्रू के सदस्यों के स्वास्थ्य का ख्याल रखें एयरलाइंस

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से कहा कि विदेश में फंसे भारतीयों को लाने वाले विमानों के पायलट और क्रू के सदस्यों के स्वास्थ्य का ख्याल रखने की जिम्मेदारी संबंधित एयरलाइन की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने उड्डयन मंत्रालय को भेजे पत्र में कहा है कि अगर किसी विमान से आए व्यक्ति को कोरोना वायरस से पॉजिटिव पाया जाता है तो उस विमान के क्रू के सदस्यों को 14 दिनों तक ड्यूटी से अलग रखना होगा। इन सदस्यों को अपने घरों में ही कम से कम दो हफ्ते तक अलग-थलग रहना होगा।

पीएम मोदी ने एयर इंडिया के चालक दल की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की राजधानी रोम से 263 भारतीयों को लाने वाले एयर इंडिया के पायलटों और चालक दल के सदस्यों के असाधारण प्रयास की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर लिखा है कि इनके साहस और मानवीय भावना से वह बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। उनके इस असाधारण प्रयास की देशभर के लोग सराहना की है। बता दें कि रविवार को यह विशेष विमान नई दिल्ली पहुंचा था। एयर इंडिया ने निर्धारित मानकों के अनुसार विमान के चालक दल के सदस्यों को अपने घरों में ही एकांत में रहने की सलाह दी है।

नवांशहर में शहीदों के स्मारकों पर लगने वाले मेले रद

जागरण संवाददाता, नवांशहर

- पंजाब में पाबंदियों का असर शहीदी स्मारकों पर दिखा
- हुसैनीवाला व नवांशहर में डीसी ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा'। कोरोना वायरस के कारण पहली बार ऐसा हुआ कि शहीदों के स्मारक पर मेले नहीं लगे। नवांशहर में कोरोना के एक मरीज के कारण 14 अन्य लोग संक्रमित हो गए थे, जिस कारण प्रशासन ने कार्यक्रम स्थगित कर दिया।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह के शहीदी दिवस पर पहली बार नवांशहर में उनके गांव खटकड़कलां में शहीदी स्मारक पर श्रद्धांजलि देने हुजूम नहीं उमड़ा। दिनभर में महज 30 लोगों ने शहीदी स्मारक पर सजदा किया। हुसैनीवाला बॉर्डर स्थित शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की शहादत को सलाम करने के लिए इस साल समागम नहीं हुआ। इसके अलावा शहीदी स्मारक पर लगने वाला मेला भी नहीं लगा। हुसैनीवाला स्थित शहीदी स्मारक पर अकेले डीसी कुलवंत सिंह ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव सिंह, राज माता विद्यावती और बीके दत्त की समाधियों पर श्रद्धा के फूल भेंट किए। यहां स्मारक पर केवल फिरोजपुर से ही नहीं बल्कि फरीदकोट, बठिंडा, मोगा, मुक्तसर साहिब, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से लोग पहुंचते थे, जो इस बार नहीं आ सके। उधर, नवांशहर में डीसी अकेले शहीदी स्मारक पहुंचे और वतन के लिए कुर्बानी देने वाले वीरों को नमन किया।

पिछले साल चली थी मेला स्पेशल ट्रेन

पिछली बार फिरोजपुर के तत्कालीन डीसी चंद्र गैंद ने शहीदी स्मारक को रवाना होने वाली पहली मेला स्पेशल ट्रेन से आम जनता के साथ बैठकर हुसैनीवाला बॉर्डर तक 10 किलोमीटर सफर किया था। आयोजन में प्रदेश सरकार की ओर से कैबिनेट मंत्री गुरप्रीत सिंह कांगड़, भाजपा नेता स्वर्गीय कमल शर्मा व सुखपाल सिंह खैहरा ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी थी।

पसरा सन्नाटा...

घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बंद होने के बाद कोलकाता स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सन्नाटा दिखा। प्रेट्र

बरतें सतर्कता

वुहान की सेंट्रल यूनिवर्सिटी और सिंगापुर यूनिवर्सिटी के शोधों से स्पष्ट है कि कोरोना वायरस हवा में जिंदा रह सकता है

हवा में भी वायरस के जिंदा रहने की क्षमता पर डब्ल्यूएचओ गंभीर

जेएनएन, नई दिल्ली

अभी तक दावे से कहा जा रहा था कि कोरोना वायरस हवा में जिंदा नहीं रह सकता, क्योंकि इसके स्पाइक को सतह से चिपकना होता है। अब वुहान की सेंट्रल यूनिवर्सिटी और सिंगापुर यूनिवर्सिटी के शोधों से स्पष्ट है कि कोरोना वायरस हवा में जिंदा रह सकता है। एरोसॉल जैसे हालात बनने पर यह संभव है। यह अपवाद स्थिति है, लेकिन नामुमकिन नहीं है। वुहान सेंट्रल यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने पाया कि 1.1 घंटे से लेकर दो घंटे तक कोरोना वायरस आराम से जिंदा रह सकता है। इसने हवा में जिंदा रहने के लिए वही रणनीति अपनाई है जो इसके ही दूर के रिश्तेदार सार्स के सीओवी वायरस ने अपनाई थी।

बड़ी चिंता : डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन सेवाओं और पशुजन्य रोगों के विभाग की प्रमुख डॉ. मारिया वेन केरखोव ने आधिकारिक रूप से चेतावनी दी है कि नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) एयरबॉर्न (हवा में जिंदा रहना) हो सकता है। डॉ. मारिया ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है कि एरोसॉल (हवा और वाष्प का मिश्रण) पैदा करने वाले मेडिकल उपकरण के कारण कोरोना वायरस हवा में जिंदा रह सकता है, दुर्भाग्य से कुछ देर ज्यादा जिंदा। यह अपवाद स्थिति है, लेकिन संभावित स्थिति है। ऐसे में हमें संक्रमित मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को बचाव की किट भी एरोसॉल के हालात को देखते हुए देनी होगी और लोगों को ज्यादा से ज्यादा क्वारंटाइन करना होगा। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस हवा में सस्पेंशन की स्थिति में रहता है और मौका पाते ही एक्टिव हो सकता है। डॉ. मारिया ने बताया कि गर्मी और नमी पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। अहम है कि डब्ल्यूएचओ समेत कई संगठनों ने चेतावनी दी है कि ज्यादा नमी की स्थिति कोरोना के लिए फायदेमंद है। ज्यादा नमी की स्थिति में वायरस एयरबॉर्न हो सकता है।

ऐसे पता चला : वुहान सेंट्रल यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ डॉ. के. लान की टीम ने कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों का इलाज कर रहे दो अस्पतालों को अपने अध्ययन का केंद्र बनाया। इन दोनों बड़े अस्पतालों से कुल 35 सैंपल हवा के लिए गए। आइसीयू एरिया में, जहां संक्रमित लोगों का इलाज चल रहा था, उस पर गहरा शक था। आइसीयू क्षेत्र की हवा में कोरोना वायरस नहीं मिला। इसके बाद सामान्य वार्ड की हवाओं का परीक्षण किया गया, यहां भी हवा में कोरोना वायरस नहीं मिला। जल्द ही बड़ा झटका डॉ. लान की टीम को मिला। कोरोना वायरस मिला मरीजों के शौचालय की हवा में, जिसे कभी-कभी तीमारदार भी इस्तेमाल करते थे। डॉ. लान की टीम ने एक और चौंकाने वाली खोज की। उन्होंने पाया कि कोरोना वायरस मरीज की आंतों में एक्टिव था। डॉ. लान ने बताया कि यह चौंकाने वाली खोज थी। कोरोना वायरस एयरबॉर्न हो सकता है। वह क्या-क्या कर सकता है, उस पर नजर रखने की जरूरत है। यह डराने वाले हालात हैं, हमें सिर्फ सतह ही नहीं पूरे वातावरण को साफ करना होगा, जैसा हमने सार्स के समय किया था। सार्स के सीओवी की तरह ही यह व्यवहार कर रहा है।

प्रतीकात्मक

शोधकर्ताओं को यहां-यहां मिला वायरस

सिंगापुर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने तीन कोरोना पॉजिटिव मरीजों पर शोध किया। उन्हें अलग-अलग कमरों में रोका गया, जहां कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज किया गया। पहले दो कमरों से लिए गए हवा के सैंपल में कोरोना वायरस नहीं मिला, लेकिन तीसरे कमरे के सैंपल से चौंकाने वाली जानकारी मिली। सतह पर तो कोरोना वायरस मिला ही, लेकिन कमरे की वेंटीलेशन यूनिट में भी यह खतरनाक वायरस मिला, खासतौर पर फैन के आसपास। इस शोध को अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित किया गया है।

कोरोना की एरोसॉल स्थिति

धुंध भी एक तरह का एरोसॉल स्थिति होती है। आपके तमाम बॉडी स्प्रे, परफ्यूम आदि इसी सिद्धांत पर काम करते हैं, जहां आलग-अलग रसायनिक पदार्थों के कणों का सहारा लिया जाता है। इसी तरह ही हवा में मौजूद पदार्थों के बड़े कणों पर कोरोना वायरस चिपक जाता है और अधिकतम दो घंटे तक खुद को निष्क्रिय रखता है। इस दौरान किसी इंसान के कॉन्टैक्ट में आते ही सक्रिय हो जाता है।

नमी बनेगी बड़ा कारण

ज्यादा नमी की स्थिति में हवा में मौजूद पार्टिकल बड़े हो जाते हैं, क्योंकि हवा में पानी के महीन कण होते हैं। ऐसे में कोरोना वायरस को एरोसॉल होने का मौका मिल सकता है। अमेरिका के सेंटर ऑफ डिजीज कंट्रोल से जुड़ी संस्था एनआइएआइडी के विशेषज्ञ डॉ. विनसेंट की टीम ने एक प्रयोग किया। उन्होंने सांस के मरीजों को दवा का अधिकतम का फायदा पहुंचाने वाले नेबुलाइजर का इस्तेमाल किया। नेबुलाइजर से नम हवा निकलती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि नेबुलाइजर से निकलने वाली हवा में वायरस था और वह काफी समय तक हवा में बना रहा। डॉ. विनसेंट ने बताया कि हां, कोरोना का संक्रमण हवा के जरिये संभव है। हालांकि इसकी संभावना बहुत कम है, लेकिन शून्य नहीं।

प्रधानमंत्री ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मीडिया की भूमिका को सराहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में मीडिया की गंभीरता और जागरूकता फैलाने के प्रयासों की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि आगे एक लंबी लड़ाई है, जहां सामाजिक दूरी के बारे में जागरूकता, ताजा गतिविधियों एवं सरकार के निर्णयों के बारे में तेजी से सूचना पहुंचाना महत्वपूर्ण है।

पीएम ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पक्षकारों से कोरोना वायरस से जुड़ी चुनौतियों के बारे में चर्चा की और जागरूकता फैलाने को लेकर उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने रिपोर्टर, कैमरामैन व तकनीशियनों की प्रतिबद्धता एवं घर से काम करने से जुड़ी नवोन्मेषी पहल की भी सराहना की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, मोदी ने कोविड-19 को बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि इससे नए एवं नवोन्मेषी समाधान के जरिये निपटे जाने की जरूरत है। हमारे सामने लंबी लड़ाई है जहां सामाजिक दूरी के बारे में जागरूकता, ताजा गतिविधियों और सरकार के निर्णयों के बारे में तेजी से सूचना पहुंचाना महत्वपूर्ण है। पीएम ने कहा कि सरकार के निर्णयों को तेजी व पेशेवर तरीके से आसान भाषा में पहुंचाने की जरूरत है। मोदी ने कहा कि चैनलों को एक तरफ यह सुनिश्चित करना है कि लोग लापरवाह नहीं बनें और सकारात्मक संवाद के जरिये अफरा-तफरी को भी दूर करना है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को प्रोत्साहित किया जाए क्योंकि वे लड़ाई के अग्रिम मोर्चे पर हैं। संवाद के दौरान चैनलों के प्रतिनिधियों ने पीएम से और कम अंतराल पर राष्ट्र को संबोधित करने का आग्रह किया। इसमें सकारात्मक खबरों खासकर कोविड-19 से ठीक होने वालों के अनुभवों को शामिल करने को कहा।

मोदी ने कहा, आगे अभी लंबी लड़ाई

प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संपादकों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना वायरस पर चर्चा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी। एएनआइ

'नेशनल मेडिकल इमरजेंसी' घोषित करने को जोगी ने पीएम को लिखा पत्र

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रमुख अजीत जोगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 'नेशनल मेडिकल इमरजेंसी' घोषित करने की मांग की है।

पीएम को लिखे पत्र में जोगी ने 1975 के आपातकाल का भी उल्लेख किया है। कहा है कि तक राजनैतिक कारणों से आपातकाल लागू किया गया था, जिसे देश का काला अध्याय कहा जाता है, लेकिन वर्तमान में वैश्विक स्वास्थ्य आपदा को देखते हुए यदि मेडिकल इमरजेंसी लागू करते हुए इस आपदा को रोका जाता है तो मुझे पूर्ण विश्वास है कि जनता इस निर्णय को सकारात्मक रूप में लेगी। जोगी ने कहा है कि पिछले दो दिनों में देश में कोरोना पीड़ितों की संख्या लगभग दोगनी हो गई है। यदि यह सिलसिला ऐसा ही चलता रहा तो हम बहुत जल्द कोरोना वायरस के तीसरे स्टेज में पहुंच जाएंगे जहां 'कम्युनिटी ट्रांसमिशन' के माध्यम से संक्रमण फैलेगा।

वायरस के सबक भारत से साझा करेगा चीन

बीजिंग, प्रेट्र : चीन ने महाविनाशक कोरोना वायरस से युद्धस्तर पर निपटने में भारत की ओर से भेजी गई मदद की सराहना की है। चीन ने यह भी कहा कि वह कोविड-19 से मुकाबला करने के लिए भारत की मदद करने का इच्छुक है और अपने अनुभव साझा करेगा। वह भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने में जरूरी सहायता भी मुहैया कराएगा।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुवांग ने सोमवार को मीडिया को बताया कि चीन उन 19 देशों की सहायता करेगा जिनकी सरकारों ने कोरोना वायरस के कारण आई विपत्ति के समय उसकी मदद की थी। जब शुवांग से पूछा गया कि इन 19 देशों की सूची में उनके करीबी देश भारत का जिक्र क्यों नहीं हैं, तो उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच जो भी आदान-प्रदान है, वह बेरोक-टोक होता है। दोनों देशों के बीच यह सहयोग बहुत नजदीकी है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के फैलने के बाद भारत और चीन लगातार संपर्क में हैं। दोनों के बीच लगातार सहयोग जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी पक्ष को एक पत्र भेजकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की थीं। भारत के विदेश मंत्री ने भी चीनी प्रतिपक्षी से फोन पर बात की थी। हमें भारत से सहायता मिली थी और हम उसकी प्रशंसा करते हैं। हमारे बीच आदान-प्रदान की एक प्रणाली है। चीन समयबद्ध तरीके से भारत से इस विषय में सूचनाएं साझा करता आ रहा है। चीन में भी हम भारतीयों को जरूरी सहायता और आवश्यक सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। हम उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा का ख्याल रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि जैसे ही यह वैश्विक महामारी फैलती गई, हमने भारत में हालात का भी संज्ञान लिया। चीन और भारत ही दो ऐसे देश हैं, जिनकी आबादी एक अरब से अधिक है। यह घातक वायरस हम सबके लिए चुनौती है। हम अपने अनुभवों को भारतीय पक्ष के साथ साझा करना चाहेंगे। आगे चलकर हम उन्हें जरूरी सहायता भी मुहैया कराएंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में भारत चीनी अधिकारियों की गई एक वीडियो कांफ्रेंस का भी हिस्सा था। इसमें कोविड-19 के अनुभवों को चीन ने युरेशियाई देशों और दक्षिण एशियाई देशों से साझा किया था। दक्षिण एशियाई देशों में भारत के अलावा श्रीलंका, भूटान, नेपाल, पाकिस्तान, मालदीव, बांग्लादेश ने हिस्सा लिया था।

- युद्धस्तर पर कोरोना से निपटने में भारत की मदद पर की प्रशंसा
- संक्रमण को रोकने में जरूरी सहायता भी मुहैया कराएगा

भारत ने चिकित्सकीय सहायता भेजी थी

ध्यान रहे कि भारत ने विगत 26 फरवरी को वुहान में कोरोना वायरस के संक्रमण से मुकाबले के लिए चीन को चिकित्सकीय सहायता के तौर पर मास्क, ग्लव्स और अन्य आपातकालीन चिकित्सा उपकरण भेजे थे। भारत ने अपने सैन्य विमान के जरिए यह सहायता सामग्री भेजी थी और वापसी में इसी विमान से वहां फंसे 112 भारतीयों और कुछ विदेशी नागरिकों को बचाकर वापस लाया गया था।

वायरस से लड़ाई में सरकार का सहयोग करें स्वयंसेवक : आरएसएस

नागपुर, एएनआइ : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह सुरेश भय्याजी जोशी ने सोमवार को स्वयंसेवकों से कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सरकार का सहयोग करने की अपील की है। जोशी के अनुसार, 'सभी स्वयंसेवकों से अपील की जाती है कि वे छोटा समूह बनाकर लोगों को साफ-सफाई व स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करें। स्वयंसेवकों को जरूरतमंद लोगों तक खानेपीने की चीजें पहुंचाने का भी प्रबंध करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'स्वयंसेवक स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से संपर्क में रहें और उनकी अपेक्षाएं जानने की कोशिश करते हुए आवश्यक मदद उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही सरकार के निर्णयों के क्रियान्वयन में भी सहयोग करें।'

छत्तीसगढ़ के 13 जिलों में मास्क नहीं, विभाग ने जारी किया टेंडर

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ के 13 जिलों में मास्क नहीं होने से स्वास्थ्य विभाग ने शार्ट टेंडर जारी किया है। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन (सीजीएमएसई) ने ट्रिपल लेयर मास्क, पीपीई किट, ग्लब्स और एन 95 मास्क के लिए टेंडर जारी किया है। सीजीएमएसई ने 20 मार्च को टेंडर आमंत्रित किया और जमा करने के लिए 23 मार्च शाम पांच बजे तक का समय तय किया था। सीजीएमएसई के एमडी भुवनेश यादव ने बताया कि आपदा प्रबंधन क्रय समिति ने मास्क की कमी को देखते हुए टेंडर कराया है। आपदा के समय भंडार क्रय नियम में छूट मिलती है।

कोरोना पर देश की सभी लैब में शोध हुआ शुरू

उपाय ▶ वैक्सीन बनाने, प्रभावी दवाइयों की खोज के किए जा रहे प्रयास

इसकी जांच करने वाली लैबों को वायरस का क्लीनिकल सैंपल देने के निर्देश

नीलू रंजन, नई दिल्ली

प्रतीकात्मक

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जहां एक ओर सरकार अधिक प्रभावित इलाकों को लॉकडाउन कर इसे फैलने से रोकने की कोशिश में जुटी है, वहीं देश के सभी वैज्ञानिकों ने इस लड़ाई को सफल बनाने के लिए एकजुट प्रयास शुरू कर दिया है। कोरोना के खिलाफ वैक्सीन बनाने से लेकर इस पर प्रभावी दवाइयों की खोज और इससे ग्रसित लोगों पर नजर रखने तक के उपाय खोजे जा रहे हैं। कोरोना वायरस और इससे होने वाली बीमारी का जल्दी समाधान निकालने के लिए शनिवार को वैज्ञानिकों की अधिकार प्राप्त समिति की बैठक हुई। बैठक में देश की सभी शोध संस्थाओं को कोरोना वायरस की समस्या का जल्द समाधान निकालने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का निर्देश दिया गया। भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के.विजयराघवन ने देश के सभी वैज्ञानिकों से अपने-अपने स्तर पर इस लड़ाई में शामिल होने की अपील की है। कोरोना पर अधिकार प्राप्त समिति ने बायोटेक्नालोजी विभाग, सूचना व प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद, डीआरडीओ और परमाणु ऊर्जा विभाग को कोरोना वायरस पर क्लीनिकल टेस्टिंग की अनुमित दे दी है। इसके तहत अब सभी सरकारी राष्ट्रीय शोध संस्थान मान्यता प्राप्त टेस्टिंग लैब से कोरोना वायरस का सैंपल हासिल कर सकेंगे। ताकि वे इस वायरस पर अपना टेस्ट शुरू कर सकें। इस सभी लेबोरेटरी को अपने शोध के रिजल्ट के एक सार्वजनिक प्लेटफार्म पर शेयर करने को कहा गया, ताकि दूसरे लैब में शोध में लगे वैज्ञानिकों को इसकी जानकारी मिल सके और वे उसमें योगदान कर सकें। इससे शोध की गति भी बढ़ेगी और सटीक भी होगी। देश से भी राज्य, केंद्र और निजी सभी अस्पतालों को इन लेबोरेटरी को क्लीनिकल सैंपल प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने को कहा है।

रविवार को एक साथ कई ट्वीट कर के. विजयराघवन ने देश के सभी वैज्ञानिकों से राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर क्षमता के अनुसार कोरोना वायरस की समस्या से निपटने में कारगर तरीका ढूंढने में मदद करने की अपील है। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में कोरोना के संकट से निपटने में किस-किस चीज की जरूरत है और वैज्ञानिक खुद तय करें कि इसमें वे किस तरह योगदान कर सकते हैं। इनमें कोरोना के मरीजों के इलाज के लिए जरूरी उपकरण, इलाज में लगे डॉक्टरों व नर्सों के लिए प्रोटेक्टिव उपकरण, जल्द जांच के लिए रैपिड डायगनोस्टिक किट शामिल हैं। विजयराघवन के अनुसार इन जरूरतों को बड़े पैमाने और तत्काल उपलब्ध कराने का सबसे कारगर उपाय क्या है, कोई नहीं जानता है। उम्मीद जताई कि जब सभी वैज्ञानिक प्रयास करेंगे तो कोई बेहतरीन समाधान निकल आएगा। उनके अनुसार इसके साथ ही मरीजों की संख्या बढ़ने पर उनके हालात पर और संदिग्ध मरीजों पर नजर रखने के लिए मोबाइल एप की भी जरूरत पड़ेगी। एप पर आधारित ट्रैकिंग सिस्टम के साथ ही बैक एंड टेक सपोर्ट की प्रणाली खड़ा करने में वैज्ञानिकों की भूमिका अहम हो सकती है।

आपकी हंसी से कोरोना को आएगा रोना

कुमार संजय, लखनऊ : कोरोना को लेकर सतर्कता तो जरूरी है लेकिन, ज्यादा चिंता ठीक नहीं। आपकी हंसी भी एक ऐसी दवा है जो कोरोना पर कारगर है। आपकी हंसी से भी कोरोना को रोना आ सकता है। इस वायरस के संक्रमण से बचने का सबसे अच्छा उपाय है खुश रहना, तनाव नहीं लेना। यह मंत्र संजय गांधी पीजीआइ के शरीर प्रतिरक्षा वैज्ञानिक प्रो. विकास अग्रवाल ने दिया। उन्होंने बताया कि खुश रहने से दिमाग में डोपामाइन और सिरोटोनिन रसायन का स्तर बढ़ता है, जिससे शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। प्रो. विकास ने कहा कि घर में रह कर खुश रहें और सबको खुश रखें। वायरस संक्रमण को लेकर बहुत ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। जरूरी यह है कि कम लोगों के संपर्क में आएं।

घबराएं नहीं, बरतें एहतियात : संस्थान के ही पल्मोनरी मेडिसिन के प्रो. जिया हाशिम ने बताया कि यदि कहीं से यात्रा करके आए हैं या किसी आशंकित व्यक्ति के संपर्क में आए हैं तो तुरंत अपने को अलग कर लें। संक्रमण होगा तो 14 दिन में खत्म हो जाएगा। लक्षण आने पर विशेषज्ञ से सलाह लेने की जरूरत है। प्रो. जिया ने कहा कि कोरोना वायरस का संक्रमण एकदम स्वाइन फ्लू वायरस के संक्रमण के लक्षण प्रकट करता है। इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है, केवल लोगों को एहतियात बरतने की जरूरत है।

रोगियों का हौसला बढ़ाएं : कोरोना वायरस कमजोर इम्यून सिस्टम वाले और श्वास रोगियों को आसानी से गिरफ्त में ले लेता है। इसके लिए जरूरी है कि घर में बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को खुश रखें और उन्हें एकदम तनाव न लेने दें।

पुस्तकें बनेंगी क्वारंटाइन में रह रहे लोगों का सहारा

नवीन नवाज, श्रीनगर

- श्रीनगर के प्रकाशक ने प्रशासन को दीं एक हजार किताबें

अब कोरोना से लड़ाई के लिए पुस्तकें सहारा बनेंगी। प्रमुख प्रकाशक और बुक स्टोर संचालक ने श्रीनगर में क्वारंटाइन में रखे गए छात्रों के लिए एक हजार चर्चित किताबें उपलब्ध करवाई हैं। इनमें दुनिया के प्रतिष्ठित लेखकों के उपन्यास, मशहूर हस्तियों की आत्मकथाएं, विज्ञान और आध्यात्म से जुड़ी किताबें शामिल हैं।

श्रीनगर में पिछले कुछ दिनों में बांग्लादेश, ईरान, सऊदी अरब समेत और अन्य देशों से करीब डेढ़ हजार छात्र पहुंचे हैं। इन्हें परिवार से दूर अलग-अलग स्थान पर क्वारंटाइन में रखा गया है। इस दौरान अकेलापन काटने और खुद को नकारात्मक विचारों से बचाने में किताब पढ़ने से अच्छा कोई विकल्प नहीं है।

पांच पीढ़ियों से पुस्तक प्रकाशन और वितरण व्यवसाय में शामिल गुलशन बुक स्टोर के मालिक और प्रबंध निदेशक शेख एजाज अहमद ने कहा कि किताबों की बहुत अहमियत है। भारत-पाक विभाजन से पहले मेरे दादा ने श्रीनगर-मुजफ्फराबाद मार्ग पर पहला बुक स्टोर बनाया था। किताबें किसी की भी जिंदगी बदल सकती हैं। मौजूदा हालात में बहुत से लोग क्वारंटाइन में हैं। ऐसे में हमारा प्रयास है कि उनमें निराशा, हताशा की भावना पैदा न हो, उनका विश्वास बना रहे।

लिम्का बुक में दर्ज है नाम : उनके स्टोर में 80 हजार से ज्यादा किताबें हैं और इसके चलते उनका नाम लिम्का बुक में दर्ज है। स्टोर मालिक ने हमने प्रशासन से कहा है कि वह अगर चाहें तो हम और भी किताबें प्रदान करने को तैयार हैं। अकादमिक किताबें हमारे पास नहीं है। उनके अलावा दुनिया की बेस्ट सेलर हम देने को तैयार हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व वित्तमंत्री डॉ. हसीब द्राबु ने कहा कि इससे अकेलेपन से लड़ने और निराशा के भाव पर काबू पाने में मदद मिलेगी।

प्रतीकात्मक

रेलवे ने यात्रियों के प्रतीक्षालय में ठहरने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए प्रतीक्षालयों में ठहरने की समयसीमा को बढ़ाने का फैसला किया है। कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए यात्री रेल सेवा स्थगित किए जाने के कारण फंसे लोगों की परेशानियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मौजूदा नियम के तहत प्रतीक्षालय में कम से कम तीन और अधिकतम 48 घंटे तक ठहरने का प्रावधान है। आदेश के अनुसार, 'ऐसा देखने में आया है कि जो लोग प्रतीक्षालय में थे और उन्होंने एक-दो दिनों के भीतर कहीं जाने के लिए टिकट ले रखा था, अचानक ट्रेन सेवा स्थगित होने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कारण है कि वे कहीं दूसरी जगह जा भी नहीं सकते।' इसमें कहा गया है, 'रेलवे बोर्ड ने फैसला किया है कि इस प्रकार के सभी मामलों में नियमों को दरकिनार करते हुए प्रतीक्षालय में ठहरने की अधिकतम समय सीमा को बढ़ाया जा सकता है। यह सुविधा ट्रेनों की सेवाएं सामान्य होने तक लागू रहेगी। सभी स्टेशन मास्टरों को निर्देशित किया जाता है कि फंसे यात्रियों को यह सुविधा तत्काल प्रदान की जाए।'

ममता का पीएम से अनुरोध, घरेलू विमान सेवाएं पूरी तरह बंद हों

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर घरेलू विमान सेवाओं को भी पूरी तरह बंद करने का अनुरोध किया। केंद्र सरकार ने दूसरे देशों से आने वाले विमानों के देश में उतरने पर रविवार से ही प्रतिबंध लगा दिया है। ममता ने अब पीएम से घरेलू विमान सेवाओं को भी बंद करने की अपील की है।

पत्र में ममता ने खासकर बंगाल आने वाले सभी विमानों की आवाजाही तुरंत रोकने की मांग की है। साथ ही यहां के सभी एयरपोर्ट पर भी कामकाज फिलहाल स्थगित रखने की बात कही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से बंगाल आने वाली सभी ट्रेनों की आवाजाही बंद करने की भी मांग की थी। इसके बाद रेलवे ने रविवार को 31 मार्च तक देशभर में सभी यात्री ट्रेनों की आवाजाही पर रोक लगाने की घोषणा की।

कोरोना के चलते बंगाल सरकार ने अंतरराज्यीय बस सेवाओं पर भी रविवार से रोक लगा दी। बंगाल में कोरोना के अब तक 7 मामले सामने आ चुके हैं। रविवार को कोलकाता में तीन और पॉजिटिव मामले सामने आने के बाद चिंता और बढ़ गई है। इसको लेकर राज्य सरकार बेहद सतर्क है।

पेट्रो, डीजल व एलपीजी का होगा निर्बाध आपूर्ति : आइओ

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : कोलकाता में लॉकडाउन के दौरान पेट्रोल, डीजल और एलपीजी आपूर्ति निर्बाध रहेगा। इंडियन ऑयल (आइओ) ने ग्राहकों को आश्वस्त किया कि लॉकडाउन अवधि के दौरान शहर में खुदरा दुकानों में ईंधन की कमी (पेट्रोल या डीजल) नहीं होगी। लॉकडाउन को लेकर किसी भी प्रकार चिंता किए बिना हड़बड़ी से खरीदारी से बचना चाहिए। इंडियन ऑयल ने साफ किया कि बंगाल में उनके सभी तेल प्रतिष्ठान और एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र सुचारू रूप से काम कर रहे हैं।

झारखंड में जरूरतमंदों को खिचड़ी, परिवारों को दो महीने का राशन

राज्य ब्यूरो, रांची : कोरोना के कारण रोज कमाने-खाने वालों के सामने पेट भरने का संकट आ खड़ा हुआ है। झारखंड सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए कमर कस ली है। राज्य के 24 जिलों में संचालित 350 से अधिक दाल-भात केंद्रों में लोगों को खिचड़ी खिलाने को कहा गया है। एक-दो दिनों में यह व्यवस्था शुरू हो जाएगी। अभी दाल-भात केंद्रों पर पांच रुपये लिए जाते हैं, खिचड़ी की व्यवस्था मुफ्त हो सकती है। खिचड़ी को घर ले जाने की व्यवस्था होगी।

जन वितरण प्रणाली से राशन पानेवाले लोगों को दो माह का राशन एक साथ देने की बात भी कही गई है। सीएम ने आम लोगों को आश्वस्त किया है कि वे स्वयं हर शाम दिन भर की सारी जानकारी जनता से साझा करेंगे। ताकि लोगों को सही सूचना मिल सके। राज्य के बाहर फंसे लोगों की मदद के लिए दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री से बात किए जाने की जानकारी भी उन्होंने दी है। कहा कि राज्य सरकार ऐसे लोगों तक हर मदद पहुंचाने का कार्य करेगी।

कोरोना के डर से भागा और करोड़पति बन गया कारपेंटर

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- वायरस के भय से केरल से भाग कर गांव पहुंचा था
- काम को लेकर था परेशान और लग गई एक करोड़ की लॉटरी

पूरे विश्व में कोरोना वायरस से हड़कंप मचा है। भारत में रविवार को 'जनता कर्फ्यू' के बाद बंगाल समेत कई राज्यों में सोमवार से लॉकडाउन शुरू हो गया। संक्रमित लोगों की संख्या के साथ-साथ मौत के आंकड़े भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भारत सरकार अपनी तरफ से इस पर लगाम कसने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। कोरोना वायरस के चलते देशभर में लोगों को अपने कामकाज बंद कर गांवों को लौटना पड़ रहा है। इससे लोगों का रोजगार जा रहा है और परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। ऐसे ही बंगाल के एक कारपेंटर को भी केरल में अपना काम बंद कर गांव लौटना पड़ा लेकिन अच्छी बात यह है कि एक लॉटरी ने उसकी किस्मत बदल दी। एक लॉटरी ने उसे करोड़पति बना दिया है।

बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का इजारुल केरल में कारपेंटर का काम करता था। वहां उसे दैनिक मजदूरी कर हजार से 1500 रुपये मिलते थे। कोरोना के डर से वह गांव लौट आया। एक हफ्ते पहले तक गांव में रोजगार को लेकर परेशान था। इजारुल के घर में उसकी पत्नी, तीन बच्चों के अलावा मां और पिता हैं। इजारुल को एक दिन पहले पता चला कि उसकी लॉटरी लग गई है और वह करोड़पति बन गया है। असल में कोरोना को लेकर अफरातफरी के बीच ही उसने लॉटरी का एक टिकट खरीदा था। उसे याद ही नहीं था कि उसने लॉटरी का टिकट खरीदा है। बाद में उसने पता चला तो अब वह बहुत खुश हैं। इसे कहते हैं किस्मत का खेल। एक ओर कोरोना वायरस से लोग आतंकित हैं। लाखों लोगों के रोजगार पर आफत है। वहीं इस कारपेंटर के लिए यह वरदान जैसा बन गया।

लखनऊ एसपीजीआइ तैयार करेगा फाइटर

संदीप पांडेय, लखनऊ : उप्र सरकार कोरोना से निपटने के लिए युद्धस्तर पर जुटी है। एक तरफ वायरस का संक्रमण थामने के लिए कई जनपदों को लॉकडाउन कर दिया गया है, दूसरी ओर इलाज की पुख्ता व्यवस्था का खाका भी खींच लिया गया है। इसके लिए सरकारी से लेकर प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में बेड आरक्षित किए जा रहे हैं। वहीं कोरोना फाइटर तैयार करने की जिम्मेदारी एसजीपीजीआइ को सौंपी गई है। एसपीजीआइ कोरोना मरीजों के इलाज लिए स्टाफ को मंगलवार से ऑनलाइन ट्रेनिंग देगा।

एसजीपीजीआइ में राज्य के 51 मेडिकल कॉलेजों के स्टाफ को कोरोना के ट्रीटमेंट की ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ. रजनीश दुबे ने 24 सरकारी व 27 निजी मेडिकल कॉलेजों के स्टाफ को यह प्रशिक्षण दिलाने का फैसला किया है।

ट्रेनिंग में बारी-बारी से मेडिकल कॉलेज एसपीजीआइ से जुड़ेंगे। ऑनलाइन वीडियो ट्रेनिंग में डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ शामिल होंगे। संस्थान के विशेषज्ञ कोरोना मरीज को अस्पताल आने पर रिसीव करने, आइसोलेशन, क्वारंटाइन में सतर्कता बरतने व वार्ड मैनेजमेंट में दक्ष करेंगे। इसके अलावा डॉक्टरों की कोरोना ट्रीटमेंट व क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट की स्पेशल ट्रेनिंग होगी। ट्रेंड स्टाफ क्षेत्रीय स्तर पर कोरोना से फाइट करने में समक्ष होगा। इससे मरीजों को गंभीर हालत में राजधानी रेफर करने का झंझट खत्म होगा।

केजीएमयू में वायरस टेस्टिंग ट्रेनिंग : राजधानी में अभी केजीएमयू में कोरोना की जांच हो रही है। अब पीजीआइ, कमांड हॉस्पिटल में भी जांच होगी। इसके अलावा गोरखपुर, प्रयागराज, झांसी मेडिकल कॉलेज के लैब के स्टाफ को कोरोना वायरस की टेस्टिंग का प्रशिक्षण केजीएमयू में होगा।

कॉलेजों में दस हजार से अधिक होंगे बेड : प्रमुख सचिव डॉ. दुबे ने रविवार को 45 मेडिकल कॉलेजों में 10 हजार बेड आरक्षित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें 18 सरकारी और 27 निजी मेडिकल कॉलेज हैं। 51 मेडिकल कॉलेजों के स्टाफ की ट्रेनिंग होने से अन्य अस्पतालों में भी बेड बढ़ाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में 15 हजार बेड अस्पतालों आरक्षित होंगे।

प्रेरक

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के प्रयास की सराहना की, हरसंभव सहयोग देने का किया फैसला

गुरुद्वारा मजनू का टीला में क्वारंटाइन सेंटर बनाने का प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

पूरा देश इस समय कोरोना वायरस के संकट से जूझ रहा है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) ने इस वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के प्रयास की सराहना की है। इसके साथ ही कमेटी ने सरकार को हरसंभव सहयोग देने का फैसला किया है। सरकार के सामने गुरुद्वारा मजनू का टीला स्थित सराय को क्वारंटाइन सेंटर बनाने का प्रस्ताव भी रखा है। गरीबों को लंगर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। संक्रमण से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ रही है। एहतियात के तौर पर विदेश से आने वाले लोगों और संदिग्ध मरीजों को निगरानी में रखा जा रहा है। इसमें जगह की कमी न हो इसके लिए डीएसजीपीसी ने स्थान उपलब्ध कराने का फैसला किया है। इसे लेकर कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है।

गुरुद्वारा मजनू का टीला फाइल फोटो

उन्होंने कहा कि संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए कमेटी ने कई फैसले किए हैं। श्री अकाल तख्त के आदेश के अनुसार कमेटी क्वारंटाइन सेंटर के लिए सरकार को स्थान उपलब्ध कराने को तैयार है। गुरुद्वारा मजनू का टीला स्थित सराय में 25 कमरे हैं। यदि सरकार इसमें क्वारंटाइन सेंटर बनाती है और यहां मरीज रखे का जाते हैं तो उनकी देखभाल के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में लॉकडाउन की वजह से गरीबों के रोजगार चले गए हैं। उन्हें अपने परिवार के भरण पोषण में दिक्कत हो रही है। प्रशासन की मांग के अनुसार लंगर उपलब्ध कराया जा रहा है। गुरुद्वारा बंगला साहिब के नजदीक स्थित रैन बसेरा में भी लोगों को लंगर उपलब्ध कराया जा रहा है। इस चुनौती का सामना करने के लिए कमेटी दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के साथ खड़ी है। एक जिम्मेदार संस्था होने के नाते और मानवता की सेवा के लिए गुरु के आदेश का पालन करते हुए किसी भी तरह की जरूरत को पूरा करने के लिए कमेटी तत्पर है। कमेटी अपनी ओर से हर संभव मदद करेगी।

स्वयंसेवक तैनात करेगी छत्तीसगढ़ सरकार

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ में करीब पौने दो सौ से अधिक लोगों की जांच में अब तक केवल एक में ही कोरोना वायरस के लक्षण मिले हैं। इसके बाद से राज्य सरकार बचाव के लिए युद्धस्तर पर जुट गई है। राज्य के शहरी क्षेत्रों में 31 मार्च तक लॉकडाउन समेत अनेक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। इसके साथ ही सरकार कोरोना के खिलाफ जरुरत पड़ने पर लंबी जंग लड़ने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए सभी जिलों में वालंटियर (स्वयंसेवक) की फौज खड़ी करने की कवायद की जा रही है। इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सभी संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को पत्र जारी कर युवाओं और नागरिकों को चिह्नित कर उन्हें वालंटियर के रूप में संगठित करने के निर्देश दिए गए हैं। जीएडी ने अपने पत्र में कहा है कि निकट भविष्य में कोरोना वायरस से संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए शासकीय अमला के अतिरिक्त मानव संसाधन की आवश्यकता हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए विभिन्न गतिविधियों में सहयोग के लिए युवाओं और नागरिकों को वालंटिर को चिह्नित करने के लिए हर स्तर पर तत्काल कदम उठाए जाएं। इसके लिए एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड, टेरिटोरियल आर्मी, स्वयंसेवी संस्थाएं, सामाजिक संस्थाएं आदि का सहयोग प्राप्त करने का सुझाव दिया है। संगठित सभी वालंटियर का डाटाबेस तैयार करने तथा उन्हें कोरोना वायरस के संबंध में जानकारी और प्रशिक्षण देकर निकट भविष्य में सहयोग के लिए तैयार किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

फेफड़ों को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाता है कोरोना संक्रमण

जेएनएन, नई दिल्ली : रॉयल ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन एंड रेस्परेटरी फिजिशियन के अध्यक्ष प्रोफेसर जॉन विल्सन के अनुसार कोरोना का संक्रमण व्यक्ति के फेफड़ों को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाता है। शरीर के अन्य अंगों पर इसके प्रतिकूल असर पर पेश है एक नजर :

प्रतीकात्मक

बीमारी की शुरुआत

नया कोरोना वायरस 2019 के आखिर में अनजान कारणों से निमोनिया जैसी बीमारी से सामने आया। बाद में पता चला कि इस बीमारी का कारण सीवियर एक्यूट रेस्परेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस 2 या सार्स कोरोना वायरस-2 है। इसमें शुरुआत में हल्की सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। डब्लूएचओ के मुताबिक, कोरोना संक्रमित करीब 80 फीसद लोग बिना किसी खास इलाज के ठीक हो जाते हैं। संक्रमित छह लोगों में से सिर्फ एक व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार पड़ता है और वह सांस लेने में तकलीफ होने की स्थिति तक पहुंचता है।

संक्रमण की चार श्रेणियां

प्रोफेसर विल्सन के अनुसार, कोविड-19 से संक्रमित लोगों को चार श्रेणियों में बांटा जा सकता है। पहली श्रेणी में वे लोग होते हैं, जिनमें कोई लक्षण नहीं दिखता है। इसके आगे की श्रेणी में वे लोग हैं, जिनमें श्वसन नली के ऊपरी हिस्से में संक्रमण होता है। इस स्थिति में संक्रमित लोगों को बुखार, कफ, सिरदर्द या कंजक्टीवाइटिस (आंख संबंधी बीमारी) के लक्षण होते हैं। इन लक्षणों वाले लोग संक्रमण के वाहक होते हैं लेकिन संभवत: उन्हें इसकी जानकारी नहीं होती है। तीसरी श्रेणी में कोविड-19 पॉजिटिव लोग होते हैं, जिनमें निमोनिया जैसे लक्षण होते हैं और उन्हें अस्पताल में रहना होता है। चौथी श्रेणी के लोगों में निमोनिया जैसी बीमारी का गंभीर रूप दिखता है।

छह फीसद पीड़ित होते हैं गंभीर

वुहान में यह देखा गया कि टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए जिन लोगों ने इलाज कराया, उनमें से सिर्फ 6 फीसद लोगों की हालत गंभीर हुई। डब्लूएचओ के मुताबिक, बुजुर्ग तथा हाई ब्लड प्रेशर, हृदय तथा फेफड़े व मधुमेह के रोगियों में स्थिति गंभीर होने की ज्यादा संभावना रहती है।

कैसे होता है निमोनिया : कोविड-19 संक्रमितों को कफ और बुखार होता है। विल्सन के मुताबिक, ऐसा रेस्परेटरी ट्री तक संक्रमण होने से होता है। इसमें रेस्परेटरी लाइनिंग में जख्म हो जाता है, जिससे उसमें सूजन पैदा होती है। यह एयरवे की लाइनिंग में परेशानी पैदा करता है तथा धूल के एक कण से भी खांसी होने लगती है। हालत तब और बिगड़ जाती है, जब यह एयरलाइनिंग को पार कर गैस एक्सचेंज यूनिट तक पहुंचता है। यह यदि संक्रमित हो जाए तो फेफड़े के निचले हिस्से से वायु कोषों में सूजन पैदा करने वाली सामग्री उड़ेलने लगता है। वायु कोषों में सूजन के बाद द्रव तथा इनफ्लेमेटरी सेल्स फेफड़े में आने लगते हैं, जिसका परिणाम निमोनिया होता है। इस स्थिति में फेफड़ा रक्त प्रवाह से पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं ले पाता है और शरीर में ऑक्सीजन लेने तथा कार्बन डाइऑक्साइड के प्रभाव से बचने की क्षमता कम हो जाती है। यह निमोनिया की गंभीर स्थिति होती है।

निमोनिया का इलाज

चेयर ऑफ लंग फाउंडेशन ऑस्ट्रेलिया की प्रोफेसर तथा अग्रणी श्वसन रोग विशेषज्ञ क्रिस्टिन जेनकिन्स बताती हैं कि दुर्भाग्यवश अभी हमारे पास ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे कि लोगों को कोविड-19 निमोनिया होने से बचा सकें। तरह-तरह की दवाइयां तथा उपाय आजमाये जा रहे हैं लेकिन अभी तक कोई पक्का इलाज नहीं मिल सका है। जब तक फेफड़ा सामान्य रूप से काम नहीं करने लगता, तब तक रोगियों में ऑक्सीजन का उच्च स्तर बनाए रखने के लिए उन्हें वेंटिलेटर का सहारा देते हैं। विल्सन बताते हैं कि वायरल निमोनिया के रोगियों में सेंकडरी संक्रमण का खतरा रहता है। इसलिए उन्हें एंटी वायरल और एंटीबॉयोटिक दवाएं दी जानी चाहिए। लेकिन इस महामारी में कई दफे यह इलाज पर्याप्त नहीं होता और निमोनिया बढ़ जाता है तथा रोगी बच नहीं पाता है।

क्या कोविड-19 निमोनिया अलग है?

जेनकिन्स बताती हैं कि कोविड-19 निमोनिया सामान्य केसों से अलग है। अधिकांश तरह के निमोनिया, जिनके बारे में हम जानते हैं और रोगियों को अस्पताल में भर्ती किया जाता है, वे बैक्टीरियल (बैक्टीरिया जनित) होते हैं और उसमें एंटीबॉयोटिक कारगर होता है। वहीं, विल्सन का कहना है कि इस बात के सबूत हैं कि कोविड-19 जनित निमोनिया गंभीर किस्म के होते हैं और यह फेफड़े के छोटे हिस्से के बजाय पूरे को ही प्रभावित करता है। एक बार फेफड़ा संक्रमित हो जाए और उसमें भी यदि एयर सैक्स तक पहुंच जाए तो शरीर की पहली प्रतिक्रिया वायरस को नष्ट करने तथा उसे बढ़ने से रोकना होता है। लेकिन यह फर्स्ट रिस्पांडर मैकेनिज्म कुछ लोगों खासकर हृदय, फेफड़े तथा मधुमेह के रोगियों और बुजुर्गों में कमजोर होता है। जेनकिन्स के मुताबिक, 65 साल के ऊपर के बुजुर्गों, मधुमेह, कैंसर या फेफड़े को प्रभावित करने वाली पुरानी बीमारी, किडनी, लिवर के रोगियों, धूमपान करने वालों तथा 12 महीने से कम उम्र के बच्चों में निमोनिया का ज्यादा खतरा होता है। निमोनिया से होने वाली मौतों में रोगियों की उम्र खतरे का एक बड़ा कारक माना जाता है। उम्रदराज लोगों में निमोनिया से गंभीर खतरा होता है। क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता प्राकृतिक तौर पर कमजोर होती जाती है। वैसे निमोनिया के लिए अब हमारे पास अच्छे इलाज हैं।

स्रोत : गार्जियन

ईरान में फंसे 900 भारतीय मछुआरे भुखमरी की कगार पर

नई दिल्ली, आइएएनएस : कोरोना वायरस से दुनिया में तीसरे सर्वाधिक प्रभावित देश ईरान में फंसे करीब 900 भारतीय मछुआरे भुखमरी की कगार पर हैं। उन्होंने भारत सरकार से बचाने की अपील की है, लेकिन सरकार ने अभी तक उन्हें बचाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है।

ईरान में फंसे इन मछुआरों में 700 तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के और 200 केरल व अन्य राज्यों के हैं। इनमें से 200 कोरोना वायरस से तो सुरक्षित हैं, लेकिन जिंदा रहने के लिए उन्हें न्यूनतम भोजन उपलब्ध नहीं है। इनमें से एक मछुआरे जानिश ने फोन पर बताया, 'अगर हमें जल्द से जल्द ईरान से नहीं निकाला गया तो कोरोना वायरस से भले ही हम बच जाएं, लेकिन भूख से मर जाएंगे।'मछुआरों की संस्था नीथल एलुचि परवई ने ईरान में फंसे 800 मछुआरों के नामों की एक सूची उपलब्ध कराई है जिसमें उनके पासपोर्ट नंबर और फोन नंबर भी दर्ज हैं। इस संगठन ने दो मार्च को विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर सभी 900 मछुआरों को वापस लाने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया था। पत्र में संगठन ने विदेश मंत्री से अनुरोध किया कि मछुआरों को लाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट या जलपोत का इस्तेमाल किया जा सकता है।

केंद्र सरकार ने ईरान की महान एयर को वहां फंसे भारतीयों को स्वदेश पहुंचाने की अनुमति प्रदान कर दी है। योजना के मुताबिक दो उड़ानों के जरिये ईरान से करीब 600 भारतीयों को स्वदेश लाया जाएगा। पहली उड़ान 24 मार्च और दूसरी 28 मार्च को भारतीयों को लेकर आएगी। सूत्रों ने बताया कि ये सभी भारतीय कोविड-19 निगेटिव पाए गए हैं। इससे पहले महान और ईरान एयर ने क्रमशः 13 मार्च और 15 मार्च को भारतीयों को स्वदेश पहुंचाया था।

केंद्र के प्रयासों को सुप्रीम कोर्ट ने सराहा

तारीफ ▶ कहा, महामारी से निपटने के लिए सक्रियता से कदम उठा रही सरकार

इसके आलोचक भी कह रहे हैं कि यह बहुत अच्छा काम कर रही है

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि सरकार कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए सक्रियता से कदम उठा रही है और आलोचकों ने भी इसके प्रयासों की सराहना की है। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबड़े, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि हम संतुष्ट हैं कि सरकार मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए बहुत सक्रिय है। यहां तक कि इसके आलोचक भी कह रहे हैं कि यह बहुत अच्छा काम कर रही है। यह कोई राजनीति नहीं है, बल्कि तथ्य है।

पीठ ने कोरोना के संदिग्ध मामलों की जांच के लिए प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ाने के साथ ही अन्य एहतियाती उपायों का निर्देश देने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे इस संबंध में सरकार के पास अपना प्रतिवेदन दें। एक याचिका में सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए पूजा स्थलों को बंद करने की मांग की गई थी, ताकि महामारी को फैलने से रोका जा सके। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता को कहा कि हम ऐसे आदेश पारित नहीं कर सकते, जिन्हें हम लागू नहीं कर सकते। हम राज्यों से आपकी दलील पर गौर करने के लिए कहेंगे। एक याचिका में अधिकारियों को आइसोलेशन सेंटर बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थायी अस्पताल के बिस्तर लगाने और सार्वजनिक स्थानों पर थर्मल स्क्रीनिंग बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश देने की मांग की गई है।

अब सिर्फ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये होगी सुनवाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना के खतरे को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में अब आमने-सामने सीधी सुनवाई नहीं होगी। सिर्फ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई होगी। प्रयोग के तौर पर सोमवार को मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की पीठ ने कोर्ट संख्या एक से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सफलतापूर्वक सुनवाई की। पीठ ने तीन मुकदमों की सुनवाई की, जिनमें न्यायाधीश अदालत में बैठे और वकील दूर एक कक्ष में बैठकर बहस कर रहे थे। कोर्ट ने फिजिकल सुनवाई बंद करने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट परिसर में स्थित वकीलों के चैंबर भी सील करने का निर्णय लिया है। वकीलों के चैंबर मंगलवार को शाम पांच बजे सील कर दिए जाएंगे। तब तक वकील अपने चैंबर से जरूरी फाइलें और सामान निकाल सकते हैं। फिलहाल कोर्ट ने अदालत में प्रवेश के लिए जारी हुए सभी प्रॉक्सिमिटी कार्ड अस्थाई तौर पर निरस्त कर दिए हैं। कोर्ट में प्रवेश के लिए अब सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा अधिकृत किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला कोरोना के खतरे से उपजी स्थिति को देखते हुए लिया है।

सोमवार सुबह जब सुनवाई के लिए जस्टिस बोबडे की पीठ बैठी तो बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष दुष्यंत दवे और अन्य वकीलों द्वारा कोरोना के खतरे को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट बंद करने का अनुरोध किया गया। कोर्ट ने कहा कि वह कानूनों की उस सूची पर भी विचार कर रहा है, जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल होती है। अपील दाखिल करने की समय सीमा भी आड़े आएगी। दवे ने कहा कि कोर्ट समय सीमा बढ़ा दे और चार सप्ताह की छुट्टी घोषित कर दे। जस्टिस बोबडे ने कहा कि वह सप्ताह में एक दिन कोर्ट के बैठने और सिर्फ अत्यंत जरूरी मामलों की सुनवाई किए जाने पर विचार कर रहे हैं। इस तरह एक सप्ताह बाद स्थिति की समीक्षा भी हो सकेगी। दवे ने कहा कि कोर्ट आने की जरूरत नहीं है। वकीलों को स्काइप और वीडियो कॉल से बहस करने की छूट दी जाए और न्यायाधीश घर पर ही काम करें। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास वीडियो एप के लिए 6,000 लाइसेंस हैं। कोर्ट वकीलों को एक लिंक देगा और वे उसके जरिये बहस कर सकते हैं।

देशभर में मुकदमा दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाई गई : सुप्रीम कोर्ट ने विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए देशभर में मुकदमा दाखिल करने की तय समय सीमा 15 मार्च से अगले आदेश तक के लिए बढ़ा दी है। कोरोना संकट के चलते मुकदमेदारों और वकीलों को मुकदमा दाखिल करने में हो रही दिक्कत और मुकदमा दाखिल करने के लिए तय समय सीमा निकल जाने को देखते हुए अदालत ने यह कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 में प्राप्त विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह आदेश जारी किया है। अदालत ने कहा कि कोरोना वायरस के चलते देश में उत्पन्न स्थिति को देखते हुए वह स्वतः संज्ञान लेकर यह आदेश दे रहा है।

कोरोना के प्रकोप के बीच सोमवार को नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई की। एएनआइ

कोर्ट ने कैदियों की सुरक्षा के लिए लिया था स्वत : संज्ञान

प्रथम पृष्ठ से आगे

गत 16 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना के फैलते खतरे को देखते हुए जेल में बंद कैदियों की सुरक्षा के मामले में स्वतः संज्ञान लिया था और सभी राज्यों को नोटिस जारी कर कैदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्योरा मांगा था और आगे किए जाने वाले उपायों पर सुझाव भी मंगाए थे। कोर्ट के आदेश पर ज्यादातर राज्यों ने हलफनामा दाखिल कर किए जा रहे उपायों की जानकारी दी जिसमें ज्यादातर जेलों में कैदियों की जांच, संक्रमित लोगों को अलग सेल में रखने की व्यवस्था तथा नये कैदियों को 14 दिन के लिए सबसे अलग प्रकोष्ठ में रखने की व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, झारखंड, गोवा, केरल तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर और चंडीगढ़ में जेल अथारिटी कैदियों से मिलने आने वालों को सिर्फ वीडियो कॉल या फोन कॉल के जरिए ही मिलने दे रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि बाहर से आने वाला संक्रमण रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से कैदियों की अदालत ले जाकर पेशी कराने पर रोक लगाई जाती है। ये काम अब वीडियो कांफ्रेंसिंग से होगा।

कोर्ट ने कहा है कि रुटीन कारणों से कैदियों को एक जेल से दूसरे जेल में नहीं स्थानांतरित किया जाएगा। सिर्फ बीमार कैदियों को या फिर जेल की भीड़ कम करने के लिए ही कैदियों को एक जेल से दूसरी जेल स्थानांतरित किया जाएगा। कोर्ट ने आदेश दिया कि राज्य स्तर पर एक निगरानी समिति बनाई जाएगी जो जेल और रिमांड होम के बारे में जारी कोर्ट के इन आदेशों का पालन सुनिश्चित करेगी। जेल में कैदियों की दयनीय दशा के मामले में सुनवाई के दौरान बनाई गई अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी हर सप्ताह बैठक करेगी और अथारिटी से परामर्श करके फैसला लेगी।

तेजस्वी ने बंगले को आइसोलेशन वार्ड बनाने का दिया प्रस्ताव

जेएनएन, नई दिल्ली : कोरोना के खिलाफ जंग में सरकार के साथ समाज का हर वर्ग बढ़चढ़ कर आगे आ रहा है। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक माह का वेतन देने के साथ अपने सरकारी बंगले को आइसोलेशन वार्ड, जांच केंद्र या क्वारंटाइन केंद्र बनाने का प्रस्ताव दिया है। दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने सांसद निधि से 50 लाख रुपये तो पंजाब व राजस्थान के पूरे मंत्रिमंडल ने एक माह का वेतन देने की घोषणा की है। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने जरूरतमंद लोगों के खाने, रात बसेरा और दवाओं के लिए अपने राहत कोष से 20 करोड़ रुपये जारी किए हैं। उधर, शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के सुझाव पर शिअद के सभी सांसदों व विधायकों ने एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देने का फैसला किया है। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के सभी अधिकारी और कर्मचारी भी अपना एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे। पंजाब के आइपीएस और पीपीएस अधिकारियों ने कोरोना वायरस से निपटने के प्रयासों में शामिल पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए एक दिन का वेतन देने का एलान किया है।

राजस्थान सरकार ने बनाया अलग से कोष : राजस्थान सरकार ने इसके लिए अलग से कोष बनाया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने इसमें 20 लाख रुपये की मदद की है तो राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी एक दिन का वेतन देने की घोषणा की। राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों और कांग्रेस विधायकों ने एक माह का वेतन देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने दो माह का वेतन, भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा और विद्युत कंपनियों के 45 हजार कर्मचारियों ने एक-एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में देने की घोषणा की है। मुंबई के उद्योगपति नरसी कुलरिया ने 21 लाख रुपये सीएम सहायता कोष में दिए हैं। उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बताया कि सभी विधायक अपने कोष से एक लाख रुपये तक के मास्क एवं सैनेटाइजर खरीद की अनुशंसा कर सकेंगे, जिन्हें निशुल्क वितरित किए जाएंगे।

एक रोगी से 406 लोगों तक फैलता है संक्रमण

कोरोना वायरस के संक्रमण बढ़ने के साथ ही दुनिया में सामाजिक संपर्क कम हो रहा है। सोशल डिस्टेंसिंग के कारण वायरस का प्रसार कम होता है और यह भारत जैसे देश के लिए इस महामारी से बचने का प्रमुख और कारगर तरीका साबित हो सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन डिएगो में चिकित्सा के असिस्टेंट प्रोफेसर रॉबर्ट एजे सिग्नर ने बताया है कि कैसे सोशल डिस्टेंसिंग वायरस के प्रसार को रोकने का बेहद कारगर तरीका है।

सोशल डिस्टेंसिंग का असर

यदि संक्रमित व्यक्ति अपने सामाजिक संपर्कों को उल्लेखनीय रूप से कम कर देता है तो संक्रमण को फैलने से प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। यदि 50 फीसद सोशल डिस्टेंसिंग की जाती है तो 30 दिनों में एक संक्रमित व्यक्ति से 15 लोग ही संक्रमित होंगे। वहीं सोशल डिस्टेंसिंग 75 फीसद तक होना नए मामलों को 2.5 लोगों तक रोक देती है।

जीवन के लिए महत्वपूर्ण सोशल डिस्टेंसिंग

	संक्रमित होने वाले लोग	
	5 दिन	30 दिन
सामान्य व्यवहार		
एक संक्रमित व्यक्ति	2.5	406
50 फीसद कम संपर्क		
एक संक्रमित व्यक्ति	1.25	15
75 फीसद कम संपर्क		
एक संक्रमित व्यक्ति	0.625	2.5

बड़ा संक्रमण

यदि एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से मिलने का मौका न मिले तो संक्रमण की संभावनाओं को बहुत कम किया जा सकता है। वायरस से संक्रमित एक व्यक्ति महज 5 दिनों में 2.5 व्यक्तियों को संक्रमित करता है। यदि इस विश्लेषण को बड़े स्तर पर देखें तो आप चौंक जाएंगे। इसके मुताबिक एक संक्रमित व्यक्ति 30 दिन में 406 लोगों तक संक्रमण का प्रसार कर सकता है।

(स्रोत : सिग्नर लेबोरेटरी/ गैरी वारशा)

रेलवे कारखानों में फिलहाल उत्पादन ठप

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- विभिन्न उत्पादन इकाइयों ने किया उत्पादन बंद करने का एलान
- ज्यादातर कारखाने पहले ही साल का लक्ष्य लगभग प्राप्त कर चुके हैं

कोरोना से लड़ाई की मुहिम में रेल यातायात के साथ रेल कारखानों में उत्पादन भी लगभग ठप पड़ गया है। रेलवे की कोच और इंजन बनाने वाली ज्यादातर इकाइयों ने न्यूनतम आवश्यक उत्पादन गतिविधियों को छोड़ फिलहाल उत्पादन बंद करने का फैसला किया है।

रेलवे की विभिन्न उत्पादन इकाइयों ने उत्पादन बंद करने का एलान कर दिया है। इनमें कपूरथला कोच फैक्ट्री- कपूरथला, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री- चेन्नई, डीजल इंजन कारखाना-वाराणसी तथा चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स-चितरंजन प्रमुख हैं। रेलवे वर्कशॉप्स भी लगभग बंद हो गई हैं और इक्का-दुक्का लोग ही काम पर बुलाए जा रहे हैं। रोबोट से कोच निर्माण होने के कारण केवल रायबरेली की मॉडर्न कोच फैक्ट्री में कुछ हद तक उत्पादन करना संभव हो पा रहा है। कोच इंजन के अलावा बेंगलुरु और बेला (बिहार) की ह्वील फैक्ट्रियां भी रुक गई हैं। कुल मिलाकर रेलवे के आठ सरकारी उत्पादन कारखाने ठप हो गए हैं। इससे चालू वर्ष में इन कारखानों में रिकार्ड उत्पादन के मंसूबों को झटका लगा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर कारखाने पहले ही साल का लक्ष्य लगभग प्राप्त कर चुके हैं। सरकारी रेल कारखानों के अलावा संयुक्त उद्यम वाले मधेपुरा इलेक्ट्रिक व मढ़ौरा डीजल इंजन कारखाने में भी कामकाज ठप पड़ने की खबरें हैं।

प्रतीकात्मक

रेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि सभी कारखानों को फिलहाल 25 मार्च तक न्यूनतम कर्मचारियों के साथ अति आवश्यक उत्पादन ही करने को कहा गया है। उसके बाद राज्यों के साथ चर्चा कर आगे का निर्णय लिया जाएगा। वैसे महाप्रबंधकों से भी राज्य सरकारों के संपर्क में रहने और स्वयं निर्णय लेने को कहा गया है। चूंकि केंद्र और राज्य सरकारें कल-कारखाने बंद करने के आदेश जारी कर रही हैं, लिहाजा रेल कारखानों को भी अधिकांश काम रोकना पड़ रहा है।

रेलवे अपने कारखानों में इस वित्त वर्ष में 31 मार्च तक करीब 7,600 कोच, 725 डीजल व इलेक्ट्रिक इंजन तथा सवा लाख व्हील और 71 हजार एक्सल बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। इसमें ज्यादातर पूरे हो गए हैं।

इस बीच, बंगाल में एक रेल कर्मचारी की कोरोना से मौत होने से सावधानी बढ़ा दी गई है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रेलकर्मी की मौत पर संवेदना प्रकट की और सभी से अतिरिक्त सतर्कता बरतने का अनुरोध किया।

पंजाब-चंडीगढ़ ने लगाया कर्फ्यू, राजस्थान और दिल्ली में तैयारी

जेएनएन, नई दिल्ली

कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए जनता कर्फ्यू और लॉक डाउन की घोषणा के बावजूद लोगों के अनावश्यक घरों से निकलने पर कई राज्यों ने सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब और चंडीगढ़ ने कर्फ्यू लगा दिया है। राजस्थान ने सेना की मदद लेने का फैसला किया है तो राजधानी दिल्ली में कर्फ्यू लगाए जाने की तैयारी सामने आ रही है।

पंजाब में संक्रमित मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि के बावजूद लोग पाबंदियों का उल्लंघन कर रहे थे। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने ट्वीट कर कहा, 'यह सारे उपाय लोगों की बेहतरी के लिए किए जा रहे हैं। मैं खुश हूं कि लोग सहयोग कर रहे हैं। कुछ लोगों को सब की जिंदगी खतरे में डालने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि कर्फ्यू में किसी व्यक्ति विशेष को विशेष परिस्थिति में ही ढील दी जाएगी। नियम तोड़ने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। होम क्वारंटाइन का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, केंद्र शासित चंडीगढ़ के प्रशासक वीपी सिंह बदनोर ने भी कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कर्फ्यू का निर्णय लिया गया है।

अब पूरा हरियाणा लॉकडाउन : हरियाणा सरकार ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे सात जिलों में ही लाकडाउन का ऐलान किया था, लेकिन सोमवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी 22 जिलों में लाकडाउन की घोषणा कर दी। अभी यह लाकडाउन 31 मार्च तक रहेगा। जरूरत पड़ने पर इसकी अवधि बढ़ाई जा सकती है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि हाल फिलहाल उसका कर्फ्यू लगाने का इरादा नहीं है। हरियाणा ने दूसरे राज्यों के सभी इंटर स्टेट बार्डर सील कर दिए हैं। अंतरराज्यीय बसें भी नहीं चलेंगी।

कर्फ्यू लगाने पर विचार कर रही गहलोत सरकार

राजस्थान सरकार भी कोई खतरा उठाने को तैयार नहीं है। सरकार सेना और अर्द्धसैनिक बल से मदद लेने पर विचार कर रही है। लॉक डाउन के दूसरे दिन प्रदेश के कुछ हिस्सों में लोग अपने काम से बाहर आए तो पुलिस ने उन्हे वापस घर भेज दिया। लोगों से सहयोग नहीं मिलने पर कर्फ्यू लगाने की तैयारी कर रही है। इस बारे में मंगलवार को निर्णय लिया जाएगा। राज्य के चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि संख्ती की जाएगी।

जनता कर्फ्यू के दौरान सड़कों पर जश्न की फिल्मी सितारों ने की आलोचना

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

जनता कर्फ्यू के दौरान पांच बजे लोगों के सड़क पर निकल कर जश्न मनाने की सितारों ने तीखी आलोचना की है। सोनम कपूर, रिचा चड्ढा, निम्रत कौर समेत कई फिल्मी हस्तियों ने कोरोना वायरस से बचाव को लेकर भीड़ जमा नहीं होने के संबंध में सरकार के दिशा-निर्देशों की अवहेलना करने को लेकर सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम पांच बजे पांच मिनट के लिए अपने घरों के दरवाजे या बालकनी में आकर कोरोना की जंग लड़ने वाले कर्मवीरों के प्रति ताली, घंटा या शंकनाद कर आभार प्रकट करने का आह्वान किया था। लेकिन देश के कई हिस्सों में जनता कर्फ्यू को तोड़ते हुए लोगों ने सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। उसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

अभिनेत्री रिचा चड्ढा ने एक यूजर के ट्वीट को री-ट्वीट करते हुए लिखा है, 'सबसे बड़ी मूर्खता। यह जनता कर्फ्यू के एकदम विपरीत है।' अभिनेता डिनो मोरिया ने अहमदाबाद का एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'सोशल डिस्टेंसिंग कहां गई? आपको अपने घर में खड़े होकर ताली बजानी थी। कमऑन इंडिया निर्देशों को सावधानी से सुनो।'

अभिनेता और हास्य कलाकार वीर दास ने ट्विटर पर लिखा है, 'लोगों का बाहर निकलकर जश्न मनाना मूर्खता है। यह हमारा वायरस है।'

निर्देशक केन घोष ने भी एक वीडियो शेयर किया है और पीएमओ इंडिया को टैग करते हुए लिखा, 'हमारे प्रधानमंत्री इस तरह से मेडिकल और इमरजेंसी वर्कर्स का सम्मान नहीं चाहते थे।' केन के ट्वीट को री-ट्वीट करते हुए अभिनेत्री गौहर खान ने भी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लिखा है, 'उद्देश्य को ही मार डाला। सीरियसली।' इसी तरह कई लोगों द्वारा सड़कों पर जश्न मनाने के कई वीडियो को री-ट्वीट करते हुए सोनम कपूर आहूजा ने लिखा है कि इन्हें इसलिए साझा कर रही है क्योंकि यह दुखद है।

प्रधानमंत्री द्वारा लॉकडाउन को गंभीरता से न लिए जाने के ट्वीट के जवाब में अनुभव सिन्हा ने लिखा, 'शुक्रिया सर। इन लोगों को एक बार आपकी डांट की भी जरुरत है।' फिल्ममेकर करण जौहर ने भी दूरी बनाकर रखने की जरूरत को रेखांकित किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'एकसाथ रहो या अलग-थलग आपकी च्वाइस। इसके साथ उन्होंने हेशटैग करते हुए लिखा इंडिया फाइट्स कोरोना।'

दैनिक जागरण

संकट कितना भी बड़ा हो उसका समाधान अवश्य होता है

चौकसी बढ़ाने की जरूरत

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए यदि नित-नए उपाय करने पड़ रहे हैं और इस क्रम में प्रतिबंधों का दायरा भी बढ़ाना पड़ रहा है तो इसीलिए कि अभी हालात काबू में आते नहीं दिखते। वास्तव में इसीलिए देश के करीब 80 जिलों को लॉकडाउन करना पड़ा। लॉकडाउन में आवश्यक सेवाओं को छोड़कर बाकी सब गतिविधियां बंद कर दी जाती हैं, लेकिन लोगों पर वैसी सख्ती नहीं की जाती जैसी कर्फ्यू के दौरान बरती जाती है। चूंकि लॉकडाउन के दौरान अपेक्षित बंधनों का उल्लंघन होते दिखा इसीलिए महाराष्ट्र, पंजाब आदि ने कर्फ्यू लगाने का फैसला किया। ऐसे फैसले अन्य राज्य सरकारों को भी करने पड़ सकते हैं, क्योंकि कई लोग हालात की गंभीरता को समझने से इन्कार कर रहे हैं। ऐसा करने वाले खुद के साथ देश को भी जोखिम में डालने का काम कर रहे हैं। उन्हें ऐसा करने की इजाजत बिल्कुल भी नहीं दी जा सकती। जब एक तरह से जीवन-मरण का प्रश्न खड़ा हो गया है तब केंद्र और राज्य सरकारों के साथ स्थानीय प्रशासन को हालात काबू में करने के लिए जो कुछ भी संभव है उसे तत्परता से करना चाहिए। अब किसी भी तरह की ढिलाई के लिए कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। जरूरी फैसले बिना समय गंवाए लेना भी है और उन पर अमल भी करना है। जहां लोगों को यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें हर स्तर पर शासन-प्रशासन का सहयोग करना है वहीं शासन-प्रशासन को भी अभीष्ट की पूर्ति के लिए सदैव तत्पर रहना है।

केंद्र और राज्य सरकारों के सामने चुनौती केवल यही नहीं है कि लोग सामाजिक रूप से अलग-थलग रहते हुए अपने घरों पर रहें, बल्कि यह भी है कि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की पहचान और साथ ही उनका उपचार समय रहते किया जा सके। कोरोना वायरस के जो भी संदिग्ध मरीज आवश्यक सर्तकता का परिचय देने अथवा उपचार कराने में आनाकानी कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्ती बरतने में संकोच नहीं किया चाहिए। निःसंदेह इसी के साथ इसकी भी आवश्यकता बढ़ती जा रही है कि सरकारी और निजी स्वास्थ्य सेवाएं संसाधनों की कमी का सामना न करने पाएं। कोरोना वायरस की परीक्षण किट से लेकर वेंटिलेटर्स तक की कहीं कोई कमी न होने पाए, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ उद्योग जगत को भी सक्रिय होना होगा। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री से मुलाकात में उद्योगपतियों ने सरकार का साथ देने की हामी भरी। इससे न केवल सरकारी तंत्र, बल्कि आम जनता का भी मनोबल बढ़ेगा। संकट के समय यह जरूरी है कि जिन्हें मदद करनी है और जिन तक मदद पहुंचानी है उन सबका मनोबल बढ़ा रहे।

खतरनाक लापरवाही

प्रधानमंत्री की अपील पर रविवार को लागू स्वतःस्फूर्त जनता कर्फ्यू में लोगों ने जिस शानदार जागरूकता, सतर्कता और अनुशासन का परिचय दिया, एक दिन बाद ही राजधानी रांची समेत झारखंड में जगह-जगह वह संकल्प बिखरता दिखा। यह हाल तब है जब झारखंड सरकार ने 31 मार्च तक के लिए लॉक डाउन व्यवस्था लागू कर लोगों को घर में ही रहने का निर्देश दिया है। सोमवार सुबह से ही लोग आम दिनों की तरह सड़कों पर निकले, जगह-जगह सड़कों पर जाम भी लगा। यह स्थिति खतरनाक है। हमें समझना होगा कि कोरोना से बचाव के दिशानिर्देशों में सोशल डिस्टेंस (एक-दूसरे से दूरी) भी अहम है। अगर इसका पालन नहीं किया तो बचाव के सारे इंतजाम धरे रह जाएंगे। रेलवे स्टेशन से लेकर सड़क पर और बाजार में कई जगह लोग भीड़ की शक्ल में नजर आ रहे हैं। और तो और जनता कर्फ्यू की शानदार सफलता को लेकर रविवार शाम में भी घंटियों और तालियों का जयघोष कुछ संगठनों ने भीड़ जुटाकर किया। भारत के नागरिक इस मामले में सौभाग्यशाली हैं कि कोरोना जैसी जानलेवा महामारी का प्रवेश हमारे देश में उतने व्यापक पैमाने पर नहीं हुआ। इस बीमारी से खासा नुकसान झेल चुके और झेल रहे चीन एवं इटली जैसे देशों ने हमें इस बीमारी से लड़ना भी सिखा दिया है। केंद्र और राज्य की सरकारें भी हर स्तर पर अपने तरीके से लोगों को सुरक्षित रखने के उपाय कर रही हैं। अब बारी हमारी है। पूरी दुनिया में दस्तक देकर तेजी से फैल रही इस बीमारी को हल्के में लेने से ज्यादा बड़ी मूर्खता कुछ नहीं। यह मूर्खता आत्मघाती है। ऐसी परिस्थिति में अनावश्यक घर से नहीं निकलने की आदत डालना जरूरी है, क्योंकि आनेवाले दिनों में अगर महामारी फैली तो लंबे समय तक लोगों को घरों में ही कैद रहना पड़ सकता है। बस-ट्रेनों का अंतरराज्यीय संपर्क भंग करना, स्कूल-कॉलेज, दफ्तरों, दुकानों और सिनेमाघरों को बंद करना। ये सब उपाय इसीलिए तो किए गए हैं ताकि बीमारी एक आदमी से दूसरे में न फैले। कोरोना से बचने का सबसे बड़ा मंत्र भी यही है कि कोरोना की चेन तोड़ी जाए।

घरों में कैद रहने का अहसास छटपटाहट भरा भले हो, लेकिन सवाल अगर जान बचाने का है तो खुद को इसके लिए तैयार करना होगा

आइए इस तरह करें महामारी का मुकाबला

डॉ. सुशीला कटारिया

यदि कोई एक व्यक्ति जरूरी सावधानी नहीं बरतता तो वह पूरे समाज और देश के लिए संकट खड़ा कर सकता है

आज पूरी दुनिया कोरोना वायरस से उपजी बीमारी कोविड-19 के प्रकोप से जूझ रही है। महामारी बन गई इस खतरनाक बीमारी का असर अपने देश में भी बढ़ता ही जा रहा है। आने वाले दस दिन यह तय करेंगे कि भारत में यह महामारी क्या रूप लेगी और यह बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि सरकार और उसकी संस्थाओं के साथ-साथ देश के आम और खास लोग यानी सभी देशवासी कितनी तत्परता से कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने की कोशिश करते हैं। चूंकि इस खतरनाक बीमारी को रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है इसलिए सभी को अतिरिक्त सावधानी का परिचय देना होगा और यह ध्यान रखना होगा कि कई बार सफलता टीम के सबसे अच्छे खिलाड़ी पर नहीं, बल्कि कमजोर खिलाड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर करती है। यदि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और उनके स्थानीय प्रशासन की ओर से दिए गए आदेशों-निर्देशों का पालन 10 में से 9 लोग ही करते हैं तो वह एक व्यक्ति न केवल अपनी सेहत के लिए खतरा पैदा करेगा, बल्कि पूरे समाज और देश के लिए भी संकट खड़ा करेगा।

आज हम सबके सामने एक अलग किस्म की चुनौती आ खड़ी हुई है। यह एक कठिन चुनौती है और इसीलिए हालात मुश्किल भरे हैं। इन मुश्किल हालात में देश की एकजुटता, संयम और अनुशासन के साथ सहयोग की भी परख होनी है। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचे रहने के लिए जो अनेक कदम उठाए जा रहे हैं उनमें से एक है सोशल डिस्टेंसिंग। इसे सामाजिक रूप से अलग-थलग होना भी कहा जा रहा है। साधारण शब्दों में कहें तो एक व्यक्ति दूसरे से एक निश्चित दूरी बनाकर रखे और ऐसा करते समय सतर्क भी रहे। आम दिनों में हम अपने दैनिक जीवन में एक-दूसरे को छूकर, हाथ मिलाकर, गले लगाकर अथवा पीठ थपथपाकर उसके प्रति अपना आदर-सम्मान, आभार, प्यार या विश्वास जताने के आदी हैं। अब हमें ये तौर-तरीके छोड़ने होंगे, क्योंकि कोरोना वायरस खांसने और छींकने से तो फैलता ही है, संक्रमित व्यक्ति से हाथ मिलाने, उससे गले मिलने अथवा उसके द्वारा इस्तेमाल की गई चीजों को छूकर उसे अपने चेहरे और खासकर मुंह, नाक और आंख को स्पर्श करने से भी फैल रहा है। इसी फैलाव को थामने का एक कारगर उपाय है सोशल डिस्टेंसिंग।

यह बात हर किसी को अपने दिमाग में बैठा लेनी चाहिए कि हमें कुछ समय अन्य लोगों से मिलना-जुलना नहीं है। कोई भी कारण हो, एक जगह इकट्ठा न हों। अगर आवश्यक हो भी तो कम से कम एक मीटर की दूरी बनाकर रखें, क्योंकि कोरोना वायरस तीन फीट तक हवा में रह सकता है। यह सही समय है कि हर तरह के सार्वजनिक आयोजनों और यहां तक कि शादी-विवाह, पार्टी से दूर रहें। कुल मिलाकर बहुत जरूरी न हो तो घर के बाहर न निकलें और यदि निकलना भी पड़े तो यह मानकर चलें कि आपके इर्द-गिर्द तीन-चार फिट का एक घेरा है, जिसके दायरे में किसी को नहीं आना चाहिए।

सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही जरूरी है सेल्फ आइसोलेशन यानी खुद को अलग-थलग करना। इसके दोहरे फायदे हैं। यह आपको दूसरों की बीमारी से बचाएगा और दूसरों को आपकी बीमारी से। जिन्हें यह संदेह है कि वे कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, वे यदि अपने आप को एकांत यानी आइसोलेशन में रखें और मेल-जोल बंद कर दें तो परिवार और दोस्तों को बीमारी से बचा सकते हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका वाले लोगों को चाहिए कि वे कम से कम दो सप्ताह तक खुद को अलग-थलग रखें। इस दौरान एक अलग हवादार कमरे में रहें और अपना रुमाल, तौलिया आदि अलग रखें। इसके साथ ही अलग बाथरूम का प्रयोग करें और उसे साझा न करें। इस दौरान मेहमानों को घर पर न बुलाएं। इस दो सप्ताह आप परिवार के साथ रह सकते हैं, लेकिन उनसे मेलजोल कम रखें, दूरी बनाए रखें। इस दौरान पौष्टिक खाना खाएं और अपने कमरे में रहते हुए ही हल्का व्यायाम करें।

सोशल डिस्टेंसिंग और सेल्फ आइसोलेशन के बाद बारी आती है क्वारंटाइन की। कोरोना वायरस से ग्रस्त रोगी या प्रबल आशंका वाले रोगी को बिल्कुल अलग स्थान पर रखना क्वारंटाइन कहलाता है। यह सेल्फ आइसोलेशन से आगे का स्तर है इसलिए इसमें व्यक्ति परिवार के साथ नहीं रह सकता। क्वारंटाइन की अवधि भी दो सप्ताह की है।

कोविड-19 महामारी से बचने के लिए यह भी जरूरी हो गया है कि देश का हर व्यक्ति साफ-सफाई के प्रति न केवल जागरूक हो जाए, बल्कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए हर संभव उपाय करे। अपने को स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि स्वस्थ शरीर वाले व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। हम सब यह जानते हैं कि ज्यादातर संक्रामक रोग हाथों की गंदगी के कारण फैलते हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण में हाथों की एक बड़ी भूमिका है। इस वायरस से संक्रमित व्यक्ति जब किसी से हाथ मिलाता है अथवा किसी सतह को छूता है और फिर कोई अन्य उस सतह को स्पर्श कर लेता है तो उसके इस बीमारी के चपेट में आने का अंदेशा बहुत बढ़ जाता है। हाथों को इस संक्रमण से बचाने के लिए समय-समय पर अपने हाथ साबुन-पानी से अच्छी तरह धोते रहें अथवा अल्कोहल युक्त सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही का परिचय खतरनाक हो सकता है। किसी को भी यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि यह संक्रामक बीमारी उसे नहीं हो सकती। इसी गलत धारणा के कारण यह बीमारी दुनिया भर में फैली है। देश और दुनिया में अभी भी कुछ लोग सावधानी बरतने से इन्कार कर रहे हैं। कुछ तो अपनी बीमारी छिपाने में लगे हुए हैं। ऐसा करके वे खुद को खतरे में डालने के साथ औरों और साथ ही देश के लिए भी खतरा पैदा कर रहे हैं।

जब करो या मरो वाली स्थिति हो तो देश के हर नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि सोशल डिस्टेंसिंग, सेल्फ आइसोलेशन, क्वारंटाइन की जरूरत बढ़ गई है और इस जरूरत की पूर्ति हर किसी की जिम्मेदारी है।

कोरोना वायरस के संक्रमण से हमें खुद के साथ औरों को ही नहीं देश को भी बचाना है। खुद इस बीमारी से बचे रहकर ही हम देश बचाने का संकल्प पूरा कर सकते हैं। आइए संकट की इस घड़ी में हम सब कोरोना को भगाने का संकल्प लें।

(लेखिका मेदांता हॉस्पिटल, गुरुग्राम में इंटरनल मेडिसिन की निदेशक हैं और इन दिनों कोरोना संक्रमित रोगियों का उपचार कर रही हैं)

response@jagran.com

जीवन शैली बदलने का समय

कृपाशंकर चौबे

फिलहाल हमें सदियों के आजमाए सामाजिक व्यवहार का परित्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए

आज जब दुनिया कोरोना वायरस से उपजी बीमारी का सामना कर रही है तब स्वामी विवेकानंद के 1899 के प्लेग घोषणा पत्र का स्मरण हो आता है। मार्च, 1899 में जब कलकत्ता में प्लेग फैला था तो स्वामी विवेकानंद ने प्लेग पीड़ितों की सेवा के लिए रामकृष्ण मिशन की एक समिति बनाई थी। उनके नेतृत्व में इस समिति ने एक प्लेग घोषणा पत्र तैयार किया था ताकि स्वयंसेवकों के साथ आम जनता इससे अच्छी तरह परिचित हो सके कि क्या करना है और क्या नहीं करना? इस घोषणा पत्र को तैयार करने के साथ ही उक्त समिति के सदस्यों ने प्लेग प्रभावित इलाकों में एक महीने से ज्यादा समय तक दिन-रात सेवा कार्य किया था। स्वामी विवेकनंद ने बांग्ला भाषा में तैयार प्लेग घोषणा पत्र को हिंदी में छपवाकर वितरित कराया था। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागृत करना और रोगियों तक मदद पहुंचाना था। इस प्लेग मैनिफेस्टो में विवेकानंद ने कहा था, भय से मुक्त रहें, क्योंकि भय सबसे बड़ा पाप है। ऐसा कहकर उन्होंने चिंतित और निराश लोगों में आशा का संचार किया था। आज भी आशा का संचार करने की जरूरत है।

स्वामी विवेकानंद ने प्लेग घोषणा पत्र में घर और उसके परिसर, कमरे, कपड़े, बिस्तर, नाली आदि को हमेशा स्वच्छ बनाए रखने की जो बात कही थी वह आज के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक है। इसी तरह अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की उनकी अपील भी आज उल्लेखनीय है, क्योंकि सोशल मीडिया के इस युग में हर तरह की सूचनाएं प्रसारित हो रही हैं। इनमें तमाम अपुष्ट और आधारहीन होती हैं। स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेते हुए हमें कोरोना घोषणा पत्र बनाने और उसे लागू करने पर विचार करना चाहिए। जनता ही कोरोना घोषणा पत्र का निर्माण करे और वही उसे लागू करे। स्वामी विवेकानंद के प्लेग घोषणा पत्र सरीखा कोरोना घोषणा पत्र बनाकर हम सबका सहयोग अर्जित कर सकते हैं। ऐसा कोई घोषणा पत्र हमें इस महामारी से मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक रूप से लड़ने की सामर्थ्य भी दे सकता है। निःसंदेह प्लेग एक अलग तरह की बीमारी थी और कोविड-19 अलग तरह की है, लेकिन उससे निपटने का कोई घोषणा पत्र तो तैयार हो ही सकता है। इस कोरोना घोषणा पत्र को तैयार कर लोगों को ऐसी शपथ दिलाई जा सकती है कि हर भारतवासी व्यक्तिगत स्वच्छता और सामाजिक दूरी बनाए रखेगा, बार-बार साबुन-पानी से हाथ धोने की आदत डालेगा, छींकते-खांसते समय अपनी नाक-मुंह को रुमाल या टिशू से ढकेगा, उपयोग किए गए टिशू को तुरंत बंद डिब्बे में फेंकेगा। खांसते-छींकते समय अपनी हथेलियों को मुंह के सामने नहीं लाएगा, बातचीत के दौरान लोगों से एक सुरक्षित दूरी बनाए रखेगा, अपने शरीर के तापमान और श्वसन लक्षणों की जांच नियमित रूप से करेगा, बुखार, सांस लेने में कठिनाई होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलेगा। इसी तरह यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई सार्वजनिक स्थानों पर न थूके, अनावश्यक यात्रा न करे और समूह में न बैठे।

इस वक्त हम सभी को सामाजिक दूरी बनाने का संकल्प अवश्य लेना चाहिए। भारत में सोशल डिस्टेंसिंग यानी स्वयं को औरों से दूर कर लेने की अवधारणा नहीं रही है। भारत तो समूची दुनिया को कुटुंब मानता रहा है, लेकिन यह मानते हुए भी फिलहाल सदियों के आजमाए सामाजिक व्यवहार को छोड़ना है। एक तरह से भारत की यह लड़ाई उसकी जीवन शैली से है। भारत में बीमार व्यक्ति को भी अकेला नहीं छोड़ा जाता। परिजन उसे घेरे रहते हैं, सेवा करते हैं, किंतु विकसित देशों में बीमार व्यक्ति किसी से नहीं मिलता। यदि वह घर पर है तो घर के बाहर बोर्ड लगा रहता है: बीमार हैं, न मिलें। विकसित देशों में सोशल डिस्टेंसिंग की अवधारणा रही है अपने देश में लोग परिचित बीमार से न सिर्फ मिलते हैं, बल्कि मदद के लिए आकुल रहते हैं। इस आदत को फिलवक्त बदलना होगा और मेलजोल से बचने का संयम दिखाना होगा।

यह गनीमत है कि सोशल डिस्टेंसिंग की तरफ भारत एक कदम आगे बढ़ा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश ने 22 मार्च को जनता कर्फ्यू में हिस्सा लेकर इसकी तरफ कदम बढ़ा दिया है। इसे भविष्य में भी जारी रखना होगा। तमाम सरकारी विभागों ने घर बैठे काम करने को कहा है। स्कूल, कॉलेज, कार्यालय, मॉल, सिनेमा आदि को बंद कर दिया गया है ताकि सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित की जा सके। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सोशल डिस्टेंसिंग को बढ़ावा देने के लिए कहा है कि सभी शिक्षक ऑनलाइन शिक्षण और मूल्यांकन करें। निःसंदेह ऐसी बातें भी कोरोना घोषणा पत्र का हिस्सा बनना चाहिए कि सोशल डिस्टेंसिंग के दौरान घर में रहकर काम करेंगे, शादी और पार्टी का आयोजन नहीं करेंगे, न ही इनका हिस्सा बनेंगे। यह शपथ भी लेनी चाहिए कि सोशल डिस्टेंसिंग के दौरान अपने ऑफिस और घर का जरूरी काम तो करेंगे ही, कोरोना वायरस से बचने के जरूरी नियमों का पालन भी करेंगे।

इटली के लोग अधिक मेलजोल नहीं रखते। उस देश के पास उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं भी हैं फिर भी वह इस महामारी के सामने बेबस दिख रहा है। सवा अरब आबादी वाला भारत इस महामारी से सिर्फ ऐहतियाती कदम उठाकर ही लड़ सकता है। यदि यह बेलगाम हो गई तो सरकारी और निजी अस्पतालों को मिलाकर भी हमारे पास पर्याप्त स्वास्थ्य संसाधन नहीं होंगे। इसलिए दिनचर्या और सामाजिक व्यवहार में बदलाव कर तथा सावधानी एवं संयम बरतकर ही इस खतरे को टाला जा सकता है। खतरे के प्रति जागरूकता ही हमारे सम्मुख बचाव के विकल्प हैं।

(लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

वाणी का सदुपयोग

ईश्वर ने विशेष प्रयोजन से मनुष्य को वाणी उपहार में दी। इसका बीज रूप में उपयोग ईश्वर द्वारा प्रदत्त सदुद्देश्यों के लिए ही होना चाहिए। यदि शत-प्रतिशत ऐसा होता है तो अभिव्यक्ति के वे क्षण अमर वाणी बनकर अनंत काल तक लोक की संपदा बन युग का नेतृत्व करते हैं। वाणी सद्विचारों का परिष्कृत बीज है, जिससे भावों की अनेक भावी पौध (भाव)-शालाएं पल्लवित, पुष्पित एवं संवर्धित होती हैं। वाक् संयम किसी दुर्लभ साधना से किसी भी रूप में कम नहीं है। ईश्वर ने इस संसार में हर जीव को अद्भुत क्षमताओं से युक्त महान बनाकर भेजा है, लेकिन कुसंगति, कुविचार, असंयमित वाक्-अनुप्रयोग की बहुलता के कारण मनुष्य से स्वतः ही महानता दूर होती चली जाती है।

प्रायः अनावश्यक वार्तालाप करने वाले लोग अपने साथ-साथ दूसरों का कीमती समय नष्ट कर ईश्वर की दृष्टि में स्वयं कलुषित हो दूसरे को भी कलंकित करते हैं। उनके उन अनपेक्षित वार्तालापों के क्षणों में कुछ अपूर्व एवं अहम सृजन हो सकता था अथवा कुछ अविस्मरणीय लोक-सेवा कर पुण्य का भागी बना जा सकता था, लेकिन आत्मस्तुति एवं लोकनिंदा के उस लंबे सारहीन वार्तालाप में महज दोनों पक्षों का दुर्लभ समय ही नष्ट होता है।

वाक्शक्ति का दुरुपयोग ईश्वर-प्रदत्त अनुपम शक्तियों का दुरुपयोग है जो अन्यान्य अर्थों में किसी अपराध से किसी भी रूप में कम नहीं है। वाणी का समुचित उपयोग मूल्यों की रक्षा करता है एवं इसका व्यर्थ उपयोग अपनी शक्ति का क्षरण करता है। वाणी का संयम एवं सदुपयोग युग के महत्व को बढ़ाता है। वाक् संयम आदर्श, मूल्य, मैत्री, सौहार्द, पारस्परिक प्रेम और भाईचारा का सेतु बन सकारात्मक सोच विकसित कर स्वस्थ समाज की रचना कर सकता है। यही ईश्वरीय गुणों का प्रसार कर विश्वबंधुत्व की भावना को सुदृढ़ कर सकता है। अतः वाक् संयम सच्चे ज्ञान का अनमोल अलंकरण है।

प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश'

जीवन का अमृत है जल

श्रीप्रकाश शर्मा

जल जीवन का पोषक है, जल संसार के अस्तित्व का आधार है। जल है तो जीवन है, जल है तो जहान है, जल है तो कल है

गोस्वामी तुलसीदास की सर्वोत्तम कृति रामचरितमानस में कहा गया है कि क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा। पंच तत्व रचित यह अधम शरीरा।' अर्थात जल उन पांच महाभूतों में एक है जिनसे मानव शरीर का निर्माण हुआ है। इस दृष्टिकोण से जल जीवन का पोषक है, जल संपूर्ण संसार के अस्तित्व का आधार है। जल है तो जीवन है, जल है तो जहान है, जल है तो कल है।

ऋग्वेद में जल की महिमा के बारे में कहा गया है कि यह सभी व्याधियों का उपचार है। स्लोवाकिया की एक कहावत है, शुद्ध जल विश्व की प्रथम और सर्वाधिक महत्वपूर्ण औषधि है। आशय यह है कि एक मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए शुद्ध और पर्याप्त मात्रा में जल की उपलब्धता पहली और अनिवार्य शर्त है, किंतु दुर्भाग्यवश जो जल पृथ्वी पर पेड़-पौधों से लेकर नर-नारी, बच्चे-बूढ़ों और पशु-पक्षी से लेकर अनंत प्राणियों के लिए जीवनदायी अमृत के रूप कार्य करता है वही अनमोल संसाधन समय के साथ विरल होता जा रहा है। भूमिगत जल का स्तर साल-दर-साल गहरा होता जा रहा है। कुंओं में पानी के लिए डाली जानेवाली रस्सियों की लंबाई हर साल बढ़ती जा रही है। भारत में विश्व की आबादी की 18 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, लेकिन दुर्भाग्य से हमें केवल विश्व के पेयजल का 4 फीसद ही मयस्सर हो पाता है। नीति आयोग के एक लेटेस्ट सर्वे के अनुसार भारत में वर्तमान में 60 करोड़ आबादी गहरे जल संकट का सामना कर रही है। अपर्याप्त और प्रदूषित जल के उपभोग से अकेले अपने देश में प्रतिवर्ष दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। यूनिसेफ के लेटेस्ट सर्वे की बात मानें तो भारत में दिल्ली और बेंगलुरु सरीखे अन्य महानगर आज जिस रूप में जल संकट का सामना कर रहे हैं उसे देखते हुए यह अनुमान किया जा रहा है कि 2030 तक इन नगरों में जल का भंडार पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

अथर्ववेद में भी कहा गया है, 'जल जीवन का अमृत है और इसमें औषधि होती है।' इस लिहाज से हमें यह बात कभी नहीं भूलनी चाहिए कि जिस जल के बूंदों में जीवन की सांसें सांस लेती हैं और धरती पर रह रहे सभी प्राणियों और भविष्य की पीढ़ियों के भ्रूणों के लिए कोख का कार्य करती है उसके हर एक बूंद को बचा कर ही हम जीवन और जहान को महफूज रख सकते हैं। समय आ गया है कि अब हम वर्षा का पानी अधिक से अधिक बचाने की कोशिश करें, क्योंकि जल का कोई विकल्प नहीं है, इसकी एक-एक बूंद अमृत है। इन्हें सहेजना बहुत ही आवश्यक है। यदि अभी पानी नहीं सहेजा गया तो संभव है पानी केवल हमारी आंखों में ही बच पाएगा। ऐसा नहीं है कि पानी की समस्या से हम जीत नहीं सकते। अगर सही ढंग से पानी का संरक्षण किया जाए तो इस समस्या का समाधान बेहद आसान हो जाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

संकट की गंभीरता को समझने की जरूरत

चीन ने गर्क किया दुनिया का बेड़ा शीर्षक से लिखे अपने आलेख में ब्रह्मा चेलानी ने कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के मामले में प्रारंभिक स्तर पर तथ्यों को छुपाने के लिए चीन को दोषी ठहराया है तथा दवाओं और वैक्सीन के मामले में चीन पर निर्भरता घटाने की बात कही है। लेखक की मूल भावना से पूरी तरह से सहमत होने के बावजूद यह तो स्वीकार करना ही पड़ेगा कि अपनी आरंभिक नाकामियों के बाद चीनी प्रशासन ने कोविड-19 की आपदा को नियंत्रित करने के मामले में बेहतर काम किया है। यह पिछले कुछ दिनों से स्थानीय स्तर पर नए मामलों की रिपोर्टिंग शून्य होने से भी सिद्ध होता है। यही वह प्रस्थान बिंदु है जहां से अब हमें आगे बढ़ना है। यह समय दोषारोपण का नहीं, बल्कि कार्यात्मक गतिशीलता का है, दूसरों की गलतियों एवं उपलब्धियों से सीख लेने का है। यह सही है कि भारत एक लोकतंत्र है, जहां चीन जैसी कड़ाई नहीं की जा सकती, लेकिन याद रहे लोकतंत्र, स्वतंत्रता, नागरिक अधिकार जैसे तमाम आदर्श शांति काल के लिए हैं। आपातकाल में तो नागरिकों की सुरक्षा ही महत्वपूर्ण है। इस तथ्य को न समझ पाने की सजा इटली भुगत भी रहा है। अच्छी बात है कि भारत सरकार समय रहते इस महामारी के जोखिम को समझ पाई। 22 मार्च को भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के आह्वान पर जाति, पंथ और क्षेत्रीयता से परे जाकर समूची जनता ने जिस अनुशासन के साथ 14 घंटे के जनता कर्फ्यू को सफल बनाया, वह न सिर्फ हमारी राष्ट्रीय चेतना के जिंदा बचे रहने का सुबूत है, बल्कि हमारी उस अंदरूनी ताकत और एकता की भी पहचान है जो यह उद्घोष करती है कि समूचा विश्व ही हमारा परिवार है और हम उसकी रक्षा के लिए एक बार फिर से नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

चंदन कर्ण, देवघर

जनता का सहयोग

भारत में कोरोना का असर बढ़ रहा है। इसकी गंभीरता को देखते हुए ही प्रधानमंत्री ने जनता कर्फ्यू का फैसला लिया। इसे जनता ने इसे काफी हद तक सफल बनाया है। अब कई राज्यों में लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। लॉकडाउन की स्थिति में कुछ जरूरी चीजों को छूट दी गई है। यह भी जरूरी है, क्योंकि इस बीमारी की कोई दवा नहीं है। यह संक्रामक बीमारी है। थोड़ा सा प्रसार होने पर बहुत तेजी से बढ़ने वाली बीमारी है। इसका एकमात्र उपाय लोगों का आपस में संपर्क को काटना है। इसमें भी सरकार से ज्यादा जनता का सहयोग जरूरी है।

अमन माहेश्वरी, दिल्ली विवि

हारेगी बीमारी

प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक दिवसीय जनता कर्फ्यू ने साबित कर दिया कि राष्ट्र के एक-एक व्यक्ति के डीएनए में देशभक्ति भरी हुई है। भारत के इतिहास में कभी सुना जाता था कि किसी समय में दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के आह्वान पर लोगों ने एक समय का उपवास रखा था। आज वर्तमान में हमने देखा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर हर किसी ने राष्ट्रप्रेम का परिचय दिया। सभी लोगों ने अपने आपको घरों में बंद किया तथा अपनों के बीच रहकर समय निकाला और शाम को सभी ने अपने घरों की बालकनियों-दरवाजों-खिड़कियों से थाली-चम्मच, शंख, घंटा बजाकर महामारी में अपनी सेवा दे रहे लोगों का हौसला बढ़ाया और आभार व्यक्त किया। अब यह निश्चित हो गया है कि देश का हर व्यक्ति एक साथ है। यह महामारी हारेगी और देश जीतेगा।

रघु नाथ शास्त्री, जुन्हैडा, फरीदाबाद

गांवों में जागरूकता जरूरी

कोरोना वायरस का प्रसार धीरे-धीरे अन्य इलाकों में बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्र में तो तमाम उपाय किए जा रहे हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र इससे अछूते हैं। हालांकि देश की बड़ी आबादी आज भी गांवों में रहती है। उन्हें भी सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक होने की जरूरत है। इसका खतरा तब होगा जब शहर से लोग गांव पहुंचेंगे। ग्रामीण इलाकों में आज भी ढंग के अस्पताल नहीं हैं। ऐसी स्थिति में हालात गंभीर हो सकते हैं, इसलिए अभी से इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है।

विजय कुमार धनिया, नई दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :

दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

1,70,209 एनआरआइ विदेश से पंजाब लौटे हैं पिछले 50 दिनों में। इनमें से लगभग 16,000 अभी तक किसी भी जांच आदि के लिए स्वास्थ्य विभाग की पहुंच से दूर हैं।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

आजकल

लॉकडाउन से काबू में आएगा कोरोना

जनता-कर्फ्यू अभूतपूर्व रहा। हर गली में ताली, थाली, घंटा, शंख आदि की तीव्र, लेकिन मधुर ध्वनियां सुनाई दीं। इन ध्वनि-तरंगों का वास्तव में अपेक्षित प्रभाव शरीर के साथ-साथ वातावरण में भी अनुभव किया गया। लॉकडाउन के जरिये यह सामाजिक दूरी इसलिए जरूरी थी, क्योंकि कोरोना वायरस किसी एक सतह पर 12 घंटे से ज्यादा जीवित या सक्रिय नहीं रह पाता है। ऐसे में जनता कर्फ्यू और लॉकडाउन के उपायों ने लोगों को एक-दूसरे से अलग-थलग करके नए संक्रमण को रोकने में रामबाण का काम किया है

देश भर में 22 मार्च को जनता- कर्फ्यू के रूप में लॉकडाउन का प्रयोग व्यापक रूप से सफल रहा। इस तरह की प्रक्रिया को अपनाने से परस्पर स्पर्श से तो दूरी बनी ही, यदि किसी संक्रमित व्यक्ति का स्पर्श खिड़की, दरवाजों, रुपयों, फाइलों, पार्सलों और वाहनों के स्टेयरिंग या सीटों से हुआ भी है तो अगले कुछ घंटों इन चीजों को नहीं छूने से वायरस मर जाएगा और नया व्यक्ति संक्रमित होने से बच जाएगा। जाहिर है, घरों में बंद की यह प्रक्रिया इस वायरस की कड़ी को तोड़ देगी। दुनिया के वैज्ञानिक और शोधकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस मौलिक विचार पर हैरान हैं।

वैदिक-दर्शन तो हजारों सालों से मानता रहा है कि ऊर्जा ही अपने शुद्धतम स्वरूप में वह चेतना है, जो जीवन का निर्माण करती है। इसी में पांच तत्व धरती, आकाश, आग, हवा और पानी अंतरनिहित हैं। अब विज्ञान भी मानने लगा है कि सृष्टि पदार्थ और ऊर्जा से मिलकर बनी है। इसीलिए भारतीय जीवन-शैली में मंदिरों में सुबह-शाम पूजा के समय विभिन्न वाद्य-यंत्र बजाकर नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के उपाय थे। घरों में हाथ-पैर धोकर ही प्रवेश की अनुमति थी, लेकिन पाश्चात्य जीवन-शैली के प्रभाव में हमने अपनी दिनचर्या में शामिल इन तौर-तरीकों को दकियानूसी एवं अंधविश्वास कहा और नकारते गए। जबकि इन ध्वानियों के निकलने से जीवाणु, विषाणु एवं कीटाणु या तो मर जाते थे या फिर बेअसर हो जाते थे। कोरोना की दस्तक और हजारों लोगों के प्राण लील लेने से यह साफ हो गया है कि आखिर में हम ऐसी महामारियों से छुटकारा पारंपरिक ज्ञान और वातावरण की अधिकतम शुद्धता से ही पा सकते हैं।

जब हम छोटे थे और गांव में रहते थे, तब बाहर से आने पर घर में हाथ-पैर धोए बिना प्रवेश वर्जित था। लोगों से दूर रहने की सलाह भी माता-पिता देते थे। अब जब कोरोना वायरस ने महामारी का रूप ले लिया, तब हमसे इन्हीं उपायों को अपनाने के लिए कहा जा रहा है। कोरोना प्रभावित देशों ने परस्पर दूरी बनाए रखने के लिए लॉकडाउन कर लिया है। इस स्थिति में यातायात, कार्यालय, विद्यालय आदि बंद कर दिए जाते हैं। स्वास्थ्य, पेयजल, खाद्य सेवाएं ही जारी रहती हैं। एक तरह की यह आपात स्थिति है। दुनिया की पहली इस तरह की तालाबंदी अमेरिका में वर्ष 2001 में 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के बाद की गई थी। चूंकि कोरोना परस्पर दो व्यक्तियों के संपर्क से या उसके द्वारा छू ली गई चीजों से फैलता है, इसलिए इसकी कड़ी को तोड़ने के लिए सबसे कारगर एवं सरल उपाय दूरी बनाए रखना है। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कोरोना पर विषाणु नियंत्रण का अब तक टीका बना लेने में मेडिकल विज्ञानियों को सफलता नहीं मिली है। यह सावधानी इसलिए और जरूरी हो जाती है, क्योंकि चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। इटली में ऐसे हालातों के निर्माण के बाद केवल 60 साल की उम्र से नीचे के संक्रमितों का ही इलाज किया जा रहा है। चीन ने इस संक्रमण पर नियंत्रण अपनी अधिकतम आबादी को घरों में कैद करके ही पाया है।

प्रधानमंत्री ने ताली एवं थाली बजाकर उन लोगों के प्रति कृतज्ञता प्रगट करने को कहा था, जो दिन-रात कोरोना से मुक्ति की लड़ाई में जुटे हुए हैं। इनमें चिकित्सक और नर्स समेत सभी स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। पुलिस और मीडिया के लोग भी दिन-रात सेवाएं दे रहे हैं। इस संकट की घड़ी में हमें पता चल रहा है कि वास्तव में हमारे आदर्श कौन होने चाहिए। अनेक चिकित्साकर्मी लगातार डेढ़ माह से ड्यूटी पर हैं। अर्धसैनिक बलों और सेना के जवान क्वारंटाइन केंद्रों में तैनात हैं।

इस संकट की घड़ी में भी जहां एक वर्ग अपने प्राणों की बाजी लगाकर नागरिकों को बचाने में लगा है, वहीं एक वर्ग ऐसा भी है, जो ऊंची कीमतों पर मास्क, दवाएं और खाद्य सामग्री बेच रहे हैं। नकली सैनिटाइजर भी बेचे जा रहे हैं। भारत में इस समय सबसे बड़ा संकट ऐसे लोगों की पहचान करना है, जो बीते दो माह के भीतर संक्रमण से प्रभावित देशों से लौटे हैं। राजस्थान सहित अन्य राज्यों में पर्यटकों के माध्यम से भी यह बीमारी फैली है। चीन में जब कोरोना खतरनाक स्थिति में था, यदि हम तभी चेत जाते तो भारत में हालात काबू में रहते। दरअसल चीन से छात्रों और यात्रियों के लौटने के बाद ही भारत में कोरोना का संकट घिर गया था। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि लगभग हर प्रांत से कोरोना के संक्रमितों के मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है। नतीजन कोविड-19 पीड़ित मरीजों की संख्या 400 के ऊपर पहुंच गई है और इस वायरस के कारण मरने वालों की संख्या दस हो चुकी है।

वैसे एक सकारात्मक संकेत अभी तक यह है कि सामुदायिक स्तर पर कोरोना फैलने के संकेत नहीं मिले हैं। यदि इस वायरस का सामुदायिक संचार आरंभ हो जाता है तो संक्रमित रोगियों की संख्या अचानक बढ़ जाएगी। ऐसा होने पर हमें उपकरणों से लेकर दवाओं और आइसोलेशन वार्डों तक की कमी का सामना करना पड़ सकता है। फिलहाल भारत में प्रतिदिन लगभग आठ हजार नमूनों के परीक्षण की क्षमता 150 प्रयोगशालाओं में है, जबकि अभी एक दिन में केवल 100 संदिग्धों की जांच के ही नमूने लिए जा रहे हैं। अलबत्ता कम्युनिटी ट्रांसमिशन के हालात यदि निर्मित हो जाते हैं तो कोरोना में एक 'सुपर स्प्रेडर' भी हो सकता है। मसलन उच्च संक्रामकता वाले एक संक्रमित व्यक्ति से ही कुछ समय के भीतर सैकड़ों लोग संक्रमित हो सकते हैं। प्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं मध्य प्रदेश में शिवपुरी के मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. अर्जुनलाल शर्मा का कहना है कि भारत में फिलहाल माइल्ड अर्थात कम असरदार वायरस का प्रकोप है, लेकिन इस वायरस के साथ संकट यह है कि यह अपनी प्रकृति बदलने में सक्षम है। यदि यह अपनी आक्रामकता के चरम स्वरूप में आ जाता है तो इस पर काबू पाना कठिन होगा। इसीलिए भारतीय चिकित्सा एवं अनुसंधान परिषद् इसके स्वरूप पर निरंतर निगरानी रखे हुए है।

भारत में ही नहीं पूरी दुनिया की जीवन शैली में जिस तरह से बदलाव आए हैं, उसने जहां मनुष्य की प्रतिरोधक क्षमता घटाई है, वहीं औद्योगिक, प्रौद्योगिक विकास एवं बढ़ते शहरीकरण ने वायुमंडल को प्रदूषित कर दिया है। हृदय रोग, लकवा, मधुमेह, रक्तचाप, कैंसर और सांस संबंधी बीमारियां इसी जीवन शैली की देन हैं। हमारे आसपास जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण इतने विस्फोटक हो गए हैं कि उन पर व्यावहारिक रूप में नियंत्रण किए बिना, रोगाणुजनित महामारियों पर नियंत्रण संभव नहीं है। भारत जैसे पारंपरिक देश में धर्म से जुड़े जो स्वास्थ्य लाभ के उपाय हैं, उन्हें कुछ लोगों ने अपने तात्कालिक लाभ के लिए धन कमाने एवं मृत्यु के बाद मोक्ष के उपायों में बदल दिया है। इस कारण ज्यादातर मंदिरों में शंख, घंटे एवं घड़ियालों का बजाया जाना या तो बंद हो गया है या फिर उनका मशीनीकरण हो गया है। गोया, जनता कर्फ्यू के दौरान ताली, थाली, घंटा, मंजीरों एवं शंख से सामूहिक ध्वनियां निकलते समय जो पवित्र एवं दिव्य ऊर्जा वातावरण में संचरित हुई, यही ऊर्जा और समुदाय का एकांतवास कोरोना से मुक्ति दिलाएगी।

ध्वनि तरंगों का शरीर पर प्रभाव

वैदिक धर्म-ग्रंथों के अनुसार पृथ्वी की उत्पत्ति के समय पैदा हुई सबसे पहली ध्वनि 'ऊं' यानी ओम थी। इसने समूचे ब्रह्मांड को प्रतिध्वनित कर दिया था। इस ध्वनि के प्रभाव का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में ओम के माध्यम से न केवल शारीरिक विकार दूर किए जा रहे हैं, बल्कि नशे में डूबे युवाओं को भी उचित राह पर लाया जा रहा है। ब्रिटेन से प्रकाशित 'साइंस' जनरल में करीब एक दशक पहले ही एक लंबे शोध के बाद इसकी महिमा स्वीकार की गई है। इसमें खासतौर से ऊं का जाप रामबाण औषधि मानी गई है।

इसीलिए हमारे यहां दिनचर्या में शंख फूंकने एवं घंटा-घड़ियाल बजाने का विधान है। एक बार शंख फूंकने से जहां तक उसकी ध्वनि जाती है, वहां तक बीमारियों के वायुमंडल में मौजूद रोगाणु या तो नष्ट हो जाते है या फिर निष्क्रिय। जाने-माने वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु ने इस सत्य को वाद्य-यंत्रों द्वारा प्रमाणित किया था। दरअसल ऋषि-मुनियों ने बहुत पहले ही जान लिया था कि ऊं के उच्चारण से प्राणवायु (ऑक्सीजन) शरीर के भीतर जाती है। अन्य सभी उच्चारणों में प्राणवायु बाहर आती है।

ऋषि-मुनियों ने आदिकाल से ही अग्निहोत्र (यज्ञ-हवन) को जीवनचर्या से जोड़ा है। यजुर्वेद में उल्लेखित मंत्रों से अन्न उत्पादन, अन्न को रसमय बनाने के लिए अनेक मंत्रों का उल्लेख है। नित्य हवन का यह विधान वातावरण को स्वच्छ करने की इच्छा के साथ फसलों को रसमय बनाने और पैदावार बढ़ाने के प्रयोग में लाया जाता है। यज्ञ से यह संभावना इसलिए बढ़ती है, क्योंकि इस प्रक्रिया से नकारात्मक जीवाणु, विषाणु एवं कीटाणु नष्ट होते हैं। वैज्ञानिक शोधों में पाया गया है कि गाय का घी भी ऊर्जा का वाहक है। चावल के साथ जलने से इससे ऐसी गैसें उत्पन्न होती हैं जो जीवाणुओं के विरुद्ध प्रतिरोधी-क्षमता विकसित करती हैं।

आजकल मंत्रों में निहित ऊर्जा को पढ़ने का प्रयास मुंगेर के योग विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। दुनिया के चुनिंदा 50 विश्वविद्यालयों के 500 वैज्ञानिक कण-भौतिकी (क्वांटम फिजिक्स) पर शोध कर रहे हैं। शोध के इस केंद्र में भारतीय योग, ध्यान परंपरा और पूजा-पाठ में उपयोग में लाए जाने वाले वाद्य-यंत्रों से होने वाले 'नाद' का अनुसंधान भी है। इस शोध के दौरान मंत्रों के उच्चारण से उत्पन्न ऊर्जा को क्वांटम मशीन के जरिये मापा भी गया है। उपरोक्त तमाम तथ्यों से यह प्रतीत होता है कि ध्वनितरंगें अदृष्य रोगाणुओं से बचाव का सार्थक उपाय हैं। गोया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताली एवं थाली बजाने की अपील बेवजह नहीं की है।

खरी-खरी

विकास की मुख्यधारा

जगदीश ज्वलंत

सरकार द्वारा विकास की मुख्यधारा बहाई ही इसलिए जाती है कि उसमें भाग्यवादी नस्ल के, अति दरिद्र किस्म के, न नहाने का संकल्प किए, किंतु नहाने के स्वप्न देखेते बीपीएल कार्डधारी जीव अपने नश्वर शरीर पर कुछ छींटें ही डाल लें। ताकि उस याचक का मानव तन पाने का और सरकार का सत्ता में आने का लक्ष्य पूरा हो सके। विकास की मुख्यधारा में योजनाओं का पानी भरा होता है। कई बार पानी की मात्रा इतनी अधिक हो जाती है कि योजनाओं का पता ही नहीं चलता।

और कभी योजनाओं का पता चलता है तो पानी ही सूख जाता है। कभी-कभी विकास की मुख्यधारा की गति इतनी तेज होती है कि बेचारी जनता का स्वयं का भी अर्जित किया पुण्यफल तिनकों की तरह बहा ले जाती है। सरकार फिर उसे उसके बहे तिनकों के लिए, तिनकों की मात्रा में, तिनका-भर राहत प्रदान कर तिनके का सहारा दे देती है।

मुख्यधारा की गति कभी-कभी इतनी धीमी होती है कि दुष्यंत कुमार को कहना पड़ता है-यहां तक आते-आते सूख जाती हैं कई नदियां, मैं जानता हूं पानी कहां ठहरा हुआ होगा। तब ठहरे पानी का पता किया भी जा सकता था, किंतु अब विकास की अनचाही, अनजानी, अनदेखी, भूगर्भीय धाराओं का पता लगाना कठिन है। कब, कैसे कहां से निकली धारा किसके घर में जाकर फूट पड़ेगी, इसका पता सिर्फ सीबीआइ और इनकम टैक्स के छापों के बाद ही चलता है। कल्याणकारी भावनाओं से ओत-प्रोत सभी सरकारों का एक ही लक्ष्य होता है कि विकास की मुख्यधारा अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विकास का प्रकाश अभाव के अंधकार क्षेत्र तक पहुंचे। कई बार प्रकाश पहले पहुंच जाता है, और विकास पहुंच ही नहीं पाता।

कई बार विकास तो पहुंचता है, किंतु प्रकाश नहीं। अंधकार में पता ही नहीं चलता कि किस योजना से, किस क्षेत्र में, कितनी लागत से, कितना विकास हुआ? यही क्षेत्र योजनाधर्मियों के लिए निर्माताओं से क्रियान्वयनकर्ता तक पुण्य कमाने का अन्न क्षेत्र हुआ करता है। यहीं विकास की मुख्यधाराओं का संगम होता है। डुबकी लगाकर सहयोग, सद्भाव, सामंजस्य का तौलिया लपेट स्वयं की पवित्रता को प्रकट किया जाता है।

ट्वीट-ट्वीट

लॉकडाउन का मतलब है जरूरी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। कर्फ्यू का मतलब है सब कुछ बंद रहेगा। लॉकडाउन का पालन नहीं होगा तो कर्फ्यू ही लगाना पड़ेगा। चुनना आपको है कि आप क्या चाहते हैं?

स्वदेश सिंह@swadesh171

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में कर्फ्यू लगाकर एकदम सही किया। जब लोग निर्देशों को मानने से इन्कार करें तो वे किसी विकल्प के हकदार नहीं रह जाते।

आकाश चोपड़ा@cricketaakash

हम हमेशा से सुनते आए हैं कि केवल युद्ध और क्रिकेट ही भारत को एकजुट कर सकते हैं। इस महामारी को हराने के लिए भी उसी जज्बे की जरूरत है। इस लिहाज से जनता कर्फ्यू बहुत कारगर पहल रही।

शेखर गुप्ता@ShekharGupta

भारत के लिए कोविड-19 के सबसे बड़े खतरे वे संपन्न भारतीय रहे जिन्होंने उड़ान के दौरान दवा लेकर शरीर के तापमान को नियंत्रित किया। एयरपोर्ट पर लंबी कतारों से बच निकले। अपने यात्रा विवरण को लेकर झूठ बोला। क्वारंटाइन निर्देशों का पालन नहीं किया। फिर उपचार के दौरान सुविधाओं को पांच सितारा से कम पर शिकायत करते हैं।

संदीपन देब@sandipanthedeb

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या 'जनता कर्फ्यू' को आगे भी कुछ दिनों के लिए जारी रखा जाना चाहिए?

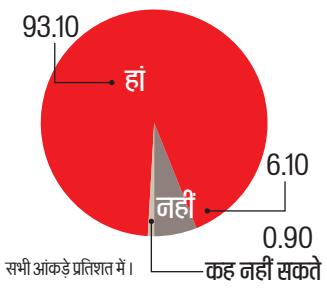

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या कोरोना के चलते जनगणना और एनपीआर की कवायद को कुछ दिनों के लिए स्थगित कर देना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

कहना मानो, घर रहो, मत निकलो बेकार,
सभी लोग समझा रहे बात यही बस यार।
बात यही बस यार कह रहे सब तो मानो,
कुदरत से मत रार जिद्द वश अपनी ठानो।
यदि बच्चों के साथ सुरक्षित चाहें रहना,
जो कहती सरकार मानिए उसका कहना।

– ओमप्रकाश तिवारी

अमित शर्मा
स्थानीय संपादक, पंजाब

पंजाब डायरी

कोरोना पर दो कदम आगे, एक पीछे

राज्य में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए हाल ही में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने एनआरआइ आगमन पर तुरंत लगाम लगाने की जोर-शोर से कयावद की। इसी मांग को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्रियों से की गई वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान भी प्रमुखता से उठाया और अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानों पर पाबंदी दो सप्ताह तक बढ़ाने की मांग की। हालांकि मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया सुझाव पूरी तरह से प्रासंगिक और निर्विवाद है, जो कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने में काफी कारगर सिद्ध होगा, लेकिन इसमें भी कोई दो राय नहीं कि कोरोना वायरस के संक्रमण का जो खामियाजा आज पंजाब भुगत रहा है वह भी कहीं न कहीं राज्य सरकार की निष्क्रियता और अनिर्णय वाली कार्यशैली का ही परिणाम है। भारत में कोरोना का पहला केस सामने आने के बाद भी पिछले दो महीनों के दौरान पंजाब में बड़ी संख्या में एनआरआइ परिवारों का बेरोक-टोक आगमन और फिर सरकारी स्तर पर उन्हें लेकर कोई भी पाबंदियां न लगाना आज राज्य के लिए एक बड़ा खतरा बन कर उभरा है। सोमवार तक पंजाब में कोविड-19 से संक्रमित 21 मामलों में 14 केस तो इटली से लौटे नवांशहर के एक एनआरआइ की ही देन है। संक्रमण के बावजूद बिना किसी जांच के यह एनआरआइ बुजुर्ग अपने परिवार के साथ श्री आनंदपुर साहिब में एक धार्मिक समागम में भाग लेने के अतिरिक्त गांव में तब तक घूमता रहा जब तक कोरोना ने उसे अपना ग्रास न बना लिया। नतीजा संक्रमण फैलता रहा।

दरअसल एनआरआइ परिवारों की सबसे अधिक तादाद वाले पंजाब की सरकार को तो उसी दिन सख्त कदम उठा लेने चाहिए थे जब जनवरी महीने में देश में सबसे पहला केस सामने आया था, लेकिन न तो उस समय राज्य सरकार में हुक्मरानों ने इस पर ध्यान दिया और न ही एनआरआइ मामलों का कार्यभार संभालते विभाग के किसी उच्च अधिकारी ने इस बाबत गौर किया। अब कोरोना संक्रमण एक बड़ा खतरा बन गया तो ज्ञात हुआ कि पिछले 50 दिनों में 1,70,209 एनआरआइ विदेश से पंजाब लौट चुके हैं। इनमें से लगभग 16,000 अभी तक किसी भी जांच आदि के लिए स्वास्थ्य विभाग की पहुंच से दूर हैं, क्योंकि सरकार के पास जो उनके नाम, पते और संपर्क नंबर दर्ज हैं वे या तो बदल चुके हैं या मौजूद ही नहीं हैं। चिंता का विषय तो यह है कि विदेशों से लौटे इन 'लापता' एनआरआइ सदस्यों में से सबसे ज्यादा 13,649 जालंधर के हैं जिनमें से सेहत विभाग केवल 1,351 से ही संपर्क साध पाया है।

वैसे पंजाब सरकार ने पिछले चार दिनों में अनेक सख्त कदम उठाए, लेकिन बेबाकी से कहें तो इन फैसलों को लेने में भी 'दो कदम आगे तो एक कदम पीछे वाली' अनिर्णय की नीति की झलक मिली। सरकारी और प्राइवेट परिवहन पर पूर्ण पाबंदी को लेकर 19 मार्च को हुई मंत्री समूह की मीटिंग के बाद सरकार ने प्रदेश में सभी बसें, ऑटो बंद करने के आदेश जारी कर दिए, पर 13 घंटे उपरांत उन्हीं आदेशों को संशोधित करते हुए 50 रूटों पर बसों को आधी क्षमता पर चलाने की आज्ञा दे दी। ऐसा ही होटल, रेस्टोरेंट और ढाबे बंद करने के आदेशों को लेकर हुआ। 24 घंटे में इन्हें बंद या खुले रखने का फैसला तीन बार बदला गया। रविवार को लागू किए बंद को तीन दिन तक बढ़ाने के फैसले को प्रदेश स्तर पर आंशिक रूप से आधा दर्जन डिप्टी कमिश्नरों ने लागू कर दिया तो कुछ ही घंटे में राज्य सरकार द्वारा पूरे सूबे में लॉकडाउन का आदेश जारी कर दिए गया। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री जहां अपने घर में कैद हैं वहीं 20 से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगने के बावजूद वन मंत्री साधु सिंह धर्मसोत ऐसे सरकारी समागमों में बतौर चीफ गेस्ट हिस्सा ले रहे हैं जहां दो घंटे तक चले समागम में एक ही जगह पर 200 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

भारत में कोरोना कभी भी तीसरे चरण में प्रवेश कर सकता है। आज जब लॉकडाउन के आदेशों के बावजूद स्थिति संभलती नहीं दिखी तो राज्य सरकार ने एक बार फिर दो कदम आगे बढ़कर सोमवार दोपहर से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाने के आदेश जारी किए। अभी भी पंजाब में बहुत कुछ नहीं बिगड़ा है। स्थिति अब भी संभाली जा सकती है, बशर्ते सरकार उठाए गए कदमों एवं पाबंदियों का सख्ती से पालन करवाए। वहीं आम जनता को भी चाहिए कि वह सरकार को पूरा सहयोग दे।

मंथन

मौजूदा संकट और वैकल्पिक सभ्यता

कोरोना से पैदा हुए संकट ने आज मानव सभ्यता को तनिक ठहरने और विचारने का जो अवसर दिया है, उसे यूं ही हाथ से फिसल न जाने देना चाहिए, बल्कि वैकल्पिक जीवन-शैली और मानवीय संकल्पों की उद्गम-स्थली बनाना चाहिए

रसाल सिंह
प्रोफेसर, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

पिछले वर्ष नवंबर में चीन से शुरू हुआ कोरोना संकट अब अंतरराष्ट्रीय आपदा बन चुका है। आज विश्व के 170 से भी ज्यादा देशों के सवा तीन लाख से ज्यादा लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। इस आपदा में अब तक चौदह हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इस महामारी के कारण इटली, चीन, ईरान और स्पेन आदि देशों में जान-माल का सर्वाधिक नुकसान हुआ है। अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस और भारत जैसे ताकतवर देश भी इससे अप्रभावित नहीं हैं। जिन देशों ने चीन के अनुभव से सबक लेकर जरूरी एहतियातन कदम उठा लिए हैं, उनमें काफी कम नुकसान हुआ है। दक्षिण कोरिया, जर्मनी और स्विट्जरलैंड ऐसे देशों में अग्रणी हैं। भारत में इस महामारी की शुरुआत अपेक्षाकृत देर से हुई है। भारत इतिहास की इस सर्वाधिक भयावह आपदाओं में से एक आपदा के मुहाने पर खड़ा है। इस आपदा से लड़ने और जीत हासिल करने में न सिर्फ राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्षमता और दूरदर्शिता, बल्कि प्रशासनिक कुशलता और सक्रियता की भी परीक्षा होने वाली है। इसके अलावा इस निर्णायक लड़ाई में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका भारतवासियों की होने वाली है। यह आपदा भारत के राष्ट्रीय चरित्र और संकल्प की प्रयोगशाला सिद्ध होने वाली है। आने वाले दिन और भी मुश्किल होने वाले हैं, और आने वाली परीक्षाएं और भी कठिन होने वाली हैं। अगर भारतवासी इन मुश्किल दिनों और कठिन परीक्षाओं के लिए एक परिवार के रूप में, एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होते हैं, तो कोरोना को निश्चित रूप से पराजित होना पड़ेगा।

कोरोना संकट ने वर्तमान सभ्यता की समीक्षा का भी अवसर उपलब्ध कराया है। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण ने वर्तमान सभ्यता के स्वरूप और संवेदना का केंद्र बदल दिया है। यांत्रिकता और व्यक्तिवाद इस नई बनी सभ्यता के आधार-स्तंभ हैं।

यांत्रिकता और व्यक्तिवाद की चपेट में हांफती इस सभ्यता की धमनियों में उपभोक्तावाद संचरित हो रहा है। वास्तव में यह यांत्रिक सभ्यता उपभोक्तावाद का उपनिवेश है। इसकी सांसों में धुआं उड़ाते असंख्य वाहनों की दुर्गंध और कानों में कोलाहल है। पिघलते ग्लेशियरों, कटते जंगलों और उजड़ते पशु-पक्षियों की कराह इस सभ्यता की उपलब्धि है। असीम उत्पादन, अति संचय और अंध उपभोग ने विश्व-मानव का अवमूल्यन करके उसे उपभोक्ता मात्र बना दिया है। भौतिक प्राप्तियों को सेलिब्रेट करती यह सभ्यता बेहद अकेली, उदास और अवसादग्रस्त है। यह विडंबना ही है कि आवागमन के साधनों की अनवरत उन्नति, संचार माध्यमों की अकल्पनीय प्रगति और सोशल मीडिया माध्यमों की अबाध उपलब्धता के बावजूद दिलों की दूरियां बढ़ती जा रही हैं। सामाजिकता और आत्मीय संवाद रहित सभ्यता अपने अकेलेपन में अवाक है। भौतिक सुविधाओं की दासता ने मनुष्य को न सिर्फ समाज और परिवार से दूर कर दिया है, बल्कि स्वयं से भी अलग दिया है। आत्मीय संबंधों से रहित आत्म-निर्वासित मनुष्य एक रोबोट बन गया है। निश्चय ही, वर्तमान सभ्यता अति भौतिकता, अति यांत्रिकता और अति बौद्धिकता से आक्रांत है। इसलिए अगर समय रहते सभ्यता समीक्षा करते हुए इसके चाल-चलन को ठीक न किया गया तो इसका हश्र भी माया, बेबिलोनिया, मेसोपोटामिया आदि सभ्यताओं वाला ही होगा।

इस सभ्यता को अपनी गति को थामकर आत्म-चिंतन करने की आवश्यकता है। कोरोना आपदा ने वह अवसर उपलब्ध कराया है। जिनके पास खाने-पीने तक का समय न था, परिवार से बोलने-बतियाने और स्वयं तक को जानने-समझने की फुरसत न थी, वे हाथ-पर-हाथ धरकर घर में बैठे हैं और सोच रहे हैं कि उनकी दुनिया कितनी प्रदूषित और संक्रमित हो गई है। 'वर्ल्ड इज वन न्यूज' ने एक ताजा रिपोर्ट में लोगों की गतिविधियां सीमित हो जाने के बाद प्रकृति के स्वरूप में आए सकारात्मक परिवर्तन को दिखाया है। इस रिपोर्ट में दिखाया गया है कि लोगों की भागमभाग और भीड़भाड़ कम हो जाने से समुद्र तटों, पहाड़ों और सड़कों का चेहरा बदल गया है। वे फिर से सुंदर, सुरम्य और शांत होने लगे हैं। प्रकृति मनुष्य की सबसे निकटस्थ मित्र और सहचरी होती है। आज यह बात सर्वाधिक विचारणीय और प्रासंगिक है कि इस दुनिया को सुंदर और जीने लायक कैसे बनाया जा सकता है। प्राचीनतम भारतीय संस्कृति और उसके जीवन-मूल्य इस हांफती-जूझती सभ्यता के घावों पर मलहम लगा सकते हैं। भारतवासियों को भी अपनी अपनी जड़ों की और लौटना होगा। 'मध्यमार्ग' के अनुकरण में ही वर्तमान सभ्यता की गति है। सीमित उत्पादन और संयमित उपभोग ही भविष्य का मार्ग है। व्यष्टि, समष्टि, सृष्टि और परमेष्टि की एकात्मता से ही जीवन को उन्नत और आनंदमय बनाया जा सकता है।

सूचीबद्ध कंपनियों के लिए अनुपालन नियम सरल

नई दिल्ली : पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों को डेट सिक्युरिटीज संबंधी अनुपालनों में छूट देने का फैसला किया है। नियामक ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि ये छूट नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी), नॉन कन्वर्टिबल रिडिमेबल प्रिफरेंस शेयर (एनसीआरपीएस) और कॉमर्शियल पेपर्स (सीपी) समेत म्यूनिसिपल डेट सिक्युरिटीज से संबंधित नियमों में दिए जाएंगे। एनसीडी, एनसीआरपीएस और सीपी के लिए छमाही वित्तीय नतीजे दाखिल करने की अवधि 45 दिनों तक बढ़ा दी है। (प्रेट्र)

मौजूदा कोरोना संकट देश की जीडीपी विकास दर को एक प्रतिशत तक कम कर सकता है। नौकरियों पर इसका बुरा असर पड़ेगा। सरकार को उद्योग जगत के लिए तत्काल राहत पैकेज घोषित करना चाहिए।

— बिमल जालान, पूर्व गवर्नर, आरबीआइ

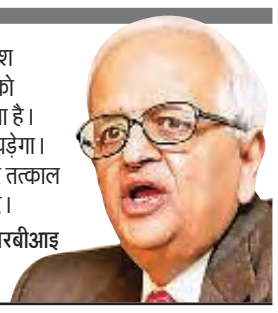

एक वर्ष के लिए एनपीए न हो कर्ज

गुहार ▶ उद्योग जगत को मौजूदा कोरोना संकट से निकलने को चाहिए मदद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के साथ बैठक में उद्योग जगत ने खासतौर पर मांग की है कि मौजूदा परिस्थिति में अगले करीब एक वर्ष तक भुगतान नहीं होने वाले कर्ज को एनपीए घोषित नहीं किया जाए। आरबीआइ के दिशा-निर्देश के मुताबिक 90 दिनों से एक दिन ज्यादा भी कर्ज नहीं चुकाने वाले कर्ज खाता को एनपीए (फंसे कर्जे) घोषित कर दिया जाता है। इस पर उद्योग चैंबरों ने मांग रखी है कि इस नियम को नौ महीनों से एक वर्ष तक के लिए स्थगित किया जाए, ताकि कर्ज कंपनी प्रबंधन को मौजूदा मंदी से निपटने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

हर हाथ को मिले नकदी : उद्योग जगत की तरफ से एक बड़ी मांग यह थी कि अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए देश की बड़ी आबादी के हाथ में नकदी पहुंचाना जरूरी है। कोरोना की वजह से प्रभावित उद्योगों के सभी कामगारों व खासतौर पर असंगठित क्षेत्र के युवा कामगारों के हाथ में 5,000 रुपये पहुंचाने की व्यवस्था होनी चाहिए। जबकि एक निश्चित आय-सीमा वाले 65 वर्ष से ज्यादा आयु-वर्ग के लोगों के हाथ में 10 हजार रुपये देने की व्यवस्था होनी चाहिए। यह डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर स्कीम के तहत हो सकता है। इस सुझाव का दोहरा फायदा होगा। एक तो प्रभावित जनता को आर्थिक मदद मिलेगी दूसरी मांग भी बढ़ेगी।

विमर्श के बाद बंद किए जाएं उद्योग

उद्योग जगत ने प्रधानमंत्री से शिकायत की है कि कोरोना वायरस से उत्पन्न स्थिति में कई राज्यों में बगैर सोचे-समझे उद्योग-धंधों को बंद किया जा रहा है। इस चक्कर में कई बेहद उपयोगी उद्योगों के संयंत्रों पर भी ताला लग रहा है। कुछ राज्यों ने बीज उद्योग पर ताला लगा दिया है, जबकि अभी देश के कई हिस्सों में खरीफ की बोआई शुरु होने वाली है। अगर बीज कंपनियों के कामकाज बंद हो जाएंगे तो यह किसानों के लिए भारी मुसीबत बन जाएगा।
यह कदम आने वाले दिनों में महंगाई को भी बढ़ा सकता है। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को आश्वस्त किया है कि सरकार इस बारे में आवश्यक कदम उठाएगी। पीएम ने उद्योग जगत को आश्वासन दिया कि हालात चिंताजनक होने के बावजूद सरकार पूरी तत्परता से कोरोना वायरस के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए तत्पर है।

राजकोषीय घाटे की ना हो चिंता : सीआइआइ और फिक्की के प्रतिनिधियों ने कहा है कि मौजूदा हालात में राजकोषीय घाटे की कोई चिंता नहीं होनी चाहिए। अगर यह 1.5 से दो फीसद ज्यादा भी होता है तो कोई परेशानी नहीं है। फिक्की की प्रेसिडेंट डा. संगीता रेड्डी ने बताया कि अगले वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य दो फीसद बढ़ाने का मतलब होगा कि सरकार के पास चार लाख करोड़ रुपये ज्यादा खर्च करने की छूट होगी। इस राशि का इस्तेमाल अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में किया जा सकेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2020-21 के लिए 3.5 फीसद का राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है।

एनसीएलटी में ना जाए कोई मामला : उद्योग जगत पर अभी दिवालिया कानून की भी तलवार लटकी हुई है। कर्ज चुकाने में देरी होने पर ग्राहक कर्ज वूसली के लिए इन्सॉल्वेंसी व बैंक्रप्सी कोड (आइबीसी) के तहत नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) लेकर चले जाते हैं। वहां दिवालिया प्रक्रिया शुरू की जाती है। ऐसे में एक वर्ष तक एनसीएलटी में किसी भी तरह के मामले नहीं ले जाने की घोषणा होनी चाहिए। क्योंकि अभी जैसे हालात बने हैं उसका असर देश की औद्योगिक गतिविधियों व भुगतान आदि पर कई महीनों तक बने रहने के आसार हैं।

इसी तरह से एक मांग यह रखी जाए कि किसी तरह की अदायगी ना होने या अन्य नियमन संबंधी उल्लंघन पर 10 महीनों तक उद्योग जगत के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जाए। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स का भी गठन किया है। अब तक अलग-अलग सेक्टर के साथ उसकी दो-तीन बैठकें हो चुकी हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही पैकेज की घोषणा हो सकती है।

जरूरी वस्तुओं का उत्पादन सुनिश्चित करें : मोदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख उद्योगपतियों से कोरोना के प्रकोप के दौरान आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन सुनिश्चित करने और कालाबाजारी से परहेज करने को कहा है। प्रधानमंत्री ने उनको कर्मचारियों को घर से काम करने की इजाजत देने के लिए भी कहा है।

सोमवार को देश के प्रमुख उद्योगपतियों और उद्योग संगठनों के शीर्ष अधिकारियों से बात करते हुए मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस से अर्थव्यस्था पर पूरे असर का पता आने वाले समय में चलेगा। उन्होंने उद्योगपतियों से मानवीय रुख अपनाने और व्यापार पर नकारात्मक असर पड़ने के बावजूद कर्मचारियों की संख्या नहीं घटाने का अनुरोध किया। मोदी ने कहा कि सरकार देश की विकास गति बढ़ाने की दिशा में जोर-शोर से काम कर रही थी, कि बीच में अर्थव्यवस्था के सामने अप्रत्याशित बाधा उत्पन्न हो गई। इस महामारी द्वारा उत्पन्न चुनौती विश्व युद्धों से ज्यादा गंभीर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था का आधार विश्वास है। विश्वास का एक अनोखा मानदंड है - इसे मुश्किल या चुनौतीपूर्ण समय में हासिल किया या गंवाया जाता है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में विश्वास का मानदंड अभी नाजुक मोड़ पर है। उन्होंने कहा कि पर्यटन, निर्माण, आतिथ्य और दैनिक कामकाज के अलावा अनौपचारिक क्षेत्रों पर कोरोना का प्रतिकूल असर पड़ा है।

कॉरपोरेट जगत ने कसी कमर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना को हराने के लिए कॉरपोरेट जगत खुलकर सरकार के साथ खड़ा दिख रहा है। महिंद्रा, रिलायंस, वेदांता जैसी कंपनियों की तरफ से इसकी शुरुआत हो चुकी है, तो कई कंपनियां इसकी तैयारी कर रही है। सोमवार को सरकार की तरफ से भी कोरोना को हराने के लिए की गई मदद को कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) का दर्जा दे दिया गया। इसके बाद हर कंपनी सीएसआर के तहत कोरोना संकट को दूर करने में अपना योगदान दे सकती है। कंपनियों को अपनी आय का दो फीसद सीएसआर के तहत खर्च करना होता है। कॉरपोरेट मामले के मंत्रालय के मुताबिक कोविड-19 के मद में खर्च को कंपनियां सीएसआर खर्च में दिखा सकती हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की तरफ से कोरोना को हराने के लिए सोमवार को कई प्रयासों की घोषणा की गई। इनमें मुख्य रूप से देश का पहला कोविड-19 समर्पित अस्पताल है जिसकी क्षमता 100 बिस्तरों की होगी। विभिन्न शहरों में गैर-सरकारी संगठनों की मदद से लोगों को मुफ्त में भोजन देने की व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षा सूट के साथ मास्क भी बनाए जा रहे हैं। रिलायंस ने प्रतिदिन एक लाख मास्क बनाने का फैसला किया है। स्वास्थ्य सेवा में लगे वाहनों को मुफ्त में ईंधन मुहैया कराने के साथ रिलायंस के-700 से अधिक स्टोर पर आवश्यक सभी सामानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का फैसला किया है। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा की तरफ से कोविड-19 को हराने के लिए वेंटिलेटर बनाने से लेकर छोटे कारोबारियों की सहायता के लिए फंड बनाने की घोषणा की गई। कोविड-19 से लड़ने के लिए महिंद्रा समूह के गेस्टहाउस का इस्तेमाल का प्रस्ताव भी महिंद्रा की तरफ से रखा गया।

समूह की मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट वेंटिलेटर बनाने की दिशा में तैयारी शुरू कर चुकी है। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कोरोना संकट से लड़ने के लिए पिछले दिनों 100 करोड़ रुपये की मदद देने की घोषणा की है। इस फंड से ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों को वेतन देने के साथ लोगों के इलाज में इसका उपयोग किया जाएगा। औद्योगिक संगठन सीआइआइ और फिक्की के उद्यमी सदस्यों ने प्रधानमंत्री की अपील पर अपने यहां काम करने वाले कर्मचारियों को पूरे महीने की सैलरी देने का वादा किया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मुंबई में देश का पहला कोरोना वायरस समर्पित अस्पताल स्थापित किया है। 100 बेड के इस अस्पताल में एक निगेटिव प्रेशर रूम भी है, जो संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद करता है। एएनआइ

शेयर बाजारों पर सितम की इंतहा, रिकॉर्ड गिरावट

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

- बीएसई और एनएसई के प्रमुख सूचकांक धराशायी
- सेंसेक्स में 3934 और निफ्टी 1135 अंक गिरकर हुए बंद

कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप से जिस तरह से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, देश के शेयर बाजारों का हाल भी कुछ वैसा ही है। सोमवार को भारतीय शेयरों में कारोबार की शुरुआत से गिरावट का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह लोअर सर्किट लगने और कारोबार अस्थायी तौर पर बंद होने से भी नहीं रुका। कारोबार के आखिर में सेंसेक्स 3,934 अंकों यानी 13.15 फीसद की गिरावट के साथ 25,981.24 अंकों पर बंद हुआ, जो इसका तीन वर्षों का निचला स्तर है। निफ्टी 1,135.20 अंकों यानी 12.98 फीसद की गिरावट के साथ 7,610 के स्तर पर बंद हुआ, जो इसका चार वर्षों का निचला स्तर है। इस एक कारोबारी सत्र में बीएसई में निवेशकों को राशि 14 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी।

कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर जिस तरह सरकार एक के बाद एक शहरों को लॉकडाउन कर रही है और इसकी वजह से जिस तरह से औद्योगिक उत्पादन ठप्प होता जा रहा है, उसे देखते हुए शेयर बाजारों के सोमवार के अंजाम का थोड़ा अंदेशा पहले से था। आरबीआइ व सेबी की तरफ से बाजार व वित्तीय संस्थानों को भरोसा दिलाने का काम हो रहा है, लेकिन उससे भी बात नहीं बन रही है। संसद में वित्त विधेयक बगैर वित्त मंत्री के भाषण या किसी चर्चा के पारित हो गया, जिससे निवेशकों में और निराशा फैली। दुनियाभर के शेयर बाजारों की यही स्थिति है। देश में कोरोना वायरस के 415 से ज्यादा मामले आने के बाद जिस तरह से विशेषज्ञ ने भारत की स्थिति को लेकर चिंता जताने लगे हैं उससे मुद्रा बाजार भी एकदम पस्त है। डॉलर के मुकाबले रुपया 95 पैसा कमजोर हो कर खुला और जब बाजार बंद हुआ तो यह 76.22 के अब तक के निचले स्तर पर था। एक दिन में रुपये में 102 पैसे की गिरावट हुई और यह पहली बार 76 के स्तर के नीचे बंद हुआ। एक्सिस सिक्युरटीज के बिजनेस हेड (करेंसी) सुनील कुमार कटके के मुताबिक रुपये में ऐसी गिरावट दोधारी तलवार है। इससे एक तरफ आयात ज्यादा महंगा होगा तो दूसरी तरफ भारत जैसे देश में सस्ते क्रूड के फायदे का असर भी कम हो जाएगा। यानी क्रूड सस्ता होने से ग्राहकों को पेट्रोल व डीजल की कीमत में जितनी राहत मिलनी चाहिए, उतनी नहीं मिलेगी।

शेयर बाजार में सोमवार को हुई गिरावट के बाद कई कंपनियों के शेयरों की कीमतें कई दशकों के पहले के स्तर पर पहुंच गई हैं। खासतौर पर वित्तीय सेक्टर की कंपनियों के शेयरों के भाव तो बेतहाशा गिरे। निजी सेक्टर के एक्सिस बैंक के शेयरों की कीमतें 28 फीसद तो बजाज फाइनेंस की 24 फीसद गिर गईं। इंड्सइंड बैंक में 23 फीसद, आइसीआइसीआइ में 18 फीसद, एचडीएफसी में 13 फीसद की गिरावट रही। बजाज फाइनेंस तो 11 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर आ गया तो चोलामंडलम के शेयरों के भाव 28 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर बंद हुए। बंधन बैंक, उज्जीवन, एनआइआइटी टेक, इक्विटास जैसी कंपनियों के भाव पहली बार आइपीओ की कीमत से नीचे आ गए। मारुति सुजुकी शेयरों की कीमतें 17 फीसद लुढ़क गई।

शेयर व मुद्रा बाजार की दिशा व दशा क्या होगी, इसके बारे में कोई भी विशेषज्ञ फिलहाल कहने को तैयार नहीं हैं। कोरोना वायरस का असर क्या होगा, इसको लेकर ही अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसके आर्थिक दुष्प्रभावों से निपटने को लेकर भी सरकार, केंद्रीय बैंकों व वित्तीय संस्थान में कोई ठोस राय नहीं बन पाई है। बड़ी कंपनियों के शेयरों के भाव काफी नीचे आ गए हैं और कई लोग छोटे निवेशकों को इसमें सोच समझकर लंबे समय (तीन से पांच वर्षों या इससे भी ज्यादा) के लिए निवेश करने की सलाह दे रहे हैं।

विवाद से विश्वास, टैक्स रिटर्न की बढ़ेगी अवधि

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना असर

- 31 मार्च की समय-सीमा से मिलेगी सबको राहत
- टैक्स विभाग ने एक अप्रैल की जगह एक मई से नए वित्त वर्ष शुरू करने की मांग की

कोरोना की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन को देखते हुए सरकार 31 मार्च को खत्म होने वाली योजनाओं की तारीख आगे बढ़ा सकती है। जल्द ही इसकी घोषणा भी कर दी जाएगी। इनमें मुख्य रूप से हाल ही में अधिसूचित विवाद से विश्वास स्कीम से लेकर वित्त वर्ष 2018-19 की टैक्स रिटर्न फाइलिंग शामिल है। पैन से आधार कार्ड को जोड़ने की अंतिम तारीख भी 31 मार्च है। इसमें भी राहत मिल सकती है। दूसरी तरफ, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सरकार से नए वित्त वर्ष को एक मई से शुरू करने की मांग की है। नए वित्त वर्ष की शुरुआत पहली अप्रैल से होती है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर यह मांग की है। अधिकारियों के मुताबिक विवाद से विश्वास स्कीम में शामिल होने की आखिरी तारीख 31 मार्च है जबकि इन दिनों सभी सरकारी महकमों में आधे कर्मचारी ही काम कर रहे हैं। आधे कर्मचारी घर से कामकाज संभाल रहे हैं। ऐसे में चार लाख से अधिक विवादित मामलों के टैक्स को जोड़ना और फिर उसे अंजाम देना अभी की स्थिति में संभव नहीं है।

मुंबई के इनकम टैक्स विभाग प्रमुख ने तो सीबीडीटी को विवाद से विश्वास स्कीम की तारीख बढ़ाने के लिए पत्र भी लिखा है। टैक्स विभाग के मुताबिक 80-सी के तहत छूट लेने के लिए आम लोग जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, पीपीएफ जैसी स्कीमों की किस्त भरते हैं। उसकी तारीख भी बढ़ने की संभावना है। इन किस्तों को 31 मार्च तक जमा करने पर ही उन्हें वित्त वर्ष 2019-20 के इनकम टैक्स में इसका फायदा मिलेगा। एलआइसी ने 31 मार्च तक जमा होने वाले प्रीमियम की अवधि को 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2018-19 के इनकम टैक्स रिटर्न को लेट फाइन के साथ फाइल करने की आखिरी तारीख 31 मार्च है। इस समय-सीमा में भी मोहलत मिल सकती है।

वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक नए वित्त वर्ष को पहली अप्रैल की जगह एक मई से लागू करने में सरकार के सामने तकनीक समस्या आ सकती है। टैली जैसे कुछ सॉफ्टवेयर ऐसे हैं जो नए वित्त वर्ष में खुद अपडेट हो जाते हैं।

पेट्रोल व डीजल की उत्पाद शुल्क सीमा में बढ़ोतरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पेट्रोल व डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क की सीमा में बढ़ोतरी कर दी गई है। पेट्रोल पर अब अधिकतम 18 रुपये प्रति लीटर तो डीजल पर 12 रुपये प्रति लीटर तक का उत्पाद शुल्क लिया जा सकता है। सोमवार को वित्त विधेयक में संशोधन के तहत उत्पाद शुल्क सीमा में बढ़ोतरी की मंजूरी दी गई। इसके साथ ही पेट्रोल व डीजल पर और आठ रुपये तक का उत्पाद शुल्क लगाने का रास्ता साफ हो गया है। ऐसा होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में होने वाली गिरावट का फायदा पेट्रोल व डीजल के दाम पर नहीं दिखेगा। गत 14 मार्च को सरकार ने पेट्रोल व डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस तीन रुपये की बढ़ोतरी से सरकार को चालू वित्त वर्ष में अतिरिक्त रूप से 40,000 करोड़ रुपये के राजस्व मिलने का अनुमान है।

विशेषज्ञों के मुताबिक भविष्य में अगर सरकार पेट्रोल व डीजल पर आठ रुपये तक की और बढ़ोतरी करती है तो कच्चे तेल के वर्तमान मूल्य स्तर को देखते हुए नए वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एक लाख करोड़ तक की रकम मिल सकती है। इस राशि का इस्तेमाल सरकार कोरोना प्रभावित सेक्टर के लिए कर सकती है। इस बात की चर्चा चल रही है कि असंगठित क्षेत्र के 40 करोड़ श्रमिकों को सरकार पांच-पांच हजार रुपये की सहायता प्रदान कर सकती है। ऐसा करने पर सरकार को दो लाख करोड़ रुपये की जरूरत होगी, जिसकी भरपाई ईंधन पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर की जा सकती है।

कोरोना वायरस से प्रभावित देशों में बढ़ी भारतीय खाद्य उत्पादों की मांग

राजीव कुमार, नई दिल्ली

फायदा

- यूरोप और अमेरिका से खाने-पीने की वस्तुओं की भारी मांग
- चावल, गेहूं, दाल के साथ प्रोसेस्ड खाद्य वस्तुओं के निर्यात में 20 फीसद तक का इजाफा
- चीन से सप्लाई प्रभावित होने से भारतीय लहसुन, अदरक के साथ मसालों के निर्यात में तेजी के आसार

कोरोना संकट से जूझ रहे यूरोप व अमेरिका में इन दिनों खाने-पीने की वस्तुओं की भारी खरीदारी हो रही है और उसका सीधा फायदा भारतीय निर्यातकों को मिल रहा है। भारत से खाद्य वस्तुओं के निर्यात में मार्च के शुरुआती 20 दिनों (1-20 मार्च) तक ही पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 20 फीसद तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। चीन से सप्लाई चेन प्रभावित होने की वजह से इन दिनों कई देश भारत से लहसुन, अदरक, तिल के साथ मसालों की खरीदारी में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

निर्यातकों के मुताबिक अमेरिका, यूरोप के साथ ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजरायल, मिस्र जैसे देशों से खाद्य वस्तुओं के साथ प्रोसेस्ड फूड एवं रेडी-टू-ईट फूड की भारी मांग आ रही है। चावल, गेहूं, दाल जैसे मोटे अनाजों की मांग भी बढ़ रही है। निर्यातक बता रहे हैं कि अगले वित्त वर्ष के दौरान इन बाजारों में भारतीय खाद्य उत्पादों की मांग और तेजी से बढ़ेगी। ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (टीपीसीआइ) के चेयरमैन मोहित सिंगला ने बताया कि मार्च के शुरुआती 20 दिनों में ऑर्गेनिक फूड के निर्यात में 20 फीसद, चावल के निर्यात में 16.2 फीसद, चाय में 10 फीसद, गेहूं व अन्य अनाज में 17.88 फीसद तो प्रोसेस्ड व रेडी-टू-ईट फूड के निर्यात में 9.7 फीसद का इजाफा हो चुका है। जबकि इस अवधि में निर्यात के कंसाइनमेंट को भेजने में कई प्रकार की चुनौतियां आ रही हैं।

सिंगला ने बताया कि हालांकि सरकार निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी तरफ से हर संभव मदद दे रही है। मार्च महीने में फल व मेवे के निर्यात में एक फीसद से भी कम का इजाफा हुआ।

ऑर्गेनिक आइटम की बिक्री करने वाली कंपनी आर्गेनिक तत्व के मुताबिक मार्च महीने में विदेशी बाजार से आर्गेनिक फूड की मांग में 20 फीसद तक का इजाफा है। रेडी-टू-ईट आइटम से जुड़ी कंपनी भीखाराम चांदमल के मुताबिक इस सेग्मेंट के निर्यात मांग में 10-15 फीसद तक की बढ़ोतरी हुई है। रामदेव मसाला के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी-मार्च की तिमाही में निर्यात में भी 20 फीसद तक की बढ़ोतरी हुई है।

निर्यातकों के मुताबिक प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए लहसुन, अदरक व अन्य भारतीय मसालों को उपयुक्त समझे जाने की वजह से इन दिनों इन वस्तुओं के लिए भी विदेश से ऑर्डर मिलने शुरू हो गए हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि चीन से इन दिनों सप्लाई चेन प्रभावित है। दुनिया के अन्य चुनिंदा देशों से भी इन उत्पादों की आपूर्ति फिलहाल संभव दिखाई नहीं दे रही है। भारतीय निर्यातकों के लिए यह एक बड़े अवसर के तौर पर उभर रहा है।

रेलवे ने माल ढुलाई में दी राहत

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

- माल भरने व उतारने का समय दोगुना किया गया, देरी होने पर जुर्माने की रकम को भी किया गया आधा

ट्रेनों के बंद होने से रेल प्रशासन ने आय बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक मालगाड़ियों को चलाने की व्यवस्था की है। इसके तहत माल ढुलाई करने वाले व्यापारियों और कंपनियों के लिए माल उतारने और लोड करने के समय को दोगुना कर दिया गया है। इतना ही नहीं, निर्धारित समय तक माल नहीं उतार पाने पर लगने वाले जुर्माना को आधा कर दिया गया है।

निर्धारित समय पर माल नहीं उतारने और चढ़ाने पर रेलवे व्यापारियों से प्रत्येक घंटे की दर से जुर्माना लेती है। उदाहरण के लिए एक पूरी मालगाड़ी में खाद्यान्न भरने व उतारने के लिए नौ-नौ घंटे का समय दिया जाता है। इससे अधिक समय लगने पर एक घंटे की दर से जुर्माना लिया जाता है। एक बोगी एक घंटे का 120 रुपये जुर्माना होता है। यह जुर्माना दूरी के हिसाब से अलग-अलग है। कोरोना वायरस को लेकर यात्री ट्रेनें चलनी बंद हो गईं हैं। इसके स्थान पर रेलवे मालगाड़ी को चला रहा है। अब ज्यादा मालगाड़ियों को चलाने की योजना है जिससे रेलवे की आय में वृद्धि हो। व्यापारियों को लुभाने के लिए रेलवे बोर्ड ने आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि 31 मार्च तक माल लोड करने व माल उतारने का समय 18-18 घंटे कर दिया गया है। निर्धारित समय पर माल नहीं उतारने पर लगने वाले जुर्माना को भी आधा कर दिया गया है।

आज चली 50 मालगाड़ी

ट्रेनें नहीं होने से मालगाड़ी चलाने के लिए रास्ता मिल रहा है। रेलवे एक के पीछे एक मालगाड़ी चला रहा है। मुरादाबाद स्टेशन से 50 मालगाड़ी को चलाया गया है। इसके बाद भी रेल मार्ग खाली पड़ा हुआ है। प्रवर मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेखा ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने व्यापारियों को 31 मार्च तक माल लोडिंग व अनलोडिंग करने का समय बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। देरी से उतारने व चढ़ाने का लगने वाला जुर्माना भी घटा कर आधा कर दिया गया है।

रेलवे स्टेशन को अब मेट्रो स्टेशन कहिए

प्रदीप चौरसिया, मुरादाबाद

- पायलट प्रोजेक्ट के लिए उत्तर रेलवे के दो स्टेशन चयनित

रेल प्रशासन ने रेलवे स्टेशनों को मेट्रो स्टेशन की तरह विकसित करने की योजना तैयार की है। प्लेटफार्मों पर चेकिंग करने के लिए टीटीई नहीं होंगे बल्कि मशीन टिकट की चेकिंग करेगी। मशीन को टिकट दिखाने के बाद ही प्लेटफार्म पर जा पाएंगे और टिकट दिखाने के बाद प्लेटफार्म से बाहर आ सकेंगे।

रेलवे यात्री सुविधा बढ़ाने के साथ आधुनिकता पर जोर दे रहा है। आधुनिक उपकरण लगाकर कर्मियों की संख्या को कम किया जाना है। टिकट चेकिंग स्टाफ को कम करने की योजना पर काम हो गया है। इसलिए मेट्रो स्टेशन की भांति सुविधाएं विकसित की जाएंगी। ऐसे में बिना टिकट कोई भी यात्री प्लेटफार्म पर नहीं आएगा और बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों को उपकरण गेट से बाहर जाने नहीं देगा। पायलट प्रोजेक्ट के तहत देहरादून और चंडीगढ़ स्टेशन का चयन किया गया है। इसके लिए रेल बजट में 4.16 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया गया है। योजना पर वित्तीय वर्ष 2020-21 (एक अप्रैल के बाद) शुरू किया जाना है।

ऐसे काम करेगा सिस्टम : नए सिस्टम में रिजर्वेशन सिस्टम व जनरल टिकट सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा। स्टेशन से यात्रा शुरू करने और यात्रा खत्म करने वाले टिकट पर बार कोड होगा। यात्री प्लेटफार्म पर जाने के लिए टिकट को उपकरण के सामने रखेगा और बार कोड को सिस्टम स्कैन कर लेगा और बाहर जाने या आने के लिए गेट खुल जाएगा। इस व्यवस्था के बाद बिना टिकट कोई प्लेटफार्म पर नहीं पहुंच पाएगा और बिना टिकट यात्री ट्रेन से उतर कर बाहर नहीं जा पाएंगे। चेकिंग स्टाफ जुर्माना लेकर टिकट बनाएगा और उसके बाद यात्री प्लेटफार्म से बाहर निकल पाएंगे।

आर्थिक चोट

होटल कारोबार पर गहरा असर, दर्जनों कर्मचारी हटाए गए, हालांकि देश के बाहर के होटल व गोल्फ कोर्स अभी खुले हुए हैं

ट्रंप के व्यावसायिक हितों पर भी कोरोना संकट का साया

न्यूयॉर्क टाइम्स से

वाशिंगटन : कोरोना महामारी से न केवल जनहानि हो रही है बल्कि बड़े पैमाने पर आर्थिक गतिविधियों पर भी चोट पड़ रही है। इसकी मार से दुनिया के सबसे शक्तिशाली राजनेता डोनाल्ड ट्रंप भी अछूते नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यावसायिक के हित इस बीमारी से काफी प्रभावित हुए हैं। उनका पारिवारिक होटल व्यवसाय लड़खड़ा गया है। कई होटलों के ऑपरेशनों में कटौती करनी पड़ी है। कुछ गोल्फ कोर्स और रेस्तरां बंद करने पड़े हैं और दर्जनों कामगारों को काम हटा भी गया गया है। हालांकि इन सब के बीच अन्य प्रतिष्ठान खुले हैं तथा सोशल मीडिया में उन्हें प्रमोट करने की भी कवायद जारी है।

जानकारों के मुताबिक, हाल के दिनों में ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन ने न्यूयॉर्क तथा वॉशिंगटन के होटलों में कर्मियों की संख्या में कटौती की है। लॉस वेगास के होटल में बुकिंग रोक दी गई है। लॉस एंजिल्स तथा मियामी में गोल्फ कोर्स बंद कर दिए गए हैं। फ्लोरिडा स्थित

प्रतीकात्मक

मार-ए-लागो क्लब भी बंद कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि आमतौर पर इस समय में क्लब में अच्छी खासी गतिविधियां होती थीं। राष्ट्रपति ट्रंप भी नियमित तौर पर आते रहते थे।

ऐसे हालात में आने वाले दिनों में और छंटनी की आशंका के मद्देनजर एक कंपनी के एग्जीक्यूटिव बताते हैं कि यह आखिरी विकल्प होगा। प्राथमिकता तो हजारों कर्मियों तथा संविदा श्रमिकों की नौकरी बनाए रखने की है। कंपनी के पास दर्जनों गोल्फ क्लब तथा शिकागो, हवाई, न्यूयॉर्क, लॉस वेगास, वैंकूवर, वॉशिंगटन के अलावा आयरलैंड तथा स्कॉटलैंड में भी पांच सितारा होटल हैं।

ये प्रतिष्ठान अभी खुले हैं और कंपनी ने सोशल मीडिया तथा डायरेक्ट ईमेल के जरिए प्रमोशनल अभियान जारी रखा है। इसी क्रम में न्यूयॉर्क सिटी में स्थित एक सार्वजनिक गोल्फ कोर्स- ट्रंप गोल्फ लिंक्स ने शुक्रवार सुबह ट्विटर के जरिए मेहमानों को आमंत्रित करते हुए कहा, ताजी हवा चाहिए? तनाव कम करने तथा सोशल डिस्टेंसिंग के लिए गोल्फ क्लब अच्छी जगह है, जो खुला है। कंपनी ने अभी तक बड़े पैमाने पर बंदी को टाला है, जबकि कुछ अन्य बड़े होटल चेन इस दिशा में बढ़ चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप का मार-ए- लागो क्लब वही स्थान है, जहां हुए विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करने वाले कई लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सात मार्च को ब्राजीली राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो को यहीं डिनर दिया था और उनके साथ उसमें शामिल हुए ब्राजील के दो अधिकारियों में कोरोना की पुष्टि हुई थी। उसी घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप को भी कोरोना संक्रमण की जांच करानी पड़ी थी, जिसका परिणाम निगेटिव आया था। इन झटकों के बावजूद ट्रंप के मुख्य प्रतिष्ठानों में से एक डोरल में गोल्फ रिसॉर्ट में नई बुकिंग हो रही है। हालांकि यहां रेस्तरां बंद हैं।

पोप ने ईसाइयों से 25 को प्रार्थना का किया आह्वान

वेटिकन सिटी, आइएएनएस : ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने 25 मार्च (बुधवार) को होने वाली प्रार्थना में ईसाई समुदाय से एकजुटता दिखाते हुए शामिल होने का आह्वान किया है। यह प्रार्थना दुनिया को कोरोना वायरस से मुक्त करने के लिए होगी। पोप ने यह आह्वान रविवार की प्रार्थना के बाद किया। पोप ने कहा, बुधवार को दोपहर में एकजुट होकर हम महान पिता से दया करने के लिए प्रार्थना करेंगे। कोरोना से जूझ रहे उन लोगों से हमें अपनी नजदीकी दिखानी है जो अकेले और परेशान हैं। ऐसे में जबकि पूरी दुनिया महामारी से जूझ रही है तब सभी ईसाइयों का कर्तव्य बन जाता है कि वे एकजुट होकर इतनी तेज आवाज उठाएं कि उसकी गूंज स्वर्ग तक पहुंचे। वहां रहने वाले देवता हमारी प्रार्थना को सुन पाएं। इसके दो दिन बाद शुक्रवार को पोप फ्रांसिस शाम छह बजे वेटिकन के सेंट पीटर्स स्क्वेयर में होने वाली प्रार्थना में शिरकत करेंगे। उन्होंने इससे भी संचार माध्यमों के जरिये जुड़ने का आह्वान किया है।

पोप फ्रांसिस। फाइल

चीन में बहुत ज्यादा हो सकता है मौत का आंकड़ा

वाशिंगटन, आइएएनएस : चीन में कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते हुई मौतों का जो आंकड़ा सामने आ रहा है, उस पर सवाल उठने लगे हैं। कई चीनियों ने मोबाइल फोन यूजर्स की संख्या में भारी गिरावट का हवाला देते हुए दावा किया कि यह आंकड़ा ज्यादा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि चीन में सभी खबरों और सूचनाओं पर सरकार का नियंत्रण होता है।

चीन की सरकार ने वायरस से अब तक 3,270 लोगों की मौत और 81,093 लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की है। तीन महीने पहले मध्य चीन के वुहान शहर से कोरोना वायरस फैला था। कई चीनी नागरिकों ने वीडियो और दस्तावेजों के जरिये सरकारी आंकड़ों पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन में बीते तीन माह में 2.1 करोड़ मोबाइल फोन यूजर कम हो गए। न्यूयॉर्क में रहने वाली चीनी ब्लॉगर जेनिफर जेंग ने मोबाइल यूजर्स को लेकर गत 19 मार्च को जारी हुए चीन के सरकारी मासिक डाटा को सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। इस डाटा के अनुसार, सेलफोन यूजर्स की संख्या 1.60 अरब से घटकर 1.58 अरब रह गई है। इसी तरह लैंडलाइन यूजर्स का आंकड़ा 19.83 करोड़ से कम होकर 18.99 करोड़ रह गया है। जेंग ने इशारों में कहा कि ये अकाउंट कोरोना वायरस से हुई मौतों के कारण बंद हो सकते हैं।

चीन का दावा, 89 फीसद मरीज ठीक हुए : चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ आयोग ने कहा है कि करीब 89 फीसद कोरोना पीड़ित ठीक हो चुके हैं। देश में एक दिन के अंतराल के बाद फिर कोई नया मामला सामने नहीं आया। जबकि नौ और पीड़ितों ने दम तोड़ दिया।

चीन के वुहान शहर में स्थित चिल्ड्रन अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में नवजात की देखभाल करती नर्स। वुहान शहर से ही जानलेवा कोरोना वायरस की शुरुआत हुई थी। अब पूरी दुनिया में संक्रमण तेजी से फैल रहा है। एएफपी

चीनी मोबाइल कंपनियों के यूजर्स घटे

अमेरिका से संचालित स्वतंत्र मीडिया ईपोक टाइम्स ने अपनी खबर में बताया है कि चीनियों के जीवन में सेलफोन कितना अहम है? चीनी मूल के अमेरिकी द्वारा संचालित इस अखबार ने बताया कि चीन में सरकार नियंत्रित उच्च स्तर पर संचार प्रौद्योगिकी की उपयोगिता है। चीन सरकार ने गत वर्ष एक दिसंबर को सेलफोन रखने के लिए फेशियल स्कैन अनिवार्य कर दिया था। अखबार ने चीन की सभी तीनों मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियों के डाटा के हवाले से बताया कि गत दिसंबर में सेलफोन यूजर्स की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई थी। चीन के 60 फीसद मोबाइल मार्केट पर नियंत्रण रखने वाली कंपनी चाइना मोबाइल ने बताया कि देश में फेशियल स्कैन अनिवार्य होने के बाद दिसंबर में 30 .73 लाख नए उपभोक्ता जुड़े थे। लेकिन जनवरी में आठ लाख 62 हजार और फरवरी में 72 लाख उपभोक्ता कम हो गए। इसी तरह चाइना टेलीकॉम ने जनवरी में चार लाख तीस हजार और फरवरी में 56 लाख यूजर्स घटने की जानकारी दी।

प्रतीकात्मक फोटो

वैज्ञानिकों ने 2007 में ही दे दी थी चेतावनी

नई दिल्ली, आइएएनएस : कोविड-19 का कहर भले अब टूटा हो, लेकिन वैज्ञानिकों ने 2007 में ही इसे लेकर चेतावनी दे दी थी। उस वक्त वैज्ञानिकों ने कहा था कि खतरनाक वायरस के संक्रमण के मामले में चीन टाइम बम जैसी स्थिति में है। क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी रीव्यूज के मुताबिक 2007 में वैज्ञानिकों ने बताया था, 'हॉर्सशू चमगादड़ों (चमगादड़ की एक प्रजाति) में सार्स जैसे वायरसों की मौजूदगी और दक्षिण चीन में सामान्य से इतर स्तनपायी जीवों को खाने की संस्कृति मिलकर एक टाइम बम बना रहे हैं। खानपान की यह आदत सबसे ज्यादा खतरनाक है। ऐसे में सार्स या अन्य नोवेल वायरस के फिर उभरने की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है। इसलिए इसकी तैयारी को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।' कोरोना वायरस में जेनेटिक रीकॉम्बिनेशन की क्षमता भी होती है। इसलिए इनके स्वरूप बदलने और नए संक्रमण का खतरा बना रहता है। करीब 17 साल पहले चीन में सार्स फैला था। पूरी तरह नियंत्रण से पहले इसने दुनियाभर में 8000 से ज्यादा लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था और करीब 800 लोगों की जान चली गई थी।

स्वास्थ्य सेवाओं में मदद को ब्रिटेन में सेना तैनात

प्रकोप ▶ डॉक्टरों को फेस मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपकरण पहुंचाने में कर रहे सहयोग

कोरोना संक्रमण से अब तक 281 लोगों की मौत हो चुकी है

लंदन, एजेंसियां : अस्पतालों में फेस मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपकरणों को पहुंचाने के लिए ब्रिटेन में सेना को लगाया गया है। साथ ही सरकार ने लोगों को घरों में ही रहने और एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने का निर्देश दिया है। सरकार ने कहा कि अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए और कड़े नियम लागू किए जाएंगे। बता दें कि कुछ डॉक्टरों ने संक्रमित मरीजों के इलाज के दौरान फेस मास्क जैसे जरूरी उपकरण नहीं होने की शिकायत की थी। ब्रिटेन में अब तक कोरोना संक्रमण से 281 लोगों की मौत हो चुकी है।

दरअसल, संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ब्रिटिश सरकार कई उपाय अपना रही है, लेकिन मरीजों का इलाज कर रहे मेडिकल स्टाफ ने आवश्यक चिकित्सकीय किटों की कमी की शिकायत की है। उनका कहना है कि वे काम करते हुए सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को लिखे पत्र में इन लोगों ने पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट) की आपूर्ति बढ़ाने को कहा था। संक्रमित मरीजों का इलाज कर रहे छह हजार डॉक्टरों ने कहा है कि उपकरणों की कमी और पुराने हो चुके मास्क लगाकर इलाज करके वह अपना जीवन संकट में डाल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि यह वायरस के खिलाफ युद्ध है और सेना इस काम में डॉक्टरों की पूरी मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 12,000 वेंटिलेटर थे और संक्रमण शुरू होने के बाद सात हजार और वेंटिलेटर का इंतजाम किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार और वेंटिलेटरों का इंतजाम करने में जुटी है। उम्मीद है कि कुछ समय में यह उपलब्ध हो जाएगी। साथ ही मास्क की भी पर्याप्त व्यवस्था करने की कोशिश की जा रही है।

सरकार ने वायरस के खतरे को देखते हुए कई ट्रेनों को रद करने के साथ ही अदालतों में मामलों की सुनवाई को भी टाल दिया है। इसके अलावा सरकार गैर जरूरी दुकानों को भी बंद करने की योजना के बारे में विचार कर रही है। साथ ही लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह भी दे रही है।

कोरोना वायरस के कारण ब्रिटेन के मशहूर पर्यटन स्थल भी सन्नाटे में डूब गए हैं। यह केंद्रीय लंदन का ट्राफल्गर स्क्वायर है। आम दिनों में यहां बेहद चहल-पहल रहती है। इस स्क्वायर पर नेशनल गैलरी और नेल्सन मेमोरियल जैसी मशहूर इमारतें हैं। एएफपी

मृतकों की संख्या 15,000 से ज्यादा हुई

कोरोना के संक्रमण से मरने वालों की संख्या 15,189 हो गई है। इटली सबसे ज्यादा प्रभावित है। वहां पर 5,476 लोगों की अभी तक मौत हो चुकी है जबकि चीन में यह संख्या 3,270 है। स्पेन में मरने वालों की संख्या 2182 है। ईरान में 1812 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में मृतकों की संख्या का आंकड़ा 419 पर पहुंच गया है।

देश	मौतें	संक्रमित
इटली	5,476	59138
चीन	3,270	81,054
स्पेन	2,182	33,089
ईरान	1812	23,049
अमेरिका	419	33,546

देश में आवाजाही पर इटली में प्रतिबंध

कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए इटली ने रविवार से पूरे देश के अंदर आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा सरकार ने एक आदेश जारी कर सभी गैरजरूरी व्यावसायिक गतिविधियों पर विराम लगा दिया है। सरकार ने कार, कपड़ा और फर्नीचर इंडस्ट्री को बुधवार तक सभी गतिविधियां बंद करने को कहा है। यह प्रतिबंध तीन अप्रैल तक जारी रहेगा। इटली में रविवार को 651 और लोगों की मौत हुई है। इस तरह मृतकों की संख्या 5,476 हो गई है। संक्रमित लोगों की संख्या 5,560 से बढ़कर 59138 हो गई है।

चीन और क्यूबा ने भेजी मदद

चीन ने इटली की मदद के लिए चिकित्सा उपकरण और डॉक्टर भेजे हैं। वहीं 50 से अधिक क्यूबा के डॉक्टर रविवार को मिलान पहुंचे और अस्पताल में भर्ती मरीजों का इलाज शुरू किया। रूसी सेना ने भी कहा है कि वह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देश के बाद इटली को मदद भेजना शुरू कर देगी।

स्पेन की उप प्रधानमंत्री को अस्पताल में भर्ती कराया गया

श्वास नली में संक्रमण के बाद स्पेन की उप प्रधानमंत्री कार्मेन काल्वो को रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका कोरोना वायरस का टेस्ट कराया गया है, लेकिन अभी तक इसकी रिपोर्ट नहीं आई है। स्पेन में पिछले चौबीस घंटों में 462 और लोगों की मौत हुई है। वहां मरने वालों की संख्या 2,182 हो गई है। संक्रमित लोगों की संख्या का आंकड़ा 33,089 पर पहुंच गया है।

- **गाजा पट्टी और सीरिया में संक्रमित मरीजों के मिलने के बाद संयुक्त अरब अमीरात ने सभी तरह की यात्री और ट्रांजिट उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है।**
- **अफगानिस्तान में रविवार को पहली मौत हुई। वहां पर अभी तक संक्रमण के 34 मामलों की पुष्टि हुई है**
- **पश्चिम एशिया में संक्रमण के 26,800 मामलों की पुष्टि हुई है। अकेले 23,049 मामले ईरान के हैं।**
- **सऊदी अरब के किंग सलमान ने शाम से सुबह तक कर्फ्यू का एलान किया है। यह आदेश 21 दिनों तक लागू रहेगा। सऊदी अरब में 511 संक्रमण के मामले सामने आए हैं।**
- **हांगकांग ने मंगलवार आधी रात से सभी गैर नागरिकों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही बार और रेस्तरां को शराब परोसने से मना कर दिया गया है।**

दक्षिण कोरिया में नए मामलों में कमी

सियोल, आइएएनएस : दक्षिण कोरिया में 111 लोगों की मौत की वजह बने कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में कमी आई है। देश के रोग नियंत्रण एवं बचाव केंद्र ने बताया कि रविवार को संक्रमण के नए मामलों की संख्या 64 रही। यह 29 फरवरी को सामने आए 909 मामलों की तुलना में सबसे कम है। देश में वायरस की चपेट में अब तक 8,961 लोग आ चुके हैं।

जानकारी साझा नहीं करने पर ट्रंप ने जताई चीन के प्रति नाराजगी

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह चीन से 'थोड़ा सा नाराज' हैं क्योंकि चीन ने कोरोना वायरस की जानकारी साझा करने में देरी की।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'उन्हें इसके बारे में हमें बताना चाहिए था। मैं चीन से थोड़ा सा नाराज हूं। मैं ईमानदारी से कह रहा हूं क्योंकि मैं चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पसंद करता हूं और उनका व उनके देश का सम्मान करता हूं।' ट्रंप ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग से 'विशेष तौर पर' पर अमेरिकी टीम को चीन भेजने पर बात की थी, लेकिन चीन के राष्ट्रपति ने इससे इन्कार कर दिया। हालांकि ट्रंप ने यह नहीं बताया कि शी के साथ उनकी यह बातचीत कब हुई थी। ट्रंप ने कहा कि 'अहंकार की वजह से' चीन नहीं चाहता था कि अमेरिका अपने लोगों को वहां भेजे। उन्होंने कहा, 'अमेरिका और चीन के बीच संबंध काफी अच्छे हैं। मेरा बस यह कहना है कि काश वह हमें तीन महीने पहले ही इस समस्या के बारे में बता देते। हम इसके बारे में नहीं जानते थे। वे जानते थे और उन्हें हमें बताना चाहिए था। हम कई जिंदगियां बचा सकते थे।'

कहा, वायरस की जानकारी साझा करने में देरी की

राष्ट्रपति ने कहा, हम युद्ध जैसे हालात में : राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मैं अमेरिकी जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस अदृश्य दुश्मन को पूरी तरह से हराने के लिए रोजाना हम वे सभी चीजें कर रहे हैं जो हम कर सकते हैं। देखा जाए तो हम युद्ध जैसे हालात में हैं।' उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया और वाशिंगटन की कोरोना वायरस से बेहद प्रभावित स्थलों के रूप में पहचान की गई है। न्यूयॉर्क में नेशनल गार्ड की तैनाती को भी मंजूरी दे दी गई है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने पूरे देश में कोरोना वायरस से प्रभावित स्थलों पर आपात चिकित्सा केंद्र बनाने के आदेश दिए हैं। कैलिफोर्निया के आठ चिकित्सा केंद्रों में 2,000 बिस्तर होंगे। वहीं, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन राज्य में चार चिकित्सा केंद्र होंगे और इनमें से प्रत्येक में 1,000-1,000 बिस्तरों की व्यवस्था होगी।

न्यूयॉर्क बना महामारी का केंद्र

न्यूयॉर्क टाइम्स से

न्यूयॉर्क : कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आने के तीन हफ्ते बाद अमेरिका का न्यूयॉर्क राज्य अब इस महामारी का केंद्र बन गया है। अमेरिका के इस प्रमुख राज्य में ही 15 हजार से ज्यादा पॉजिटिव मामले पाए गए हैं और 114 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि पूरे अमेरिका में अब तक कुल करीब 34 हजार लोग संक्रमित पाए गए हैं और 400 से ज्यादा की जान जा चुकी है। कोरोना के प्रकोप पर अंकुश लगाने के प्रयास में हर तीसरे अमेरिकी को घर में ही रहने को कहा गया है।

अमेरिका के न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया समेत सात राज्यों में आवाजाही और कारोबारी गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। इससे करीब दस करोड़ लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को पत्रकारों से कहा कि न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया और वाशिंगटन कोरोना वायरस के तीन प्रमुख स्थल बन गए हैं। न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने चिकित्सा आपूर्ति बढ़ाने और जमाखोरी करने वालों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने रोगियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर न्यूयार्क के उपनगरों में तीन अस्थायी अस्पताल बनाने का भी निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि न्यूयार्क के सभी अस्पताल मरीजों से भर गए हैं।

ढाई लाख अमेरिकियों की जांच : कोरोना वायरस टास्क फोर्स के प्रमुख और उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने बताया कि अब तक ढाई लाख से ज्यादा अमेरिकियों की जांच की जा चुकी है।

रिपब्लिकन सीनेटर भी पीड़ित : अमेरिका की सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर रैंड पॉल भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। उनका टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। वह संक्रमित होने वाले संसद के ऊपरी सदन सीनेट के पहले सदस्य हैं। इस बीच, समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, अमेरिका के न्याय विभाग ने कोरोना वैक्सीन बेचने का दावा करने वाली एक वेबसाइट को बंद करा दिया है।

अमेरिका मदद करना चाहता है तो प्रतिबंध हटाए : ईरान

दुबई, रायटर : ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने कहा है कि अगर अमेरिका कोरोना की महामारी से लड़ने में मदद करना चाहता है तो उसे प्रतिबंध हटा लेने चाहिए। रूहानी ने सोमवार को फिर स्पष्ट किया कि मानवीय सहायता के तौर पर अमेरिकी मदद के प्रस्ताव को स्वीकार करने का उनका कोई इरादा नहीं है। ईरान कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में है। अब तक वहां 1,812 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान 127 लोगों की मौत हुई और संक्रमण के 1,411 नए मामले सामने आए।

रूहानी ने अपने टीवी संबोधन में कहा, 'अमेरिकी नेता झूठ बोल रहे हैं। अगर वह ईरान की मदद करना चाहते हैं तो उन्हें प्रतिबंध हटा लेने चाहिए। इसके बाद ही हम कोरोना वायरस के प्रकोप से निपट सकते हैं।' रूहानी ने परोक्ष रूप से अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा, आपने ही ईरान के तेल निर्यात को अवरुद्ध किया और आपने ही ईरान के बैंकिंग लेनदेन पर प्रतिबंध लगाया। आपका सहायता प्रस्ताव इतिहास का सबसे बड़ा झूठ है। रूहानी ने अमेरिकियों से ईरान पर प्रतिबंध हटाने के लिए ट्रंप प्रशासन पर दबाव डालने की भी अपील की।

बता दें कि अमेरिका ने ईरान को मानवीय सहायता की पेशकश की थी, लेकिन ईरान के शीर्ष नेता आयतुल्ला अली खामनेई ने रविवार को इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। ईरान के विदेश मंत्री मुहम्मद जवाद जरीफ ने ट्वीट किया, अमेरिका कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को बाधित कर रहा है।

पाकिस्तान में खुली महामारी से लड़ने के इंतजामों की पोल

- **सऊदी अरब से लौटे अधेड़ की एयरपोर्ट पर नहीं की गई मेडिकल स्क्रीनिंग**
- **गांव पहुंचने पर दी गई भव्य दावत, एक सप्ताह बाद मौत**

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के कारण बड़ी संख्या में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं। क्वेटा शहर की इस तस्वीर में उन्हें भोजन वितरित किया जा रहा है। पाकिस्तान में कोरोना संक्रमितों की संख्या आठ सौ के करीब हो गई है। एपी

पेशावर, रायटर : पाकिस्तान में कोरोना से हुई पहली मौत ने महामारी से लड़ने के उसके इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। पचास वर्षीय सादात खान नामक यह व्यक्ति नौ मार्च को उमरा करके सऊदी अरब से लौटा था, लेकिन एयरपोर्ट पर उसकी मेडिकल स्क्रीनिंग नहीं की गई। इतना ही नहीं जब वह अपने गांव पहुंचा तो ग्रामीणों ने ना केवल उसका गर्मजोशी से स्वागत किया बल्कि एक भव्य दावत भी दी गई, जिसमें दो हजार लोगों ने हिस्सा लिया था। पाकिस्तान में अब कोरोना संक्रमितों की संख्या आठ सौ के पार हो गई है। अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है।

सादात की मेडिकल हिस्ट्री के मुताबिक वह नौ मार्च को मक्का से पाकिस्तान लौटे थे। गांव के लोगों के मुताबिक उनकी तबीयत खराब थी, इसके बावजूद पेशावर एयरपोर्ट पर उनकी कोई मेडिकल स्क्रीनिंग नहीं की गई। तबीयत ज्यादा खराब होने पर वह 16 मार्च को जिला अस्पताल गए और खांसी, बुखार और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत की। डॉक्टरों ने उनका टेस्ट किया और नमूने को जांच के लिए इस्लामाबाद भेजा। 18 मार्च को उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि डॉक्टरों ने उन्हें आइसोलेशन में जाने को कहा था, लेकिन वह घर चले गए और अंत तक पत्नी, तीन बेटों, दो बेटियों और चार पोते-पोतियों के साथ रहते रहे।

गुलाम कश्मीर में युवा डॉक्टर की मौत

गुलाम कश्मीर के गिलगिट क्षेत्र में कोरोना वायरस की चपेट में आकर युवा डॉक्टर उस्मा रियाज की मौत हो गई। वह दस सदस्यीय डॉक्टरों की उस टीम का हिस्सा थे, जिन्हें इराक और ईरान से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग के लिए तैनात किया गया था। गिलगिट-बाल्टिस्तान के चिलसा क्षेत्र के रहने वाले रियाज शुक्रवार रात घर आए थे, लेकिन शनिवार सुबह नहीं उठे।

मिस्र में कोरोना से मेजर जनरल की मौत

काइरो, एएनआइ : मिस्र में कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आए मेजर जनरल खालिद शालतूत की मौत हो गई। वह संक्रमण की रोकथाम के लिए देशभर में चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा थे। मिस्र में सार्वजनिक संस्थानों और विभिन्न स्थलों को सैनिटाइज करने के अभियान में सेना को लगाया गया है। दस करोड़ की जनसंख्या वाले देश में कोरोना अब तक दस लोगों की जान ले चुका है। संक्रमित लोगों की संख्या 300 के करीब पहुंच रही है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी ने रविवार को टीवी पर जनता को संबोधित करते हुए कहा, लोग अगले दो हफ्ते तक घर में ही रहें और बाहर ना निकलें। जब तक संक्रमण का दौर गुजर ना जाए, लोग इसे गंभीरता से लें।

जेल में बंद हॉलीवुड निर्माता विंस्टीन कोरोना पॉजिटिव

वाशिंगटन, एएफपी : न्यूयॉर्क की जेल में बंद हॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता हार्वे विंस्टीन का कोरोना वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया है। दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के मामले में विंस्टीन को 23 साल की सजा हुई है। विंस्टीन के कोरोना वायरस से पीड़ित होने की खबर एक स्थानीय अखबार नियाग्रा गजट ने दी है, लेकिन विंस्टीन के प्रवक्ता और किसी भी सरकार अधिकारी ने इसकी पुष्टि से इन्कार किया है। ऑस्कर विजेता 'शेक्सपियर इन लव' फिल्म के निर्माता विंस्टीन पर एंजेलीना जॉली और सलमा हयाक जैसी अभिनेत्रियों समेत करीब 90 महिलाओं ने यौन शोषण का आरोप लगाया था।

हार्वे विंस्टीन। फाइल

कर्फ्यू के कारण श्रीलंका में बढ़े घरेलू हिंसा के मामले

कोलंबो, आइएएनएस : श्रीलंका में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लगाए गए कर्फ्यू के दौरान घरेलू हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। राजधानी कोलंबो स्थित नेशनल हॉस्पिटल के आपातकाल विभाग में आने वाले ऐसे मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। विभाग की हेड नर्स पुष्पा डे सोयसा ने बताया कि बीते शुक्रवार को देशव्यापी कर्फ्यू लगने के बाद अस्पताल में आने वाली कई महिलाओं ने घरेलू हिंसा की शिकायत की।

अमेरिकी विदेश मंत्री अचानक पहुंचे काबुल

कोशिश

अमेरिका के तालिबान के साथ हुए शांति समझौते को पटरी पर लाना है मकसद, गनी और अब्दुल्ला से मिल मतभेद दूर करने का प्रयास किया

काबुल, रायटर : अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो सोमवार को अचानक अफगानिस्तान पहुंचे। उनकी यात्रा का उद्देश्य अमेरिका के तालिबान के साथ हुए समझौते को पटरी पर लाना है। जेल में बंद तालिबान कैदियों की रिहाई के सवाल पर इस समझौते में गतिरोध पैदा हो गया है। यह समझौता फरवरी में हुआ था।

पोंपियो सबसे पहले अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से उनके महल में जाकर मिले और हालात पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने गनी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी अब्दुल्ला अब्दुल्ला से मुलाकात की। दोनों ही नेता खुद को अफगानिस्तान का असली नेता कहते हैं। सितंबर 2019 में हुए चुनाव को लेकर दोनों में मतभेद हैं। दोनों के मतभेदों के चलते सरकार वह टीम गठित नहीं कर पा रही है जिसे तालिबान के साथ शांति प्रस्ताव पर बात करनी है। पोंपियो की यात्रा का मकसद इन दोनों नेताओं के मतभेदों को खत्म कराना है और उनके बीच तालमेल स्थापित करना है जिससे तालिबान के साथ हुआ शांति समझौता आगे बढ़ सके। एक अधिकारी ने कहा है कि अगर ये मतभेद दूर नहीं हुए तो उनका शांति समझौते पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

अफगानिस्तान दौरे पर पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से काबुल में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई। रायटर

29 फरवरी को दोहा में अमेरिका और तालिबान के बीच हुए शांति समझौते में अफगान सरकार शामिल नहीं है। अब जमीन पर इस समझौते को उतारने के लिए अफगान सरकार और तालिबान के बीच वार्ता होनी है। इस वार्ता की सफलता के बाद ही अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी होगी और शांति स्थापित होगी। अफगानिस्तान मामलों के अमेरिका के विशेष दूत जल्मे खलीलजाद समझौते के बाद अपना ज्यादातर समय काबुल में ही व्यतीत कर रहे हैं। वह तालिबान को वार्ता की टेबिल पर लाने के लिए अफगान जेलों में बंद कैदियों की रिहाई तेज कराने के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप ने रिहाई की प्रक्रिया में विघ्न डाला है। अफगानिस्तान में 40 से ज्यादा कोरोना के मरीज सामने आ चुके हैं। पड़ोसी ईरान में कोरोना का भयंकर प्रकोप जारी है। ऐसे में अफगान सरकार सीमित साधनों का इस्तेमाल कर नागरिकों को बचाने का प्रयास कर रही है।

कोरोना इफेक्ट...

यह तस्वीर अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में सुपर मार्केट की है, जहां जानलेवा कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए कैशियर ने खुद को प्लास्टिक में कैद कर लिया है। सुपरमार्केट तो खोले गए हैं, लेकिन लॉकडाउन की वजह से ग्राहक नदारद हैं। एपी

दैनिक जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
मंगलवार 24 मार्च 2020
स्पोर्ट्स
12
www.jagran.com

कोरोना वायरस के कारण फिलहाल लोगों को अपना ध्यान रखने की सख्त जरुरत है।
— बेन स्टोक्स, इंग्लैंड के क्रिकेटर

अश्विन ने कहा, अगले दो सप्ताह बेहद अहम

चेन्नई, आइएएनएस : भारतीय टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने देश के लोगों को आगह करते हुए कहा कि अगर कोरोना वायरस यहां से और फैलता है तो देश में भयंकर स्थिति आ जाएगी क्योंकि देश की जनसंख्या काफी है और कई हिस्सों में जानकारी का आभाव है। अश्विन ने ट्वीट करते हुए लिखा, सभी तरह की जानकारी देख रहा हूं। अगले दो सप्ताह काफी अहम होने वाले हैं।

एक नजर में

वापसी की योजना को झटका लगा : जेजे लालपेखुलुआ

नई दिल्ली : भारतीय फुटबॉल टीम के विश्व कप क्वालीफायर मैच को कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण टाल दिया गया जिससे राष्ट्रीय टीम में वापसी का इंतजार कर रहे फॉरवर्ड खिलाड़ी जेजे लालपेखुलुआ को झटका लगा है जो इन दिनों मिजोरम में प्रशिक्षण ले रहे हैं। जेजे ने कहा कि मैं वास्तव में भुवनेश्वर में होने वाले शिविर का इंतजार कर रहा था। इसके निलंबन होने से बड़ा झटका लगा है लेकिन शिकायत करने की कोई वजह नहीं है और मैं पूरी तरह से इस फैसले का समर्थन कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि पिछले सत्र में मेरे घुटने में चोट लगी थी और मई में सर्जरी हुई। मेरा रिहैबिलिटेशन पूरा हो गया। मुझे महसूस हो रहा कि मैं पूरी फिटनेस हासिल करने के करीब पहुंच रहा हूं। मैं अभी मिजोरम में हूं और यहां चिकित्सकों और फिजियो के परामर्श से व्यक्तिगत सत्र में भाग ले रहा हूं। (प्रेट्र)

दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने पर गंभीर की चेतावनी

नई दिल्ली : क्रिकेटर से राजनेता बने गौतम गंभीर ने सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सरकार के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे लोग सुरक्षित रहने या जेल जाने का विकल्प चुन सकते हैं। गंभीर ने ट्वीट किया, 'खुद भी जाएंगे और परिवार को भी ले जाएंगे। क्वारंटाइन या जेल। पूरे समाज पर खतरा ना बने और घर पर रहें। जंग, नौकरी और व्यापार से नहीं, जिंदगी से है। जरूरी सेवाएं देने वाले परेशान ना हों इसका भी ध्यान रखें। आप सभी लोग लॉकडाउन का पालन करें। जय हिंद।' (प्रेट्र)

क्रिकेटर सुरेश रैना के घर आया नन्हा मेहमान

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेटर और आइपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के स्टार बल्लेबाज सुरेश रैना दूसरी बार पिता बने हैं और उनके घर बेटे का जन्म हुआ। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर दी। स्टार क्रिकेटर सुरेश रैना की पत्नी प्रियंका ने एक बेटे को जन्म दिया है। बायें हाथ के बल्लेबाज सुरेश रैना ने ट्विटर पर लिखा, 'ग्रेसिया को मिला छोटा भाई।' सुरेश रैना के एक बेटी भी है। (जेएनएन)

ओलंपिक पर अनिश्चितता, रिले तय समय पर

ओलंपिक मंत्री ने टॉर्च रिले तय समय पर होने की पुष्टि की, विश्व एथलेटिक्स प्रमुख ने कहा, ओलंपिक कराना संभव नहीं

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : कनाडा के ओलंपिक गेम्स के पीछे हटने और ऑस्ट्रेलिया के 2021 टोक्यो गेम्स के लिए तैयारी करने के बयान के बाद 24 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक गेम्स पर अनिश्चितता के बाद छा गए हैं। इसके बावजूद जापान की ओलंपिक मंत्री सेइको हशिमोटो ने सोमवार को कहा कि देश और दुनिया में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बावजूद जापान के फुकुशिमा शहर में होने वाला ओलंपिक टॉर्च रिले का जापान लेग कार्यक्रम अपनी तय समय पर गुरुवार से शुरू होगा।

हशिमोटो का टॉर्च रिले का जापान लेग कार्यक्रम को कराने का बयान जापानी प्रधानमंत्री एबी शिंजो के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने ऐसे संकेत दिए हैं कि कोरोना वायरस के कारण ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स को स्थगित किया जा सकता है।

वहीं, विश्व एथलेटिक्स के मुखिया सेबेस्टियन को ने भी सोमवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक को लिखे पत्र में कोरोना वायरस के चलते टोक्यो ओलंपिक को स्थगित करने की बात कही है। को ने अपने पत्र में लिखा है कि कोरोना वायरस की स्थिति में ओलंपिक 2020 में कराना न ही संभव है और न ही जरूरी। कोई भी ओलंपिक गेम्स को स्थगित होता नहीं देखना चाहता, लेकिन मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि हम किसी भी कीमत पर गेम्स का आयोजन नहीं कर सकते, निश्चित तौर पर खिलाड़ियों की सुरक्षा की कीमत पर तो नहीं और ओलंपिक गेम्स पर फैसला बहुत जल्दी जाहिर हो जाएगा। टोक्यो ओलंपिक 2020 की शुरुआत 24 जुलाई से होनी है लेकिन कोरोना वायरस के कारण इनके आयोजन पर संदेह की स्थिति लगातार बनी है।

टोक्यो ओलंपिक टॉर्च को देखते जापानी दर्शक ● एएफपी

स्पेन में पेशेवर फुटबॉल अनिश्चितकाल के लिए निलंबित

मैड्रिड, एएफपी : ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफइएफ) ने सोमवार को घोषणा की कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए स्पेन में अगले नोटिस तक पेशेवर फुटबॉल निलंबित रहेगा। ला लीगा और आरएफइएफ ने कहा कि शीर्ष दो डिवीजन के मैच तभी शुरू होंगे जब स्पेन की सरकार फैसला करेगी कि अब स्वास्थ्य को लेकर कोई खतरा नहीं है। पहले मैचों को 12 मार्च से दो सप्ताह तक स्थगित किया गया था लेकिन इनके सप्ताहांत में शुरू होने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि स्पेन में यह महामारी लगातार फैल रही है। स्पेन में कोरोना वायरस से मरने वालों संख्या 2000 से ऊपर पहुंच गई है।

अजरबैजान ग्रांप्रि स्थगित : कोरोना के कारण अजरबैजान ग्रांप्रि को स्थगित कर दिया गया है। जून के मध्य तक कोई भी फॉर्मूला वन रेस नहीं हो पाएगी। बाकु सिटी सर्किट पर होने वाली अजरबैजान ग्रांप्रि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सात जून को होनी थी। फॉर्मूला वन की सत्र की पहली सात रेस स्थगित या रद कर दी गई हैं।

जापानी बेसबॉल, फुटबॉल ने बनाया अप्रैल में वापसी का लक्ष्य : जापान के प्रधानमंत्री ने जिस दिन स्वीकार किया कि टोक्यो ओलंपिक को स्थगित करने से रोकना असंभव लगता है उसी दिन चिकित्सा विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि जापान की बेसबाल और फुटबॉल लीग अगले महीने के आखिर तक शुरू हो सकती है। निप्पन पेशेवर बेसबॉल संगठन (एनपीबी) और जे लीग फुटबॉल को चिकित्सा विशेषज्ञों ने संयुक्त पैनल की बैठक में यह सलाह दी। इस पैनल का गठन महामारी के प्रभाव का आकलन करने के लिए किया गया था।

एक महीने इंतजार करेंगे : भारतीय ओलंपिक संघ

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) ने सोमवार को कहा कि ओलंपिक में देश की भागीदारी को लेकर कोई भी फैसला लेने से पहले वह कम से कम एक महीने इंतजार करेंगे। आइओए के सचिव राजीव मेहता ने कहा कि महामारी के चलते पैदा हुए हालात पर वे लगातार नजर रखे हुए हैं। हम चार से पांच सप्ताह इंतजार करेंगे और उसके बाद आइओसी तथा खेल मंत्रालय की सलाह के बाद ही कोई फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि दूसरे देशों की तुलना में भारत में हालात उतने बुरे नहीं है। जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का होना अब मुश्किल लग रहा है।

संगकारा और गिलेस्पी ने खुद को क्वारंटाइन किया

कोलंबो, एएफपी : श्रीलंका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज कुमार संगकारा और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने ब्रिटेन से लौटने के बाद खुद को क्वारंटाइन कर लिया है। संगकारा ने कहा, 'मुझमें कोरोना को लेकर कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं लेकिन मैं सरकार के निर्देशों का पालन कर रहा हूं। मैं एक सप्ताह पहले लंदन से आया और मैने देखा कि एक से 15 मार्च के अंदर विदेश से आने वालों के लिए पुलिस के पास रजिस्ट्रेशन कराना और खुद को अलग करना जरूरी है। मैंने पुलिस के पास रजिस्ट्रेशन करा लिया है।' संगकारा और पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने सोशल मीडिया पर लोगों को घबराहट से बचने और सामाजिक दूरी बनाए रखने का आग्रह कर रहे हैं। वहीं, गिलेस्पी ने दो सप्ताह के लिए खुद को क्वारंटाइन किया है। वह इंग्लैंड में ससेक्स काउंटी टीम के मुख्य कोच थे, जहां वह टीम को कोचिंग दे रहे थे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कोरोना के खतरों को देखते हुए पिछले सप्ताह ही घोषणा की थी कि 28 मई तक देश में कोई भी पेशेवर क्रिकेट नहीं खेली जाएगी। गिलेस्पी ने ट्वीट किया, 'वर्तमान में कोरोना के बढ़ते प्रकोप के कारण ससेक्स और मेरे द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि ऑस्ट्रेलिया में घर वापस आना सबसे अच्छा होगा। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि कृपया घर पर रहें। यह हम सभी के लिए एकमात्र विकल्प है। हमारा क्लब ससेक्स में हमारे सभी खिलाड़ियों और कर्मचारियों की देखभाल अच्छे तरीके से की है। हमने केपटाउन में अपने प्री-सत्र की यात्रा में कटौती की है और क्लब की पूर्ण प्राथमिकता हमेशा कर्मचारी और खिलाड़ी रहे हैं जो घर से दूर थे।'

घर से काम करेंगे आइसीसी के कर्मचारी : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने कोरोना के कारण अपने ज्यादातर कर्मचारियों के लिए घर से काम करने की नीति बनाई है। अध्यक्ष शशांक मनोहर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनु साहनी आइसीसी के शीर्ष अधिकारियों के साथ मिलकर इस वायरस के संक्रमण के कारण प्रभावित होने वाले क्रिकेट कैलेंडर को लेकर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बात करने की तैयारी कर रहे हैं। आइसीसी के अनुसार, दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह आइसीसी भी अधिकारियों के दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है और अब हमारे ज्यादातर कर्मचारी घर से काम कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता कर्मचारियों के काम को प्रभावित किए बिना स्वास्थ्य की रक्षा करना है। हमारी टीम के पास घर से काम करने की क्षमता है, जिससे हम अपने कर्मचारियों, उनके परिवारों और व्यापक समुदायों को सुरक्षित रखते हुए पूरी तरह से कार्य कर सकते हैं।'

आयोजक बोले, सीपीएल को अगस्त से आगे खिसकाने पर फैसला नहीं : कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) के आयोजक 19 अगस्त के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टूर्नामेंट शुरू करना चाहते हैं लेकिन उन्होंने कोरोना महामारी के कारण अन्य विकल्प भी खुले रखे हैं। सीपीएल टी-20 टूर्नामेंट पूर्व कार्यक्रम के अनुसार 19 अगस्त से 26 सितंबर के बीच खेला जाना है। अभी इस पर कोई फैसला नहीं लिया है।

सभी सीएबी क्रिकेटरों और अधिकारियों का बीमा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : कोरोना वायरस के बढ़ते प्रभाव के कारण बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने अपने सभी क्लब क्रिकेटरों और मैच अधिकारियों के लिए बीमा उपलब्ध कराया है। सीएबी की मेडिकल समिति के चेयरमैन प्रदीप दे और सदस्य संतानु मित्रा ने इस सप्ताह की शुरुआत में एसबीआइ जनरल इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों से मुलाकात की थी। एसबीआइ ने कोरोना वायरस के कवर के तौर पर सीएबी के अध्यक्ष अभिषेक डालमिया को पत्र लिख बीमा देने के लिए हामी भरते हुए लिखा, आपके संघ के क्रिकेटरों, अंपायरों, स्कोररों आदि को कोरोना के कवर के तौर पर बीमा का हिस्सा बनाया जाता है। हमने अपने टीपीए को कोरोना के मामलों की जांच करने को कहा है और किसी भी तरह के क्लेम को मना नहीं किया जाएगा। इसमें बंगाल की महिला खिलाड़ियों के अलावा बंगाल के लिए खेल चुके पूर्व खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

वनडे में राहुल पांचवें क्रम पर सर्वश्रेष्ठ विकल्प : मांजरेकर

मुंबई, प्रेट्र : पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि स्टार लोकेश राहुल वनडे मैचों में भारतीय बल्लेबाली क्रम में पांचवें स्थान के लिए उपयुक्त हैं लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय टीम प्रबंधन को सुरेश रैना और युवराज सिंह जैसे बल्लेबाजों को ढूंढ़ना चाहिए। भारत के लिए 37 टेस्ट और 74 वनडे खेलने वाले मांजरेकर अपने ट्विटर पेज पर प्रशंसकों के सवालों का जवाब दे रहे थे। मांजरेकर से जब पूछा गया कि क्या भारत को वनडे में राहुल के साथ पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना जारी रखना चाहिए या वह राहुल के अलावा अन्य बल्लेबाजों को उस स्थिति में देखते हैं। उन्होंने कहा, 'फिलहाल वह उपयुक्त हैं लेकिन हमें रैना और युवी जैसे बल्लेबाज की तलाश जारी रखनी चाहिए, राहुल को बाद में शीर्ष क्रम पर खेलना होगा। श्रेयस चौथे क्रम और हार्दिक पांड्या ऑलराउंडर के लिए सटीक विकल्प है।'

पंत को दी कीपिंग में कुछ सलाह : साहा

कोलकाता, आइएएनएस : भारतीय टेस्ट टीम के दो विकेटकीपरों रिद्धिमान साहा और रिषभ पंत के बीच प्रतिस्पर्धा मानी जाती है क्योंकि आमतौर पर एक के कारण दूसरे को अंतिम-11 से बाहर बैठना पड़ता है, इन सभी बातों से परे पंत से सीनियर साहा ने युवा खिलाड़ी को हमेशा विकेट के पीछे बेहतर करने के लिए प्रेरित किया है और साथ ही इसमें उनकी मदद करते हैं। इस समय दुनिया के बेहतरीन विकेटकीपरों में गिने जाने वाले साहा ने कहा है कि वह युवा खिलाड़ी को विकेटकीपिंग में सुधार करने को लेकर बातें बताते रहते हैं। साहा ने साथ ही कहा है कि दोनों के बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं है।

नजरिया
- रिद्धिमान ने कहा, हम दोनों में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है
- हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं युवा बल्लेबाज पंत

साहा चोट के बाद हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट टीम में वापसी करने में सफल रहे थे लेकिन अंतिम-11 में जगह नहीं बना पाए थे।

साहा ने कहा कि हम आपस में मस्ती करते रहते हैं। हम एक साथ अभ्यास करते हैं और खेल के बारे में लगातार बात करते रहते हैं। वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। हमने साथ मिलकर कुछ चीजों पर बात की है। साहा ने कहा कि मैंने पंत को कुछ चीजें बताई हैं जिनपर वो अपनी सहुलियत के हिसाब से काम करेंगे। वह अभ्यास में उनकी कोशिश करेंगे। ऐसा नहीं है कि वह एक दिन इन चीजों पर काम करेंगे और वह काम करने लगेंगीं।

गांगुली को कूलिंग ऑफ से छूट दिलाना चाहते हैं आदित्य

नई दिल्ली, प्रेट्र : आइपीएल-2013 स्पॉट फिक्सिंग के याचिकाकर्ता आदित्य वर्मा बीसीसीआइ के अध्यक्ष सौरव गांगुली को तीन साल के अनिवार्य कूलिंग ऑफ पीरियड (विश्राम अवधि) से छूट देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे जो इस साल जुलाई से शुरू हो रहा है।

वर्मा ने सोमवार को कहा, 'मूल याचिकाकर्ता होने के नाते जिसकी जनहित याचिका पर पूरा संवैधानिक सुधार हुआ, मैंने शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर करने का फैसला किया है कि गांगुली और उनकी टीम (इस मामले में सचिव जय शाह) को तीन साल तक कार्यकाल पूरा करने की अनुमति दी जानी चाहिए।'

न्यायमूर्ति आरएम लोढ़ा समिति सुधारों के आधार पर तैयार नए बीसीसीआइ संविधान में कोई भी व्यक्ति जो राज्य संघ के साथ बीसीसीआइ का लगातार छह साल तक पदाधिकारी रहा हो, उसके लिए तीन साल तक विश्राम अवधि में जाना अनिवार्य होगा। जहां तक गांगुली का मामला है तो वह पूर्व में बंगाल क्रिकेट के संघ के संयुक्त सचिव और बाद में अध्यक्ष रहे। उन्होंने अक्टूबर में बीसीसीआइ अध्यक्ष का पद संभाला और इस तरह से उनका कार्यकाल केवल नौ महीने का रहेगा। यही स्थिति शाह की है जो पांच साल तक गुजरात क्रिकेट संघ के सचिव रहे और उन्हें भी अनिवार्य विश्राम अवधि

सौरव गांगुली। फाइल फोटो, प्रेट्र

में जाना होगा। वर्मा से पूछा गया कि वह एक अन्य याचिका क्यों दायर करना चाहते हैं, उन्होंने कहा, 'मेरा एकमात्र इरादा यह सुनिश्चित करना है कि बीसीसीआइ पारदर्शी तरीके से काम करता रहे। अगर सौरव जैसा व्यक्ति अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकता तो फिर इसका उपयोग क्या है। प्रशासकों की समिति (सीओए) ने लगभग तीन साल तक बीसीसीआइ को गलत तरीके से चलाया। पदभार संभालने वाले किसी भी व्यक्ति को व्यवस्था को सही दिशा पर लाने के लिए समय चाहिए। गांगुली और उनकी टीम को हर हाल में समय दिया जाना चाहिए। अभी वर्तमान परिस्थिति में ज्यादातर देश कोरोना के कारण लगभग बंद है। अगर इससे दो महीने तक कोई गतिविधि नहीं हो पाती है तो यह गांगुली और शाह दोनों के साथ अनुचित होगा कि उन्हें व्यवस्था सुधारने के लिए सही मौका नहीं दिया। यही बात मेरी याचिका में होगी।'

कोरोना के खिलाफ आगे आए खिलाड़ी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- गंभीर ने 50 लाख रुपये देने का एलान किया, बजरंग छह माह का वेतन देंगे
- पठान बंधुओं ने दान किए 4000 मास्क

कोरोना के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों गौतम गंभीर, बजरंग पूनिया और इरफान-यूसुफ पठान ने मदद करने का एलान किया है। पूर्व क्रिकेटर और सांसद गौतम गंभीर ने सांसद निधि से दिल्ली सरकार को 50 लाख रुपये देने का एलान किया।

गंभीर ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिल्ली सरकार के अस्पतालों में कोरोना वायरस के इलाज के लिए आवश्यक उपकरणों के लिए अपने सांसद निधि से 50 लाख रुपये दूंगा। कोरोना के इलाज और उपकरणों में कोई कमी ना हो इसलिए चाहता हूं कि अस्पतालों को मेरे सांसद फंड से 50 लाख दिए जाएं। घर के अंदर रहें, सावधानी और सफाई रखें और सरकार का साथ दें।' इससे पहले गौतम गंभीर ने सोमवार को कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए सरकार के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी भी दी थी। उधर, बजरंग पूनिया ने हरियाणा कोरोना रिलिफ फंड में छह माह का वेतन देने का फैसला किया। इसकी जानकारी खुद बजरंग ने दी। अपने ट्विटर हैंडल पर पूनिया ने लिखा कि मैं बजरंग पूनिया अपने छह महीने का वेतन हरियाणा कैरोना रिलिफ फंड में सहयोग के लिए समर्पित करता हूं। वहीं, इरफान पठान और उनके भाई यूसुफ ने 4000 मास्क दान किए हैं।

इरफान ने ट्वीट किया, 'समाज के लिए हम अपना कुछ योगदान कर रहे हैं। जो भी लोग ऐसा कर सकते हैं कृपया आगे बढ़ें और एक-दूसरे की मदद करें, लेकिन भीड़ इकट्ठा ना होने दे। यह एक छोटी सी शुरुआत है उम्मीद है कि हम और अधिक मदद करते रहेंगे।' इन मास्क को वडोदरा स्वास्थ्य विभाग को दिया गया है जो इन्हें जरूरतमंदों को बांटेगा।

आइफा ऑनलाइन कर रहा डिजिटल लाइव कंसर्ट

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

फिल्मों की शूटिंग रुकी हुई है। सिनेमा हॉल बंद हैं। कोरोना वायरस से लड़ने के लिए घर पर रहना हर किसी के लिए जरूरी है... यह संदेश देने के लिए इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आइफा) घर बैठे दर्शकों के लिए कई गायकों और संगीतकारों की डिजिटल लाइव परफॉर्मेंस का आइडिया लेकर आया है।

आइफा ने रविवार से हैशटैग 'आइफा हम सब साथ हैं' टाइटल से डिजिटल कंसर्ट सीरीज की शुरुआत की है। इस स्टे होम कंसर्ट के तहत कई भारतीय आर्टिस्ट, गायक, संगीतकार आइफा के आधिकारिक फेसबुक पेज, अपने सोशल मीडिया हैंडल्स के साथ-साथ कलर्स और एमटीवी इंडिया के पेज पर भी लाइव परफॉर्म करेंगे। यह कंसर्ट 31 मार्च तक रोजाना शाम पांच बजे होगा, ताकि इसके जरिये लोगों का न केवल मनोरंजन किया जा सके, बल्कि कोरोनो वायरस के खिलाफ लड़ाई में सकारात्मकता और एकजुटता का संदेश भी दिया जाए।

विजक्राफ्ट इंटरनेशनल के सह संस्थापक-निदेशक आंद्रे टिमिन्स के अनुसार, 'डिजिटल कंसर्ट सीरीज

कोरोना से जंग के बीच दर्शकों के लिए मनोरंजन की पहल

प्रतीकात्मक।

हैशटैग आइफा हमसब साथ हैं के जरिये हम लोगों को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनता कर्फ्यू के आह्वान को ध्यान में रखते हुए हमने भी पहल की है। हमारी कोशिश यही होगी कि लोगों के पसंदीदा कलाकारों को हम उनके घरों तक पहुंचाएं, ताकि उनका मनोरंजन हो सके।' उन्होंने बताया, 'हर्षदीप कौर, सुखबीर सिंह, अर्जुन कनूनगो, बी. प्राक, शिल्पा राव, जस्सी गिल, पैपॉन, दिव्या कुमार जैसे कई गायक और संगीतकार इस कंसर्ट का हिस्सा बन रहे हैं।' कंसर्ट की शुरुआत हर्षदीप कौर द्वारा की गई प्रार्थना एक ओंकार... के साथ हुई। उन्होंने सबको घर रहकर सुरक्षित रहने का संदेश दिया।

नक्सलियों के खिलाफ नहीं रुकेगा 'प्रहार', जंगलों में फिर घुसेंगे जवान

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सली मुठभेड़ में 17 जवानों के शहीद होने के बाद भी फोर्स का मनोबल टूटा नहीं है। नक्सलियों के कोर एरिया सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा में नक्सल विरोध अभियान ऑपरेशन प्रहार जारी रहेगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के विशेष सुरक्षा सलाहकार (एसएसए) के. विजय कुमार और डीजीपी ने सुकमा में आलाधिकारियों की करीब दो घंटे तक बैठक ली। इसमें छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ सीआरपीएफ के आलाधिकारी भी शामिल थे। डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों और जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए दो टूक कहा कि नक्सलियों की हरकत के बाद भी ऑपरेशन प्रहार नहीं रुकेगा। जवानों ने जंगल में विषम परिस्थितियों में जमकर मुकाबला किया है, ऐसे में अब फोर्स पीछे नहीं हटेगी।

योजना के साथ चलाया जाएगा अभियान : बताया जा रहा है कि बैठक में सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा में एक बार फिर योजना के साथ अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। जवान जहां तक पहुंचे हैं, उसके आगे के जंगलों में पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ेंगे। यही नहीं, जिस स्थान पर मुठभेड़ हुई है, वहां भी नक्सलियों को खुला नहीं छोड़ा जाएगा। वहां भी दोबारा ऑपरेशन किया जाएगा। डीजीपी डीएम अवस्थी ने कहा कि मुठभेड़ में नक्सली भी काफी संख्या में मारे गए हैं। एक दो दिन उनकी संख्या और नाम उजागर हो जाएंगे। जितने भी जवान शहीद हुए हैं, उनके हथियार नक्सली लूटकर ले गए हैं। जवान आमने सामने की लड़ाई दमदारी लड़े हैं और नक्सलियों को मुंह तोड़ जवाब दिया है। हमने ऑपरेशन प्रहार कई बार चलाया है, हर बार नक्सलियों को खदेड़ा है, लेकिन इस बार बड़ी क्षति हुई है।

सुकमा और बीजापुर में तैनात किए गए अतिरिक्त एसपी : सरकार ने सुकमा और बीजापुर जिले में दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों की पदस्थापना की है। सुकमा में 21 मार्च को हुई नक्सली घटना को देखते हुए डीजीपी ने यह निर्देश जारी किया है। पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश के अनुसार महासमुंद एसपी जितेंद्र शुक्ला की ड्यूटी सुकमा जिले में और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 10वीं वाहिनी के सेनानी केएस ध्रुव की ड्यूटी बीजापुर में नक्सली अभियानों में मदद के लिए लगाई गई है।

गृहगांव भेजे गए शहीदों के शव : नक्सल हमले में शहीद हुए 17 जवानों को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्य के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने श्रद्धांजलि दी। पुलिस अधिकारियों ने सलामी देकर शवों को शहीदों के गृह गांव भेजा। शहीद हुए अधिकांश जवान सुकमा के निवासी थे।

नक्सल हमले में शहीद पुलिसकर्मियों को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुकमा पुलिस लाइन में श्रद्धांजलि अर्पित की। सुकमा में हुए हमले में 17 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। प्रेट्र

मंसूर अली पार्क में सीएए विरोधी धरना खत्म, दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

रोशन बाग के मंसूर अली पार्क में ढाई महीने से चल रहा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) विरोधी आंदोलन सोमवार शाम खत्म कर दिया गया। पुलिस ने दोपहर में ही आंदोलन से जुड़े कुछ लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद मजिस्ट्रेट और सीओ को ज्ञापन देकर आंदोलन समाप्त कर दिया गया।

मंसूर अली पार्क में 12 जनवरी को सीएए-एनआरसी के खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू किया गया था। पुलिस ने धारा 144 के उल्लंघन के मुकदमे लिखकर सैकड़ों लोगों को नोटिस भेजे। कई बार अफसरों ने पार्क में जाकर बात की लेकिन लोग हटने को राजी नहीं हो रहे थे। इधर कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे का हवाला देकर लोगों को मनाया जा रहा था। शनिवार को नहीं मानने पर पुलिस ने दो और नामजद मुकदमे लिख लिए।

सोमवार को पुलिस ने आंदोलन से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी शुरू कर दी। फजल और उमर खालिद को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद जीशान और सारा अहमद समेत अन्य आंदोलनकारी भूमिगत हो गए। पुलिस के तेवर सख्त देख धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों के तेवर ढीले हो गए। लॉक डाउन की वजह से वैसे भी लोगों को पार्क की तरफ आने नहीं दिया जा रहा है। संख्या घटी और गिरफ्तारी होने लगी तो दोपहर में ही धरना खत्म करने की बात होने लगी। शाम को मजिस्ट्रेट और सीओ प्रथम वहां पहुंचे तो इरशाद उल्ला और शोएब अंसारी के नेतृत्व में ज्ञापन देकर आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे खत्म करने की मांग की गई। यह भी कहा कि आंदोलन स्थगित किया जा रहा है, कोरोना संकट के बाद फिर शुरू होगा। इसके बाद धरना स्थल पर मौजूद महिलाएं घर लौट गईं। वे मंच और दुपट्टे छोड़ गई और कहा कि वहां यथास्थिति बनाए रखी जाए। एसपी सिटी बृजेश श्रीवास्तव का कहना है कि धरना प्रदर्शन धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद किया जा रहा था। यह अवैध धरना प्रदर्शन अब फिर नहीं होने दिया जाएगा।

शाहीन बाग में प्रदर्शन जारी

जासं, नई दिल्ली : कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते संक्रमण को देखते हुए पूरी राजधानी में मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन की घोषणा की है। लेकिन शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी लाखों लोगों के जीवन को संकट में डालते हुए प्रदर्शनस्थल पर डटे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों के ही एक गुट ने कोरोना संक्रमण के दौरान प्रदर्शन स्थगित करने की बात रखी थी, लेकिन अन्य प्रदर्शनकारियों ने जैसे प्रदर्शन को रोकना अपनी शान के खिलाफ समझ लिया है।

121 गांव निर्जन हो गए पिछले 20 वर्षों में उत्तराखंड के टिहरी जिले में। ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग की ओर से तैयार की जा रही जिले की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

कुलगाम में ग्रेनेड बरामद, शोपियां में धरे पांच ओजीडब्ल्यू

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने सोमवार को बाग में पड़े लावारिस ग्रेनेड को बरामद किया। इसके अलावा शोपियां में हिजबुल मुजाहिदीन के पांच ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, कुलगाम जिले के लायापोरा मंजगाम में ग्रामीणों ने बाग में ग्रेनेड को देखा।

उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस कर्मियों का एक दल और बम निरोधक दस्ता तुरंत मौके पर पहुंच गया। पुलिस कर्मियों ने लोगों को वहां से हटाते हुए सुरक्षित तरीके से ग्रेनेड को निष्क्रिय किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बाग में मौजूद कुछ ग्रामीणों से भी पूछताछ की है। इसी दौरान शोपियां जिले के जावूरा, काटोहारन, अरिहाल व शादाब क्रेवा इलाके में सक्रिय राष्ट्रविरोधी तत्वों के ठिकानों पर दबिश देकर पुलिस ने हिजबुल मुजाहिदीन के पांच ओजीडब्ल्यू को गिरफ्तार कर लिया है।

मददगार साबित होगी इलेक्ट्रोस्टेटिक डिसइन्फेक्शन मशीन

जागरण विशेष ▶ छिड़काव करने वाली अब तक मौजूद अन्य मशीनों के मुकाबले 80 फीसद अधिक प्रभावी, अंदर-बाहर हर जगह असरदार

डॉ. सुमित सिंह श्योराण, चंडीगढ़

कोरोना वायरस के प्रकोप को कम करने की दिशा में चंडीगढ़ स्थित केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआइआर-सीएसआइओ) ने खास इलेक्ट्रोस्टेटिक डिसइन्फेक्शन मशीन तैयार की है। जिससे सार्वजनिक स्थानों पर भी छोटी से छोटी जगह को संक्रामक सूक्ष्मजीवियों से मुक्त किया जा सकेगा, खासकर कोरोना वायरस को। इस मशीन को बनाने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि चार्ज पार्टिकल थ्योरी पर आधारित मशीन कोरोना वायरस को खत्म करने का सबसे प्रभावी तरीका है।

हाल ही में मशीन का ट्रायल चंडीगढ़ स्थित सीएसआइओ कैंपस किया गया, जो सफल रहा। जानकारी के अनुसार डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) अब इसी हफ्ते इसे नई दिल्ली में वैज्ञानिकों की टीम के सामने ट्रायल के लिए भेजेगा। सीएसआइओ को उम्मीद है कि यह मशीन मौजूदा स्थिति के लिए पूरी तरह उपयोगी साबित होगी। छिड़काव करने वाली साधारण मशीनों के मुकाबले यह 80 फीसद अधिक प्रभावी है। सीनियर साइंटिस्ट डॉ. मनोज कुमार पटेल द्वारा तैयार इलेक्ट्रोस्टेटिक डिसइन्फेक्शन नामक इस मशीन की टेक्नोलॉजी को हाल ही में कर्नाटक की एक व्यावसायिक कंपनी को ट्रांसफर किया गया है, जो उत्पादन शुरू कर रही है।

डॉ. मनोज कुमार के अनुसार यह मशीन सार्वजनिक स्थानों बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, यहां तक कि घरों में भी प्रयोग की जा सकेगी। मशीन को जरूरत के हिसाब से छोटा या बड़ा बनाया जा सकता है। मशीन की कीमत 40 से 50 हजार रुपये होगी, लेकिन सरकार द्वारा अगर टेक्नोलॉजी को मंजूरी मिली तो यह मशीन 10 से 15 हजार तक में भी उपलब्ध हो जाएगी। सरकार से व्यापक उत्पादन की मंजूरी मिलते ही अगले कुछ दिनों में मशीन सस्ते दामों पर बाजार में उपलब्ध हो जाएगी।

सीएसआइओ द्वारा तैयार इलेक्ट्रोस्टेटिक डिस इन्फेक्शन मशीन से कैंपस में छिड़काव करते कर्मी। जागरण

डॉ. पटेल की अगुआई में सहायक वैज्ञानिक अनिल जांगड़ा और अक्की रेड्डी शिवराम की टीम ने इसे तैयार किया है। करीब दो साल से प्रोजेक्ट पर काम चल रहा था। डॉ. पटेल ने कहा कि हमने सफल तकनीकी उपलब्ध करा दी है, जिसे कोरोना वायरस की समस्या को देखते हुए भारत सरकार आवश्यकतानुरूप अपने स्तर पर तैयार करवा सकती है।

इनडोर-आउटडोर को तेजी से सैनिटाइज करने में आ रही दिक्कतों को इस मशीन से दूर किया जा सकेगा। इसके प्रयोग से पर्यावरण सुरक्षा के साथ ही इसका असर कीटाणुओं पर सामान्य स्प्रे से अस्सी फीसद तक अधिक होगा। चार्ज पार्टिकल विधि आधारित स्प्रे कोरोना वायरस के विरुद्ध असरदार होगा।

- डॉ. मनोज कुमार पटेल, सीनियर साइंटिस्ट, सीएसआइओ

सीएसआइओ साइंटिस्टों ने इन्फेक्शन पहुंचाने वाले वायरस को खत्म करने के लिए प्रभावी उपकरण तैयार किया है। इलेक्ट्रोस्टेटिक डिसइन्फेक्शन मशीन कोरोना वायरस के प्रभाव को कम करने में काफी फायदेमंद साबित होगी। सरकार आवश्यकतानुरूप इसका उत्पादन करा सकती है।

- डॉ. सुरेंद्र सिंह सैनी, हेड बिजनेस इनोवेटिव एंड प्रोजेक्ट प्लानिंग, सीएसआइओ

देशभर से मांगे गए तकनीकी सुझाव...

कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए अभी सरकार के पास कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं, खासतौर पर तकनीकी उपकरण, जो रोकथाम के कामों को तेजी से और कारगर तरीके से निपटा सकें। केंद्र सरकार के डीएसटी विभाग ने इस दिशा में काम कर रहे देश के सभी रिसर्च इंस्टीट्यूट्स से मदद मांगी है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने में कारगर टेक्नोलॉजी के लिए सुझाव मांगे गए हैं। ताकि जल्द से जल्द इस पर काम शुरू हो सके। बेहतर डिवाइस के निर्माण में 50 फीसद से अधिक तक आर्थिक सहयोग भी दिया जाएगा।

www.jagran.com/topics/jagran-special

हाईकमान ने बदला फैसला

प्रथम पृष्ठ से आगे

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक हाईकमान (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह) पहले 25 मार्च यानी नवरात्र की शुरुआत के अवसर पर शपथ दिलवाना चाहता था, लेकिन कोरोना वायरस की वजह से बढ़ते संकट को देखते हुए दो दिन पहले ही शपथ दिलाने का फैसला ले लिया गया।

कार्यवाहक मुख्यमंत्री थे कमल नाथ : गौरतलब है कि कांग्रेस के 22 विधायकों के बगावत करने और सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस सरकार अल्पमत में आ गई थी। इसके बाद, मुख्यमंत्री कमल नाथ ने 20 मार्च को पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से ही कमल नाथ सरकार को राज्यपाल ने कार्यवाहक के तौर पर काम करने के निर्देश दिए थे।

शिवराज ने दिए तीन सूत्र : शिवराज ने सोमवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में ही स्पष्ट कर दिया कि पिछली सरकार की गलतियां इस सरकार में नहीं दोहराई जाएंगी। उन्होंने इसको लेकर निम्न तीन सूत्र दिए।

- शासन करने की शैली में परिवर्तन किया जाएगा। सब मिलकर काम करेंगे। आशय साफ है कि पिछली सरकार में कार्यकर्ताओं की भारी उपेक्षा की गई थी, जो अब नहीं होगी।
- शिवराज के तीसरे कार्यकाल में पूरे वक्त विधायकों की नाराजगी रही । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वय बैठकों में भी विधायकों ने तत्कालीन सरकार पर ब्यूरोक्रेसी के हावी होने का कई बार आरोप लगाया था। इस बार विधायकों की नाराजगी दूर की जाएगी।
- शिवराज ने कहा, 'ये वक्त जश्न मनाने का नहीं और न ही सरकार बनने पर पटाखे फोड़ने का है। प्रदेश संकट में है। हम सब को मिलकर वायरस के संपर्क की चेन को तोड़ना है ताकि कोरोना को काबू में किया जा सके।'

सोमवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने राज्यपाल लालजी टंडन से कुछ इस आशीर्वाद लिया। एएनआइ

इल्तिजा ने पत्र लिखकर कैदियों की रिहाई का किया आग्रह

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्षा और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे के मद्देनजर अपनी मां महबूबा समेत सभी राजनीतिक कैदियों की तत्काल रिहाई का आग्रह किया है। इल्तिजा ने इस संदर्भ में उपराज्यपाल जीसी मुर्मू को एक पत्र भी लिखा है।

इल्तिजा ने पत्र में लिखा है कि आपको पता है कि मेरी मां महबूबा समेत सैकड़ों कश्मीरी पांच अगस्त 2019 से कैद में हैं। जम्मू-कश्मीर में कोरोना से संक्रमित चार मामलो की पुष्टि हो चुकी है। आने वाले दिनों में यह संख्या बढ़ सकती है। इस समय कोरोना वायरस से निपटने के लिए कोई इलाज सामने नहीं आया है। सिर्फ एक दूसरे से दूर रहना और साफ-सफाई ही बचाव का उपाय है। जेलों में भीड़ ज्यादा है और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं का भी अभाव है। ऐसे में जेलों में बंद कैदियों जिनकी आयु 65 साल से ज्यादा है, की हालत बिगड़ सकती है। देश की विभिन्न जेलों में सैकड़ों लोगों के अलावा कश्मीरी भी बंद हैं। मौजूदा हालात में उनके परिजनों की मनोदशा का अंदाजा लगाया जा सकता है। इल्तिजा ने लिखा है कि अमेरिका के जेलों में बंद कैदियों को रिहा किया जा रहा है। पूरी दुनिया में इस महामारी के आगे स्वास्थ्य ढांचा कमजोर पड़ता नजर आ रहा है।

आतंकी संगठन टीआरएफ जेके का छह सदस्यीय मॉड्यूल ध्वस्त

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- कुछ खास लोगों की हत्या करने और सुरक्षाबलों पर हमले का जिम्मा सौंपा गया था
- नियंत्रण रेखा के पास छिपाकर रखे गए हथियारों के जखीरे को जब्त किया

जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लश्कर-ए-तैयबा ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आइएसआइ) की मदद से द रजिस्टेंस फ्रंट जम्मू-कश्मीर (टीआरएफ जेके) नामक संगठन तैयार किया है। यह संगठन किसी वारदात को अंजाम देता, उससे पहले पुलिस ने सेना की मदद से इसके छह सदस्यीय मॉड्यूल को ध्वस्त कर बड़ी मात्रा में हथियार व गोलाबारूद बरामद किया है।

सूत्रों ने बताया कि टीआरएफ जेके के आतंकियों को उत्तरी कश्मीर में कुछ खास लोगों की हत्या करने और सुरक्षाबलों पर हमले का जिम्मा सौंपा गया था। इसके अलावा अपने संगठन में और लड़कों को शामिल करने के लिए कहा गया था। यह सभी सोशल मीडिया पर टेलीग्राम मैसेंजर और वाट्सएप के जरिए पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर जिसका नाम एंड्रयू जोनस व खान बिलाल है, से संपर्क में थे।

पुलिस को पता चला था कि सोपोर में अस्पताल के पास हथियारों की डिलीवरी होने वाली है। पुलिस ने अपने दस्ते को अस्पताल के आसपास तैनात कर दिया। हथियारों के लेनदेन के लिए जब चार संदिग्ध पहुंचे तो उन्हें पकड़ लिया गया। इनकी पहचान एहतिशाम फारूक मलिक, शफकत अली टागू, मुसैब हसन बट व निसार अहमद गनई के रूप में हुई है। इनके पास से एक पिस्तौल और 12 ग्रेनेड मिले। पकड़े गए चारों युवक सोपोर के विभिन्न हिस्सों के रहने वाले हैं। इसके अलावा कुपवाड़ा जिले के केरन का रहने वाला कबीर अहमद लोन व शराफत को भी पकड़ा गया है। इनसे पुलिस पूछताछ कर रही है।

एसएसपी सोपोर जावेद इकबाल ने बताया कि पकड़े गए सभी लोग लश्कर से जुड़े हैं। इन सभी को बीते 24 घंटों के दौरान पकड़ा गया है। शराफत से पूछताछ के आधार पर पता चला कि उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा से सटे कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में बनाए गए ठिकाने में हथियारों को छिपाया गया था।

पुलिस ने सेना की 6 राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों की मदद से हथियारों के जखीरे को जब्त कर लिया। इसमें आठ एसाल्ट राइफलें, 25 एके मैगजीन, 750 एके कारतूस, 16 मैगजीन और 351 कारतूसों समेत नौ पिस्तौल, 77 ग्रेनेड व 21 डेटोनेटर फ्यूज हैं। सुरक्षाबलों ने रविवार रात को ही इस आतंकवादियों के इस ठिकाने को नष्ट किया था।

मध्य प्रदेश में झोपड़ी में आग लगने से तीन मासूम जिंदा जले

नईदुनिया, डिंडौरी : मध्य प्रदेश में डिंडौरी जिले के बरगांव में सोमवार दोपहर खेत में बनी झोपड़ी में आग लगने से तीन मासूम जिंदा जल गए। बच्चे एक ही परिवार के थे। एक साथ तीन बच्चों की मौत से गांव का माहौल गमगीन हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर मर्ग कायम किया। मृत बच्चों की पहचान तारेंद्र (पांच), प्रियंका (दो) और अमन (तीन) के रूप में हुई। इन बच्चों के पिता शंभू सिंह व सूरज सिंह दोनों भाई हैं और मृत तीन बच्चों में दो सगे भाई-बहन हैं।

गाड़ासरई थाना प्रभारी एचएस तिवारी ने बताया कि मृत बच्चों के परिवार के खेत में झोपड़ी बनी हुई थी। झोपड़ी से लगभग आधा किलोमीटर दूर स्थित अन्य खेत से सुबह लगभग 11 बजे तीनों बच्चे अपनी-अपनी मां के साथ मटर तोड़ने गए थे। मटर तोड़ने के बाद तीनों बच्चे वापस खेत में बनी झोपड़ी के पास पहुंचे और आग जलाकर मटर भूनने लगे। दोपहर लगभग साढ़े 12 बजे अचानक आग भड़क गई, जिससे बचने के लिए तीनों बच्चे झोपड़ी के अंदर घुस गए, तभी आग तेजी से झोपड़ी में फैली और तीनों बच्चे अंदर ही जिंदा जलकर काल के गाल में समा गए। पुलिस का कहना है कि इसमें किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। अगर कुछ गलत लगा तो मामला दर्ज किया जाएगा।

मप्र में मंत्री बनने की रेस तेज

आनन्द राय, भोपाल

- क्षेत्रीय और जातीय संतुलन के साथ ही समन्वय पर होगा जोर
- बागियों को दिए गए वचन की भी मंत्रिमंडल में दिखेगी झलक

मध्य प्रदेश में कोरोना से जूझने के साथ ही नई सरकार में भी जगह बनाने की जंग शुरू हो गई है। शिवराज सरकार में मंत्री रह चुके भाजपा के कई विधायक जोड़-तोड़ में सक्रिय हो गए हैं। वहीं, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक भी अपने-अपने लिए गोटियां बिछा रहे हैं। संकेत साफ हैं कि नई सरकार में सामाजिक समीकरण और क्षेत्रीय संतुलन साधने के साथ ही बागियों को दिए गए वचन की भी झलक दिखेगी।

नरोत्तम को मिलेगा तोहफा : कांग्रेस की कमल नाथ सरकार गिराने में शिवराज सिंह चौहान के अलावा पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पार्टी नरोत्तम को इसका तोहफा जरूर देगी। नेता प्रतिपक्ष रहे गोपाल भार्गव, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, वरिष्ठ विधायक अरविंद सिंह भदौरिया, राजेंद्र शुक्ला, विश्वास सारंग, संजय पाठक, कमल पटेल, विजय शाह, हरिशंकर खटीक, गौरीशंकर बिसेन, अजय विश्नोई जैसे भाजपा के कई विधायकों के मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के पूरे आसार हैं। नई सरकार में प्रदेश के सभी संभागों से मंत्री बनाने के साथ क्षत्रिय, ब्राह्मण, पिछड़े, अनुसूचित जाति और आदिवासी समाज को प्राथमिकता दी जाएगी।

संतुलित होगा मंत्रिमंडल : प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दीपक विजयवर्गीय कहते हैं कि नई सरकार में संतुलित मंत्रिमंडल होगा। इसमें क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन के साथ ही अनुभवी और युवा चेहरों को भी मौका मिलेगा। साथ ही कांग्रेस छोड़कर जो नए नेता जुड़े हैं, उनके साथ भी प्रतिबद्धता निभाई जाएगी।

बागियों को शपथ दिलाने में सिंधिया की होगी अहम भूमिका : पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के छह मंत्रियों समेत 22 विधायकों के इस्तीफा देने से ही भाजपा को सरकार बनाने का अवसर मिला। पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक इन पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों को नई सरकार में तरजीह मिलना तय है। भाजपा की इनसे प्रतिबद्धता भी है। हालांकि, चयन प्रक्रिया में ज्योतिरादित्य की अहम भूमिका होगी। सिंधिया पिछली सरकार में तुलसी सिलावट को उप-मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, लेकिन अब नई परिस्थितियों में सबके साथ संतुलन बनाने की चुनौती होगी। अभी पहले ही चरण के विस्तार में इनका समायोजन होना है। ऐसे में तुलसी सिलावट के अलावा पिछली सरकार में मंत्री रहे गोविंद सिंह राजपूत, प्रद्युम्न सिंह तोमर, महेंद्र सिंह सिसौदिया, प्रभुराम चौधरी और इमरती देवी को मौका मिल सकता है। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि विद्रोह को हवा देने वाले हरदीप सिंह डंग और बिसाहूलाल सिंह, एदलसिंह कंषाना जैसे पूर्व विधायकों को भी मौका देने के लिए नामों में हेरफेर हो सकता है।

हमारे नेताओं ने भाजपा के संग मिलकर खेल खेला, पर हम फिर लौटेंगे

राज्य ब्यूरो, भोपाल : मध्य प्रदेश में पंद्रह महीने की कांग्रेस सरकार के मुखिया रहे कमल नाथ ने सोमवार को दिल्ली में पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उन्हें बताया कि हमारे नेताओं ने भाजपा के साथ मिलकर खेल खेला। भाजपा की साजिश और विधायकों को दिए गए प्रलोभनों से सरकार गिर गई। उन्होंने सोनिया गांधी को भरोसा दिलाया कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस फिर सत्ता में लौटेगी और पूरी ताकत के साथ।

मप्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री कमल नाथ ने सोमवार दोपहर सोनिया गांधी से भेंट की। वे बुधवार को भोपाल लौटने वाले थे, लेकिन सोमवार की रात को राज्य के नए मुख्यमंत्री के शपथ समारोह की वजह से वे सोमवार को ही भोपाल लौट आए। इसके पहले सोनिया गांधी से मिलकर उन्होंने प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों के बारे में बताया। भाजपा की साजिश से सरकार कैसे गिरी तथा उसमें अपने लोगों ने किस तरह भाजपा का साथ दिया, पूरे घटनाक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कमल नाथ ने सोनिया गांधी को भाजपा द्वारा विधायकों बेंगलुरु में कांग्रेस विधायकों को किस तरह बंधक बनाकर रखा गया, यह भी बताया। उन्होंने कहा कि विधायकों को हमारे नेताओं से तो दूर उनके स्वजनों से तक नहीं मिलने दिया गया। कमल नाथ ने मुलाकात के दौरान अपनी 15 महीने की सरकार के कामों की जानकारी भी दी।

मैनपुरी में छठी सदी की भगवान विष्णु मूर्ति मिली

दिलीप शर्मा, मैनपुरी

- च्यवन ऋषि आश्रम के अजोम कुंड में मिले पुरावशेष

उप्र के मैनपुरी स्थित औंछा क्षेत्र के अजोम कुंड से भगवान विष्णु की मूर्ति के अवशेष मिले हैं, जो छठी सदी के हो सकते हैं। इसके साथ ही मिले मंदिर के चार अन्य अवशेष 11-12वीं सदी के बताए जा रहे हैं। ये अवशेष इस क्षेत्र में 11-12वीं सदी के विशाल मंदिर के सुबूत माने जा रहे हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह इलाका किसी समय धर्म का बड़ा केंद्र रहा होगा।

औंछा कस्बे में च्यवन ऋषि का प्राचीन मंदिर है। मान्यता है कि ऋषि ने यहीं रहकर तपस्या की थी। इसी परिसर में एक कुंड बना है। इसे अजोम कुंड कहा जाता है। काफी समय से सूखे पड़े इस कुंड के जीर्णोद्धार को पिछले दिनों डीएम मैनपुरी महेंद्र बहादुर सिंह ने पहल की। कुंड की सीढ़ियों से थोड़ा आगे करीब साढ़े चार फुट गहराई तक खोदाई का सिलसिला पहुंचा तो 20 मार्च को वहां से पांच पुरावशेष निकले। इनमें एक भगवान विष्णु की प्रतिमा का आधा हिस्सा है। इसके अलावा गंधर्व युगल, नंदी की प्रतिमा, चक्र व पत्थर का एक अन्य टुकड़ा प्राप्त हुआ है। दैनिक जागरण ने इन पुरावशेषों के फोटोग्राफ भारतीय पुरातत्व विभाग को भेजे। फोटोग्राफ का अध्ययन करने के बाद एएसआइ आगरा सर्किल के पुरातत्वविद डॉ. महेंद्र पाल ने बताया कि चार पुरावशेष 11वीं-12वीं सदी के हैं। विष्णु की मूर्ति छठी सदी की हो सकती है। माना जा सकता है कि मंदिर भी इसी सदी में रहा होगा। मंदिर क्षतिग्रस्त होने पर अवशेष जमीन के नीचे दब गए होंगे या फिर हो सकता है इनको किसी ने कुंड में डाल दिया हो।

बलुआ पत्थर से निर्मित हैं सभी अवशेष

पुरातत्वविद के अनुसार कुंड की खोदाई में मिले सभी अवशेष बलुआ पत्थर के बने हैं। इस पत्थर पर नक्काशी बेहतर होती है। मंदिर में इसी पत्थर से मूर्तियों और प्रतिमाओं को बनाया जाता था।

सावधान! कोरोना के दौर में पानी के लिए न पड़ जाए रोना

जेएनएन, नई दिल्ली :

जल संरक्षण

प्रतीकात्मक चित्र।

- कोरोना के कारण बढ़ रही प्रति व्यक्ति पानी की खपत, सर्वे में सामने आया सच
- पहले नगरीय क्षेत्र में जहां एक व्यक्ति 70-75 लीटर पानी व्यय करता था

कोरोना संक्रमण के दौर में एक व्यक्ति दिन में न्यूनतम 5 से 7 बार हाथ धो रहा है। घर को स्वच्छ रखने के लिए पोंछा और धुलाई हो रही है। यह आवश्यक भी है। लेकिन साथ ही एक दूसरी समस्या धीरे-धीरे सिर उठा रही है। पानी की किल्लत आने वाले दिनों में मुसीबत बढ़ा सकती है।

ताजा सर्वे में पता चला है कि इन दिनों प्रति व्यक्ति पानी की खपत बढ़ रही है। जल संरक्षण में जुटी एक संस्था द्वारा किए गए इस सर्वे में सामने आया है कि पहले नगरीय क्षेत्र में एक व्यक्ति जहां 70-75 लीटर पानी व्यय कर पाता था, अब यह व्यय 125 लीटर तक पहुंच गया है। गर्मी का सीजन सामने है, और हालात जल्द ठीक न हुए तो आगे पानी की किल्लत कोरोना से निबटने में आड़े आ सकती है। लिहाजा इसे लेकर भी सजगता आवश्यक है। बुंदेलखंड में सक्रिय जल जन जोड़ो अभियान नामक संस्था द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में डेढ़ गुना से अधिक वृद्धि हुई है। यह अध्ययन जल संस्थान और जल निगम झांसी, कानपुर, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, आगरा, बरेली, लखनऊ जैसे शहरों में 19 से 22 मार्च के कालखंड में किया गया है। हर शहर के औसत 100 घरों को इसमें शामिल किया गया। जल संस्थान एवं जल निगम से उपलब्ध आंकडों के आधार पर आकलन किया गया।

संस्था के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा, हमारे देश का 70 प्रतिशत पानी खेती में प्रयोग किया जाता है, 15 प्रतिशत उद्योगों में जबकि 12-15 प्रतिशत घरेलू उपयोग में आ रहा है। फिलहाल चिंता इस बात की है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव में पानी की कमी आड़े न आने पाए। लेकिन थोड़ी गर्मी बढ़ने पर यह स्थिति चिंताजनक हो सकती है। ऐसे में आज सवाल यह है कि पानी को लेकर हम कितने सजग हैं। राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जिम्मेदारी को समझने और आवश्यक प्रयास करने की आवश्यकता है।

संस्था के मुताबिक, यदि यह कोरोना का संकट और बढ़ा तो आने वाले समय में पानी की खपत और अधिक बढ़ेगी, जिसका प्रभाव आने वाले समय में दिखाई देगा। जरूरी यह है कि लोग विवेकपूर्ण ढंग से पानी का उपयोग करें। कोरोना जैसी महामारी से लड़ना भी सबसे जरूरी है, साथ ही पानी को बचाना भी जरूरी है।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/positive-news

मौसम विशेष

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में मौसम हल्का गर्म रहेगा। बादलों में वृद्धि होगी। गरज और तेज हवाओं के साथ वर्षा होगी। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में गरज और तेज हवाओं के साथ अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी। दिन के तापमान में गिरावट आएगी।

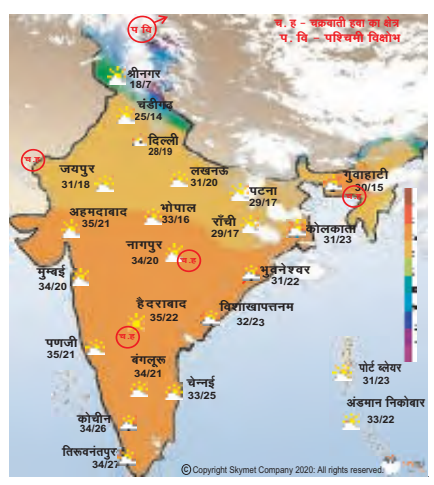

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	35/21/आंबा अहमदाबाद		39/16/व
कोलकाता	33/21/आंबा बड़ोदा		38/16/सा
चेन्नई	34/26/व	नागपुर	35/20/व
हैदराबाद	35/23/आंबा इन्दौर		34/17/व
बंगलूरु	34/22/आंबा पुणे		30/16/व
विवेन्द्रम	34/26/आंबा पटना		32/17/व
गुवाहाटी	34/21/आंबा जमशेदपुर		32/17/व
गंगटोक	15/08/आंबा पुणे		35/18/व

कोरोना से जंग

संकट आया तो सारी कटुता भूलकर एक साथ खड़े हो गए दोनों नेता, एक-दूसरे से फोन पर बातचीत कर तैयार करते रहे रणनीति

शिवराज व कमल नाथ ने गढ़ी रिश्तों की नई परिभाषा

राज्य ब्यूरो, भोपाल

मध्य प्रदेश में सत्ता के उलटफेर में जिम्मेदारियां भले बदल गईं, लेकिन कोरोना के संकट से जूझने में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने जो सामंजस्य दिखाया, उसकी सर्वत्र सराहना होने लगी है। जनता कर्फ्यू की सफलता के लिए कमल नाथ और शिवराज ने साझा अभियान चलाकर रिश्तों की नई परिभाषा गढ़ दी। कमल नाथ यह जानते थे कि अब सत्ता शिवराज के हाथों में जाने वाली है, इसलिए वह लगातार उनसे फोन पर बातचीत कर परामर्श लेते रहे और शिवराज यह कहकर कि अभी तो मुख्यमंत्री आप ही हैं, उन्हें भरपूर सम्मान देते रहे। यही वजह रही कि रविवार को पूरा मध्य प्रदेश कोरोना के खिलाफ तनकर खड़ा हो गया था। सोमवार को शिवराज ने सीएम पद की शपथ ली।

शिवराज और कमल नाथ दोनों ही शिष्ट नेता माने जाते हैं। दोनों के बीच शिष्टता और सामंजस्य का ऐसा रिश्ता है, जो बहुतों में नहीं मिलता है। पिछले एक महीने की सियासत पर गौर किया जाए तो शिवराज और कमल नाथ के बीच तलवारें खिंची हुई थीं। दोनों ही एक-दूसरे के खिलाफ कटुता भरे बयान भी दे रहे थे। सियासत के खेल में कमल नाथ की सरकार भी चली गई पर जैसे ही प्रदेश पर कोरोना का संकट आया, शिवराज और कमल नाथ सारी कटुता भूलकर साथ हो गए।

कमल नाथ। फाइल

दोनों के बीच केमिस्ट्री के कई उदाहरण : दोनों नेताओं के बीच की केमिस्ट्री के उदाहरण और भी हैं। कमल नाथ ने तो छिंदवाड़ा में कहा भी था कि जब शिवराज मुख्यमंत्री थे तो मेरे लोकसभा क्षेत्र के किसी भी काम या बड़े प्रोजेक्ट को लागू करने से पहले मुझ से सलाह लिया करते थे। विरोध और विपक्ष के सार्वजनिक जीवन और राजनीति में रहते हुए भी दोनों नेताओं ने समय-समय पर ऐसी नजीर पेश की जो सामाजिक सद्भाव की परंपरा को न सिर्फ मजबूत करती है, बल्कि समाज में मिसाल भी कायम करती है।

कमल नाथ ने भी केंद्र सरकार में भूतल परिवहन मंत्री रहते हुए प्रदेश की सड़कों के लिए खूब बजट दिया। जब वे यहां प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बनकर आए तो तत्कालीन मुख्यमंत्री रहते हुए शिवराज ने उनके आवास को तैयार करने के लिए सात विभागों के प्रमुख सचिव को एक साथ भेजा। उनके इस फैसले की आलोचना भी हुई, लेकिन उन्होंने परवाह नहीं की। जब सत्ता परिवर्तन हुआ तो भी कमल नाथ ने परंपरा निभाई। शिवराज को न सिर्फ पूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाईं, बल्कि नियमों से हटकर उनके स्टाफ में संविदा पर डॉक्टर से लेकर निजी स्टाफ भी पदस्थ किया गया। शिवराज के हर पत्र का जवाब भी कमलनाथ दिया करते थे।

बस्तर की पूर्व जिपं अध्यक्ष पर दर्ज हुआ पॉक्सो का मामला

नईदुनिया, राजनांदगांव : छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के ओएसडी रहे ओपी गुप्ता पर नाबालिग छात्रा के साथ दैहिक शोषण प्रकरण के बाद पीड़िता और उसके परिजनों के अपहरण मामले में बस्तर की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जबीता मंडावी के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। सिटी एसपी एमएस चंद्रा ने बताया कि पुलिस जबिता को गिरफ्तार करने बस्तर गई थी, लेकिन लोकेशन ट्रेस नहीं होने और कोरोना वायरस के कारण पुलिस लौट आई है। जबिता के मोबाइल फोन को भी पुलिस ट्रेस कर रही है, पर वह बंद होने के कारण उनकी लोकेशन नहीं मिल रही है। पुलिस इस मामले में पहले ही चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मामले में गुप्ता के भाई शिवरतन गुप्ता का भी नाम सामने आ चुका है, लेकिन वह भी गिरफ्त से बाहर है।

आधिकारिक तौर पर लोकतांत्रिक देश बना भूटान

आज ही के दिन 2008 में भारत के पड़ोसी देश भूटान में पहली बार आम चुनाव हुए। इसी के साथ हिमालय की गोद में बसे इस देश में वर्षों से चली आ रही राजशाही समाप्त हुई और इसके स्थान पर लोकतंत्र स्थापित हुआ।

सत्ता हस्तांतरण के लिए गठित कैबिनेट मिशन भारत पहुंचा

आज ही के दिन 1946 में कैबिनेट मिशन भारत पहुंचा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एटली ने लॉर्ड पैथिक लारेंस, सर स्टेफर्ड क्रिप्स और एवी अलेक्जेंडर के तीन सदस्यीय दल को भेजा जिसका काम भारत को शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिए संभावनाएं तलाशना था।

संक्रामक बीमारी टीबी की पहचान की गई

आज ही 1882 में जर्मनी के वैज्ञानिक रॉबर्ट कोच ने संक्रामक बीमारी टीबी की पहचान की थी। इसके लिए उन्हें 1905 में नोबेल मिला। हर साल 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है। विश्व टीबी दिवस विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा चिह्नित आठ आधिकारिक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में करीब एक करोड़ लोग टीबी से जूझ रहे हैं। इनमें से करीब 27 फीसद मामले भारत से आते हैं। वहीं दुनिया में 2017 में 16 लाख लोगों की मौत का कारण यह संक्रामक बीमारी रही।

घर से काम : कुर्सी छोड़ें, बैठने की मुद्रा बदलें

न्यूयॉर्क टाइम्स से

- अध्ययन का दावा-उकड़ू बैठने से कसरत होने के साथ-साथ ठीक रहता है स्वास्थ्य
- शोध के निष्कर्ष में बताया गया है कि तंजानिया की हजदा जाति के लोगों की अच्छी सेहत का है यही राज

वाशिंगटन : कोरोना वायरस से संकट के इस दौर में ज्यादा से ज्यादा लोगों को घर में रहकर दफ्तर का काम करना पड़ रहा है। ज्यादातर लोग लैपटॉप पर काम कर रहें तो कई लोगों को फाइलों में माथापच्ची करनी पड़ रही है। दफ्तर में मेज-कुर्सी पर बैठकर एक ही मुद्रा में काम करना पड़ता है, लेकिन घर में काम के दौरान बैठने की मुद्रा में हम बदलाव कर लें तो अपनी सेहत में काफी हद तक सुधार ला सकते हैं।

अफ्रीकी देश तंजानिया की हजदा जाति के लोगों पर हाल ही में की गई रिसर्च के नतीजे भी कुछ इसी बात की तस्दीक कर रहे हैं। निष्कर्ष प्रोसीडिंग्स आफ द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज में प्रकाशित किए गए हैं जो काफी चौंकाने वाले हैं।

प्रतीकात्मक।

इन निष्कर्षों के अनुसार हर दिन मात्र दो-तीन घंटे ही शिकार आदि गतिविधियों में व्यस्त रहने वाली इस जाति के पुरुष और महिलाएं लंबा समय आराम करने या निष्क्रिय रहते हुए बिताते हैं। इसके बावजूद इनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहता है और किसी को गंभीर रोग नहीं होता।

उनकी अच्छी सेहत का रहस्य पता करने के लिए हजदा जाति के 28 लोगों को ट्रैकर पहनाए गए। ट्रैकर से पता चला कि उन्होंने शारीरिक श्रम की अपेक्षा निष्क्रिय रहते हुए ज्यादा समय बिताया। इस पर उनकी दिनचर्या को और परखा गया। रिसर्च में पाया गया कि आराम के दौरान ज्यादातर वे उकड़ूं बैठे रहे। इस विशेष मुद्रा में वे निष्क्रिय तो रहे, लेकिन पैरों और पेट की पेशियों पर दबाव से उनकी कसरत होती रही। बैठने का यह तरीका ही उनकी अच्छी सेहत का राज निकला।

यूनिवर्सिटी आफ सदर्न कैलिफोर्निया के डेविड रैचलेन ने बताया कि इस जाति के लोग विकसित देशों के लोगों के जितना समय ही आराम करने में बिताते हैं। लेकिन वे कुर्सी पर बैठने के बजाय विशेष मुद्रा में बैठते हैं। वहीं हम अपना बहुत सा समय कुर्सी पर बैठे हुए बिताते हैं। इस दौरान हमारे पैर निष्क्रिय रहते हैं। मनुष्य का विकास क्रम इस तरह हुआ है कि हमें अपने शरीर की पेशियों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। इससे शरीर की कसरत होने सेहत दुरुस्त रहती है।

भारतीय योग-आसन भी इसी सिद्धांत पर आधारित हैं। विभिन्न यौगिक मुद्राओं का नियमित अभ्यास अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है। योग-आसन के दौरान जिस तरह हाथ-पैर मोड़ते हैं उसी तरह हम बैठने की कोई मुद्रा अपना सकते हैं। इन मुद्राओं से पेशियों के साथ-साथ आंतरिक अंगों पर दबाव पड़ता है। इस दबाव से इन अंगों की क्रियाशीलता बढ़ती है। कोरोना के कारण जिन लोगों को घर से काम करने का अवसर मिल रहा है उनके लिए बेहतर यही होगा कि वे कुर्सी का मोह त्याग रीढ़ सीधीकर उकड़ूं या किसी अन्य मुद्रा में बैठकर अपना काम करें।

संक्रमण की निशानी हो सकती है सूंघने की क्षमता में गिरावट

लंदन : कोरोना वायरस के संक्रमण की एक नई निशानी का दावा किया जा रहा है। ब्रिटेन के ईएनटी डॉक्टरों ने कुछ रिपोर्ट के हवाले से कहा किया कि सूंघने की क्षमता में गिरावट संक्रमण की निशानी हो सकती है। सूंघने की शक्ति खाने की समस्या को एनोस्मिया कहते हैं।

कान, नाक और गला के चिकित्सकों ने अपने सहयोगियों की रिपोर्ट्स के हवाले से कहा कि सूंघने में असमर्थता के अलावा अगर कोई दूसरा लक्षण दिखाई नहीं देता है तो ऐसे लोगों को खुद को सात दिनों तक अलग रखना चाहिए। ब्रिटिश राइनोलॉजिकल सोसाइटी की अध्यक्ष प्रोफेसर क्लेयर हॉपकिंस ने कहा, 'हम वास्तव में जागरुकता फैलाना चाहते हैं कि यह संक्रमण का संकेत हो सकता है और सूंघने की क्षमता खोने वाले लोगों को खुद को अलग कर लेना चाहिए। इससे संक्रमण को फैलने से रोकने और जिंदगियों को बचाने में मदद मिल सकती है।' क्लेयर और ब्रिटिश ईएनटी ग्रुप के अध्यक्ष निर्मल कुमार ने बयान जारी कर चिकित्सकों से आग्रह किया है कि वे सूंघने की क्षमता खो चुके रोगियों के उपचार के दौरान निजी सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करें। क्योंकि ब्रिटेन में दो ईएनटी विशेषज्ञ कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जा चुके हैं।

वुहान में कई ईएनटी चिकित्सक आए चपेट में : क्लेयर के अनुसार, चीन के वुहान शहर से पूर्व में आई खबरों में आगाह किया गया था कि कान, नाक और गला विशेषज्ञों के साथ ही आंख के कई चिकित्सक भी कोरोना वायरस की चपेट में पाए गए। कई की मौत भी हो गई। वुहान से ही कोरोना वायरस की शुरुआत हुई थी।

ब्रिटिश चिकित्सकों ने दूसरे कुछ देशों से आई खबरों के हवाले से बताया कि कई रोगियों ने एनोस्मिया की शिकायत की। दक्षिण कोरिया में दो हजार पीड़ितों में से करीब 30 फीसद ने सूंघने में असमर्थता की शिकायत की थी।

इधर-उधर की

कुत्ता बता रहा कोरोना से मुकाबले का तरीका

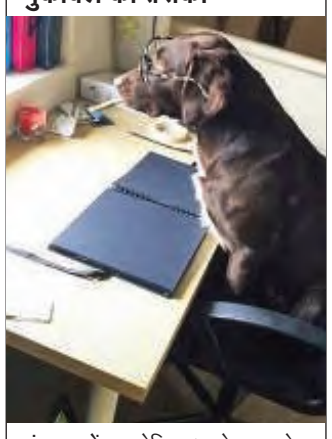

लंदन, एजेंस : कोविड-19 से मुकाबले के लिए दुनिया के बहुत से देशों के करोड़ों लोग घरों में रहकर ही इस महामारी से मुकाबला कर रहे हैं। हालांकि कुछ ऐसे हैं जो इतनी समझाइश के बावजूद भी मानने के लिए तैयार नहीं हैं। वहीं एक कुत्ता ऐसे लोगों को घरों में रहने और संक्रमण से बचाव के लिए उपाय बता रहा है। एबी व्हॉर्टन ने टिकटॉक पर अपने कुत्ते का वीडियो शेयर किया है। जिसके बाद यह वीडियो धूम मचा रहा है। इसमें लेब्राडोर नस्ल का कुत्ता चश्मा लगाकर के पढ़ने की टेबल पर बैठा है और घर से काम करने का संदेश दे रहा है। वहीं मुंह में पासपोर्ट दबाए बाहर न जाने और खाने की मेज पर बैठकर के भीड़भाड़ के इलाकों से दूर रहने का संदेश दे रहा है। व्हॉर्टन ने कहा कि वह गंभीर संदेश को हल्के-फुल्के अंदाज में देना चाहते थे। इसके चलते उन्होंने अपने कुत्ते को इसके लिए चुना।

पानी साफ करने की नई तकनीक विकसित

दावा ▶ इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन फॉर फ्यूचर सोसाइटी के वैज्ञानिकों को मिली सफलता

एसीएस अप्लाइड नैनो मैटेरियल जर्नल में प्रकाशित हुआ है यह अध्ययन

वाशिंगटन, एएनआइ : पानी को स्वच्छ करने के लिए वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक विकसित की है। इसके इस्तेमाल से नैनोकार्बन की क्षमता में बढ़ोतरी होती है जिससे पानी से विषाक्त भारी धातु आयनों को आसानी से हटाया जा सकता है। यह नई तकनीक पूरी दुनिया में साफ पानी पहुंचाने के प्रयास में सरकारों को मदद कर सकती है। यह अध्ययन एसीएस अप्लाइड नैनो मैटेरियल जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

दरअसल, पानी को साफ करने के लिए कई तरह के नैनोकार्बन का इस्तेमाल किया जाता है। इसके जरिए पानी से डाई, गैसों, कार्बनिक यौगिकों और जहरीले धातु आयनों को सोख लिया जाता है। ये नैनोकार्बन आण्विक आकर्षण बलों के माध्यम से अपनी सतहों से सीसा और पारे जैसे भारी धातु आयनों को भी सोख सकते हैं। लेकिन यह आकर्षण बल काफी कम होता है इसलिए ये अपने दम पर ज्यादा कुछ नहीं कर पाते हैं। इसी को देखते हुए सोखने की क्षमता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक नैनोकणों में अणुओं को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं। यह अमीनो समूह की तरह किया जाएगा जो भारी धातुओं के साथ मजबूत रासायनिक बंधन बनाते हैं। वैज्ञानिकों की कोशिश है कि वे धातु आयन सोखने के लिए नैनोकार्बन के सभी सतहों का उपयोग करना चाहते हैं। इनमें

प्रतीकात्मक।

आंतरिक छिद्र भी शामिल हैं। इससे एक समय में अधिक धातु आयनों को सोखने की उनकी क्षमता बढ़ जाएगी।

नागोया विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन फॉर फ्यूचर सोसाइटी के वैज्ञानिक नागाहिरो सेतो और उनके सहयोगियों ने अमीनो-संशोधित नैनोकार्बन को संश्लेषित करने के लिए एक नई विधि विकसित की है जो पारंपरिक तरीकों की तुलना में कई भारी धातु आयनों का अधिक कुशलता से सोखने का काम करता है। इसके लिए उन्होंने फिनोल को कार्बन के एक स्त्रोत के रूप में और अमीनो समूह के रूप में एपीटीईस नामक यौगिक के साथ मिश्रित किया गया। इस मिश्रण को एक ग्लास कक्ष में रखा गया था और हाई वोल्टेज एक्सपोजर के जरिए एक तरल प्लाज्मा तैयार किया गया। जिस विधि का उन्होंने उपयोग किया, उसे सोल्यूशन प्लाज्मा प्रोसेस के नाम से जाना जाता है। इस प्रक्रिया को 20 मिनट तक अपनाया गया और अमीनो-संशोधित कार्बन के बचे हिस्सों को एकत्र कर धोने के बाद सुखाया गया।

विभिन्न प्रकार के परीक्षणों से पता चला कि अमीनो समूहों को समान रूप से नैनोकार्बन सतह पर वितरित किया गया था, जिसमें इसके छोटे-छोटे छिद्र भी शामिल थे। सेतो कहते हैं, 'हमने इस प्रक्रिया के जरिये नैनोकार्बन की बाहरी और आंतरिक दोनों सतहों पर अमीनो समूहों की बांडिंग की सुविधा उपलब्ध कराई। इससे नैनोकार्बन की सोखने की क्षमता पहले से काफी बढ़ गई। उन्होंने दस चरणों में तांबा, जस्ता और कैडमियम धातु के आयनों को सोखने के लिए अमीनो-संशोधित नैनोकार्बन को रखा और इस दौरान प्रत्येक चरण में इसे धोया भी गया। हालांकि हर चरण के बाद धातु आयनों को सोखने की क्षमता कम होती गई लेकिन यह इतनी कम भी नहीं हुई कि प्रभावहीन हो जाए।

अंत में, टीम ने अपने अमीनो-संशोधित नैनोकार्बनों की तुलना पारंपरिक तरीकों से संश्लेषित पांच अन्य तरीकों के साथ की। उनके नैनोकणों में परीक्षण किए गए धातु आयनों के लिए सबसे अधिक सोखने की क्षमता थी। यह दर्शाता है कि अन्य की तुलना में उनके नैनोकार्बन पर अधिक अमीनो समूह हैं। सेतो का कहना है कि उनकी प्रक्रिया सभी के लिए सुरक्षित है। उनका कहना है कि इसमें काफी कम खर्च आता है इसलिए दुनियाभर में सस्ता पानी पहुंचाने की सरकारों की योजना में यह मददगार साबित होगी।

भारत में साफ पानी की स्थिति : 2011 की जनगणना के मुताबिक देश के कुल 24 करोड़ परिवारों में सात करोड़ परिवार ही शोधित जल हासिल कर रहे हैं। ज्यादातर हिस्सों में भूजल प्रदूषण की समस्या देखने को मिल रही है। कई जगह तो पानी में आर्सेनिक और अन्य भारी धातुओं की मात्रा काफी अधिक पाई गई है। यह तस्वीर उत्तर प्रदेश और बिहार के कई इलाकों में है जहां, पानी के हैंडपाइप के इस्तेमाल पर पूरी तरह मनाही भी करनी पड़ी है। इन, सबके बीच 2024 तक केंद्र सरकार ने देश के सभी घरों तक पाइप से साफ पानी पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। लेकिन गिरता भूजल स्तर उसके राह की सबसे बड़ी बाधा है। इसे दूर करने के लिए हमें चलते तालाब, जलाशय और कुओं को जीवित करना होगा और जमीन तक पानी को पहुंचाना होगा। इसमें सभी की जनभागीदारी की जरूरत है।

स्नैक्स पर निर्भरता कम कर सकता है बादाम

शोध अनुसंधान

दिन और रात के भोजन के बीच कई बार भूख लगती है। इसे शांत करने के लिए लोग स्नैक्स का सहारा लेते हैं। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि बादाम का सेवन स्नैक्स पर निर्भरता को कम कर सकता है। न्यूट्रिएंट्स जर्नल में छपे अध्ययन के अनुसार, यह शोध बादाम सेवन का भोजन तृप्ति पर प्रभाव के समर्थन का नया साक्ष्य मुहैया कराता है। इस तरह के खानपान से संतुष्टि बढ़ती है। यह वजन नियंत्रण में भी सहायक होता है। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि नाश्ते में बादाम लेने से उच्च वसायुक्त आहार के सेवन की इच्छा भी रोकी जा सकती है। इससे पूरे दिन के दौरान कैलोरी की मात्रा में कोई अंतर नहीं पाया गया। यह निष्कर्ष 42 महिला प्रतिभागियों पर किए गए एक अध्ययन के आधार पर निकाला गया है। अध्ययन के दौरान 26 से 32 वर्ष की इन महिलाओं को सुबह में तय नाश्ता दिया गया और इसके बाद स्नैक्स दिया गया। अध्ययनकर्ताओं ने भूख लगने की प्रवृत्ति, कैलोरी की क्षमता, खाने की चाहत और पाचन क्षमता का आकलन किया गया और इसी के आधार पर निष्कर्ष निकाला गया। -प्रेट्र

ओरल स्टेरॉयड से बढ़ सकता है हाइपरटेंशन का खतरा

शोधकर्ताओं ने पाया कि ओरल स्टेरॉयड्स की बढ़ती खुराक से हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का ज्यादा खतरा हो सकता है। ओरल स्टेरॉयड्स दवाएं इंफ्लेमेटरी बीमारियों में सूजन को कम करने में इस्तेमाल होती हैं। हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर से दुनियाभर में हर पांचवां वयस्क पीड़ित है। कनाडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, यह निष्कर्ष 71 हजार से ज्यादा रोगियों पर किए गए शोध के आधार पर निकाला गया है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने हाइपरटेंशन के करीब 35 फीसद नए मामले पाए। रोगियों में दवाओं की बढ़ती खुराक के साथ इस बीमारी के खतरे में भी वृद्धि पाई गई। पहले के शोधों में ओरल स्टेरॉयड्स और हाइपरटेंशन में संबंध का पता लगाने की कोशिश की गई थी, लेकिन निष्कर्ष नहीं निकाला जा सका था। इस बार के अध्ययन से डॉक्टरों को मरीजों का इलाज करने में मदद मिलेगी। -एएनआइ

सबसे खड़ी पहाड़ी पर चढ़ा क्यूरोसिटी

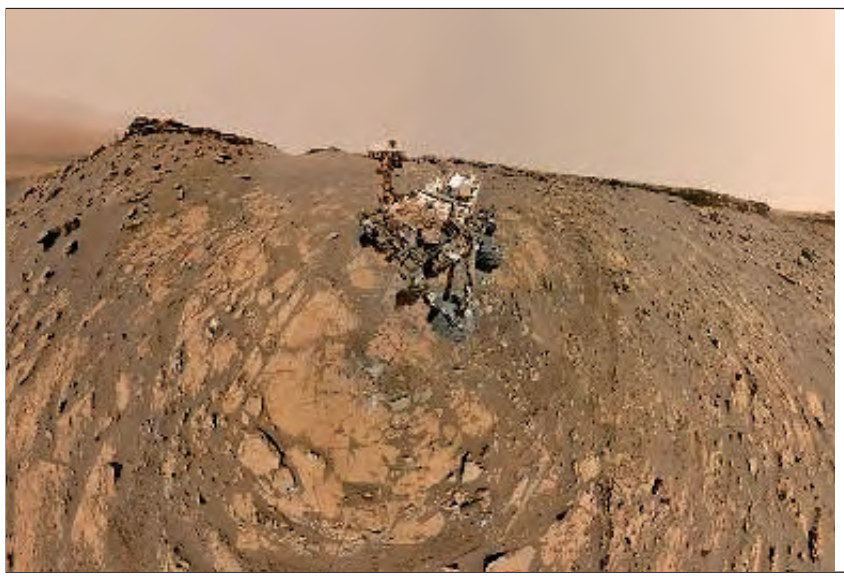

नासा के क्यूरोसिटी रोवर ने मंगल ग्रह की एक सबसे खड़ी पहाड़ी की चोटी पर चढ़ने का रिकॉर्ड बनाया है। ग्रीनहॉग नाम की पहाड़ी की चोटी पर पहुंचने से 11 फीट पहले रोवर ने कई सेल्फी ली। रोवर ने चट्टान का नमूना एकत्रित करने के लिए चोटी पर एक छेद भी किया। यह 360 डिग्री पेनोरमा तस्वीर 86 सेल्फी को जोड़कर बनाई गई है। ट्विटर

अब उम्रदराज लोग भी रह सकेंगे शारीरिक रूप से सक्षम

वाशिंगटन, एएनआइ : भागदौड़ भरी जिंदगी में 50 साल की उम्र के बाद लोग शारीरिक रूप से कमजोर पड़ने लगते हैं। ऐसे में उनका कामकाज तो प्रभावित होता ही है, साथ ही उनमें अवसाद भी पैदा होने लगता है। इसी को ध्यान में रखकर वैज्ञानिकों ने एक शोध कर यह पता किया है कि किस तरह लोगों को ज्यादा समय के लिए शारीरिक रूप से मजबूत रखा जा सकता है।

अपने शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि बढ़ती उम्र के साथ मांसपेशियों में कमजोरी आ जाती है। इसका मुख्य कारण मिटोकांड्रिया है, जो समय के साथ क्षतिग्रस्त हो जाती है। इसे ठीक करने से मांसपेशियों को मजबूत किया जा सकता है। इस शोध के जरिये क्षतिग्रस्त मिटोकांड्रिया को ठीक करने की प्रक्रिया खोजी गई है।

यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ स्पोर्ट, एक्सरसाइज एंड रिहैबिलिटेशन साइंसेज की एक टीम ने बताया कि मिटोकांड्रिया प्रत्येक कोशिका के लिए बिजली संयंत्र के रूप में कार्य करता है और सभी जीवित चीजों के लिए ऊर्जा की आपूर्ति करने में मदद करता है। चूंकि मिटोकांड्रिया ऊर्जा की आपूर्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए वह लगातार संश्लेषण से गुजरता रहता है। इस क्रम में कई बार ऊर्जा मांगों को पूरा करने के क्रम में क्षतिग्रस्त हो जाता है। हालांकि, ज्यादा उम्र के लोगों में, मिटोकांड्रिया स्वाभाविक रूप से क्षतिग्रस्त हो जाता है जिससे यह कोशिकाओं में टूट जाता है। इसके बाद पुराने मिटोकांड्रिया को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जाता है। कई बार इसमें सफलता नहीं भी मिलती है। यह माना जाता कि इन परिवर्तनों से उम्रदराज लोगों की मांसपेशियों के काम करने की क्षमता में गिरावट आती है जिससे उनकी शारीरिक क्षमता कम हो जाती है।

लाइ लैब में पीएचडी कर रहे और शोध के प्रमुख शोधकर्ता एलेक्स सीब्राइट ने बताया कि इस दौरान एक नया उपकरण विकसित किया गया जो मांसपेशियों की कोशिकाओं में मिटोकांड्रिया का अध्ययन करने के लिए फ्लोरोसेंट टैग का उपयोग करता है। स्वस्थ कोशिकाओं में, मिटोकांड्रिया का नेटवर्क सुनहरे रंग में दिखता है, लेकिन टूटने के दौरान यह लाल हो जाता है।

इस प्रायोगिक सेटअप का उपयोग करते हुए उन्होंने पाया कि एएमपी-एक्टिवेटेड प्रोटीन किनेज (एएमपीके) नामक एक मास्टर ऊर्जा सेंसर अणु को सक्रिय करने से मिटोकांड्रियल को टूटने से रोका जा सकता है। शोध में बताया गया है कि व्यायाम करने से एएमपीके सक्रिय हो जाता है। इस तरह मिटोकांड्रिया मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में सक्षम होता है और उम्रदराज लोगों की शारीरिक क्षमताओं को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करता है।

सीब्राइट कहते हैं, 'हम जानते हैं कि व्यायाम और आहार व्यवस्था का उपयोग लोगों को बाद के जीवन में अपनी मांसपेशियों और शारीरिक स्थिति को बनाए रखने में मदद करने के लिए किया जा सकता है। लेकिन, हमारे शोध से यह पता चलता है कि उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों का नुकसान क्यों होता है। उनका कहना है कि लोगों को रोजाना व्यायाम करना चाहिए जिससे मिटोकांड्रिया सुरक्षित रहे और कुद को तरोताजा महसूस कर सकें। इस शोध के जरिये मिटोकांड्रिया को बचाने के लिए दवाओं का विकास मुमकिन हो सकेगा।

बॉलीवुड अपडेट

अमिताभ ने किया डॉक्टर्स को सलाम

सोशल मीडिया पर सितारे अपने-अपने तरीके से लोगों को कोरोना वायरस से बचाव को लेकर सतर्क कर रहे हैं। साथ ही, वह उन सभी लोगों का शुक्रिया भी अदा कर रहे हैं, जो संक्रमण की रोकथाम को लेकर जनहित सेवाओं से जुड़े हैं। अमिताभ बच्चन भी अपने सोशल मीडिया पेज का इस्तेमाल आभार व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने भावुक करने वाली पेंटिंग साझा की है। पेंटिंग में एक महिला डॉक्टर तिरंगे रंग में रंगे भारत के नक्शे को अपनी बांहों में थामे हुए है। अमिताभ ने लिखा, 'सम्मान उनके लिए जो हमें सुरक्षित रखने के लिए काम कर रहे हैं।'

जन्मदिन पर कंगना ने याद किया भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को

कंगना रनोट ने परिवार के साथ सोमवार को अपना 33वां जन्मदिन मनाया। साड़ी में नजर आ रही कंगना ने कन्याओं के साथ मां दुर्गा की पूजा की। कंगना की टीम ने सोशल मीडिया पर कंगना की कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। उसमें कंगना के बचपन की तस्वीर भी है, जिसमें वह अपने भाई-बहनों के साथ पढ़ाई करती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में उनके माता-पिता उन्हें आशीर्वाद देते और उन्हें चूमते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी बहन रंगोली चंदेल ने बचपन की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'जन्मदिन की शुभकामनाएं छोटू।' दरअसल, 23 मार्च को शहीद दिवस भी मनाया जाता है।

कंगना ने इस अवसर पर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भी याद किया। कंगना ने कहा कि आज (23 मार्च) दिन महत्वपूर्ण है और वह उनके लिए कैफी आजमी की लिखी हुई पंक्तियां गाना चाहती हैं। कंगना ने 'हकीकत' फिल्म का गाना कर चले हम फिदा... गाकर सुनाई।

प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में बजाई ताली

कोरोना वायरस से सबसे आगे खड़े होकर लड़ाई लड़ने वाले डॉक्टर, पुलिस जैसे योद्धाओं के प्रति पूरे देश ने रविवार को आभार प्रकट किया। न्यूयॉर्क में प्रियंका चोपड़ा ने इन योद्धाओं के लिए ताली बजाई। प्रियंका ने अपने घर की बॉलकनी में आकर अकेले ताली बजाई और जनता कर्फ्यू को भी सपोर्ट किया। इस वीडियो को साझा करते हुए प्रियंका ने लिखा, डॉक्टर्स, नर्सेस और वह सभी लोग जो कोविड-19 का सामना सबसे आगे आकर कर रहे हैं, उनकी सराहना करने के लिए पूरी दुनिया आगे आकर तालियां बजा रही है। मैं आज (रविवार) को इससे जुड़ने के लिए भारत में नहीं हूं, लेकिन उनके जोश में जरूर शामिल हूं।

परिवार के साथ हैं, तो बोर क्यों होना : शाहिद कपूर

सोशल मीडिया पर सितारे अक्सर अपने फैंस के सवालों के जवाब देते हैं। इस कड़ी में शाहिद कपूर ने अपने प्रशंसकों के सवालों के जवाब दिए। कोरोना वायरस की वजह से लॉकडाउन हुए शहर को लेकर जब उनके विचार पूछे गए तो शाहिद ने जवाब दिया कि यह सबसे जरूरी है और आप अपने घर पर परिवार के साथ वक्त बिताएं। उन्होंने कहा कि वह अपने घर पर बिल्कुल भी बोर नहीं हो रहे हैं, क्योंकि यह फैमिली टाइम है। हम सब लोग घर पर हैं। इसी बहाने बाहर का प्रदूषण भी कम हो रहा है। शाहिद कहते हैं कि घर पर बोर होने की बजाय अपने वक्त को बांट लें। कुछ प्रोडक्टिव करें, नया सीखें। उस काम की तैयारी करें, जो क्वारंटाइन खत्म होने के बाद करना है। जीवन के संघर्ष के बारे में बात करते हुए शाहिद ने कहा कि हर किसी के जीवन में संघर्ष है। कई बार आप गिरते हैं, लेकिन फिर मजबूती से खड़े हो जाइए। सफलता से ज्यादा असफलता सिखाती है। यह आपकी सबसे अच्छी टीचर है। प्रशंसकों ने शाहिद की आगामी फिल्म 'जर्सी' को लेकर भी सवाल किए। शाहिद ने बताया कि उन्होंने तेलुगु फिल्म 'जर्सी' की हिंदी रीमेक इसलिए की है, क्योंकि वह बचपन से क्रिकेट के बड़े फैन रहे हैं।

रणवीर और दीपिका का क्वारंटाइन कुछ ऐसा है...

कोरोना वायरस की वजह से सभी सितारे अपने घर में हैं। घर पर रहकर वह लगातार अपने दिनचर्या के बारे में लोगों को सोशल मीडिया के जरिए बता रहे हैं। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण भी घर पर एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। रणवीर ने दीपिका के साथ एक तस्वीर साझा की है, जिसमें दोनों मुस्कुरा रहे हैं। रणवीर ने इस तस्वीर के साथ एक बेहद ही रोमांटिक लाइन लिखी है कि जब भी दीपिका उनके आसपास होती हैं, तो एंडोरफिन (शरीर में सकारात्मक और खुशी का एहसास कराने वाला हार्मोन) दोगुना हो जाता है। इसके साथ ही रणवीर ने होम जिम बडी और माय मंडे मोटिवेशन जैसे हैशटैग भी किए हैं। रणवीर ने भी सोशल मीडिया पर सवाल-जवाब का खेल फैंस के साथ खेला। लोगों ने दोनों से पूछा कि वह क्वारंटाइन का वक्त कैसे बिता रहे हैं, इस पर रणवीर ने कहा कि दोनों खा रहे हैं, सो रहे हैं, व्यायाम कर रहे हैं और फिल्में देख रहे हैं। साथ ही, दीपिका खुद को पियानो भी सिखा रही हैं। इस वक्त वह घर पर कौन-सी फिल्में या सीरीज देख रहे हैं, इस पर रणवीर ने लिखा वह फिलहाल अमेरिकन सीरीज 'सक्सेशन' देख रहे हैं। फैंस से दीपिका की फिल्मों के पसंदीदा किरदार के बारे में भी सवाल किए। रणवीर ने दीपिका की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस की तस्वीर साझा करते हुए इसका जवाब दिया।